



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-23122023-250844
CG-DL-W-23122023-250844

साप्ताहिक/WEEKLY
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 23—दिसम्बर 29, 2023 (पौष 2, 1945)
No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 23—DECEMBER 29, 2023 (PAUSA 2, 1945)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.		पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	681	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.....	*
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1151	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).....	*
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	11	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.....	*
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	2291	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	2645
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस.....	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.....	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.....	183
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.....	4595
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक		भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्क.....	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	681	(other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1151	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	11	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	2291	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	2645
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations.....	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	183
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	4595
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 2023

सं. 92-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (पीपीएमजी) का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

20 जून, 2020 को लगभग 2300 बजे, एसओजी श्रीनगर से जुनिमार, पुलिस स्टेशन जैदीबल, जिला श्रीनगर के मोहल्ला गिल्लीकादल में 03 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, वैली क्यूएटी की 04 एचआईटी लक्षित क्षेत्र में पहुंची और एक संयुक्त घेराबंदी एवं सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया।

बनाई गई योजना के अनुसार, 21 जून, 2020 को लगभग 0200 बजे, श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट ने अपनी टीम के साथ लक्षित घर (तीन मंजिल + परछत्ती) को घेर लिया और उन्होंने लगभग 0230 बजे तलाशी शुरू कर दी। तलाशी के दौरान एक संदिग्ध ने अंधेरे का फायदा उठाकर घर के पीछे की तरफ से घेराबंदी से बाहर निकलने की कोशिश की। जब घेराबंदी के लिए तैनात टीम ने उसे ललकारा, तो वह वापस घर में लौट गया। घर के मालिक से मौके पर पूछताछ की गई और उसने घर के अंदर 03 हथियारबंद आतंकवादियों की मौजूदगी की बात स्वीकार की।

पुष्टि होने पर, घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया। तब तक, आतंकवादियों में से एक की पहचान कमरवारी, श्रीनगर के निवासी शकूर फारूक लंगू के रूप में हो गई थी।

तदनुसार, उसके माता-पिता को बुलाया गया, जिन्होंने अपने बेटे को आत्मसमर्पण करने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन यह प्रयास व्यर्थ रहा।

लगभग 0930 बजे, छिपे हुए आतंकवादियों ने सैनिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। ऑपरेशन को लंबा खिंचता देखकर, एमजीएल का इस्तेमाल करने का निर्णय लिया गया। श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट और उनका साथी अपनी जान जोखिम में डालकर घर के पास पहुंचे और उन्होंने एमजीएल दाग दिया। इसके परिणामस्वरूप, लक्षित घर के भूतल पर अंदर जाने का रास्ता बन गया और उसके बाद, भवन में घुसने का निर्णय लिया गया।

आतंकवादियों को बाहर निकालने के लिए वैली क्यूएटी की दो छोटी टीमों बनाई गईं: श्री नरेंद्र यादव, सेकंड इन कमांड के नेतृत्व में पहली टीम ने भूतल पर अंदर जाने के रास्ते से घर में घुसने का कार्य कर लिया और श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में दूसरी टीम को बगल के घर से सीढ़ी लगाकर दूसरी मंजिल से घर में प्रवेश करने का कार्य सौंपा गया था। दोनों टीमों लगभग एक साथ ही घर में दाखिल हुईं। जैसे ही पहली टीम भूतल से घर में प्रवेश करने के बाद पहले कमरे की तलाशी कर दूसरे कमरे में प्रवेश करने ही वाली थी, कमरे के अंदर छिपे हुए आतंकवादियों ने टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। बंदूक की भीषण लड़ाई के दौरान एक आतंकवादी को मार गिराया गया।

इसी बीच, श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व वाली दूसरी टीम और श्री अमित कुमार, सहायक कमांडेंट, दूसरी मंजिल तक पहुंचने में कामयाब हो गए। जैसे ही टीम एक कमरे की तलाशी लेने वाली थी, भीतर छिपे दो आतंकवादियों ने उन पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी और एक आतंकवादी नीचे पहली मंजिल पर भाग गया। श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट ने अपने साथी के साथ

अपनी जान की परवाह किए बिना नीचे सीढ़ियों पर उसका पीछा किया। दूसरा आतंकवादी टीम के अन्य सदस्यों के साथ गोलीबारी के दौरान दूसरी मंजिल पर छिप गया, लेकिन टीम उसे गोलीबारी में उलझाने और मार गिराने में सफल रही।

जब श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट अपने साथी के साथ पहली मंजिल पर पहुंचने ही वाले थे, तभी आतंकवादी ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उनकी तरफ ग्रेनेड फेंके। अत्यंत सजगता का परिचय देते हुए वे हमले से बचने में सफल रहे और उन्होंने आतंकवादी को एक कमरे में घेर लिया। श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट, अद्वितीय सच्ची वीरता का परिचय देते हुए, किसी आड़ अथवा बचाव के बिना, चलती हुई गोलियों के बीच, दरवाजे से अंदर घुस गए और उन्होंने आतंकवादी पर एक आत्मघाती कार्रवाई करते हुए उसे ढेर कर दिया।

इस ऑपरेशन में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21/06/2020 से दिया जाएगा।

फा. सं. 202/04/110203(पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 93-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, आंध्र प्रदेश के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	कनापकला हेमा सुंदर राव	सहायक असॉल्ट कमांडर	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	मारपू सुदर्शन राव	सीनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	जक्कू डेमुडु	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

सीपीआई माओवादियों ने शीर्ष कैडर के साथ बड़े पैमाने पर लोक संपर्क (आउटरीच) कार्यक्रमों के साथ 28 जुलाई, 2020 से 03 अगस्त, 2020 तक शहीद स्मृति सप्ताह की घोषणा की।

इस चुनौती से निपटने के लिए, दिनांक 22 जुलाई, 2020 को कई ग्रेहाउंड असॉल्ट यूनिटें लांच की गईं तथा एसआईबी इनपुट, ऑपरेशन मूल्यांकन और विश्लेषण के आधार पर आंध्र-ओडिशा सीमा के जोखिम भरे इलाके में संदिग्ध जगहों पर तैनात की गईं। 5वीं, 8सी और किलर यूनिटों ने दो दिनों तक अंधेरी रात और खराब मौसम में पहाड़ी इलाकों की तलाशी ली।

25 जुलाई, 2020 को 5वीं, 8सी और किलर असॉल्ट यूनिटों को दुश्मन की मौजूदगी के बारे में नई जानकारी प्राप्त हुई। सभी यूनिटों ने संपर्क किया गया, लेकिन 5वीं सभी से आगे थी और उसने मुख्य दल के रूप में कार्रवाई की, जबकि 8सी और किलर दलों ने कटऑफ दलों के रूप में कार्रवाई की। दुश्मन के स्थान के करीब आने पर, 5वीं यूनिट को आगे तीन टीमों में बांटा गया। 5वीं डीएसी उप यूनिट दुश्मन की स्थिति वाली जगह पर गई, लेकिन डीएसी दल के पहुंचने तक दुश्मन ने अपना स्थान बदल लिया था। फिर डीएसी ने बाकी दो उप दलों को नाले की जांच करते हुए आने का निर्देश दिया। दिगुजनाभा गांव से 1 किमी. उत्तर पूर्व में चेकिंग के दौरान, दोनों कट-ऑफ यूनिटों पर अचानक से माओवादियों की गोलियों की बौछार हो गई। खुद को दुश्मन से बचाने के लिए, सहायक असॉल्ट कमांडर कनापकला हेमा सुंदर राव और सीनियर कमांडो मारपू सुदर्शन राव ने तुरंत ही दुश्मन की ओर जवाबी गोलीबारी की। इसके बाद, जूनियर कमांडो जक्कू डेमुडु ने भी दुश्मन की ओर गोलीबारी की, सीनियर कमांडो मारपू सुदर्शन राव ने दुश्मन के बीच एक व्यक्ति को नीचे गिरते हुए देखा। इसके बाद, शेष 05 कमांडो ने दुश्मन की दिशा में गोलीबारी शुरू कर दी और सीनियर कमांडो मारपू सुदर्शन राव ने दुश्मन के भागने वाले रास्ते की तरफ यूबीजीएल दाग दिया। जंगल और अंधेरे की आड़ लेकर दुश्मन भाग निकले। सभी तीनों यूनिटों ने रात के समय दुश्मन के भागने के रास्तों पर घात लगा ली।

एक दिन बाद, 26 जुलाई, 2020 को सुबह-सुबह, एसबी यूनिट ईओबी स्थान पर पहुंच गई। तलाशी के दौरान, उन्होंने एक पुरुष माओवादी का शव बरामद किया और बाद में उसकी पहचान पेडाबयालु क्षेत्र समिति के दलम सदस्य पांगी दया के रूप में की गई और इसके अलावा निम्नलिखित सामान भी बरामद किया गया:

(1) मैगजीन के साथ .303 राइफल- 1, (2) मैगजीन के साथ 9 मिमी पिस्तौल- 01, (3) 9 मिमी पिस्तौल की मैगजीन- 01, (4) .303 राउंड -44, (5) 7.62 मिमी राउंड- 33, (6) 9 मिमी पिस्तौल राउंड- 03, (7) तार के बंडलों सहित विस्फोटक सामान- 02, (8) एके के दागे गए

खोखे- 05, (9) एसएलआर के दागे गए खोखे - 01, (10) .303 के दागे गए खोखे- 01, (11) .303 के मिस फायर हुए खोखे- 2, (12) मेडिकल किट बॉक्स- 02, (13) एसएलआर मैगजीन (खाली)- 02, (14) किट बैग- 02, (15) जंगल कैप- 02, (16) राशि- 30/- रुपये और (17) ऑलिव ग्रीन ड्रेस - 01 यह उल्लेख करना आवश्यक है कि जिस क्षेत्र में यह मुठभेड़ हुई वह अपनी खड़ी संरचना/दुर्गम इलाके, ऊंची पहाड़ियों और घनी वनस्पतियों के चलते संपूर्ण वामपंथी उग्रवाद प्रभाव वाले क्षेत्रों में सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण है, तथा अंधेरी रात होने के कारण यह क्षेत्र और भी चुनौतीपूर्ण हो गया था। इसके अलावा यूनितें सूचना के आधार पर दुश्मन का पीछा करते हुए बिना थके लगातार 02 दिन और 1 रात तक चलती रहीं।

सहायक असॉल्ट कमांडर कनापकला हेमा सुंदर राव, सीनियर कमांडो मारपू सुदर्शन राव और जूनियर कमांडो जक्कू डेमुडु ने न केवल उत्कृष्ट सूझबूझ और पहल का परिचय दिया, बल्कि उन्होंने बिना किसी कवर के और अपनी सुरक्षा एवं जान की परवाह किए बिना, ढलान पर ऊपर की ओर दुश्मन की तरफ हमला करके अति विशिष्ट साहस का परिचय दिया और दुश्मन को मार गिराया।

इस ऑपरेशन में, आंध्र प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री कनापकला हेमा सुंदर राव, सहायक असॉल्ट कमांडर, मारपू सुदर्शन राव, सीनियर कमांडो और जक्कू डेमुडु, जूनियर कमांडो ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/07/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/47/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 94-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, आंध्र प्रदेश के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	पोन्नादा लावा कुमार	सहायक असॉल्ट कमांडर	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	चिक्काम गौरी वेंकटा रामचंद्रा राव	सीनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	मुरा सत्यनारायणा	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	मात्तापर्थी सुब्रमन्यम	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	शंकाबथुला वीरा वेंकटा सत्यनारायणा	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	प्रगाडा पोसिय्या	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	एडिगा गैडलुरु अशोक कुमार	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
8	पैला परवातीसम	सीनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
9	गोरली रमाना बाबू	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
10	शेख सरदार गनी	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
11	गुलिपाली नागेंडार	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
12	कोमाटला रामा चंद्र रेड्डी	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
13	दासारि सुरैश बाबु	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
14	एपुरी मधुसूदना राव	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
15	पाल्यम महेस्वरा रेड्डी	सहायक असॉल्ट कमांडर	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

विश्वसनीय सूचना मिली कि, राज्य के विरुद्ध हिंसक कार्रवाई करने के इरादे से आंध्र-ओडिशा सीमा से, विशेष रूप से जोनल कमेटी (एओबीएसजेडसी) के शीर्ष नेताओं सहित बड़ी संख्या में माओवादी, विशाखापत्तनम ग्रामीण जिले के कोयुरु मंडई के वन क्षेत्र में एकत्र हो रहे हैं। सूचना प्राप्त होने के बाद, अपर पुलिस महानिदेशक, ग्रेहाउंड्स और ग्रेहाउंड्स के ग्रुप कमांडर द्वारा ग्रेहाउंड्स की तीन असॉल्ट यूनिटों, एसआईबी कार्मिकों और स्थानीय पुलिस को ब्रीफ किया गया और 15 जून, 2021 की शाम को उन्हें ऑपरेशन के लिए तैनात किया गया।

ऑपरेशन की योजना बनाने के सत्र में, दिनांक 15 जून, 2021 को एडीजी ऑपरेशन ने रक्षोपाय के रूप में सभी तैनात यूनिटों को अलग-अलग श्रेणियों में बांटा, जैसे कि हंटर टीम को असॉल्ट यूनिट के रूप में और बाकी यूनिटों को कट ऑफ यूनिट के रूप में बांटा तथा दुश्मन तक पहुंचने के लिए उन्हें मार्ग की जानकारी दी गई। बारूदी सुरंगों और माओवादियों की गश्ती टीमों और सशस्त्र मिलिशिया द्वारा लगाई गई संभावित घातों का जोखिम उठाते हुए, टीमों ने अत्यधिक कठिन और दुर्गम इलाकों से होकर अत्यधिक माओवादी प्रभावित गांवों को पार करते हुए पूरी रात 20 किमी. से अधिक इलाके में चढ़ाई की और वे 16 जून, 2021 को सुबह लगभग 04:45 बजे एडथुलाकोंडा पहाड़ियों की तलहटी में पहुंच गईं। इसके बाद, वे छोटी-छोटी उप-यूनिटों में विभाजित हो गए, आगे बढ़े और पहाड़ियों पर लगभग 800 मीटर चढ़ गए।

एडीजी, ऑपरेशन ने समय-समय पर यूनिट की गतिविधियों पर नजर रखी और दुश्मन की गतिविधियों के अनुसार निर्देश दिए। श्री पी लावा कुमार, सीनियर कमांडो, सीएच जी वी आर सी राव, जूनियर कमांडो, एस वी वी एस नारायणा, एम सत्यनारायणा, एम सुब्रमन्यम और अन्य कमांडो की टीम, उन्हें दी गई योजना के अनुसार, एडथुलाकोंडा पहाड़ियों के उत्तरी तरफ पहाड़ी भू-भाग में तलाशी ले रहे थी। लगभग 09:30 बजे, उन्हें वन क्षेत्र में कुछ धुआं और व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधियां दिखीं तथा वे रणनीतिक तरीके से उस स्थान की ओर आगे बढ़े। तथापि, माओवादी संतरियों ने उन्हें देख लिया और उसने स्वचालित एवं अर्ध-स्वचालित हथियारों से उन पर गोलीबारी की। यद्यपि, उन पर भारी और भीषण गोलीबारी हुई, फिर भी ग्रेहाउंड्स टीम अपनी जान की परवाह किए बिना आगे बढ़ी और दुश्मन के ठिकाने की ओर चलती रही।

खुद को बचाने के लिए, पी लावा कुमार, सहायक असॉल्ट कमांडर और सीएच जी वी आर सी राव, सीनियर कमांडो ने महिला संतरी पर जवाबी गोलीबारी की। इसके परिणामस्वरूप, एक महिला माओवादी नामतः मदकम छैले उर्फ अंजू, पीएम को मार गिराया। घटना के बाद करीब 10 माओवादियों के एक समूह ने वहां से भागने की कोशिश की। तब तक टीम तीन उप समूहों में बंटकर दुश्मन के पास पहुंची गई थी। ई.जी. अशोक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, एसआईबी, एस वी वी एस नारायणा, जूनियर कमांडो और पी पोसिय्या, जूनियर कमांडो ने दूसरी महिला संतरी पर गोली चला दी, जिसके परिणामस्वरूप, एक महिला माओवादी नामतः ललिता, पीएम को मार गिराया गया। इसके बाद, उप-दल-2 के प्रभारी पी लावा कुमार ने नियंत्रण कक्ष और अन्य यूनिटों को एलओएफ के बारे में जानकारी प्रसारित की। माओवादियों ने यूनिट पर गोलियों की बौछार कर दी। चुनौती से निपटने के लिए, एम सत्यनारायणा, जूनियर कमांडो, और एम सुब्रमन्यम, जूनियर कमांडो ने लगभग 200-250 मीटर तक माओवादियों का पीछा करके जवाबी गोलीबारी की। इसके परिणामस्वरूप, एक पुरुष माओवादी नामतः राणादेव उर्फ अर्जुन, आईकेआई को मार गिराया गया। दुश्मन की ओर से भारी गोलीबारी के बीच, शेष दल जिसमें पी परवातीसम, सीनियर कमांडो और जी रमाना बाबू, जूनियर कमांडो शामिल थे, ने दुश्मन पर जवाबी गोलीबारी की। इसके परिणामस्वरूप, संडे गंगैया उर्फ डॉ. अशोक, डीसीएम को मार गिराया गया। टीम के सदस्यों ने भाग रहे माओवादियों का 350-400 मीटर तक पीछा किया और शेख सरदार गनी, निरीक्षक, एसआईबी, एम सत्यनारायणा, जूनियर कमांडो और जी नागेंडार, जूनियर कमांडो एक महिला माओवादी नामतः पैके, पीएम को मार गिराने में सफल रहे।

एडीजी ऑपरेशन द्वारा मिनट-दर-मिनट निगरानी करने और उनके मार्गदर्शन के कारण, असॉल्ट यूनिट कमांडो ने दुश्मन के स्थान का सफलतापूर्वक अनुमान लगाया और हमारी ओर से किसी के हताहत हुए बिना 05 माओवादियों को मार गिराया। यह बेहद सफल ऑपरेशन था, क्योंकि इससे माओवादियों को गंभीर झटका लगा था। इस ऑपरेशन में शीर्ष नेतृत्व को मार गिराया गया जिसमें 2 डीसीएम नामतः (i) राणादेव अर्जुन, (ii) संडे गंगैया उर्फ डॉ. अशोक और 3 पीएम नामतः (i) मदकम छैले अंजू, (ii) ललिता, (iii) पैके शामिल हैं और की गई बरामदगी में एके47-01, कार्बाइन-01, एसएलआर-01, .303 हथियार-03, तपंचा-01, एके मैगजीन-02, एसएलआर मैगजीन-01, .303 के जिंदा कारतूस-13, ग्रेनेड (देसी निर्मित)-01, मैगपैक्स-03, पेन ड्राइव-09, मेमोरी कार्ड-03, किट बैग-15 और साहित्य शामिल है।

हंटर टीम से ईओएफ के बारे में जानकारी प्राप्त करने के बाद, पी. महेस्वरा रेड्डी, सहायक असाल्ट कमांडर के नेतृत्व वाली 1ए यूनिट, जिसमें जूनियर कमांडो, के. रामा चंद्र रेड्डी, डी सुरेश बाबू, सीनियर कमांडो, वाई मधुसूदना राव शामिल थे, ने दुश्मन के भागने के रास्तों को बंद कर दिया। उसी दिन, लगभग 09:45 बजे, उन्हें वन क्षेत्र में व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधियां दिखीं और वे रणनीतिक तरीके से उस स्थान की ओर आगे बढ़े। लेकिन, माओवादियों ने भी पुलिस दल की गतिविधि को देख लिया और उन्होंने तुरंत स्वचालित और अर्ध-स्वचालित हथियारों से उन पर गोलीबारी की। यद्यपि, उन पर भारी और भीषण गोलीबारी हुई, लेकिन ग्रे हाउंड्स टीम अपनी जान की परवाह किए बिना आगे बढ़ी और दुश्मन के ठिकाने की ओर चलती रही। जब दुश्मन बिलकुल सामने आ गया, तो आत्मरक्षा में के. रामा चंद्र रेड्डी, जूनियर कमांडो ने दुश्मन पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसी समय, डी सुरेश बाबू, जूनियर कमांडो, वाई मधुसूदना राव, सीनियर कमांडो ने भी दुश्मन पर गोलीबारी शुरू कर दी और साथ ही सीनियर कमांडो ने यूबीजीएल दाग दिया, जिसमें एक पुरुष माओवादी नामतः किशोर, एसीएम (गजरला रवि उर्फ उदय, सीसीएम का गार्ड) को मार गिराया गया।

मिनट-दर-मिनट निगरानी और मार्गदर्शन के चलते, असॉल्ट यूनिट कमांडो ने दुश्मन की स्थिति का सफलतापूर्वक अनुमान लगा लिया और हमारी ओर किसी के भी हताहत हुए बिना 01 माओवादी को मार गिराया। यह एक बेहद सफल ऑपरेशन था, क्योंकि इससे माओवादियों को गहरा झटका लगा था। इस ऑपरेशन में शीर्ष नेतृत्व के संथू नाचिका किशोर, एसीएम और गजरला रवि उर्फ उदय के बाँडीगार्ड, सीपीआई माओवादी की केंद्रीय समिति सदस्य को मार गिराया गया और 9 मिमी. कार्बाइन हथियार-01, किट बैग-01, .303 के जिंदा कारतूस-15, 9 मिमी कार्बाइन के कारतूस-09, मैगजीन पाउच-01, प्लास्टिक शीट-01, चाकू-01, फ्लैश लाइट-01, साहित्य और मेमोरी कार्ड-02 बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन की सफलता पूर्णतः ग्रेहाउंड्स कमांडो और अन्य प्रतिभागी अधिकारियों की अदम्य भावना और साहस के कारण हासिल हुई, जिन्होंने अवर्णनीय साहस और वीरता का परिचय दिया। उन्होंने काफी देर तक दुर्गम इलाके में ट्रैकिंग की और उसके बाद भी माओवादी हमले का सामना करने और दुश्मन पक्ष को हताहत करने के लिए अपनी ऊर्जा बचाए रखी।

इस ऑपरेशन में, आंध्र प्रदेश पुलिस के सर्व/श्री पोन्नादा लावा कुमार, सहायक असॉल्ट कमांडर, चिक्काम गौरी वेंकटा रामचंद्रा राव, सीनियर कमांडो, मुरा सत्यनारायणा, जूनियर कमांडो, मात्तापर्थी सुब्रमन्यम, जूनियर कमांडो, शंकावथुला वीरा वेंकटा सत्यनारायणा, जूनियर कमांडो, प्रगाड़ा पोसिय्या, जूनियर कमांडो, एडिगा गैडलुरु अशोक कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक, पैला परवातीसम, सीनियर कमांडो, गोरली रमाना बाबू, जूनियर कमांडो, शेख सरदार गनी, निरीक्षक, गुलिपाली नागेंडार, जूनियर कमांडो, कोमाटला रामा चंद्र रेड्डी, जूनियर कमांडो, दासारि सुरेश बाबु, जूनियर कमांडो, एपुरी मधुसूदना राव, जूनियर कमांडो और पाल्यम महेस्वरा रेड्डी, सहायक असॉल्ट कमांडर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16/06/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/48/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 95-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, असम के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्यवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	प्रकाश मेधी	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	लाटुक दास	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	रितुज्योति नाथ	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

सेरफांगुरी पुलिस स्टेशन के तहत रिपु आरक्षित वन के राइड संख्या 7 से 13 में एनडीएफबी (एस) के कैडरों की आवाजाही के बारे में विशिष्ट सूचना के आधार पर, श्री प्रकाश मेधी, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), कोकराझार के नेतृत्व में कोकराझार पुलिस स्टेशन के टीएसआई, उप निरीक्षक लाटुक दास, उप निरीक्षक रितुज्योति नाथ को शामिल करके और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रमोद यादव के नेतृत्व में 3 राजपूत सेना को शामिल करके एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई। योजना के अनुसार दिनांक 04.03.2018 की रात को प्रातः 12:45 बजे संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। संयुक्त ऑपरेशन के दौरान, राइड संख्या 7 और राइड संख्या 8 के बीच कई घात लगाई गई।

सुबह लगभग 03:20 बजे, राइड संख्या 7 और 8 के बीच पूर्व दिशा की सड़क से कुछ शरारती तत्वों को आते देखा गया, जिनके एनडीएफबी (एस) कैडर होने का संदेह था। उन्हें रुकने और अपनी पहचान बताने के लिए कहा गया। संदिग्ध कैडरों ने अचानक से सुरक्षा बलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी तथा आत्मरक्षा और सरकारी संपत्ति की सुरक्षा के लिए, संयुक्त ऑपरेशन टीम ने भी नियंत्रित जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी। दोनों ओर से गोलीबारी 10-15 मिनट तक चली और उसके बाद बंद हो गई। गोलीबारी रुकने के बाद संयुक्त ऑपरेशन दल ने इलाके की तलाशी ली।

तलाशी के दौरान एक बदमाश को उसकी एके सीरीज राइफल के साथ घायल अवस्था में पाया गया और कोकराझार पुलिस स्टेशन के टीएसआई के उप निरीक्षक लाटुक दास द्वारा उसे तुरंत आरएनबी सिविल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन, ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने उसे मृत लाया गया घोषित कर दिया। प्राथमिक जांच के दौरान, उसके कब्जे से एक एके-47 राइफल, एक मैगजीन, 7.62 X 39 मिमी. के 16 (सोलह) राउंड जिंदा कारतूस, 7.62 X 39 मिमी के 13 (तेरह) राउंड खाली खोखे, एक मोबाइल हैंडसेट, एक भूटान सिम, 03 (तीन) भूटान बी-मोबाइल रिचार्ज कार्ड, 10 (दस) सादे (ब्लैक) एनडीएफबी मांग पत्र, 01 (एक) गुल्लक, 01 (एक) टॉर्च लाइट, 2740/- रुपये की नकद राशि और कुछ दवाएं बरामद की गई और उन्हें विधिवत जप्त कर लिया गया।

शव की पहचान मानस ब्रह्मा के रूप में की गई। सेरफांगुरी पुलिस स्टेशन में, आयुध अधिनियम की धारा 25 (आई-ए)/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 10/13 के साथ पठित आईपीसी की धारा 120(बी)/121/121(ए)/122/353/307 के तहत मामला संख्या 13/18 दर्ज किया गया है।

श्री प्रकाश मेधी, पुलिस उपाधीक्षक, उप निरीक्षक लाटुक दास और उप निरीक्षक रितुज्योति नाथ पूरे ऑपरेशन में सबसे आगे थे और उन्होंने उत्कृष्ट साहस का परिचय दिया तथा अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह नहीं की, जिसके परिणामस्वरूप भारी मात्रा में हथियारों से लैस उग्रवादी के साथ बंदूक की लड़ाई शुरू हो गई और हथियार एवं गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई।

इस ऑपरेशन में, असम पुलिस के सर्व/श्री प्रकाश मेधी, पुलिस उपाधीक्षक, लाटुक दास, उप निरीक्षक और रितुज्योति नाथ, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05/03/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1192/03/2022-पीएमए)

एस एम समी

अवर सचिव

सं. 96-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, असम के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	प्रकाश सोनोवाल	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2	मल्लिक ब्रह्म	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	सेम्सन तारो	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	जॉय किरी टेरोन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	नबज्योति राय	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

22 मई, 2021 को सायं लगभग 05:00 बजे, विश्वसनीय स्रोत से धनसिरी ओपी के अंतर्गत मिसिवैलम में जबरन वसूली आदि के उद्देश्य से अत्याधुनिक हथियारों के साथ संदिग्ध डिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी (डीएनएलए) कैडरों के एक समूह की आवाजाही के बारे में एक सूचना प्राप्त हुई। लगभग 1900 बजे, श्री प्रकाश सोनोवाल, अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) कर्ब-आंगलॉग, दीफू के नेतृत्व में एक पुलिस टीम और उप निरीक्षक मल्लिक ब्रह्म, ओ/सी, खटखटी पुलिस स्टेशन, सेम्सन तारो, सिपाही, जॉय किरी टेरोन, सिपाही और नबज्योति राय, सिपाही ने दीमापुर नागालैंड में 5वीं असम राइफल्स कैंप के साथ मिसिवैलम की ओर पैदल मार्च किया और एक ऑपरेशन शुरू कर घात लगाई। 23 मई, 2021 को लगभग 02:00 बजे, घात लगाने वाली टीम ने अत्याधुनिक हथियारों के साथ 12-13 व्यक्तियों के समूह की गतिविधि देखी और उन्हें अपनी पहचान बताने के लिया कहा। तभी उग्रवादी समूह ने घात दल पर जान लेने के इरादे से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। आत्मरक्षा में, घात दल ने नियंत्रित गोलीबारी से जवाबी कार्रवाई की। गोलीबारी और जवाबी गोलीबारी लगभग 15 मिनट तक चली। उसके बाद, घात दल ने पूरे इलाके की तलाशी ली और लडाकू पोशाक में डीएनएलए कैडर के संदिग्ध 06 लोगों को जमीन पर पड़े हुए पाया, जिन्हें गोली लगी हुई थी, उन्हें इलाज के लिए तुरंत धनसिरी पीएचसी ले जाया गया, जहां पर इलाज करने वाले डॉक्टर ने उन्हें मृत लाया गया घोषित कर दिया। तलाशी दल ने 04 एके-56 राइफलें इसकी पांच मैगजीन और 7.72 के 58 राउंड जिंदा गोला-बारूद के साथ, 03 (तीन) 7.65 पिस्तौलें इसकी 03 मैगजीन और 7.65 के 07 राउंड जिंदा गोला-बारूद सहित, 01 (एक) 303 राइफल इसकी 01 मैगजीन और 303 के 08 राउंड जिंदा गोला-बारूद सहित, 01 (एक) .22 पिस्तौल इसकी 01 मैगजीन सहित, 02 एचई-36 प्राइम हैंड ग्रेनेड और 03 मोबाइल हैंडसेट बरामद किए।

इस ऑपरेशन में, असम पुलिस के सर्व/श्री प्रकाश सोनोवाल, अपर पुलिस अधीक्षक, मल्लिक ब्रह्म, उप निरीक्षक, सेम्सन तारो, सिपाही, जॉय किरी टेरोन, सिपाही और नबज्योति राय, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23/05/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3284/03/2022-पीएमए)

एस एम समी

अवर सचिव

सं. 97-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, बिहार के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	सुशील कुमार, भापुसे	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	अनिरुद्ध कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01.02.2022 को, गांव घोगी कोड़ासी, पुलिस स्टेशन- पिन बाजार, लखीसराय के पहाड़ी घने जंगल के पास उगाही करने और एक ठेकेदार के अपहरण की योजना बनाने के बारे में एक खुफिया जानकारी साझा की गई।

उपर्युक्त जानकारी के आधार पर सुशील कुमार, पुलिस अधीक्षक, लखीसराय ने ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए दो टीमों का गठन किया। नरपत सिंह, उप कमांडेंट की कमान में टीम-1 में उप निरीक्षक अनिरुद्ध कुमार सहित 35 कार्मिक शामिल थे। श्री सुशील कुमार, पुलिस अधीक्षक, लखीसराय की कमान में 15 कार्मिकों सहित टीम-2 का गठन टीम-1 के लिए अतिरिक्त बल (रिइंफोर्समेंट) के रूप में गठित किया गया।

दिनांक 02.02.2022 की सुबह, जब टीम-1 एक संकरी पगडंडी के माध्यम से दो पहाड़ियों के बीच से गुजर रही थी, तभी अचानक से इस टीम-1 पर "गोलियों की भारी बौछार" हुई। गोलीबारी अंधाधुंध और सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर की गई थी। टीम-1 के कमांडर ने नक्सलियों को अपनी पहचान बताई और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन गोलीबारी के बंद होने के बजाय, टीम-1 पर गोलियों की बौछार और अधिक तेज हो गई। उप निरीक्षक अनिरुद्ध कुमार ने अत्यंत वीरता का परिचय दिया और वे टीम-1 के सदस्यों को कवर देते हुए, भारी गोलाबारी के बीच ऊपर की ओर बढ़ते रहे। नक्सलियों ने ऊंचाई पर बेहतर पोजीशन ली हुई थी और वे अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे हैं।

टीम-1 ने अतिरिक्त बल प्रदान करने के लिए टीम-2 के कमांडर पुलिस अधीक्षक, लखीसराय, सुशील कुमार से संपर्क किया। जब टीम-2 अतिरिक्त बल के रूप में तेजी से टीम-1 की ओर बढ़ रही थी, तभी माओवादियों के एक समूह ने उन सैनिकों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से टीम-2 पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, जो टीम-1 को ऊपर की ओर बढ़ने में सहायता दे रहे थे। श्री सुशील कुमार, पुलिस अधीक्षक, लखीसराय ने नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने टीम-2 पर गोलीबारी तेज कर दी। आगे बढ़ने में भारी जोखिम था, लेकिन श्री सुशील कुमार, पुलिस अधीक्षक, लखीसराय ने माओवादियों के नापाक मंसूबों को भांप लिया और जान की परवाह न करते हुए उन पर कड़ी जवाबी कार्रवाई की तथा कम लाभप्रद स्थिति अर्थात् अपेक्षाकृत कम ऊंचाई पर होने के बावजूद नक्सलियों को आगे बढ़ने से रोक लिया और उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। टीम-1 और टीम-2 की कड़ी जवाबी कार्रवाई तथा चतुराईपूर्ण एवं वीरतापूर्ण कार्रवाई के चलते, नक्सलियों को भारी क्षति हुई और वे बैकफुट पर आ गए तथा पीछे हटने को मजबूर हो गए। कुछ देर बाद, दोनों टीमों एकजुट होकर माओवादियों की घेराबंदी के लिए आगे बढ़ीं। अंततः, सैनिकों के आक्रामक जवाबी रुख को भांपते हुए, माओवादी विस्फोटक हथियार और गोला-बारूद छोड़कर घने जंगल की आड़ लेकर भाग गए। यह मुठभेड़ लगभग 03 घंटे तक चली। श्री सुशील कुमार, पुलिस अधीक्षक, लखीसराय के समग्र नेतृत्व में अच्छी तरह से समन्वित योजना, संकट के समय सटीक कार्रवाई, टीम -1 और टीम -2 के वीरतापूर्ण कार्य से 2 खूंखार सीपीआई (माओवादी) मारे गए। एसएलआर, आईईडी जैसे अत्याधुनिक हथियार और भारी मात्रा में गोला-बारूद भी बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में, बिहार पुलिस के सर्वश्री सुशील कुमार, भापुसे, पुलिस अधीक्षक और अनिरुद्ध कुमार, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02/02/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/46/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 98-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का पंचम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं .	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री लक्ष्मण केंवट	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का पंचम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02.08.2019 को पुलिस अधीक्षक, राजदंगांव, श्री बी.एस. ध्रुव, अपर पुलिस अधीक्षक, श्री यू.बी.एस. चौहान और अपर पुलिस अधीक्षक, डोंगरगढ़, श्री गोरखनाथ बघेल की टीम को दारेकासा क्षेत्र समिति के 08-10 सदस्यों की मौजूदगी के संबंध में सूचना प्राप्त हुई। सूचना से उपर्युक्त नक्सली कैडर के शेरपार गांव के पास सामान्य क्षेत्र काला पहाड़ में मौजूद होने का भी पता चला था। इस सूचना को अपने नेटवर्क के माध्यम से सत्यापित और पुष्ट किया गया और विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, छिपे हुए नक्सलियों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन की योजना बनाई गई।

दिनांक 03.08.2019 को जिला पुलिस, जिला रिजर्व ग्रुप और छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल की संयुक्त टीम ने बाघनदी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत शेरपार गांव के निकट सामान्य क्षेत्र काला पहाड़ी में ऑपरेशन कोड नाम रिमझिम-1 शुरू किया। टीम को ऑपरेशनल रूप से चार अलग-अलग

सुगठित समूहों में बांटा गया और जिला रिजर्व पुलिस लाइन, राजनंदगांव के कार्यालय में उचित ऑपरेशनल ब्रीफिंग की गई, जिसमें सैनिकों को भौगोलिक इलाके, मौसम की स्थिति और अन्य ऐसी कठिनाइयों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई थी, जो कि ऑपरेशन को प्रभावित कर सकती थीं। निरीक्षक संग्राम सिंह की कमान में 26 डीआरजी जवानों वाले पहले दल ने सामान्य क्षेत्र छाबुकनाला, दीवानटोला जंगल और टाटेकासा जंगल को कवर करते हुए क्षेत्र की घेराबंदी कर ली, उप निरीक्षक धरम सिंह तुलावी की कमान में 20 डीआरजी जवानों वाले दूसरे दल ने छाबुकनाला-दीवानटोला जंगल क्षेत्र की घेराबंदी कर ली और निरीक्षक अनंत प्रधान, बोरतालाओ एवं उप निरीक्षक जोगेश राठौड़ की कमान में 23 डीआरजी जवानों वाले तीसरे दल ने सामान्य क्षेत्र खामपुरा, मांगीखुटा और शेरपार की घेराबंदी कर ली। गातापार पुलिस स्टेशन के निरीक्षक लक्ष्मण केंवट की कमान में आखरी दल, जिसमें डीईएफ और सीएएफ के 26 सदस्य शामिल थे, अपने ड्रॉपिंग पॉइंट, बोरतालाओ पुलिस स्टेशन से सामरिक तरीके से इलाके की तलाशी लेते हुए सामान्य क्षेत्र मांगीखुटा-सीतागोटा-शेरपार की ओर आगे बढ़ा। लगभग 08:00 बजे जब पार्टी आगे बढ़ रही थी, तो पुलिस दल की हत्या करने/हथियार और गोला-बारूद को लूटने के इरादे से घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने स्वचालित हथियारों जैसे कि एलएमजी, एके-47, एसएलआर, ईसास राइफल, 303 राइफल और 315 बोर सिंगल शॉट बंदूक तथा 12 बोर बंदूक से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। यह केवल निरीक्षक श्री लक्ष्मण केंवट द्वारा नियोजित सतर्क और सामरिक कदम की वजह से हुआ कि, दल नक्सलियों की इस हरकत का जवाब दे सका और आत्मरक्षा में तुरंत गोलीबारी कर सका। एक-दूसरे पर भारी गोलीबारी शुरू हो गई और पुलिस दल ने प्रभावी तरीके से गोलीबारी की। निरीक्षक श्री लक्ष्मण केंवट ने साहसपूर्वक अभियान की अगुवाई की और कवर फायर की आड़ में निडरता से पुलिस दल को निशाना बनाने के लिए बिछाई गई आईईडी से बचते हुए पूरी आक्रामकता के साथ आगे बढ़े। निरीक्षक श्री लक्ष्मण केंवट के नेतृत्व में पुलिस दल द्वारा अपनाई गई इस निडर और आक्रामक कार्रवाई के कारण ही नक्सली तितर-बितर होने और अपनी पोजीशन वाली जगह से भागने के लिए मजबूर हो गए। पहले से ही सामरिक तरीके से तैनात दलों ने बेहतर तरीके से समन्वय किया और वे भाग रहे कैडरों को फंसाने में सफल रहे। फंसने के खतरे को भांपते हुए, नक्सलियों ने छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा से सटी अंतरराज्यीय सीमा से भागने की कोशिश की। छिटपुट गोलीबारी लगभग 2.5 घंटे तक चली, जिस दौरान जीएस आशा राम को गोलियों की कई चोटें आईं। उन्हें तुरंत इलाज के लिए नजदीकी पीएचसी में ले जाया गया। सभी दलों ने घटनास्थल की तलाशी ली और 05 महिला माओवादियों और 02 पुरुष माओवादियों के शव बरामद किए।

बाद में इन शवों की पहचान 1. सुखदेव उर्फ लक्ष्मण उर्फ मणिराम, गांव- डोडपाल, थाना- किस्ताराम, जिला सुकमा, एसीएस दारेकासा समिति, 2. हितेश उर्फ बुधराम, पिता दासू फरसा, गांव- इंगुन, थाना- भोरमगढ़, जिला-बीजापुर, दारेकासा क्षेत्र समिति सदस्य, 3. परमिला पत्नी सुखदेव उर्फ लक्ष्मण, गांव-बोलाडिला, जिला, टांडा क्षेत्र समिति सदस्य, 4. सीमा पत्नी मासा मंडावी, थाना-पामेर, जिला- बीजापुर दारेकासा एसीएम, 5. मीना, गांव-मंगतामागरू, थाना-पामेर, दारेकासा एसीएम 6. शिल्पा उर्फ सोमे, गांव-तोलुम, थाना-कोटा, जिला-सुकमा, पीआई संख्या 01 की सदस्य, 7. ललिता उर्फ लक्के, गांव-अदसुम, थाना-गंगुलूर, जिला-बीजापुर, पीआई संख्या 01 के सदस्य के रूप में हुई। एक एके-47 राइफल और 25 कारतूस, मैगजीन सहित एक कारबाइन, मैगजीन और 20 कारतूस के साथ एक 303 राइफल, दो 315 बोर बंदूक और 30 कारतूस, एक 12 बोर बंदूक, एक सिंगल शॉट राइफल, नौ एमएम के 04 कारतूस, एक 5 किग्रा. आईईडी और नक्सली साहित्य, बैग, कैपिंग सामग्री आदि भी बरामद की गई।

उपर्युक्त पूरे ऑपरेशन के दौरान निरीक्षक श्री लक्ष्मण ने आक्रामक कार्रवाई के समय बहादुरी, पेशेवरता, ऑपरेशनल कौशल और अपने पेशे के प्रति समर्पण भावना का अनुठा उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसके परिणामस्वरूप उक्त सर्वाधिक वांछित/खूबार नक्सली नेता मारे गए।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के श्री लक्ष्मण केंवट, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03/08/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3297/05/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 99-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कर्मियों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहित गर्ग, भापुसे	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	पिल्लू राम मण्डावी	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	जोगीराम पोडियाम	सहायक उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	हिडमा पोडियामी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
5	प्रमोद कड़ियाम	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	बलराम कश्यप	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	बिज्जूराम मज्जी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
8	बुधराम हपका	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
9	लक्ष्मीनारायण मरपल्ली	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
10	मंगलू कुडियम	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

बानगोली, मरकापाल, घाटापाल, डुंगा, ताकीलोड, इकुई और बोडगा गांवों के पास के क्षेत्र में प्रतिबंधित सी.पी.आई. (एम) संगठन के वरिष्ठ कैडरों के साथ 50-60 सशस्त्र नक्सलियों के प्रशिक्षण शिविर की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने पर श्री मोहित गर्ग (भापुसे), पुलिस अधीक्षक, बीजापुर ने डीआरजी/एसटीएफ के 149 कर्मिकों को विस्तृत रूप से ब्रीफ करने के बाद दिनांक 06.02.2019 को लगभग 1630 बजे क्षेत्र को नियंत्रण में लेकर एक ऑपरेशन की योजना बनाई और उसे लांच किया।

सुरक्षा बलों ने खुद को दो टीमों में बांट लिया और टीम संख्या 1 का नेतृत्व उप निरीक्षक सुनील तिकै कर रहे थे, जबकि टीम संख्या 2 को नेतृत्व उप निरीक्षक यमन देवांगन और सहायक प्लाटून कमांडर अलविमस टोप्पो कर रहे थे। वे सभी गांव उसपरी के पास इंद्रावती नदी को पार करने के बाद आगे बढ़ने लगे। सशस्त्र नक्सलियों की मौजूदगी की संभावना को महसूस करते हुए, उप निरीक्षक सुनील तिकै ने अपनी टीम को पुनः दो दलों में विभाजित कर दिया, जिसमें पहले दल का नेतृत्व वे स्वयं कर रहे थे और दूसरे दल का नेतृत्व उप निरीक्षक सुरेश चंद्र यादव और उप निरीक्षक पिल्लू राम मण्डावी कर रहे थे। दिनांक 07.02.2019 की सुबह जब दल बोडगा गांव की तलाशी ले रहे थे, तो लगभग 1100 बजे दलों ने बोडगा पहाड़ी नाले के किनारे प्रशिक्षण की आवाजें सुनीं। जब दल नक्सलियों को पकड़ने के लिए आगे बढ़े, तो लगभग 80-100 हथियारबंद नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के कार्मिकों की हत्या करने और उनके हथियार लूटने के लिए आईईडी विस्फोट और स्वचालित हथियारों से गोलीबारी करके पुलिस दलों पर हमला कर दिया। पुलिस दलों ने तत्काल अपना सामरिक बचाव किया और नक्सलियों को गोलीबारी बंद करने और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। लेकिन नक्सली अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे, जिसके कारण उप निरीक्षक सुनील तिकै और उप निरीक्षक सुरेश चंद्र यादव तथा उप निरीक्षक पिल्लू राम मण्डावी, कमांडरों ने नक्सलियों को घेरने के लिए आपसी समन्वय किया और अपनी जान की परवाह किए बिना अपने दलों को आगे बढ़ाया। सहायक उपनिरीक्षक जोगीराम पोडियाम, हेड कांस्टेबल हिडमा पोडियामी, हेड कांस्टेबल प्रमोद कड़ियाम, हेड कांस्टेबल बलराम कश्यप, सिपाही बिज्जूराम मज्जी, सिपाही बुधराम हपका, सिपाही लक्ष्मीनारायण मरपल्ली, सिपाही मंगलू कुडियम और अन्य जवानों ने अत्यंत सूझबूझ, असाधारण साहस, बहादुरी और अदम्य वीरतापूर्ण कार्रवाई का परिचय दिया। लगभग 90 मिनट तक एक-दूसरे पर गोलीबारी चलने के बाद, नक्सलियों को सुरक्षा बलों द्वारा चारों ओर से ताबातोड़ गोलीबारी किए जाने का आभास होने पर वे पीछे हट गए तथा जंगलों और पहाड़ियों में भाग गए। इलाके की तलाशी लेने पर, 10 नक्सलियों के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में इस प्रकार की गई: 1. सुक्कू फरसा, पुत्र-बुधू फरसा, 30 वर्ष, निवासी- उटला, भैरमगढ़ पुलिस स्टेशन, जिला बीजापुर (सैन्य प्लाटून संख्या 16 का सदस्य), 2. परमेश बरसा, पुत्र-मुन्नू बरसा, 25 वर्ष, निवासी-गोंगलापारा-झीही, भैरमगढ़ पुलिस स्टेशन, जिला- बीजापुर (सैन्य प्लाटून संख्या का 16 सदस्य), 3. सुक्कू बरसा, पुत्र-पोटलू बरसा, 25 वर्ष, निवासी- उटला, भैरमगढ़ पुलिस स्टेशन, जिला-बीजापुर (जनमिलशिया उप कमांडर), 4. सोमारी फरसा, पत्नी-सुक्कू फरसा, 20 वर्ष, निवासी-ताड़पोट, भैरमगढ़ पुलिस स्टेशन, जिला-बीजापुर (जनमिलशिया सदस्य), 5. बिज्जो माड़वी, पुत्री-भीमा माड़वी, 25 वर्ष, निवासी- उटला, भैरमगढ़ पुलिस स्टेशन, जिला-बीजापुर (मिलशिया सदस्य), 6. राजू ओयामी, पुत्र-बुधू ओयामी, 26 वर्ष, निवासी-उटला, भैरमगढ़ पुलिस स्टेशन, जिला-बीजापुर (मिलशिया सदस्य), 7. शंकर कुडियम, पुत्र-लक्खू, 22 वर्ष, निवासी-उटला, भैरमगढ़ पुलिस स्टेशन, जिला-बीजापुर (सी.एन.एम. कमांडर), 8. शांति अर्के, पुत्री-पाकलू अर्के, 20 वर्ष, निवासी-कोलनार, भैरमगढ़ पुलिस स्टेशन, जिला-बीजापुर (सी.एन.एम. सदस्य), 9. रामे ओयामी, पुत्री-इरपा ओयामी, 21 वर्ष, निवासी-ताड़बला, भैरमगढ़ पुलिस स्टेशन, जिला-बीजापुर (सी.एन.एम. सदस्य), 10. सुदरी ओयामी, पुत्री-बुधरू ओयामी, 19 वर्ष, निवासी-ताड़पोट, भैरमगढ़ पुलिस स्टेशन, जिला-बीजापुर (सी.एन.एम. सदस्य)। मौके पर से शवों के अलावा 11 देसी निर्मित एसबीएमएल राइफल, 4 टिफिन बम, 2 कुकर बम, 6 तीर बम, 1 पाइप बम, 11 पॉली पैक विस्फोटक, 2 डेटोनेटर, एके-47, इंसास, एसएलआर, .303 और 12 बोर राइफल के खाली खोखे, 12 पिट्टू बैग, 5 एसबीएमएल मज़ल रॉड, 3 जोड़ी नक्सली वर्दी, नक्सली झंडा, 1 सोलर प्लेट, बैटरी, तार, चाकू, दवाएं, 520 रुपये नकद, नक्सली साहित्य और अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री भी जब्त की गई।

एक-दूसरे पर गोलीबारी के दौरान, सहायक सिपाही लच्छू कड़ती और सहायक सिपाही संकू राम सोडी गिरकर घायल हो गए और उन्हें मौके पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। उप निरीक्षक सुनील तिकै ने सेटेलाइट फोन के माध्यम से श्री मोहित गर्ग को इस घटना के साथ-साथ नक्सली शवों और उनके बरामद हथियारों, घायलों और बाकी दलों को बाहर निकालते समय इंद्रावती नदी के पास नक्सलियों द्वारा घात लगाकर हमला किए जाने की आशंका आदि के बारे में सूचना दी, जिस पर श्री मोहित गर्ग ने उप निरीक्षक सुनील तिकै से कहा कि वे घायलों को निकालने के लिए और उन्हें इंद्रावती नदी तक सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के लिए उप निरीक्षक यमन देवांगन के नेतृत्व में एक टीम गठित करें, जबकि इंद्रावती नदी से आगे सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के लिए 35 अतिरिक्त कार्मिकों की एक टीम का नेतृत्व उन्होंने स्वयं किया। लगभग

1545 बजे, जब उप निरीक्षक यमन देवांगन की टीम इन्द्रावती नदी से लगभग 2 किलोमीटर दूर थी, तभी लगभग 40-50 सशस्त्र नक्सलियों ने पूर्व नियोजित अम्बुश से पुलिस दलों पर भारी अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जैसा कि अनुमान था। पार्टी कमांडर उप निरीक्षक यमन देवांगन और उनकी टीम ने अपना सामरिक बचाव किया और नक्सलियों को गोलीबारी बंद करने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, लेकिन नक्सली नहीं माने और उन्होंने भारी गोलीबारी जारी रखी। जिस पर उप निरीक्षक यमन देवांगन ने श्री मोहित गर्ग को वायरलेस सेट से सूचित कर अतिरिक्त बल और निकासी के लिए अनुरोध किया। श्री मोहित गर्ग अपनी जान की परवाह किए बिना अम्बुश को तोड़ने लिए तुरंत अपनी टीम को आगे ले गए, लेकिन तभी नक्सलियों ने उनकी टीम पर भी गोलीबारी शुरू कर दी। श्री मोहित गर्ग ने सभी कमांडरों के साथ समन्वय किया और चतुराई से गोलीबारी के साथ आगे बढ़कर हमला कर दिया, जो लगभग 15-20 मिनट तक चला, और इससे अम्बुश टूट गया, जिसका अहसास होने पर नक्सली पहाड़ियों और जंगलों में भाग गए। तलाशी लेने पर 1 देसी निर्मित पिस्तौल, 1 टिफिन बम, 3 तीर बम, तीन डेटोनेटर, 1 एसबीएमएल मजल राउंड, 4 नक्सली पिट्टू बैग, एके-47, इंसास, एसएलआर, .303 और 12 बोर राइफल के खाली खोखे, नक्सली पर्चे और अन्य विविध सामग्री जब्त की गई।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्वश्री मोहित गर्ग, भापुसे, पुलिस अधीक्षक, पिल्लू राम मण्डावी, उप निरीक्षक, जोगीराम पोडियाम, सहायक उपनिरीक्षक, हिडमा पोडियामी, हेड कांस्टेबल, प्रमोद कडियाम, हेड कांस्टेबल, बलराम कश्यप, हेड कांस्टेबल, बिज्जूराम मज्जी, सिपाही, बुधराम हपका, सिपाही, लक्ष्मीनारायण मरपल्ली, सिपाही और मंगलू कुडियम, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07/02/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3302/05/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 100-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	शेरबहादुर सिंह ठाकुर	अनुमण्डल पुलिस अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	छत्रपाल साहू	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16.01.2021 को 13:45 बजे स्थानीय मुखबिर से कुटरू और केतुलनार क्षेत्र के जंगल के बीच स्माल एक्शन टीम के कमांडर और उप कमांडर एलओएस फरसेगढ़ (राष्ट्रीय पार्क क्षेत्र समिति) नामतः साइबो कोवासी उर्फ रानू की 5-6 अन्य नक्सलियों के साथ आवाजाही के बारे में खुफिया सूचना मिलने पर, अनुमण्डल पुलिस अधिकारी, कुटरू, श्री शेरबहादुर सिंह ठाकुर, सूचना की पुष्टि करने के लिए कुटरू पुलिस स्टेशन के डीईएफ के साथ कुटरू पुलिस स्टेशन से गांव केतुलनार के जंगल की ओर चल पड़े। अनुमण्डल पुलिस अधिकारी, कुटरू, श्री शेरबहादुर सिंह ठाकुर ने बल को दो टीमों में बांटा, अनुमण्डल पुलिस अधिकारी, कुटरू, शेरबहादुर सिंह ठाकुर के नेतृत्व में टीम 01 सड़क की दाईं दिशा से केतुलनार की ओर आगे बढ़ी, जबकि निरीक्षक मोहन निषाद के नेतृत्व में टीम 02 सड़क की बाईं दिशा से केतुलनार की ओर आगे बढ़ी। जैसे ही टीम 01 तलाशी लेते हुए 17:00 बजे केतुलनार के जंगल में पहुंची, सामान्य सादे कपड़ों में 05-06 नक्सलियों ने सुरक्षा बलों की हत्या करने और उन्हें लूटने के लिए अनुमण्डल पुलिस अधिकारी, कुटरू, शेरबहादुर सिंह ठाकुर के नेतृत्व वाली टीम 01 पर गोलीबारी शुरू कर दी, तभी अनुमण्डल पुलिस अधिकारी, कुटरू, शेरबहादुर सिंह ठाकुर और उनकी टीम ने भी तुरंत पोजीशन ले ली और तेजी जी जवाबी कार्रवाई की, क्योंकि नक्सली लगातार गोलीबारी कर रहे थे और हमलावरों का खात्मा करने के लिए कोई अन्य विकल्प नहीं बचा था। अनुमण्डल पुलिस अधिकारी, कुटरू, शेरबहादुर सिंह ठाकुर ने भी आत्मरक्षा में अपने साथियों के साथ गोलीबारी शुरू कर दी और सिपाही छत्रपाल साहू ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के नेतृत्व में शांति व्यवस्था स्थापित करने में अपना योगदान दिया। करीब 10 मिनट की गोलीबारी के बाद नक्सली सुरक्षा बलों की गोलीबारी से बचने के लिए जंगल की ओर भाग गये।

एक-दूसरे पर गोलीबारी बंद होने के बाद, टीमों को लगभग 35 वर्ष की उम्र के एक नक्सली का शव, मैगजीन के साथ 01 पिस्तौल, पिस्तौल के 06 जिंदा कारतूस, लाल रंग के बिजली के तार के साथ 01 डेटोनेटर, 05 'सुतली बम' पटाखे, दैनिक उपयोग की वस्तुएं और 01 नायलॉन कैरी बैग मिला तथा मारे गए माओवादी की पहचान साइबो कोवासी उर्फ रानू, एक्शन टीम कमांडर/डिप्टी कमांडर, एलओएस फरसेगढ़ (राष्ट्रीय पार्क क्षेत्र समिति) के रूप में की गई। अपराध पर आगे की आधिकारिक कार्यवाही के लिए, माओवादी के शव और जब्त किए गए सामान को जिला मुख्यालय बीजापुर लाया गया और बाद में, पुलिस स्टेशन कोतवाली बीजापुर में आईपीसी की धारा 307, 147, 148 और

149, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 25, 27 और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4 तहत एफआईआर दर्ज की गई। साइबो कोवासी, पुत्र-पांडु कोवासी, उम्र-35 वर्ष, गांव-अंबेली-हुरेनार, पुलिस स्टेशन-कुटूरु, जिला-बीजापुर (राष्ट्रीय पार्क क्षेत्र समिति का एक्शन टीम कमांडर), जो कि सरकार और सुरक्षा बलों के खिलाफ हिंसा तथा ग्रामीणों की हत्या के कई आपराधिक मामलों का आरोपी है, पुलिस स्टेशन कुटूरु क्षेत्र में बहुत खतरनाक और सक्रिय माओवादी कैडर था।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्व/श्री शेरबहादुर सिंह ठाकुर, अनुमण्डल पुलिस अधिकारी और छत्रपाल साहू, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16/01/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3308/05/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 101-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	सुरेश जब्बा	सहायक उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	सुशील जेट्टी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	बड़दी धरमैया	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	मंगलू कोवासी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	मुकेश कलमू	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	रमेश पेरे	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

जिला पुलिस बल बीजापुर के निरीक्षक श्री सुशील पटेल की निगरानी में एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। दिनांक 26.04.2018 को लगभग 21:45 बजे जिला पुलिस बल और ग्रेहाउंड्स, तेलंगाना का एक संयुक्त बल, जिसमें 49 कार्मिक शामिल थे, पुलिस स्टेशन मेडुड, जिला बीजापुर (सीजी) के अंतर्गत लोडेड, इपेंटा, मिनकापल्ली, लंकापल्ली गांवों के सामान्य क्षेत्र की तलाशी के लिए रवाना हुआ।

दिनांक 27.04.2018 को पुलिस दल पहाड़ों-जंगलों, नदियों-सुरंगों और उन सभी जगहों पर तलाशी लेता हुआ आगे बढ़ रहा था, जहां नक्सली छिप सकते थे। गांव लोडेड-इपेंटा के जंगल-पहाड़ियों के पास नक्सलियों के शोर को सुनकर पुलिस दल जंगल-पहाड़ियों की घेराबंदी करते हुए क्रमशः दाहिनी ओर से आगे बढ़ रहा था। वहां पर घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने पुलिसकर्मियों की हत्या करने और उनके हथियार लूटने के इरादे से स्वचालित, अर्ध स्वचालित और अन्य आग्नेयास्त्र हथियारों का इस्तेमाल करके पुलिस दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। पुलिस दल ने तुरंत उपयुक्त पोजीशन ले ली और नक्सलियों को गोलीबारी बंद करने एवं आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन गोलीबारी बंद नहीं हुई। इसके बाद, निरीक्षक सुशील पटेल ने आत्मरक्षा में गोली चलाने और आगे बढ़ने का आदेश दिया। पार्टी कमांडर और सहायक उपनिरीक्षक सुरेश जब्बा, हेड कांस्टेबल सुशील जेट्टी, हेड कांस्टेबल बड़दी धरमैया, सिपाही मंगलू कोवासी, सिपाही मुकेश कलमू, सिपाही रमेश पेरे और अन्य कार्मिक अपनी जान की परवाह किए बिना दुश्मन की ओर बढ़े और नक्सलियों के निकट पहुंच गए और उन्होंने उपयुक्त रक्षात्मक कार्रवाई करके नक्सलियों की योजना को विफल कर दिया। जवानों की गोलीबारी का दबाव बढ़ने पर नक्सली घने जंगल वाली पहाड़ियों का फायदा उठाते हुए मुठभेड़ स्थल से भाग गए। नक्सली आठ शवों के साथ-साथ 01 एसएलआर राइफल, 01 (एक) 303 राइफल, 04 (चार) 12 बोर राइफल, 01 (एक) (303) सिंगल शॉट गन, 01 (एक) 312 बोर कट्टा, 02 ग्रेनेड, एसएलआर के 24 जिंदा कारतूस, 303 राइफल का 01 जिंदा कारतूस, 12 बोर राइफल के 13 जिंदा कारतूस, 315 बोर राइफल के 08 जिंदा कारतूस, 01 रकसैक, दवाइयाँ, साहित्य आदि सामान पीछे छोड़ गए।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्व/श्री सुरेश जब्बा, सहायक उपनिरीक्षक, सुशील जेट्टी, हेड कांस्टेबल, बड़दी धरमैया, हेड कांस्टेबल, मंगलू कोवासी, सिपाही, मुकेश कलमू, सिपाही और रमेश पेरे, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 27/04/2018 से दिया जाएगा।

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 102-प्रेज/2023 – भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अरूण मरकाम	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	मनोज मिश्रा	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	लछिन्दर कुरुद	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	लीलाम्बर भोई	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	अजय बघेल	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

उसूर पुलिस स्टेशन के सीमावर्ती क्षेत्र उल्लापल्ली, पुजारी रांकेर, कोट्टापल्ली में भारी संख्या में नक्सलवादियों के एकत्र होने के बारे में सूचना प्राप्त हुई। ये क्षेत्र मध्यम और शीर्ष स्तर के माओवादी नेताओं की मौजूदगी के लिए विख्यात हैं, क्योंकि यह पश्चिमी बस्तर डिवीजन से आने वाले मार्ग का हिस्सा है। इसमें शामिल अधिकारियों द्वारा सुरक्षा बलों की संरचना एवं संख्या, प्रवेश और निकासी के मार्गों से संबंधित ब्यौरे की विस्तृत रूप से जानकारी एकत्र की गई। डीईएफ, बीजापुर और ग्रेहाउण्ड्स, तेलंगाना के 40 कार्मिकों की एक टीम गठित की गई। विस्तृत ब्रीफिंग के बाद, दिनांक 27.02.2018 को माओवादी विद्रोहियों के प्रभुत्व वाले क्षेत्र में ऑपरेशन शुरू किया गया।

दिनांक 02.03.2018 को लगभग 06:00 बजे, पुजारी रांकेर क्षेत्र से थोड़ा पहले घात लगाकर प्रतीक्षा कर रहे माओवादियों ने स्वचालित, अर्ध-स्वचालित और स्वदेशी हथियारों से पुलिस पार्टी पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में, पुलिस पार्टी ने भी गोलीबारी की और दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। ऑपरेशन के दौरान निरीक्षक के. शिव प्रसाद और उप निरीक्षक अरूण मरकाम पुलिस पार्टी का नेतृत्व कर रहे थे। जब माओवादियों ने उक्त पार्टी पर हमला किया, तब निरीक्षक के. शिव प्रसाद और उप निरीक्षक अरूण मरकाम, हेड कांस्टेबल लछिन्दर कुरुद, हेड कांस्टेबल मनोज मिश्रा, सिपाही लीलाम्बर भोई और सिपाही अजय बघेल ने अत्यधिक सूझबूझ, महान नेतृत्व, उत्कृष्ट ऑपरेशन क्षमता, असाधारण साहस, बहादुरी और विशिष्ट वीरतापूर्ण कार्रवाई का प्रदर्शन किया। सामने से ऑपरेशन का नेतृत्व करते हुए, माओवादी घात के विरुद्ध उनकी प्रतिक्रिया ने न केवल उनके जवानों की जान बचाई, बल्कि माओवादियों के हमले को भी विफल कर दिया और माओवादियों को मार गिराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तलाशी के दौरान, 04 पुरुष और 06 महिला माओवादियों के शव बरामद किए गए, जिनकी पहचान बाद में 1. कुदेम कोसी, उम्र 30 वर्ष, गांव रेगाईगुदेम, जिला सुकमा, 2. पोडियाम बामन उर्फ मलेश, उम्र 35 वर्ष, गांव डंगा ओरचा, जिला नारायणपुर, 3. पुनेम जोगालु, उम्र 30 वर्ष, गांव सुमर, जिला बीजापुर, 4. रामे सोडी उर्फ सोडी पाण्डे, उम्र 25 वर्ष, गांव बीरापुरम, जिला सुकमा, 5. संगीता उर्फ कुम्मा परमीला, उम्र 25 वर्ष, गांव मुक्कावेली, जिला बीजापुर, 6. रत्ना उर्फ तेलम सोनी, उम्र 25 वर्ष, गांव राकेकोरमा, जिला बीजापुर, 7. स्वामी उर्फ प्रभाकर, उम्र 40 वर्ष, गांव रामपेटा, राज्य तेलंगाना, 8. हरनिया पाईकी उर्फ ललिता, उम्र 30 वर्ष, गांव सावनार, जिला बीजापुर, 9. मादवी शांति उर्फ सोनी, उम्र 30 वर्ष, गांव तिनडोडी, जिला बीजापुर और 10. सुदम जोगी उर्फ ललिता, उम्र 30 वर्ष, गांव विकदमपल्ली, जिला सुकमा के रूप में की गई। घटनास्थल से शवों के साथ-साथ 01 एआर-47 राइफल, 01 एसएलआर राइफल, 05 इंसास राइफल, 01 सिंगल बोर राइफल, एक 303 राइफल, 01 पिस्तौल, 06 रॉकेट बम, 02 सोलर प्लेट, 03 क्लोमोर, 01 रेडियो, 41000/- रुपये नकद, जिंदा राउंड एवं खाली खोखे, दवाइयां, माओवादी साहित्य और दैनिक उपयोग की अन्य सामग्रियां भी जब्त की गईं।

उप निरीक्षक अरूण मरकाम, हेड कांस्टेबल लछिन्दर कुरुद, हेड कांस्टेबल मनोज मिश्रा, सिपाही लीलाम्बर भोई और सिपाही अजय बघेल ने उत्कृष्ट साहसपूर्ण कार्रवाई का प्रदर्शन किया और उन्होंने न केवल नक्सलवादियों की ओर से आ रही गोलियों की बौछार का जवाब दिया, बल्कि अन्य कार्मिकों को भी भीषण जवाबी कार्रवाई करने तथा अपनी जान की परवाह किए बिना नक्सलवादियों के ठिकाने की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, जिसके परिणामस्वरूप वे कट्टर नक्सलवादियों पर सफलतापूर्वक जवाबी घात लगाने में कामयाब रहे। अपनी उत्कृष्ट ऑपरेशनल दक्षता के बल पर, उन्होंने नक्सलवादियों पर घात लगाकर सफल जवाबी हमला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जोकि ऐसी परिस्थितियों और कठिन क्षेत्र में कर पाना बहुत मुश्किल है और उन्होंने नक्सलवादियों के हमले के सफलतापूर्वक विफल कर दिया।

इस ऑपरेशन में, छत्तीसगढ़ पुलिस के सर्व/श्री अरूण मरकाम, उप निरीक्षक, मनोज मिश्रा, हेड कांस्टेबल, लछिन्दर कुरुद, हेड कांस्टेबल, लीलाम्बर भोई, सिपाही और अजय बघेल, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02/03/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3295/05/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 103-प्रेज/2023 – भारत के माननीय राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	आरिफ अमीन शाह	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2	मंजूर अहमद भट्ट	एस.जी.सीटी	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12.05.2019 को, जिला शोपियां के गांव हिन्द-सीतापोरा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, श्री संदीप, आईपीएस, एसएसपी शोपियां के पर्यवेक्षण में 34 आरआर और सीआरपीएफ की 178वीं बटालियन के सहयोग से शोपियां पुलिस के द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई/शुरू की गई। पूरे गांव में घेराबंदी करने के पश्चात, सर्व ऑपरेशन शुरू किया गया और यह सुनिश्चित किया गया कि आतंकवादियों ने आवासीय घर में शरण ले रखी है। जब लक्षित घर के आस-पास घेराबंदी की जा रही थी, तभी वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने ऑपरेशनल कार्मिकों की मौजूदगी को भांपते हुए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उसके बाद उन्होंने ग्रेनेड भी फेंके। तथापि, श्री आरिफ अमीन शाह, पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व में सेना, सीआरपीएफ और पुलिस की अग्रिम संयुक्त टीम द्वारा गोलीबारी का जवाब दिया गया। वहां छिपे हुए आतंकवादियों को घेराबंदी को तोड़ने और घटनास्थल से बचकर भागने का कोई मौका नहीं दिया गया।

इसी बीच, हिन्द-सीतापोरा गांव और निकटवर्ती क्षेत्रों के शरारती तत्व मुठभेड़ स्थल के आस-पास एकत्र हो गए और उन्होंने घेराबंदी करने वाली पार्टी पर सभी दिशाओं से भारी पत्थरबाजी की, जिसके परिणामस्वरूप कुछ जवान घायल हो गए। तथापि, कानून और व्यवस्था के प्रबंधन हेतु तैनात पुलिस/सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों ने पत्थरबाजों से निपटने में अत्यधिक संयम का प्रदर्शन किया और कम से कम बल प्रयोग किया तथा उन्हें घटना स्थल से दूर रखा।

छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने और उक्त घर के निवासियों को बाहर आने की अनुमति देने के लिए कहा गया। तथापि, उन्होंने इससे इनकार कर दिया और अंधाधुंध गोलीबारी की। परिवार के सदस्यों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के लिए, पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व वाली अग्रिम टीम ने उक्त घर में प्रवेश किया। संयुक्त पार्टी ने आतंकवादियों को गोलीबारी में उलझाए रखा, जबकि एस.जी.सीटी मंजूर अहमद भट्ट समेत अपनी पार्टी के साथ पुलिस अधीक्षक कमरे में प्रवेश करने के लिए सावधानीपूर्वक आगे बढ़े और भीतर मौजूद परिवार के सदस्यों को बाहर निकालने में सफल हो गए।

आतंकवादी उक्त घर से बाहर आ गए और उन्होंने भवन की दीवार के पीछे पोजीशन ले ली, जहां से वे उस घेराबंदी पार्टी को आसानी से निशाना बना सकते थे, जो दोबारा उस घर में प्रवेश करने वाली थी। पुलिस अधीक्षक शोपियां ने अपनी पार्टी के साथ मिलकर हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) गुट के दो आतंकवादियों को मार गिराया, जिनकी पहचान बाद में जावीद अहमद भट्ट, पुत्र अली मोहम्मद, निवासी रेडवानी कुलगाम और आदिल बशीर वानी, पुत्र बशीर अहमद वानी, निवासी वारीपोरा कुलगाम के रूप में की गई।

मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में युद्ध सामग्रियां बरामद की गईं। इस घटना के संबंध में, शोपियां पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 147, 148, 149, 307, 336, 353 एवं 332, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 एवं 19 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 84/2019 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री आरिफ अमीन शाह, पुलिस अधीक्षक और मंजूर अहमद भट्ट, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/05/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/119/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 104-प्रेज/2023 – भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद अनवर-उल-हक	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	अब्दुल खालिक वार	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	विशाल कौल	एस.जी.सीटी	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	मोहम्मद असगर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01.04.2019 को लगभग 03:05 बजे, गांव लस्सीपोरा पुलवामा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा श्री मोहम्मद अनवर-उल-हक और एसडीपीओ लिट्टर श्री गुलाम हसन को सूचित किया। एसडीपीओ लिट्टर द्वारा इस सूचना के बारे में आगे जानकारी एकत्र करके इसकी पुष्टि की गई और इसे 44 आरआर एवं 182/183 बटालियन सीआरपीएफ के साथ साझा किया गया तथा लक्षित क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी करने का निर्णय लिया गया। योजना के अनुसार, उप निरीक्षक विक्रम कुंडल के नेतृत्व में पीसी लस्सीपोरा की एसओजी पार्टी और सीआरपीएफ की 182/183 बटालियन तथा 44/आरआर के घटक के साथ एसडीपीओ लिट्टर लक्षित स्थान की घेराबंदी करने के लिए तेजी से गांव लस्सीपोरा पुलवामा की ओर आगे बढ़े। गांव लस्सीपोरा में पहुंचने के बाद, पुलिस अधीक्षक पुलवामा की कमान में पुलवामा पुलिस, 44 आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ द्वारा लक्षित स्थान की संयुक्त रूप से घेराबंदी कर दी गई और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। सर्च ऑपरेशन के दौरान, घिरे हुए आतंकवादियों ने लक्षित घर के आस-पास तैनात सुरक्षा बलों पर गोलियों की बौछार की और इस प्रकार वहां पर बंदूक की लड़ाई शुरू हो गई।

संपर्क स्थापित होने के बाद, घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए आम नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने और अपनी तरफ किसी भी प्रकार की क्षति से बचने के लिए पुलिस/सुरक्षा बल की दो पार्टियां गठित की गईं। आम नागरिकों को बाहर निकालने की प्रक्रिया के दौरान, पुलिस पार्टियां आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी की चपेट में आ गईं और वे बाल-बाल बच गईं, तथापि, पुलिस पार्टियों ने अपनी एकाग्रता नहीं खोई और उक्त प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया।

दो विपरीत दिशाओं से गोलीबारी का जवाब देने के लिए पुलिस अधीक्षक मोहम्मद अनवर-उल-हक, हेड कांस्टेबल अब्दुल खालिक वार, एस.जी.सीटी विशाल कौल और सिपाही मोहम्मद असगर समेत पुलिस/सुरक्षा बलों की चार टीमों गठित की गईं, ताकि मुठभेड़ को कम से कम समय में समाप्त किया जा सके। पहली पार्टी ने उत्तर दिशा की ओर पोजीशन ले ली और दूसरी टीम को पश्चिमी दिशा की ओर पोजीशन लेने के लिए कहा गया। तीसरी टीम को पूर्वी दिशा की ओर पोजीशन लेने के लिए कहा गया और चौथी टीम ने लक्षित स्थान की दक्षिणी दिशा की ओर पोजीशन ले ली।

घेराबंदी को मजबूत करने और सभी गलियों/उप-गलियों तथा बचकर भागने के संभावित मार्गों को बंद करने के बाद, छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और उन्होंने सुरक्षा बलों पर सभी दिशाओं से भारी गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप ले. कर्नल एस.के. सिंह और पुलिस घटक लस्सीपोरा के दो (02) सिपाही नामतः एस.जी.सीटी विशाल कौल और सिपाही मोहम्मद असगर सहित 44/आरआर के तीन कार्मिक घायल हो गए, जिन्हें विशेष उपचार हेतु शीघ्र अस्पताल ले जाया गया। यहां पर यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि मुठभेड़ के दौरान, बहुत सी महिलाएं मुठभेड़ स्थल के नजदीक एकत्र हो गईं और उन्होंने आजादी के समर्थन में नारे लगाना शुरू कर दिया। महिला/एसपीओ सनी गुल सं. 237/एसपीओ ने पेशेवर ढंग से स्थिति को संभाला तथा महिलाओं को मुठभेड़ स्थल से दूर रहने के लिए प्रेरित किया, ताकि किसी भी प्रकार की क्षति से बचा जा सके।

पुलिस पार्टियों पर लगातार गोलीबारी करते हुए, वहां छिपे आतंकवादियों ने दो अलग-अलग दिशाओं अर्थात् उत्तरी एवं पश्चिमी दिशाओं से बचकर भागने का प्रयास किया। तथापि, श्री मोहम्मद अनवर-उल-हक, पुलिस अधीक्षक की कमान में वहां पर पुलिस पार्टियां तैनात थी और वे अपनी जान की परवाह किए बिना सामने से वीरतापूर्वक लड़ीं। पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा प्रदर्शित रणनीतिक एवं त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप आतंकवादियों का सफाया हो गया। जब गोलीबारी बंद हो गई, तब पुलिस/सेना और सीआरपीएफ के अधिकारियों/कर्मचारियों की एक संयुक्त सर्च पार्टी गठित की गई। सर्च के दौरान, मलबे से हथियार/गोलाबारूद के साथ-साथ 04 आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में तौसीफ अहमद यातू, पुत्र अब्दुल अजीज यातू, निवासी गुडबग पुलवामा, मोहम्मद शफी भट, पुत्र गुलाम मोहम्मद भट, निवासी सेडो, शोपियां, अकीब अहमद कुमार, पुत्र बशीर अहमद कुमार, निवासी हेलो शोपियां और जफर अहमद पॉल, पुत्र मोहम्मद अहसान पॉल उर्फ अबू मंजिल, निवासी मूल डांगरपोरा शोपियां के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, लिट्टर पुलिस स्टेशन में धारा 307 और भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 12/2019 दर्ज है और जांच शुरू हो गई है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मोहम्मद अनवर-उल-हक, पुलिस अधीक्षक, अब्दुल खालिक वार, हेड कांस्टेबल, विशाल कौल, एस.जी.सीटी और मोहम्मद असगर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01/04/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1139/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 105-प्रेज/2023 – भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्यवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	जसवन्त सिंह	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	रोमेश कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	जाफ़र बशीर कुरैशी	एस.जी.सीटी	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25/26.11.2019 को, जिला पुलवामा के गांव पछार में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त होने पर, लक्षित स्थान पर सेना की 44 आरआर, पुलवामा पुलिस और सीआरपीएफ की 182 एवं 183 बटालियन द्वारा एक संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलाया गया। घेराबंदी के दौरान, वाहनों की आवाजाही को रोकने और किसी भी प्रकार की क्षति से बचने के लिए विभिन्न गांवों को जोड़ने वाले घेराबंदी स्थल की सीमा पर विभिन्न संयुक्त एमवीसीपी/स्टॉप भी लगा दिए गए। जब घेराबंदी एवं सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) चलाया जा रहा था, तब नाका पार्टी ने द्रुबगाम की ओर जाने वाली सड़क पर एक वाहन की गतिविधि देखी, जो उनकी ओर आ रहा था और उन्होंने उसे रोकने का इशारा किया। उक्त वाहन के चालक ने इशारे को नजरअंदाज कर दिया और बचकर भागने के इरादे से वाहन की गति बढ़ा दी तथा उक्त वाहन के भीतर मौजूद आतंकवादियों ने सैन्य दस्तों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उनकी गोलीबारी का जवाब दिया गया और सैन्य बलों ने वाहन के भीतर मौजूद आतंकवादियों को पकड़ने का प्रयास किया। आतंकवादी उस वाहन से बाहर कूद गए और वे आस-पास मौजूद सैन्य दस्तों पर लगातार गोलीबारी करते हुए नजदीकी बगीचों की ओर भाग गए। सैन्य दलों ने बिना समय गंवाए अपनी पोजीशन ले ली और उनकी गोलीबारी का जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी का सफाया हो गया।

सेना, सीआरपीएफ और पुलिस कर्मियों के वाहनों के चालकों को अपनी हेडलाइटें ऑन करने तथा उन्हें उन बगीचों की ओर इंगित करने का निदेश दिया गया, जिधर आतंकवादी कूदकर भाग गए थे। लक्षित क्षेत्र में रोशनी करने के लिए सर्च लाइटें भी लगाई गईं। आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच काफी देर तक गोलीबारी जारी रही। तत्पश्चात, छिपे हुए आतंकवादियों की तलाश करने के लिए सेना और सीआरपीएफ की पार्टी के साथ-साथ हेड कांस्टेबल रोमेश और एस.जी.सीटी जाफ़र बशीर कुरैशी के सहयोग से पुलिस उपाधीक्षक जसवन्त सिंह के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम गठित की गई। तलाशी करते समय, छिपे हुए आतंकवादियों ने सर्च पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी की। पुलिस उपाधीक्षक जसवन्त सिंह के नेतृत्व वाली पुलिस पार्टी ने गोलीबारी का बहादुरी से जवाब दिया तथा घेराबंदी को और कड़ा कर दिया गया। चूंकि, बगीचे बहुत घने थे, इसलिए अन्य आतंकवादियों की तलाश भोर होने पर करने का निर्णय लिया गया, ताकि किसी भी क्षति से बचा जा सके। पुलिस उपाधीक्षक जसवन्त सिंह अपने सहयोगी हेड कांस्टेबल रोमेश और एस.जी.सीटी जाफ़र बशीर कुरैशी तथा सेना की 44 आरआर, सीआरपीएफ की 182 एवं 183 बटालियन के साथ भीतरी घेराबंदी में डटे रहे और बगीचों पर पैनी नजर बनाए रखी और वहां छिपे हुए आतंकवादियों को घेराबंदी से बचकर भागने का कोई अवसर नहीं दिया।

चूंकि अगली सुबह आतंकवादियों की ओर से कोई गोलीबारी नहीं हुई, इसलिए सेना की 44 आरआर ने छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए हेड कांस्टेबल रोमेश और एस.जी.सीटी जाफ़र बशीर कुरैशी की सहायता से तथा पुलिस उपाधीक्षक जसवन्त सिंह की टीम के सहयोग से एक सर्च पार्टी गठित की। तलाशी के दौरान, वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका इन कार्मिकों द्वारा जवाब दिया गया और अंततः बगीचे में मौजूद दूसरे आतंकवादी का सफाया कर दिया। मारे गए आतंकवादी का शव भी कब्जे में ले लिया गया और हथियार एवं गोलाबारूद भी बरामद किया गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में इरफान अहमद शेख, पुत्र गुलाम अहमद शेख, निवासी नायरा पुलवामा (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) गुट के क-श्रेणी) और इरफान अहमद राथेर, पुत्र आजाद अहमद राथेर, निवासी लिट्टर राजपोरा (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) गुट के ग-श्रेणी) के आतंकवादी के रूप में की गई।

मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, राजपोरा पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 19, 20, 25 एवं 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 93/2019 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री जसवन्त सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, रोमेश कुमार, हेड कांस्टेबल और जाफ़र बशीर कुरैशी, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/11/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1141/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 106-प्रेज/2023 – भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	तनवीर अहमद डॉर	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2	बिलाल रसूल डॉर	एस.जी.सीटी	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02.08.2019 को, शोपियां जिले के गांव पांडुशान में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त होने पर, श्री संदीप-आईपीएस, एसएसपी शोपियां की कमान में 34 आरआर और सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन के सहयोग से शोपियां पुलिस द्वारा 1 और 2 अगस्त, 2019 की मध्यरात्रि के दौरान एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई और इसे शुरू किया गया।

श्री तनवीर अहमद डॉर, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय शोपियां के नेतृत्व में एस.जी.सीटी बिलाल रसूल डॉर और अन्य कार्मिकों सहित सीआरपीएफ की 14वीं बटालियन की क्यूआरटी, 34 आरआर की क्यूआरटी तथा शोपियां पुलिस की क्यूआरटी वाली एक एडवांस पार्टी उक्त गांव में बच निकलने के सभी संभावित मार्गों को बंद करने के लिए भेजी गई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि गांव में छिपे आतंकवादी बचकर भाग न सकें। एसएसपी शोपियां के नेतृत्व में शोपियां पुलिस, 34 आरआर और 14वीं बटालियन सीआरपीएफ की अतिरिक्त पार्टियां भी लक्षित गांव में पहुंच गई और उन्होंने उक्त गांव की घेराबंदी कर दी। पहुंच मार्गों पर कट ऑफ प्वाइंट बना दिए गए और घेराबंदी के आस-पास रणनीतिक ढंग से बीपी वाहन तैनात कर दिए गए।

सैन्य दस्तों की गतिविधि को भांपते हुए, आवासीय घर में छिपे आतंकवादियों ने घेराबंदी करने वाली पार्टी को जान से मारने और घेराबंदी को तोड़ने के इरादे से अपने अवैध स्वचालित हथियारों से उनके ऊपर भारी गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप 34 आरआर के दो जवान घायल हो गए। सर्च पार्टी ने उनकी गोलीबारी का प्रभावकारी रूप से जवाब दिया, जिससे सर्च पार्टियों और आतंकवादियों के बीच बंदूक की भीषण लड़ाई शुरू हो गई। श्री तनवीर अहमद डॉर, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय शोपियां, एस.जी.सीटी बिलाल रसूल डॉर और अन्य कार्मिकों वाली टीम को 34 आरआर के घायल जवानों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने का काम सौंपा गया और दूसरी टीम द्वारा प्रदान की गई कवर गोलीबारी की सहायता से वे कुछ ही प्रयासों में सेना के घायल जवानों को उपचार के लिए सुरक्षित रूप से बाहर निकालने में सफल हो गए। तथापि, 34 आरआर के सिपाही रामवीर ने घायल होने की वजह से दम तोड़ दिया। बाद में, अपनी तरफ किसी भी प्रकार की क्षति से बचने के लिए परिवारों (निकटवर्ती घरों के आम नागरिकों) को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

घेराबंदी वाले क्षेत्र में लक्षित घरों की तलाशी शुरू की गई, परन्तु अंधेरा होने के कारण तलाशी को रोक दिया गया तथा घेराबंदी को और अधिक कड़ा कर दिया गया। सुबह होने पर, लक्षित घर पर ध्यान केंद्रित करते हुए तलाशी को तेज कर दिया गया। उक्त घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने दो अलग-अलग दिशाओं से सर्च पार्टियों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी तथा बचकर भागने का प्रयास किया। तथापि, सतर्क संयुक्त सर्च पार्टी ने उनकी गोलीबारी का प्रभावकारी रूप से जवाब दिया, इस प्रकार सुबह के दौरान सैन्य दस्तों और आतंकवादियों के बीच पुनः भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई। आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और वे पुलिस/सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने के इरादे से उनके ऊपर लगातार अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे। उपर्युक्त पार्टी ने पेशेवर तरीके से जवाबी कार्रवाई की और एक आतंकवादी को मार गिराया। तत्पश्चात, जैसे ही सर्च पार्टी लक्षित घर के निकटवर्ती बिल्डिंग के पास पहुंची, तो वह आतंकवादियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गई और बाल-बाल बच गई।

इसी बीच, घेराबंदी वाले क्षेत्र के आस-पास भारी भीड़ एकत्र हो गई और उसने घिरे हुए आतंकवादियों को सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के इरादे से पुलिस/सुरक्षा बलों पर भारी पत्थरबाजी शुरू कर दी। तथापि, संयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) पार्टियों ने अत्यधिक संयम और पेशेवरता के साथ कार्रवाई की। पत्थरबाजी के दौरान, अनेक सैन्यकर्मि घायल हो गए। इसके दौरान, एक पक्के घर में पोजीशन लिए हुए दूसरे आतंकवादी ने पुनः सर्च पार्टी पर गोलीबारी की और वह बार-बार अपनी पोजीशन बदलने लगा। परन्तु उपर्युक्त घेराबंदी पार्टी ने उसकी पोजीशन का पता लगा लिया और उसे मार गिराया। आतंकवादी की ओर से गोलीबारी बंद हो जाने के बाद, घरों और आस-पास के क्षेत्र की तलाशी की गई तथा दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। बाद में, मारे गए आतंकवादियों की पहचान जीनत-उल-इस्लाम नाइकू, पुत्र मोहम्मद इशाक नाइकू, निवासी मेमांडर, शोपियां (जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) गुट के ई-श्रेणी) और मंजूर अहमद भट, पुत्र अब्दुल रजाक भट, निवासी वाची जैनपोरा (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) गुट के सी-श्रेणी) के आतंकवादी के रूप में की गई।

मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, शोपियां पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 302, 307, 147, 148, 149, 353, 332, 336, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 एवं 19 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 124/2019 दर्ज है।

मारे गए आतंकवादी शोपियां जिले में सक्रिय थे और उन्होंने इस जिले के आम लोगों तथा प्रमुख राजनेताओं के बीच आतंक का साम्राज्य फैला रखा था। ये आतंकवादी विभिन्न विध्वंसकारी गतिविधियों में शामिल थे और आम लोगों, वीआईपी, सुरक्षा बलों तथा पुलिस के लिए एक बड़ा खतरा बने हुए थे। इन 02 आतंकवादियों का सफाया जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम)/हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) गुटों के लिए बड़ा आघात है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री तनवीर अहमद डॉर, पुलिस उपाधीक्षक, और बिलाल रसूल डॉर, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02/08/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1142/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 107-प्रेज/2023 – भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	सल्लिंदर सिंह	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	संदीप कुमार शर्मा	उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 08.07.2021 को, कुलगाम पुलिस को राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएचडब्ल्यू) पर जदूरा क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना प्राप्त हुई, जो सुरक्षा बल पर हमला करने की योजना बना रहे थे। कुलगाम पुलिस और 1 आरआर की एक संयुक्त टीम ने उक्त क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और रणनीतिक चेक प्वाइंट स्थापित कर दिए। ऑपरेशनल पार्टियों ने बचकर भागने के सभी संभावित मार्गों को बंद कर दिया। इसी बीच, समसीपोरा से मालपोरा की ओर आ रही एक अज्ञात सैंट्रो को विशेष नाका पार्टी ने रूकने का इशारा किया। उक्त वाहन के चालक ने वाहन को नहीं रोका और वहां से भागने तथा यू-टर्न लेने का प्रयास किया। नाका पार्टी संदिग्ध वाहन की ओर आगे बढ़ी और इसी बीच उक्त वाहन में सवार 02 अज्ञात आतंकवादी बाहर आ गए और उन्होंने पुलिस पार्टी की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अग्रिम सैन्य पार्टियों द्वारा गोलीबारी का प्रभावकारी रूप से जवाब दिया गया और आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया।

ऑपरेशनल पार्टियों के लिए अत्यधिक अंधेरे में आस-पास के सभी मार्गों को अवरुद्ध करना बड़ा मुश्किल था, परन्तु बहादुर अधिकारियों ने अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना अपनी जान को खतरे में डाल दिया। अंधेरे में ऑपरेशन को जारी रखना बहुत मुश्किल था, क्योंकि आतंकवादियों की वास्तविक संख्या का पता नहीं था। राष्ट्रीय राजमार्ग से सटे हुए क्षेत्र में धान के खेत थे, जिसकी वजह से आतंकवादी स्थलाकृति का लाभ उठाकर वहां से बचकर भागने में सफल हो सकते थे। परन्तु निरीक्षक सल्लिंदर सिंह ने अपनी क्यूआरटी और उप निरीक्षक (एस) इस्मियाज अहमद ने अपनी क्यूआरटी के साथ इस कार्य में रूचि दिखाई तथा वे अत्यंत असुविधाजनक समय और अंधेरे में अपनी जान को जोखिम में डालकर लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़े, जहां उनके हताहत होने की संभावना थी। परन्तु उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और वे कर्तव्यपरायणता के साथ आगे बढ़े तथा लक्षित घर के पास पहुंच गए और सटीक गोलीबारी करके एक अज्ञात आतंकवादी का सफाया कर दिया, जिसके कारण ऑपरेशनल

पार्टी का मनोबल बढ़ गया और स्थिति को उचित ढंग से नियंत्रित कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक कुलगाम, अपर पुलिस अधीक्षक एनएचडब्ल्यू, एसडीपीओ काजीगुंड ने स्थिति का भलीभांति जायजा लिया और सभी कार्मिकों को उनके स्थान पर तैनात कर दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आरआर/पुलिस को कोई क्षति न पहुंचे। उपनिरीक्षक संदीप कुमार शर्मा ने अपने सहयोगी के साथ अपनी जान को खतरे में डाल दिया और धान के खेतों से होते हुए लगभग 500 मीटर दूरी तय करके लक्षित क्षेत्र में पहुंच गए, जहां गोलीबारी हो रही थी। अपने सहयोगी सहित उक्त अधिकारी गोलीबारी के ठीक सामने थे। एसडीपीओ काजीगुंड ने अपनी क्यूआरटी के साथ उनकी सहायता की। उप निरीक्षक संदीप कुमार शर्मा आगे आए और उन्होंने उपयुक्त स्थान पर पोजीशन ले ली तथा वे रणनीतिक ढंग से आतंकवादी की ओर आगे बढ़े। उन्होंने अपने सहयोगी और अपर पुलिस अधीक्षक राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएचडब्ल्यू), पुलिस अधीक्षक कुलगाम तथा एसडीपीओ काजीगुंड के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग के उस विशिष्ट क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित किया, जहां गोलीबारी देखी गई थी। लक्ष्य को निर्धारित करना बहुत मुश्किल था, परन्तु उपनिरीक्षक संदीप कुमार शर्मा अपने सहयोगी के साथ मिलकर अपने निजी जीवन की परवाह किए बिना कर्तव्यपरायणता के साथ आगे बढ़े और दूसरे आतंकवादी को भी मौके पर ही मार गिराया। अब गोलीबारी बंद हो गई थी, परन्तु ऑपरेशनल पार्टी ने उस स्थान को नहीं छोड़ा, क्योंकि यह रात का समय था तथा कुछ और आतंकवादियों की मौजूदगी से इनकार नहीं किया जा सकता था। अब, उक्त स्थान से शवों को निकालने की चुनौती थी। पुलिस अधीक्षक कुलगाम के पर्यवेक्षण में अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम और एसडीपीओ काजीगुंड ने साहस एवं बुद्धिमानी का प्रदर्शन किया तथा मुठभेड़ स्थल से हथियार/गोलाबारूद सहित दो शव बरामद किए गए। भोर होने तक घेराबंदी को बनाए रखा गया। उक्त क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति भी बिगड़ने की संभावना थी, क्योंकि मुठभेड़ स्थल घनी आबादी वाले क्षेत्र खुदवानी, गाठ और रेडवानी के नजदीक था, जो आतंकवाद की दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील माने जाते हैं।

पुलिस द्वारा दिखाए गए तालमेल ने 02 खूंखार आतंकवादियों का सफाया करने में अनुकरणीय भूमिका निभाई। विषम परिस्थिति के बावजूद, अपनी जान को खतरे में डालते हुए निरीक्षक सलिलंदर सिंह और संदीप कुमार शर्मा ने अपनी-अपनी क्यूआरटी के साथ सामने से नेतृत्व किया। उक्त ऑपरेशन, जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) गुट के 02 खूंखार आतंकवादियों अर्थात् शाहबाज अहमद शाह उर्फ एसपी, पुत्र गुलाम हसन शाह, निवासी कत्रासू कुलगाम और नासिर अयूब पंडित, पुत्र मोहम्मद अयूब पंडित, निवासी वानपोरा कैमोह कुलगाम के सफाए के साथ पूरा हुआ। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, काजीगुंड पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307 और भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 169/2021 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री सलिलंदर सिंह, निरीक्षक और संदीप कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08/07/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1166/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 108-प्रेज/2023 – भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	सुजीत कुमार, भापुसे	उप महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	मोहन लाल	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3	युधवीर सिंह	सहायक उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.07.2021 को लगभग 16:10 बजे, गांव बिलावाबाद, वारपोरा सोपोर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त एक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, सोपोर पुलिस/पीसी श्रीनगर, 22-आरआर और सीआरपीएफ द्वारा उक्त क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी एवं सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इसी बीच, श्री सुजीत कुमार, उप महानिरीक्षक-पी उत्तरी कश्मीर रेंज बारामूला भी वहां पर चल रहे ऑपरेशन में शामिल हो गए और उन्होंने सेना तथा सीआरपीएफ के समकक्ष सहयोगियों के साथ इसकी पूरी कमान/पर्यवेक्षण को अपने हाथों में ले लिया। चूंकि, इस आशय की विश्वसनीय सूचना थी कि आतंकवादी अत्याधुनिक हथियारों के साथ एक आवासीय घर में छिपे हुए हैं, इसलिए यह सुनिश्चित किया गया कि ऑपरेशन के दौरान कोई क्षति न हो और सेना के समकक्ष सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श करके नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई।

इस प्रकार, फंसे हुए आम नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के लिए श्री सुजीत कुमार, उप महानिरीक्षक एनकेआर, बरामूला, श्रीनगर के नेतृत्व में पुलिस/सेना/सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम गठित की गई और कवर गोलीबारी प्रदान करने के लिए एक बैकअप पार्टी के रूप में श्री सुधांशु वर्मा, पुलिस अधीक्षक सोपोर के नेतृत्व में सेना/पुलिस/सीआरपीएफ की दूसरी टीम तैनात की गई। तदनुसार, श्री सुजीत कुमार के नेतृत्व वाली पहली संयुक्त टीम ने अपनी जान को अत्यधिक खतरे में डालकर सभी फंसे हुए आम नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला और आम नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने की प्रक्रिया के दौरान भी, आतंकवादियों ने इस कार्य को रोकने तथा आम नागरिकों को बंधक बनाने के इरादे से रूक-रूक कर गोलीबारी की और कुछ गोлияं उक्त अधिकारी के नजदीक से भी गुजरीं, परन्तु अधिकारी ने अपना मनोबल नहीं खोया और फंसे हुए सभी आम नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला। एक बार आम नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने का ऑपरेशन पूरा हो जाने के बाद, घेराबंदी को और अधिक मजबूत कर दिया गया तथा सर्व ऑपरेशन को तेज कर दिया गया, जिसके दौरान वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने सर्व पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसका उचित जवाब दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप वहां मुठभेड़ शुरू हो गई। चूंकि, आतंकवादी दो मंजिला पक्के घर में छिपे हुए थे तथा घर में रणनीतिक ढंग से अपनी पोजीशन बदल रहे थे तथा उन्होंने काफी देर तक सुरक्षा बलों को उलझाए रखा और साथ ही लक्षित घर एक भीड़-भाड़ वाले इलाके में भी स्थित था, इसलिए सुरक्षा बल काफी समय तक लक्षित घर के नजदीक आसानी से नहीं पहुंच सके।

अंततः, श्री सुजीत कुमार के नेतृत्व में श्री मोहन लाल, पुलिस उपाधीक्षक पीसी श्रीनगर, सहायक उपनिरीक्षक युधवीर सिंह और अन्य कार्मिकों वाली पहली संयुक्त टीम अंतिम एवं निर्णायक हमले के लिए लक्षित घर के निकट पहुंचने के उद्देश्य से स्वेच्छा से आगे बढ़ी और पहली टीम को कवर गोलीबारी प्रदान करने तथा पहली टीम के लक्षित घर के निकट पहुंचने तक आतंकवादियों को उलझाए रखने के लिए सेना/सीआरपीएफ एवं पुलिस कार्मिकों वाली दूसरी टीम को बैकअप के रूप में रखा गया। तदनुसार, श्री सुजीत कुमार के नेतृत्व में पहली एडवांस टीम ने दूसरी पार्टी की बैकअप गोलीबारी की सहायता से रेंगकर आगे बढ़ने की रणनीति के साथ आगे बढ़ना शुरू कर दिया और जब एडवांस टीम लक्षित घर के निकट पहुंचने वाली थी, तभी आतंकवादी यह भांपकर कि सुरक्षा बल लक्षित घर तक पहुंच गए हैं, गोлияं की बौद्धिक करते हुए अचानक सामने के मुख्य द्वार से कूदकर घर के बाहर आ गए और उन्होंने एक नजदीकी घने बगीचे में शरण लेने का प्रयास किया, लेकिन उससे पहले ही, एडवांस टीम विशेष रूप से श्री सुजीत कुमार, श्री मोहन लाल, पुलिस उपाधीक्षक (पीसी) श्रीनगर और सहायक उपनिरीक्षक युधवीर सिंह एक चट्टान की भांति डटे हुए थे और उन्होंने दूसरी टीम की कवर गोलीबारी की सहायता से प्रभावकारी जवाबी गोलीबारी की। वहां पर हुई आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई में, प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी गुट के दो आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में फयाज अहमद वार उर्फ रूकाना उर्फ उमर, पुत्र गुलाम मोहि-उद-दीन वार, निवासी वारपोरा सोपोर, एलईटी गुट और शाहीन अहमद मीर उर्फ शाहीन मौलवी, पुत्र मोहम्मद कमल मीर, निवासी चेरपोरा बडगाम के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, आगे जांच करने के लिए सोपोर पुलिस स्टेशन में भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 195/2021 दर्ज है।

मारा गया आतंकवादी फयाज अहमद वार उर्फ रूकाना उर्फ उमर, पुत्र गुलाम मोहि-उद-दीन वार, निवासी वारपोरा सोपोर एक शीर्ष एलईटी कमांडर था और उसका सफाया सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी सफलता मानी जाती है तथा यह एलईटी गुट के लिए एक गहरा आघात है। वह अनेक विध्वंसकारी गतिविधियों और पुलिस/सुरक्षा बल प्रतिष्ठानों पर हमलों में शामिल था।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री सुजीत कुमार, भापुसे, उप महानिरीक्षक, मोहन लाल, पुलिस उपाधीक्षक और युधवीर सिंह, सहायक उपनिरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 22/07/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1167/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 109-प्रेज/2023 – भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री बिलाल अहमद डार	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 26.07.2021 को कुलगाम पुलिस को गुरवतन अहराबल के वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। कुलगाम पुलिस ने 62 आरआर और सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के साथ मिलकर उपर्युक्त क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और घने जंगलों

में तलाशी शुरू कर दी। श्री गुरिंदर पाल सिंह-आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम की समग्र कमान/नियंत्रण में संबंधित क्यूआरटी सहित निरीक्षक श्री इम्तियाज अहमद एसएचओ पुलिस स्टेशन मंझगाम तथा निरीक्षक तनवीर जहांगीर एसएचओ पुलिस स्टेशन डीएच पोरा के साथ-साथ श्री जुल्फकार अहमद, अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम और श्री आरिफ हुसैन, पुलिस उपाधीक्षक पीसी हातीपोरा के अधीन एक टीम गठित की गई। तदनंतर, सम्पूर्ण क्षेत्र को सील करने और उसकी घेराबंदी करने के लिए ऑपरेशनल रणनीति बनाई गई। श्री गुरिंदर पाल सिंह-आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम, श्री जुल्फकार अहमद अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम, श्री आरिफ हुसैन, पुलिस उपाधीक्षक पीसी हातीपोरा और निरीक्षक इम्तियाज अहमद एसएचओ मंझगाम के नेतृत्व में प्रारंभिक सैन्य पार्टियों ने संबंधित क्यूआरटी तथा 62 आरआर एवं सीआरपीएफ की 18वीं बटालियन के समकक्ष अधिकारियों के साथ मिलकर वहां से बचकर भागने के सभी संभावित मार्गों को बंद कर दिया। प्रारंभिक घेराबंदी करके यह सुनिश्चित किया गया कि आतंकवादी उक्त वन क्षेत्र में मौजूद हैं, परन्तु शुरू में उनकी संख्या सुनिश्चित नहीं की जा सकी, क्योंकि लक्षित क्षेत्र की पहचान नहीं हो पायी थी। उक्त क्षेत्र में घेराबंदी को और अधिक मजबूत करके सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। घने जंगलों में लक्षित क्षेत्र की पहचान कर पाना बहुत कठिन था। यह क्षेत्र पहाड़ियों वाला था और इसकी सीमा पहाड़ी जिले शोपियां से लगती थी। रणनीतिक ढंग से लक्षित क्षेत्र की पहचान की गई और इसे घेर लिया गया तथा आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया। पुष्टि करने पर यह पता चला कि केवल एक शीर्ष आतंकवादी कमांडर ही वहां फंसा हुआ है और उसने प्राधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण करने से इनकार कर दिया। इसके बजाय, उसने ऑपरेशनल पार्टियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। संपर्क स्थापित हो जाने पर, घेराबंदी करने वाली टीमों ने आतंकवादी को स्थलाकृति का लाभ उठाकर बच निकलने से रोकने के लिए अपनी पोजीशन सुदृढ़ कर ली। तथापि, सुरक्षा बलों द्वारा गोलीबारी रोक दी गई, क्योंकि कौसरनाग/अहराबल के भ्रमण/पिकनिक पर आए हुए बहुत से लोग मुठभेड़ क्षेत्र में फंसे हुए थे और वे अचानक हुई गोलीबारी के कारण डर गए थे तथा वहां पर भय का माहौल पैदा हो गया था। मुठभेड़ स्थल में फंसे हुए आम नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के कार्य को प्राथमिकता दी गई। आतंकवादी द्वारा ऑपरेशनल पार्टी पर की जा रही अंधाधुंध गोलीबारी के दौरान, घने जंगलों से आम नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालना एक बड़ा चुनौतीपूर्ण कार्य था। मुठभेड़ स्थल में लगभग 500 लोग फंसे हुए थे और उन सभी को एक साथ सुरक्षित रूप से बाहर निकालना संभव नहीं था। पुलिस अधीक्षक कुलगाम द्वारा व्यक्तिगत रूप से बचाव कार्य शुरू किया गया और बचाव कार्य के दौरान श्री आरिफ हुसैन, पुलिस उपाधीक्षक पीसी हातीपोरा के नेतृत्व वाली ऑपरेशनल पार्टी द्वारा आम नागरिकों को मानवीय कवच प्रदान किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम ने अपने सहयोगी हेड कांस्टेबल बिलाल अहमद डार के साथ, श्री आरिफ हुसैन, पुलिस उपाधीक्षक हातीपोरा ने अपने हेड कांस्टेबल प्रेम पॉल के साथ और हेड कांस्टेबल अशोक कुमार, एस.जी.सीटी दाउद अहमद तथा एस.जी.सीटी आबिद अहमद ने मुठभेड़ स्थल में फंसे लोगों को मानवीय कवच प्रदान किया। घेराबंदी के प्रारंभिक चरण में, आतंकवादी ने स्थलाकृति का लाभ उठाते हुए अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, क्योंकि वह क्षेत्र घनी आबादी वाला था। दूसरी ओर, अपनी संबंधित क्यूआरटी के साथ श्री जुल्फकार अहमद, अपर पुलिस अधीक्षक कुलगाम और उप निरीक्षक संदीप कुमार शर्मा, आईसी पीसी अमनू ने लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और बचकर भागने के सभी संभावित मार्गों को बंद कर दिया।

अपने सहयोगी हेड कांस्टेबल बिलाल अहमद डार के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम द्वारा बचाव कार्य के दौरान किए गए अथक प्रयासों की वजह से, एक ओर जहां श्री आरिफ हुसैन, पुलिस उपाधीक्षक हातीपोरा और उनके सहयोगी हेड कांस्टेबल प्रेम पॉल लगातार हो रही गोलीबारी के बीच एक अधिक प्रभावशाली पोजीशन लेने में सफल हो गए, वहीं दूसरी ओर, ऑपरेशनल पार्टी लक्षित क्षेत्र में डटी हुई थी। श्री गुरिंदरपाल सिंह, आईपीएस और श्री आरिफ हुसैन, पुलिस उपाधीक्षक पीसी हातीपोरा अपने-अपने सहयोगियों के साथ अपनी जान की परवाह किए बिना अपनी अपेक्षित ड्यूटी से भी अधिक कर्तव्यपरायणता प्रदर्शित करते हुए ऑपरेशनल पार्टी के साथ लक्षित स्थान की ओर आगे बढ़े। रूक-रूक कर गोलीबारी हो रही थी और दोनों कार्मिक गोलीबारी के ठीक सामने थे, परन्तु ऑपरेशनल पार्टी ने उस स्थान को नहीं छोड़ा और कौशल/बुद्धिमानी का प्रदर्शन किया तथा अलग-अलग दिशाओं से लक्षित क्षेत्र में प्रवेश किया। तत्पश्चात, ऑपरेशनल टीमों ने अपने सहयोगियों के साथ स्थिति का जायजा लिया और सटीक गोलीबारी करते हुए आतंकवादी को मौके पर ही मार गिराया। ऑपरेशनल पार्टियों की कार्रवाई की स्थानीय लोगों, विशेषकर मुठभेड़ स्थल में फंसे आम नागरिकों द्वारा सराहना की गई।

पुलिस घटक, विशेषरूप से हेड कांस्टेबल बिलाल अहमद डार, जिन्होंने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना एक अनुकरणीय भूमिका निभाई, के द्वारा दिखाए गए तालमेल की वजह से एक खूंखार आतंकवादी, जो शोपियां जिले के प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) गुट का एक शीर्ष कमांडर था, का सफाया हो गया। ऑपरेशन के बाद की गई तलाशी के दौरान, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) गुट के एक आतंकवादी का शव बरामद किया गया, जिसकी पहचान अमिर यूसुफ मीर, पुत्र मो. यूसुफ मीर, निवासी चेक-चोलांड, जिला शोपियां के रूप में की गई। उक्त आतंकवादी युवाओं को आतंकवाद में शामिल होने के लिए प्रेरित करता था और दक्षिणी कश्मीर, विशेषरूप से शोपियां और कुलगाम जिलों के युवाओं को कट्टरपंथी बनाया करता था। जांच के दौरान, यह पता चला कि उक्त आतंकवादी शोपियां जिले के 02 स्थानीय आतंकवादियों के साथ मिलकर नेशनल हाईवे (एनएचडब्ल्यू) पर सुरक्षा बलों पर आत्मघाती हमला करने की योजना बना रहा था। उक्त आतंकवादी विभिन्न माध्यमों अर्थात् सोशल मीडिया और मैनुअल बठकों के जरिए, दिग्भ्रमित युवाओं का इस्तेमाल करके इन दोनों जिलों में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा था।

हेड कांस्टेबल बिलाल अहमद डार द्वारा विशेष रूप से किए गए उत्कृष्ट प्रयासों के कारण आतंकवाद के एक बड़े खतरे का अंत हो गया। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, मंझगाम पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/25 एवं 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 13, 16, 18, 19, 20, 38 एवं 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 64/2021 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के श्री बिलाल अहमद डार, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 26/07/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1168/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 110-प्रेज/2023 – भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मीर सज्जाद बशीर	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	आसिफ हुसैन डार	एस.जी.सीटी	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07.08.2021 को, बडगाम पुलिस को गांव मौचवा चदूरा बडगाम में प्रतिबंधित गुट लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी के मौजूद होने/छिपे होने के बारे में सूचना प्राप्त हुई, जो श्रीनगर-चदूरा रोड पर किसी आतंकवादी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहा था। इस सूचना के प्राप्त होने पर, 50 आरआर के कमान अधिकारी और सीआरपीएफ की 181वीं बटालियन के कमांडेंट के साथ मिलकर एक सर्च ऑपरेशन की योजना बनाई गई। तदनुसार, दिनांक 07.08.2021 को लगभग 0015 बजे घेराबंदी एवं सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। सर्च के दौरान, उक्त क्षेत्र में 01 आतंकवादी की मौजूदगी की पुष्टि हुई, जिसने घेराबंदी से भागने का प्रयास किया और श्रीनगर-चदूरा मेन रोड पर स्थित भवनों में से एक भवन में घुस गया, जिसके भू-तल पर दुकानें थीं और प्रथम तल पर कुछ कमरे बने हुए थे। उक्त भवन के आस-पास घेराबंदी को मजबूत कर दिया गया। छिपे हुए आतंकवादी द्वारा आत्मसमर्पण करने हेतु घोषणाएं की गईं। तथापि, उक्त आतंकवादी ने आत्मसमर्पण के लिए बार-बार किए गए अनुरोधों की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। इसकी बजाय, उस छिपे हुए आतंकवादी ने पुनः बचकर भागने का प्रयास करने के लिए सर्च पार्टी पर गोलीबारी की। सर्च पार्टी द्वारा गोलीबारी का प्रभावकारी ढंग से जवाब दिया गया। लगभग ढाई घंटे तक लगातार रूक-रूककर गोलीबारी होती रही और लगभग 0300 बजे आतंकवादी ने उस भवन से भागने और घेराबंदी को तोड़ने के लिए एक दुस्साहसिक प्रयास किया। तथापि, प्रभारी अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम, श्री गौहर अहमद खान के नेतृत्व में, एसएचओ पुलिस स्टेशन चदूरा, निरीक्षक मीर सज्जाद बशीर तथा एस.जी.सीटी आसिफ हुसैन डार के साथ संयुक्त सर्च पार्टी ने भारी हथियारों से लैस आतंकवादी के ऊपर सटीक गोलीबारी की और अपनी तरफ किसी क्षति के बिना, उस भवन के ठीक सामने आतंकवादी को मार गिराया, जिसके भीतर वह छिपा हुआ था। दिनांक 07.08.2021 को 0530 बजे उक्त भवन सहित उस स्थान की तलाशी करने का कार्य पूरा किया गया और एक शव बरामद किया गया, जिसकी पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) आतंकवादी गुट के शकीर बशीर डार, ग-श्रेणी, पुत्र बशीर अहमद डार, निवासी गोरीपोरा अवन्तीपोरा के रूप में की गई, जो बाद में अल-बदर गुट में शामिल हो गया था, जिसका पुष्टि बाद में जांच के दौरान हुई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, आगे जांच हेतु चदूरा पुलिस स्टेशन में विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 20 और 23 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 128/2021 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मीर सज्जाद बशीर, निरीक्षक और आसिफ हुसैन डार, एस.जी.सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07/08/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1169/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 111-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अब्दुल जब्बार, भापुसे	उप महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	मुबाशिर रसूल	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
3	अजय सूडान	पुलिस उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	मुजफ्फर अहमद रेशी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 13.10.2021 को, अवंतीपोरा पुलिस को उप महानिरीक्षक एसकेआर- अनंतनाग से एक आवासीय घर में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के एक स्वयंभू कमांडर की मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई, जो उक्त क्षेत्र में किसी आतंकवादी वारदात को अंजाम देने के लिए आपराधिक षडयंत्र रच रहा था। उक्त जानकारी का विश्लेषण/उसकी पुष्टि की गई और इसे तत्काल सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन के कमांडेंट और सेना की 42 आरआर के कमान अधिकारी के साथ साझा किया गया। सभी संभावित खतरों को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक एक योजना तैयार करने के बाद, अवंतीपोरा पुलिस, सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन और सेना की 42 आरआर द्वारा लगभग 1300 बजे गांव तेलवानी मोहल्ला वागड़, त्राल में लक्षित घर की संयुक्त घेराबंदी कर दी गई। सेना की 42 आरआर, सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन और अवंतीपोरा पुलिस की संयुक्त पार्टी, सुरक्षित घेराबंदी किए जाने तक, उच्च स्तर की गोपनीयता बनाए रखते हुए, अपरम्परागत खतरनाक मार्गों से होकर लक्षित घर तक पहुंच गई। घेराबंदी करके इसे सुदृढ़ करने के बाद, उप महानिरीक्षक एसकेआर-अनंतनाग के पर्यवेक्षण में पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम द्वारा लक्षित घर में आतंकवादी की तलाश करने का कार्य शुरू किया गया। सैन्य बलों की गतिविधि को भांपते हुए, लक्षित घर में छिपे हुए आतंकवादी ने उनके ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, ताकि वह घेराबंदी को तोड़कर घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भाग सके।

परन्तु सूझ-बूझ की वजह से, सर्च पार्टी ने शीघ्र पोजीशन ले ली तथा आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की और इस प्रकार छिपे हुए आतंकवादी के घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने के प्रयास को विफल कर दिया। इस प्रकार चूंकि आतंकवादी की मौजूदगी और उसकी वास्तविक लोकेशन का पता चल गया था, इसलिए संयुक्त टीम द्वारा घेराबंदी को मजबूत कर दिया गया और दृढ़तापूर्वक जवाबी कार्रवाई की गई। तदनुसार, लक्षित घर के नजदीक पोजीशन लेने के लिए पुलिस की 03 टीमों, उप महानिरीक्षक एसकेआर के नेतृत्व में पश्चिमी दिशा में पहली टीम, श्री मोहम्मद यूसुफ, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा के नेतृत्व में उत्तरी दिशा में दूसरी टीम और श्री मुबाशिर रसूल-एसडीपीओ त्राल के नेतृत्व में पूर्वी दिशा में तीसरी टीम गठित की गई। चूंकि, लक्षित घर आबादी वाले क्षेत्र में स्थित था और वहां कानून एवं व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने की पूरी-पूरी संभावना थी, इसलिए इस प्रकार के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए इसके आस-पास सभी स्थानों पर रणनीतिक ढंग से सीआरपीएफ/पुलिस घटकों की तैनाती कर दी गई, ताकि लक्षित घर/क्षेत्र को किसी भी प्रकार के बाहरी हस्तक्षेप से बचाया जा सके, जिससे अन्यथा कुछ हद तक व्यवधान उत्पन्न हो सकता था।

चूंकि, दिन के समय और वह भी जब शीघ्र आतंकवादी कमांडर के छिपे होने की रिपोर्ट प्राप्त हुई हो, ऑपरेशन चलाना सदैव चुनौतीपूर्ण होता है, इसलिए उप महानिरीक्षक एसकेआर-अनंतनाग ने जमीनी हालात के अनुसार कार्रवाई की, रणनीति पर पुनर्विचार किया और श्री मुबाशिर रसूल-एसडीपीओ त्राल को लक्षित घर से आम नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने के लिए दो अलग-अलग दिशाओं से अपनी टीम के पीछे-पीछे चलने के लिए कहा। लक्षित घर और उसके आस-पास के घरों में फंसे हुए आम नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालना उपर्युक्त ऑपरेशन का एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण चरण था, क्योंकि छिपे हुए आतंकवादी द्वारा हमला किए जाने की पूरी संभावना थी। आतंकवादी द्वारा की जा रही गोलियों की बौछार के बीच यह साहसिक कार्य श्री अब्दुल जब्बार द्वारा श्री मुबाशिर रसूल-एसडीपीओ त्राल, पुलिस उपनिरीक्षक अजय सूडान और हेड कांस्टेबल मुजफ्फर अहमद रेशी के साथ मिलकर किया गया। आम नागरिकों को सुरक्षित रूप से बाहर निकालने का कार्य हेड कांस्टेबल जाविद अहमद, एस.जी.सीटी अकीब अहमद और सेना/सीआरपीएफ के समकक्ष सहयोगियों द्वारा प्रदान की गई कवर गोलीबारी की सहायता से संभव हुआ। उसके बाद, वहां छिपे हुए आतंकवादी को उपर्युक्त क्षेत्र के माननीय व्यक्ति के माध्यम से अपने हथियार डालकर आत्मसमर्पण करने का एक अवसर प्रदान किया गया, जिससे उसने इनकार कर दिया और बदले में उसने हमलावर पार्टियों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। श्री मुबाशिर रसूल-एसडीपीओ त्राल, पुलिस उपनिरीक्षक अजय सूडान और हेड कांस्टेबल मुजफ्फर अहमद रेशी के साथ श्री अब्दुल जब्बार के नेतृत्व में पुलिस, सीआरपीएफ एवं सेना की संयुक्त हमलावर पार्टियों ने कवर ले लिया और वे अपनी जान की परवाह किए बिना आगे रह कर वीरतापूर्वक लड़ी तथा उक्त आतंकवादी को उस घर के भीतर ही मार गिराया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) गुट के शमीम अहमद सोफी, पुत्र स्व. गुलाम अहमद सोफी, निवासी सतूरा अरिपाल, त्राल के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, त्राल पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध

अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 18, 20 एवं 38 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 127/2021 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री अब्दुल जब्बार, भापुसे, उप महानिरीक्षक, मुबाशिर रसूल, पुलिस उपाधीक्षक, अजय सूडान, पुलिस उपनिरीक्षक और मुजफ्फर अहमद रेशी, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13/10/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1171/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 112-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का चतुर्थ बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, भापुसे	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार
2	मंजूर हुसैन पीर	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.10.2021 को, सोपत देवसर, कुलगाम के क्षेत्र में आतंकवादियों की गतिविधियों का पता चला, जो किसी आतंकवादी वारदात को अंजाम देने वाले थे। इस जानकारी के आधार पर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम, डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती-भापुसे अपनी टीम, 9 आरआर और 2 पैरा की टीम के साथ जिला कुलगाम के सोपत-देवसर क्षेत्र की ओर तेजी से बढ़े और एक सफल ऑपरेशन की सभी एसओपी को ध्यान में रखते हुए सोपत देवसर क्षेत्र में तथा उसके आस-पास विभिन्न रणनीतिक संयुक्त नाके लगा दिए। इसी बीच, एक संदेहास्पद वाहन सोपत जनरल रोड नाका प्वाइंट की ओर आ रहा था और संयुक्त नाका पार्टी ने उसे रूकने का संकेत दिया। हथियार/गोला-बारूद से लैस दो आतंकवादी उक्त संदिग्ध वाहन से उतरे और संयुक्त नाका पार्टी को जान से मारने के इरादे से उन्होंने इस संयुक्त नाका पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

तथापि, दोनों ऑपरेशनल पार्टियों, जिसमें से एक पार्टी में डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम, हेड कांस्टेबल मंजूर हुसैन पीर के साथ-साथ जिला पुलिस कुलगाम, 9आरआर तथा 2 पैरा के पर्याप्त सुरक्षा बल और दूसरी पार्टी में जिला पुलिस कुलगाम, 9 आरआर और 2 पैरा के पर्याप्त सुरक्षा बल के साथ श्री अजहर रशीद, पुलिस उपाधीक्षक पीसी कुलगाम तथा फॉलोअर फारूक अहमद शामिल थे, ने अपनी जान की परवाह किए बिना चतुराई से जवाबी कार्रवाई की और अपनी तरफ किसी क्षति के बिना उन दोनों आतंकवादियों को मार गिराया। आमने-सामने की इस भीषण गोलीबारी के दौरान ऑपरेशनल टीमों ने गोलीबारी के स्थल और उसके आस-पास मौजूद नागरिकों का उचित ध्यान रखा। इस भीषण गोलीबारी के दौरान, बहादुर अधिकारियों वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम तथा हेड कांस्टेबल मंजूर हुसैन पीर ने अन्य पुलिस पार्टी, 9 आरआर और 2 पैरा टीम के साथ मिलकर आतंकवादियों को मौके से भागने का कोई मौका नहीं दिया।

पुलिस पार्टी, विशेष रूप से डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुलगाम और हेड कांस्टेबल मंजूर हुसैन पीर ने सामंजस्य का प्रदर्शन करते हुए अपनी और साथ ही अन्य कार्मिकों की जान की सुरक्षा और संरक्षा की परवाह किए बिना 02 खतरनाक आतंकवादियों के खात्मे में अनुकरणीय भूमिका निभाई। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में गुलज़ार अहमद रेशी, लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), पुत्र- अब्दुल रहमान रेशी, निवासी- गुफबल कुलगाम और इमरान नबी डार टीआरएफ, पुत्र- गुलाम नबी डार, निवासी- रेडवानी कुलगाम के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन देवसर में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20, 38 एवं 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 65/2021 दर्ज है।

इन आतंकवादियों की मौत होने से, संबंधित प्रतिबंधित आतंकी संगठनों की संरचनात्मक और कार्यात्मक इकाई को बड़ा झटका लगा। वे सुरक्षा कार्मिकों की हत्या, बैंक लूटपाट और पुलिस गार्ड तथा प्रतिष्ठानों पर हमलों में शामिल थे। ये दोनों आतंकवादी जम्मू और कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र में सांप्रदायिक दंगे फैलाने के उद्देश्य से वानपोह कुलगाम में 02 प्रवासी मजदूरों की हत्या में भी शामिल थे। इस प्रकार, उनका उद्देश्य

शांति को भंग करने और लोकतंत्र समर्थक लोगों के बीच अराजकता की भावना पैदा करने के साथ-साथ लोकतंत्र के मूल रक्षकों को चोट और नुकसान पहुंचाना था।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और मंजूर हुसैन पीर, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20/10/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1172/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 113-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मीर सज्जाद बशीर	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	जहांगीर अहमद डार	एस.जी. सीटी	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	आज़ाद अहमद मीर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 06/07.01.2022 को, पुलिस स्टेशन चदूरा के गांव जोलवाह में प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में बडगाम पुलिस को एक विशेष सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 50 आरआर, 181 बटालियन सीआरपीएफ/डी-29 बटालियन सीआरपीएफ के साथ सावधानीपूर्वक एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई। शाम लगभग 2030 बजे, जमीनी स्थिति के सभी पहलुओं का विश्लेषण करने के बाद, पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री ताहिर सलीम खान की समग्र निगरानी में, बडगाम के जोलवाह चदूरा गांव के क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

जब लगभग 2155 बजे घेराबंदी की जा रही थी, तब वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने घेराबंदी और तलाशी दलों को चोट पहुंचाने तथा घेराबंदी को तोड़कर एवं अंधेरे का फायदा उठाकर वहां से भाग जाने के इरादे से पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री ताहिर सलीम खान के नेतृत्व वाले घेराबंदी दल, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक (पीसी) चदूरा श्री मंसूर अयाज़, निरीक्षक मीर सज्जाद बशीर, एसएचओ पुलिस स्टेशन चदूरा, हेड कांस्टेबल तनवीर अहमद, एस.जी. सीटी जहांगीर अहमद डार और अन्य कार्मिक शामिल थे, पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उपर्युक्त घेराबंदी/हमलावर दल द्वारा गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया; इसलिए, आतंकवादी घेरे को नहीं तोड़ सके और उन्हें घेराबंदी वाले क्षेत्र में वापस धकेल दिया गया।

लगभग 2230 बजे, अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री गौहर अहमद के नेतृत्व में अतिरिक्त दलों को तैनात करके घेराबंदी वाले क्षेत्र को और मजबूत कर दिया गया, जिसमें निरीक्षक यासिर रशीद, एसएचओ पुलिस स्टेशन चरार-ए-शरीफ, सहायक उप निरीक्षक सैयद गुलाम रसूल, एस.जी. सीटी सज्जाद मोहम्मद रफीक, सिपाही आज़ाद अहमद मीर और अन्य कार्मिक शामिल थे। वहां पर अतिरिक्त रोशनी की व्यवस्था की गई, ताकि आतंकवादी अंधेरे में भाग न सकें और तलाशी फिर से शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री ताहिर सलीम खान के नेतृत्व में संयुक्त तलाशी दल ने चोट लगने की परवाह किए बिना स्वयं को आसन्न खतरे में डालते हुए, लक्षित क्षेत्र के आस-पास के सभी घरों से समस्त नागरिकों को बाहर निकाला और साथ ही लक्षित क्षेत्र के आस-पास के घरों के भीतर मौजूद सभी निवासियों को भी बाहर निकाला। लगभग 2300 बजे तलाशी पुनः शुरू की गई और दिनांक 06/07.01.2022 की मध्यरात्रि के दौरान लगभग 0200 बजे एक आतंकवादी की मौजूदगी का पता चला, जो घेराबंदी वाले क्षेत्र में एक शेड के पास छिपा हुआ था। छिपे हुए आतंकवादी को भी हथियार डालने और आत्मसमर्पण करने का अवसर दिया गया, लेकिन इसके बजाय, उस आतंकवादी ने तलाशी/हमलावर दल पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका श्री ताहिर सलीम खान, पुलिस अधीक्षक बडगाम और एस.जी. सीटी जहांगीर अहमद डार द्वारा आतंकवादी पर सटीक गोलीबारी करके प्रभावी ढंग से जवाब दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप छिपे हुए आतंकवादी को तत्काल मार गिराया गया।

जैसे ही ऑपरेशन/हमलावर दल आगे बढ़ा, तभी घेराबंदी/लक्षित क्षेत्र में खाली कराए गए घरों में से एक घर के पास दो और आतंकवादियों की गतिविधि देखी गई। पुनः, उद्घोषणा करके आतंकवादियों को अपने हथियार/गोला-बारूद डालने का अवसर प्रदान किया गया, तथापि, आतंकवादियों ने पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री ताहिर सलीम खान के नेतृत्व वाले हमलावर दल पर गोलीबारी की, जिसमें निरीक्षक मीर सज्जाद

बशीर, एसएचओ पुलिस स्टेशन चदूरा, निरीक्षक यासिर रशीद, एसएचओ पुलिस स्टेशन चरार-ए-शरीफ, सहायक उप निरीक्षक सैयद गुलाम रसूल तथा सिपाही आज़ाद अहमद मीर शामिल थे और वे सामंजस्यपूर्ण तरीके से आगे बढ़े तथा श्री ताहिर सलीम खान, निरीक्षक मीर सज्जाद बशीर और सिपाही आज़ाद अहमद मीर ने छिपे हुए आतंकवादियों पर सटीक लक्षित गोलीबारी करके प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की तथा वहां पर छिपे हुए आतंकवादियों को तत्काल मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के कमांडर वसीम कादिर मीर, पुत्र गुलाम कादिर, निवासी- शहजादपोरा डंगेरपोरा, नौगाम और 02 विदेशी आतंकवादियों (एफटी) नामतः नाबीद उर्फ वलीद भाई तथा अब्दुल रऊफ उर्फ आरिफ मुफ्ती, निवासी- पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस घटना के संबंध में, पुलिस स्टेशन चदूरा में विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 20 एवं 38 के तहत आगे की जांच के लिए एक मामलागत एफआईआर सं. 03/2022 दर्ज है। इन आतंकवादियों का खात्मा जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) संगठन के लिए एक बड़ा झटका है। पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा की गई त्वरित एवं वीरतापूर्ण कार्रवाई से एक बड़ी/विनाशकारी त्रासदी टल गई, जो इन आतंकवादियों के कारण घटित हो सकती थी।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मीर सज्जाद बशीर, निरीक्षक, जहांगीर अहमद डार, एस.जी. सीटी और आज़ाद अहमद मीर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06/01/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1174/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 114-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अखिल शर्मा	एस.जी. सीटी	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	सज्जाद अहमद डार	एस.जी. सीटी	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 02.07.2021 को, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा को राजपोरा के हंजन पाईन गांव में कुछ हथियारबंद आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष जानकारी मिली, जो राजपोरा-शादिमर्ग क्षेत्र में एक बड़ी आतंकवादी वारदात को अंजाम देने की रणनीति बना रहे थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने अपने संबंधित अधिकारियों के साथ आगे और सूचना जुटाकर इसकी पुष्टि की तथा संदिग्ध क्षेत्र की संवेदनशीलता और इलाके के बारे में चर्चा की एवं सूचना को आगे 44 आरआर और 182/183वीं बटालियन सीआरपीएफ के साथ साझा किया गया तथा गांव हंजन पाईन के लक्षित क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएसओ) शुरू करने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा के नेतृत्व में पुलवामा पुलिस, 44 आरआर और 182/183वीं बटालियन सीआरपीएफ की संयुक्त टीम हंजन पाईन गांव की ओर आगे बढ़ी। लक्षित क्षेत्र में पहुंचने के बाद, पार्टियों द्वारा संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएसओ) शुरू किया गया और सभी प्रवेश/निकास मार्गों, रास्तों को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। इसके बाद, अपर पुलिस अधीक्षक तनवीर अहमद डार के नेतृत्व में एस.जी. सीटी अखिल शर्मा और एस.जी. सीटी सज्जाद अहमद डार सहित पुलिस/सुरक्षा बल की एक टीम का गठन किया गया और उसे लक्षित क्षेत्र की तलाशी करने के लिए कहा गया। जैसे ही संयुक्त तलाशी दल ने उक्त गांव के आवासीय घर में प्रवेश करना शुरू किया, तभी उसमें छिपे हुए आतंकवादियों ने तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे सेना के दो जवान गोली लगने से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए तत्काल सेना अस्पताल श्रीनगर ले जाया गया, जहां सेना के एक घायल जवान ने बाद में दम तोड़ दिया। तलाशी दल ने तुरंत कवर ले लिया और समर्पण के साथ आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब दिया, जिससे आतंकवादियों को रक्षात्मक होने के लिए मजबूर होना पड़ा।

चूंकि ऑपरेशन घने सेब के बगीचों से आच्छादित क्षेत्र में रात के समय शुरू हुआ था, इसलिए आम नागरिकों के हताहत होने की संभावना थी। आम नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए आम नागरिकों को बाहर निकालने के उद्देश्य से एक संयुक्त पुलिस/सुरक्षा बल पार्टी का गठन किया। निर्देशों के अनुसार, गठित टीम ने अपनी तरफ किसी क्षति के बिना सभी आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया। आम नागरिकों को लक्षित क्षेत्र से सफलतापूर्वक बाहर निकालने के बाद, घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया तथा बचकर भागने के सभी संभावित मार्गों को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। चूंकि

अंधेरा होने के कारण हमारे अपने लोगों को नुकसान होने की संभावना थी, इसलिए ऑपरेशन को अगले दिन सुबह तक के लिए रोक दिया गया और क्षेत्र में रोशनी करने के लिए पावर जनरेटर लगाए गए।

दिनांक 2 जुलाई, 2021 को, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली (पीए सिस्टम) और स्थानीय लोगों के माध्यम से आतंकवादियों को सुरक्षा बलों के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और वहां पर तैनात सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी।

छिपे हुए आतंकवादियों को मार गिराने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने पुलिस, सीआरपीएफ और सेना की 04 संयुक्त टीमों का गठन किया और उन्हें पुलिस के राजपत्रित/अराजपत्रित अधिकारियों के प्रभार के अधीन रखा। अपर पुलिस अधीक्षक तनवीर अहमद डार के नेतृत्व वाली पहली टीम को लक्षित घर के उत्तरी हिस्से में पोजीशन लेने के लिए कहा गया, निरीक्षक बशारत अली के नेतृत्व वाली दूसरी टीम को पूर्वी हिस्से में पोजीशन लेने के लिए कहा गया, जबकि सहायक उप निरीक्षक स्वामी सिंह के नेतृत्व वाली तीसरी टीम और सहायक उप निरीक्षक शायर ज़मौ खान के नेतृत्व वाली चौथी टीम को लक्षित घर के क्रमशः दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में पोजीशन लेने का निर्देश दिया गया।

उक्त सभी चारों संयुक्त टीमों ने ऑपरेशनल कमांडर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा के निर्देशानुसार पोजीशन ले ली। स्थिति का जायजा लेने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने वहां छिपे हुए आतंकवादियों को एक बार फिर सम्मानित व्यक्तियों के माध्यम से आत्मसमर्पण करने का अवसर प्रदान किया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी तथा लक्षित घर के उत्तरी हिस्से से भागने की कोशिश की। अपर पुलिस अधीक्षक तनवीर अहमद डार के नेतृत्व में संयुक्त दल तुरंत हरकत में आए और सामने से बहादुरी के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप 02 आतंकवादी मारे गए। अन्य 03 आतंकवादी अत्यधिक असमंजस में वापस लौट गए और उन्होंने अन्य दिशाओं से भागने की कोशिश की। तथापि, निरीक्षक बशारत अली के नेतृत्व में उस क्षेत्र में तैनात संयुक्त दल तेजी से हरकत में आए और अपनी बहुमूल्य जान की परवाह किए बिना सामने से आतंकवादी की गोलीबारी का बहादुरी से जवाब दिया तथा वे शेष 03 आतंकवादियों को मार गिराने में सफल रहे। दोनों ओर से गोलीबारी रुकने के बाद, मुठभेड़ स्थल से 05 आतंकवादियों के शव और हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किए गए। लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में अबू रेहान उर्फ तौहीद, निवासी पाकिस्तान, निशान हुसैन लोन उर्फ उमर खिताब, पुत्र मंजूर अहमद, निवासी निगीनपोरा ताल, दानिश मंजूर शेख, पुत्र मंजूर अहमद, निवासी सथेरगुंड काकापोरा, अमीर वागे, पुत्र अब्दुल गनी वागे, निवासी हंजन पाईन, मंजूर लोन, पुत्र गुलाम मोहम्मद लोन, निवासी तुलैल गुरज, ए/पी कंगन गांदरबल के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन राजपोरा में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 99/2021 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री अखिल शर्मा, एस.जी. सीटी और सज्जाद अहमद डार, एस.जी. सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02/07/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/28/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 115-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	साकिब गनी	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	राहुल पंडिता	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 14.12.2021 को 2300 बजे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा श्री जीएच. जिलानी वानी को ग्राम उज़रामपथरी, पुलवामा में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट और विश्वसनीय सूचना मिली, जो लस्सीपोरा/हवल क्षेत्रों में, जहां सेना/सीआरपीएफ के शिविर स्थित हैं, विध्वंसकारी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। यह सूचना अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा और पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) पुलवामा के साथ साझा की गई और लक्षित क्षेत्र के भू-भाग तथा अन्य पहलुओं के बारे में विस्तृत चर्चा के बाद, इस सूचना को आगे

44 आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ के साथ साझा किया गया तथा गांव के लक्षित क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएसओ) शुरू करने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की कमान में पुलवामा पुलिस, 44 आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ की संयुक्त टीमों ऑपरेशन शुरू करने के लिए तेजी से ग्राम उज़रामपथरी की ओर आगे बढ़ीं। ग्राम उज़रामपथरी पहुंचने के बाद, पार्टियों द्वारा लक्षित स्थान पर एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएसओ) शुरू किया गया तथा सभी प्रवेश/निकास मार्गों, गलियों/उप-गलियों सहित सभी मार्गों को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। घेराबंदी को मजबूत करने के बाद, 44 आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ के घटकों के साथ हेड कांस्टेबल राहुल पंडिता और अन्य कार्मिकों की सहायता से पुलिस उपाधीक्षक साकिब गनी के नेतृत्व वाली पीसी पुलवामा की एक टीम को लक्षित क्षेत्र की तलाशी करने के लिए कहा गया तथा उक्त तलाशी दल की सहायता करने तथा कवर प्रदान करने के लिए 44 आरआर और 182/183 बटालियन सीआरपीएफ के घटकों के साथ एक अन्य टीम का गठन किया गया। जैसे ही तलाशी दल संदिग्ध घर के पास पहुंचा, तभी उक्त घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़कर घटना स्थल से भागने के लिए तलाशी दल पर भारी मात्रा में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस पर, पुलिस उपाधीक्षक साकिब गनी एकाग्रता खोए बिना, तेजी से अपनी पार्टी को एकजुट करते हुए हरकत में आए और समर्पण के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिससे आतंकवादियों को रक्षात्मक होने के लिए मजबूर होना पड़ा। घटना स्थल पर उपलब्ध दूसरी पुलिस/एसएफ पार्टी, प्रारंभिक तलाशी दल की सहायता करने के लिए तुरंत घटना स्थल पर पहुंची तथा आतंकवादियों की गोलीबारी का साहस के साथ जवाब दिया और आतंकवादियों को बचकर भागने का कोई मौका नहीं दिया।

चूंकि ऑपरेशन रात के दौरान शुरू हुआ था, इसलिए अंधेरा होने के कारण आम नागरिकों के हताहत होने की संभावना थी और इसे ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने संयुक्त पुलिस/एसएफ दलों के प्रमुखों को घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए आम नागरिकों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ऑपरेशनल कमांडर के निर्देशानुसार, सभी आम नागरिकों को अपनी तरफ किसी क्षति के बिना सफलतापूर्वक सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया। लक्षित क्षेत्र से आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकालने के बाद, घेराबंदी को और मजबूत कर दिया गया तथा बचकर भागने के सभी संभावित मार्गों को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। स्थिति की समीक्षा और घर के मालिक से पूछताछ के दौरान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा को पता चला कि संदिग्ध/लक्षित घर में केवल एक कट्टर आतंकवादी मौजूद है। आगे बढ़ने से पहले, छिपे हुए आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उसने इनकार कर दिया और वहां पर तैनात सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी तथा घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर भागने के कई प्रयास किए, लेकिन सफल नहीं हो सका।

छिपे हुए आतंकवादी को मार गिराने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा ने संयुक्त दलों को ठीक से पोजीशन लेने और आतंकवादी की गोलीबारी का दृढ़ता से जवाब देने का निर्देश दिया। निर्देशों के अनुसार, पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स) पुलवामा श्री साकिब गनी के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल राहुल पंडिता और अन्य कार्मिकों की सहायता से एक पुलिस पार्टी तथा आरआर/सीआरपीएफ घटकों के साथ एक अन्य पार्टी ने तुरंत लक्षित घर के आस-पास उचित स्थानों पर पोजीशन ले ली तथा अपनी जान की परवाह किए बिना सामने से वीरतापूर्वक जवाबी कार्रवाई की और छिपे हुए आतंकवादी को मार गिराया, जिसकी पहचान बाद में फ़िरोज़ अहमद डार उर्फ़ रिज़वान (हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन के श्रेणी ए+), पुत्र अब्दुल रहमान डार, निवासी हेफ शिरमल शोपिया के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन पुलवामा में आईपीसी की धारा 307 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 19, 20, 23 एवं 39 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 337/2021 दर्ज है।

हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन के उपर्युक्त कट्टर आतंकवादी का मारा जाना एक ओर जहां पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए बड़ी उपलब्धि और आम जनता के लिए राहत थी, वहीं दूसरी ओर प्रतिबंधित एचएम आतंकवादी संगठन के लिए एक बड़ा झटका था।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री साकिब गनी, पुलिस उपाधीक्षक और राहुल पंडिता, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14/12/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/30/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 116-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	फारूक अहमद शाह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
2	मोहम्मद अमीन लोन	एस.जी. सीटी	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	जावीद अहमद	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 05.05.2021 को गांव कनिगाम, शोपियां में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त एक विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर, श्री अमृतपाल सिंह, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां की गहन निगरानी में शोपियां पुलिस ने 44 आरआर और 178 बटालियन सीआरपीएफ के सहयोग से उक्त गांव में घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सर्च ऑपरेशन के दौरान, यह पता चला कि आतंकवादी शोपियां के कनिगाम गांव में छिपे हुए हैं। इसके आधार पर, श्री सैयद मजीद मोसवी, पुलिस उपाधीक्षक पीसी केलर के नेतृत्व में, अपनी तरफ किसी भी क्षति से बचने के लिए, लक्षित स्थान से सटे खेतों में कृषि कार्यों में व्यस्त आम नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए पुलिस/आरआर/सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम का गठन किया गया। यह टीम पुलिस उपाधीक्षक राशद अकबर मकाई, शोपियां के नेतृत्व वाली एक अन्य टीम द्वारा प्रदान की गई कवर फायरिंग की मदद से कुछ ही प्रयासों में आम नागरिकों को पूरी तरह से बाहर निकालने में सफल हो गई। नागरिकों को वहां से बाहर निकालने के बाद, लक्षित क्षेत्र पर पुनः ध्यान केंद्रित किया गया तथा उस क्षेत्र में छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने घेराबंदी दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद अशरिफ पीसी इमामसाहब, हेड कांस्टेबल फारूक अहमद, एस.जी. सीटी मोहम्मद अमीन, सिपाही जावीद अहमद, हेड कांस्टेबल अयाज़ अहमद, एस.जी. सीटी करण सिंह, सिपाही शीराज अहमद और अन्य लोग बाल-बाल बच गए। एडवांस ऑपरेशनल टीम ने गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया, जिससे आमने-सामने की गोलीबारी शुरू हो गई। पुलिस/आरआर/सीआरपीएफ की संयुक्त टीम वहां छिपे हुए आतंकवादियों से लड़ते समय आगे की ओर डटी रही। अपनी जान को खतरे में पड़ते हुए भांपकर, वहां छिपे हुए आतंकवादी गोलियों की बौछार करते हुए बाहर आ गए। तथापि, पुलिस उपाधीक्षक रैज अहमद, पीसी जैनापोरा के नेतृत्व में संयुक्त टीम असाधारण साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए मौके पर ही डटी रही तथा वहां पर हुई आमने-सामने की लड़ाई में आतंकवादियों पर भारी गोलीबारी की एवं लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन के तीन कट्टर आतंकवादियों को मार गिराया, जिनकी पहचान बाद में उमर हसन भट, पुत्र गुलाम हसन भट, दानिश सब्ज़ार मीर, पुत्र सब्ज़ार अहमद मीर और जाहिद अहमद रेशी, पुत्र बशीर अहमद रेशी के रूप में की गई और ये सभी रेबन खाजापोरा जैनापोरा शोपियां के निवासी थे तथा तौसीफ अहमद थोकर, पुत्र मोहम्मद यूसुफ थोकर नामक आतंकवादी को भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार कर लिया गया, जो रेबन खाजापोरा जैनापोरा का निवासी था। मारे गए आतंकवादी विभिन्न आतंकी गतिविधियों में शामिल थे। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन इमामसाहब में आईपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 25/2021 दर्ज है और जांच चल रही है। प्रतिबंधित एलईटी/अल-बद्र संगठन के कट्टर आतंकवादियों का सफाया/गिरफ्तारी जम्मू और कश्मीर पुलिस के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी और उक्त आतंकवादी संगठनों के लिए एक बड़ा झटका था। यह आकलन किया गया है कि आतंकवादियों के खात्मे/गिरफ्तारी के साथ, वहां की समग्र स्थिति में काफी सुधार होने की उम्मीद है।

हेड कांस्टेबल फारूक अहमद, एस.जी. सीटी मोहम्मद अमीन और सिपाही जावीद अहमद द्वारा प्रदर्शित पेशेवरता एवं उत्कृष्ट साहस, जो अपनी बहुमूल्य जान की परवाह किए बिना आतंकवादियों के साथ कुशलतापूर्वक और बुद्धिमानी से लड़े, उल्लेखनीय है, क्योंकि अत्यंत प्रतिकूल स्थिति में लक्ष्य तक पहुंचने का उनका प्रयास वास्तव में वीरतापूर्ण था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां की समग्र कमान के तहत शोपियां पुलिस के इन अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी एकाग्रता खोए बिना एवं अपनी बुद्धि का अच्छी तरह से इस्तेमाल करते हुए बहादुरी से लड़ाई लड़ी तथा खूंखार आतंकवादियों के नापाक इरादे को नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री फारूक अहमद शाह, हेड कांस्टेबल, मोहम्मद अमीन लोन, एस.जी. सीटी और जावीद अहमद, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05/05/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/31/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 117-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का तृतीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	गुलाम जीलानी वानी	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
2	इश्तियाक लतीफ़ कुरैशी	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	अर्शीद अहमद	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01.12.2021 को लगभग 0015 बजे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा गुलाम जिलानी वानी को राजपोरा थाने के कस्बयार गांव में कुछ खूंखार आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशेष सूचना प्राप्त हुई, जो राजपोरा बेल्ट में तैनात पुलिस/सुरक्षा बल और उनके प्रतिष्ठानों पर हमला करने की योजना बना रहे थे। इस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा ने अपर पुलिस अधीक्षक, पुलवामा तनवीर अहमद, पुलिस उपाधीक्षक (ऑप्स), पुलवामा साकिब गनी के साथ जानकारी साझा की तथा क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति एवं संवेदनशीलता के बारे में गहन चर्चा के बाद, 44 आरआर और सीआरपीएफ की 182/183वीं बटालियन के साथ इनपुट को साझा किया गया और लक्षित क्षेत्र में घेराबंदी एवं सर्च ऑपरेशन लॉन्च करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद, अपर पुलिस अधीक्षक, पुलवामा के नेतृत्व और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा की समग्र देखरेख में एक पुलिस दल 44 आरआर और सीआरपीएफ की 182/183वीं बटालियन की ओआरटी के साथ कस्बयार गांव की ओर पहुंचा तथा प्रभावशाली तरीके से क्षेत्र की घेराबंदी की और 0100 बजे सभी मार्गों, उप-मार्गों एवं रास्तों को बंद कर दिया गया। लक्षित क्षेत्र के चारों ओर घेराबंदी करने के बाद, क्षेत्र की तलाशी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा की देखरेख/निरीक्षण में उप निरीक्षक, इश्तियाक लतीफ़ कुरैशी, हेड कांस्टेबल, अर्शीद अहमद और 44 आरआर एवं सीआरपीएफ की 182/183वीं बटालियन के संघटकों को मिलाकर एक समर्पित पुलिस दल का गठन कर वहां तैनात किया गया। 44 आरआर, सीआरपीएफ की 182/183वीं बटालियन और पुलवामा पुलिस को मिलाकर एक और समर्पित संयुक्त दल का गठन किया गया और उन्हें प्रारंभिक तलाशी दल को कवर प्रदान करने के लिए आंतरिक घेरे में तैनात रहने के लिए कहा गया। जैसे ही तलाशी दल संदिग्ध घर में प्रवेश करने वाला था, वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने तलाशी दल को मारने और घिरे हुए क्षेत्र से भागने के इरादे से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें उपरोक्त तलाशी दल के साथ-साथ ऑपरेशनल कमांडर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा भी बाल-बाल बच गए। तथापि, तलाशी दल ने अत्यधिक संयम दिखाया और किसी भी अतिरिक्त क्षति से बचने के लिए जवाबी कार्रवाई को रोक दिया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा अपने दल के साथ तेजी से खतरे वाले स्थान से बाहर आए और सबसे अधिक संवेदनशील समझे जाने वाले बाग की ओर पोजीशन ले ली और अन्य दलों को अधिक सतर्क रहने के लिए कहा। नागरिक हताहतों से बचने के लिए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा ने नागरिकों विशेषकर लक्षित घरों में रहने वाले परिवारों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का निर्देश दिया। जैसे ही सभी नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया, तो घिरे हुए आतंकवादियों को फ़ोर्स के समक्ष अपने हथियार डालने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया तथा सैनिकों पर गोलीबारी जारी रखी और वे लक्षित घर से बाहर आ गए, क्योंकि उनका इरादा नागरिक आबादी की सहायता से आबादी वाले क्षेत्र की ओर भागने का था, लेकिन इस तरफ एक संयुक्त दल की तैनाती ने उन्हें बाग के पास स्थित एक गौशाला में छिपने के लिए मजबूर कर दिया। तथापि, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा के नेतृत्व में संयुक्त एसएफ/पुलिस, उनके सहयोगी उप निरीक्षक इश्तियाक लतीफ़ कुरैशी, हेड कांस्टेबल अर्शीद अहमद और अन्य तथा 44 आरआर एवं सीआरपीएफ की 182/183वीं बटालियन के संघटक तुरंत हरकत में आ गए और अपनी जान की परवाह किए बिना मोर्चा संभाला तथा बड़े साहस और समर्पण के साथ आतंकवादी गोलीबारी का जवाब दिया और गौशाला के पास जैश-ए-मोहम्मद संगठन के दो आतंकवादियों को मार गिराया और साथ ही मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार/गोला-बारूद भी बरामद किया। उपरोक्त जैश-ए-मोहम्मद के कट्टर आतंकवादियों का मारा जाना एक ओर जहां पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए बड़ी उपलब्धि और आम जनता के लिए बड़ी राहत थी, वहीं दूसरी ओर प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद आतंकवादी संगठन के लिए एक बहुत बड़ा झटका था।

जैसे ही आतंकी कमांडरों के खात्मे की खबर इलाके में फैली, गांव और आसपास के गांवों की अनियंत्रित भीड़ मुठभेड़ स्थल के आसपास जमा हो गई और उन्होंने जवानों पर पथराव शुरू कर दिया। तथापि, इस उद्देश्य के लिए तैनात पुलिस/सीआरपीएफ की संयुक्त कानून एवं व्यवस्था क्यूआरटी ने अपनी ओर बिना किसी क्षति के स्थिति को प्रभावी एवं पेशेवर तरीके से संभाला। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, फुरकान उर्फ अली भाई (ए-श्रेणी), निवासी- पाकिस्तान और यासीन अहमद पुरे उर्फ मुजामिल (ए-श्रेणी) पुत्र-गुलाम मोहम्मद, निवासी- कस्बयार, थाना- राजपोरा पुलवामा के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बड़ी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किये गए।

इस घटना के संबंध में, आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन- राजपोरा में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 16, 18, 19 एवं 20 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 221/2021 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री गुलाम जिलानी वानी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, इश्तियाक लतीफ़ कुरैशी, उप निरीक्षक और अर्शीद अहमद, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01/12/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/35/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 118-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	सैयद अल-ताहिर गिलानी	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	फ़रोज़ अहमद डार	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	फ़ैयाज अहमद	एससीटी .जी.	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15.10.2021 को, श्रीनगर पुलिस को विश्वसनीय सूत्रों के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई कि थाना-परिम्पोरा के अधिकृत क्षेत्र हमदानिया कॉलोनी बेमिना, श्रीनगर में कुछ आतंकवादियों की हथियार/गोला-बारूद के साथ आवाजाही देखी गई है। तुरंत ही, इस गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, जिला श्रीनगर का एक पुलिस दल श्री सैयद अल-ताहिर गिलानी, पुलिस अधीक्षक पश्चिमी क्षेत्र, श्रीनगर के नेतृत्व में और श्री संदीप चौधरी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, श्रीनगर की समग्र देखरेख में उस क्षेत्र में पहुंचा तथा दल ने उक्त क्षेत्र की गहन तलाशी ली। यह दल अंततः उस स्थान की पहचान करने में सफल रहा, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, संदीप चौधरी, भापुसे, ने दो छोटे ऑपरेशनल दलों का गठन किया। पहले दल में श्री सैयद अल-ताहिर गिलानी, पुलिस अधीक्षक, पश्चिमी क्षेत्र श्रीनगर, सहायक उप निरीक्षक, फ़रोज़ अहमद डार एवं अन्य तथा पीसी श्रीनगर से एक छोटी ओआरटी को शामिल किया गया। दूसरे दल में पुलिस उपाधीक्षक शाहीजहां चौधरी, एसडीपीओ पश्चिमी श्रीनगर, एस.जी. सीटी, फ़ैयाज अहमद व अन्य शामिल किए गए।

योजना के अनुसार, जिस लक्षित क्षेत्र में आतंकवादी छिपा हुआ था, वहां पहले दल को उत्तर-पश्चिम एवं दक्षिण-पश्चिम की ओर से घेराबंदी करने का काम सौंपा गया, जबकि दूसरे दल को उत्तर-पूर्व एवं दक्षिण-पूर्व से घेराबंदी करने का काम सौंपा गया। पहले, छिपे हुए आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने को कहा गया, जिस पर उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और बजाय इसके उसने ऑपरेशनल दलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। ऑपरेशनल दलों ने सभी सावधानियां बरतते हुए लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। यह आतंकवादी हमदानिया कॉलोनी बर्निना में अपनी पोजीशन ले चुका था। हालाँकि, जैसे ही तलाशी दल उस क्षेत्र के पास पहुँचे, जहाँ आतंकवादी छिपा हुआ था, उन पर आतंकवादी द्वारा भारी गोलीबारी कर दी गई। छुपे हुए आतंकवादी ने आगे बढ़ रहे ऑपरेशनल दलों पर गोलीबारी कर दी, जिसमें ऑपरेशनल दल बाल-बाल बच निकले। एक रणनीतिक चाल के रूप में, ऑपरेशनल दल केवल दूसरी तरफ से लक्षित क्षेत्र को निशाना बनाने के लिए पीछे हट गया और ऑपरेशनल दल चारों तरफ से आतंकवादी की ओर बढ़ गए और उन्होंने सभी रास्तों को बंद कर दिया। इसी बीच, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, संदीप चौधरी, भापुसे, जो अपनी टीम के साथ पहले दल का नेतृत्व कर रहे थे, लक्षित क्षेत्र के करीब पहुँच गए। इसे देखते हुए, आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी के बीच वहां से हट जाने के लिए मजबूर हो गया, ताकि वह घेराबंदी तोड़कर भागने का प्रयास कर सके। लेकिन ऑपरेशनल दलों ने बिना अपना होश गंवाए आतंकवादी को निशाना बनाया और अपनी जान की परवाह किए बिना प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई कर 01 आतंकवादी को मार गिराया। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि आतंकवादी द्वारा निशाना बनाए जाने और भारी गोलीबारी के बावजूद, तलाशी दल ने अपनी जान की परवाह किए बिना कई आम नागरिकों को उस क्षेत्र से सुरक्षित बाहर निकाला लिया। उनके इस तरह के कार्य से यह सुनिश्चित हुआ कि कोई भी नागरिक हताहत नहीं हुआ और ऑपरेशन अपनी तरफ बिना किसी क्षति के समाप्त हो गया।

मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में, 'तंज़ील नबी सोफी (एलईटी/टीआरएफ संगठन की ए-श्रेणी), पुत्र- गुलाम नबी सोफी, निवासी- ज़ैनदार मोहल्ला, हब्बाकदल श्रीनगर के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन परिम्पोरा में आईपीसी की धारा 307 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 314/2021 दर्ज है। मारा गया आतंकवादी दक्षिण/मध्य कश्मीर में कई आतंकवादी संबंधित घटनाओं/गतिविधियों में भी शामिल था। वह श्रीनगर शहर में 'फिदायीन हमलों' और श्रीनगर में एनएचडब्ल्यू हिस्से में सुरक्षा बलों के काफिले पर हमलों की योजना बना रहा था। इसके अलावा, आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने, पुलिस के सहयोगी लोगों/राजनीतिक कार्यकर्ताओं को धमकी देने, सुरक्षा बलों की ओर क्षति पहुंचाने तथा शांतिप्रिय लोगों के बीच डर एवं आतंक पैदा करने के लिए उसे सीमा पार अपने आकाओं से निर्देश दिए गए थे।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री सैयद अल-ताहिर गिलानी, पुलिस अधीक्षक, फ़रोज़ अहमद डार, सहायक उप निरीक्षक और फैयाज अहमद, एस.जी. सीटी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 15/10/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/40/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 119-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	ज़हूर अहमद वानी	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	आशिक हुसैन माग्रे	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	गुलाम नबी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	पीर सज्जाद अहमद शाह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23.07.2021 को शोकबाबा, सुमलार, बांदीपोरा के वन क्षेत्र में आतंकवादियों के भारी सशस्त्र समूह की मौजूदगी के संबंध में मानव/तकनीकी संसाधनों से एक विश्वसनीय इनपुट प्राप्त हुआ। सूचना मिलने पर, बांदीपोरा पुलिस, सेना 13/14 आरआर और सीआरपीएफ की तीसरी बटालियन द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया। यह क्षेत्र, सामान्यतः विशाल झाड़ियों एवं पेड़ों वाला घना जंगल था, जो छिपे हुए आतंकवादियों को प्राकृतिक कवर प्रदान कर रहा था। जैसे कि योजना बनाई गई थी, प्रारंभिक घेराबंदी दल, जिसमें श्री मोहम्मद ज़ैद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बांदीपुरा सहित उप निरीक्षक आशिक हुसैन माग्रे, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अशरफ और हेड कांस्टेबल पीर सज्जाद अहमद शाह शामिल थे और दूसरी ऑपरेशनल टीम, जिसे बांदीपोरा मुख्यालय के डीएसपी डॉ. मोहम्मद इदरीस वानी के नेतृत्व में निरीक्षक ज़हूर अहमद वानी, हेड कांस्टेबल गुलाम नबी और हेड कांस्टेबल मोहम्मद यूसुफ की सहायता से गठित किया गया था, सेना/सीआरपीएफ घटकों के साथ क्षेत्रीय रणनीति अपनाते हुए, बड़े पेड़ों एवं अन्य वस्तुओं को ढाल के रूप में इस्तेमाल करके, रेंगते हुए लक्षित क्षेत्र की ओर बढ़े तथा संदिग्ध क्षेत्र के करीब पहुंच गए और उन्होंने वहां प्रारंभिक घेराबंदी की। घेरे के अंदर आतंकवादियों की मौजूदगी का पता लगाया गया। इस प्रकार, सभी परिचालन दलों को सतर्क कर दिया गया और घेराबंदी/कट-ऑफ बिंदुओं को और अधिक कड़ा कर दिया गया, ताकि आतंकवादी वहीं फंसे रहें। घेराबंदी दलों की हलचल को भांपकर, आतंकवादियों ने घने जंगल के बीच शरण ले ली। लगभग 0645 बजे, आतंकवादियों ने मौके से भागने की कोशिश में घेराबंदी दल पर गोलीबारी कर दी। घेराबंदी स्थल को सुरक्षित करने के पश्चात, आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया गया और बार-बार आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया। लेकिन आतंकवादियों ने आत्मसमर्पण करने के बजाय, आंतरिक घेरे में तैनात संयुक्त दलों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। संयुक्त दलों ने अपनी ओर न्यूनतम क्षति को सुनिश्चित करने के लिए उचित सावधानी बरतते हुए जवाबी कार्रवाई की। आतंकवादियों की ओर से लगातार गोलीबारी हो रही थी, क्योंकि वे अच्छी पोजीशन लिए हुए थे और घने जंगल में खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे थे। तथापि, संयुक्त दल डट कर जवाबी कार्रवाई करता रहा, जिससे आतंकवादी अपने नापाक इरादों को अंजाम देने में नाकामयाब रहे।

आतंकवादी घने जंगल में बड़ी झाड़ियों और पेड़ों के बीच छिपे हुए थे, जिससे उन्हें प्राकृतिक कवर मिल रहा था। तदनुसार, बांदीपोरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मोहम्मद ज़ैद ने, पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद इदरीस वानी के नियंत्रण वाली दूसरी ऑपरेशनल टीम, जिसमें निरीक्षक ज़हूर अहमद वानी, हेड कांस्टेबल गुलाम नबी और हेड कांस्टेबल मोहम्मद यूसुफ सहायता कर रहे थे, को जंगल के दाईं ओर पहुंचने एवं वहां सुरक्षित पोजीशन लेने और फंसे हुए आतंकवादियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखने का निर्देश दिया। इसके बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बांदीपोरा, उप निरीक्षक आशिक हुसैन माग्रे, हेड कांस्टेबल मोहम्मद अशरफ और हेड कांस्टेबल पीर सज्जाद अहमद शाह की सहायता से सामने की ओर से आगे पहुंचे और उन्होंने तलाशी शुरू की। तलाशी के दौरान, उन्हें आतंकवादियों की मौजूदगी/गतिविधि का आभास हुआ, वे बिना समय बर्बाद किए तेजी से आगे बढ़े और उन्होंने आतंकवादियों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप 02 आतंकवादियों को मार गिराया गया, जबकि एक अन्य आतंकवादी ने मौके से भागने की कोशिश की। जैसे ही, उक्त आतंकवादी अपना स्थान छोड़कर भागने लगा, उसने भागते हुए जवानों पर हथगोला फेंका और लगातार गोलीबारी की, हालांकि, पुलिस उपाधीक्षक बांदीपोरा, मुख्यालय, निरीक्षक ज़हूर अहमद वानी,

हेड कांस्टेबल गुलाम नबी और हेड कांस्टेबल मोहम्मद यूसुफ, जो लक्षित क्षेत्र के पीछे तैनात थे, ने हार नहीं मानी तथा वे अपनी जान की परवाह किए बिना डटे रहे और आतंकवादी पर गोलीबारी कर उसे मार गिराया।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, ताहा उर्फ शाकिर, निवासी- पाक, शाकिर अल्ताफ भट, पुत्र-अल्ताफ अहमद भट, निवासी- प्लान-बांदीपोरा के रूप में की गई, इसके अलावा तीसरे विदेशी लश्कर आतंकवादी की पहचान नहीं हो सकी। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद हुए। इस संबंध में, आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन बांदीपोरा में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 127/2021 दर्ज है।

ज़हूर अहमद वानी, निरीक्षक, आशिक हुसैन माग्ने, उप निरीक्षक, गुलाम नबी, हेड कांस्टेबल और पीर सज्जाद अहमद शाह, हेड कांस्टेबल, जिन्होंने खुद को बड़े जोखिम में डालकर कुशलतापूर्वक और समझदारी से आतंकवादियों से लड़ाई लड़ी, द्वारा उत्कृष्ट साहस के साथ प्रदर्शित पेशेवरता उल्लेखनीय थी, क्योंकि अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में लक्ष्य तक पहुँचने का प्रयास वस्तुतः वीरतापूर्ण था। हालांकि आतंकवादियों ने अंधाधुंध फायरिंग कर सेना को नुकसान पहुंचाने की पूरी कोशिश की, जिसमें वे सभी बाल-बाल बच गए। तथापि, उन्होंने अपनी एकाग्रता खोए बिना और दिमाग के अच्छे प्रयोग से बहादुरी से लड़ाई लड़ी और उनके नापाक मंसूबों को विफल किया। अपनी ओर बिना किसी बड़ी क्षति के ऑपरेशन स्थल पर मिशन को सुरक्षित तरीके से पूरा करना इस ऑपरेशन की प्रमुख विशेषता थी।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री ज़हूर अहमद वानी, निरीक्षक, आशिक हुसैन माग्ने, उप निरीक्षक, गुलाम नबी, हेड कांस्टेबल और पीर सज्जाद अहमद शाह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23/07/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/44/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 120-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	गुलाम हसन शेख	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	शेख मंज़ूर अहमद	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	आदिल अहमद मीर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	मोहम्मद अजाज खान	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29.12.2018 को लगभग 0250 बजे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा को जिला पुलवामा के गांव हंजन पाईन में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशेष सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलवामा ने अपर पुलिस अधीक्षक पुलवामा, एसडीपीओ लिटर पुलिस उपाधीक्षक, ओपीएस पुलवामा एवं डीवाईएसपी मुख्यालय, पुलवामा को सूचित किया। फिर उक्त जानकारी को एसडीपीओ लिटर द्वारा 44 आरआर, सीआरपीएफ की 182/183वीं बटालियन के साथ साझा किया गया और लक्षित स्थान पर एक संयुक्त घेराबंदी करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद, अपर पुलिस अधीक्षक, पुलवामा श्री अनवर-उल-हक, एसडीपीओ लिटर श्री गुलाम हसन, पुलिस उपाधीक्षक, ओपीएस पुलवामा श्री जहीर अब्बास जाफरी और उनके साथ पुलिस कैप लस्सीपोरा के प्रभारी उप निरीक्षक, विक्रम कुंडल के नेतृत्व में पुलिस कैप पुलवामा और पुलिस कैप लस्सीपोरा से एसओजी दल, 44 आरआर और सीआरपीएफ की 182/183वीं बटालियन का दल लक्षित स्थान को घेरने के लिए हंजन पाईन गांव की ओर रवाना हो गया। इसके अलावा, एसएचओ थाना-राजपोरा निरीक्षक, शेख मंज़ूर अहमद को भी अपने दल के साथ लक्षित स्थान पर पहुंचने के लिए सूचित किया गया। लक्षित स्थान पर पहुंचने पर, अपर पुलिस अधीक्षक, पुलवामा श्री अनवर-उल-हक की देखरेख में पुलवामा पुलिस द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी की गई।

लक्षित घर के बारे में विशिष्ट जानकारी होने के बावजूद, यह अनुमान लगाया गया कि आतंकवादियों ने अपना स्थान लक्षित घर के आसपास के घरों में स्थानांतरित कर लिया होगा क्योंकि लक्षित घर कई अन्य घरों से घिरा हुआ था। लक्षित घर पर पकड़ बनाये रखते हुए, अपर पुलिस अधीक्षक, पुलवामा के निर्देश पर अन्य घरों की तलाशी के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की एक टीम गठित की गई, जिसका नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक गुलाम हसन शेख द्वारा किया गया और जिसमें एसएचओ राजपोरा, निरीक्षक मंजूर अहमद, सिपाही आदिल अहमद मीर एवं अन्य ने सहायता प्रदान की। इससे पहले कि, आसपास के घरों में आतंकवादियों की तलाश शुरू हो, वहां के घरों में रहने वाले परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया, ताकि किसी भी नागरिक क्षति से बचा जा सके। जब आस-पास के घरों में आतंकवादियों का कोई नामो-निशान नहीं मिला, तो एसडीपीओ लिटर, पुलिस दल की सहायता से लक्षित घर की ओर आगे बढ़े, जहां पहले ही घेराबंदी कर ली गई थी। तलाशी के दौरान, पुलिस दल को लक्षित घर के अंदर आता देख आतंकवादियों ने जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस घटना में एसडीपीओ लिटर श्री गुलाम हसन और उनका दल बाल-बाल बचा, लेकिन उन्होंने संयम बनाए रखा और जवाबी कार्रवाई की। जैसे ही, आतंकवादी की मौजूदगी की पुष्टि हुई, अपर पुलिस अधीक्षक, पुलवामा के निर्देश पर, तलाशी दल को लक्षित घर से वापिस बुला लिया गया तथा घेराबंदी को और अधिक मजबूत कर दिया गया। इसके अलावा, गोलीबारी की जवाबी कार्रवाई को अंजाम देने के लिए 04 टीमों गठित की गईं, जिनमें से एक का नेतृत्व एसडीपीओ लिटर श्री गुलाम हसन एवं पुलिस दल के साथ-साथ सेना और सीआरपीएफ के समकक्षों ने किया। इन्होंने गोलीबारी का जवाब देने के लिए दक्षिणी दिशा से घर को घेर लिया। एक अन्य दल का नेतृत्व निरीक्षक मंजूर अहमद ने किया, जिन्होंने पूर्वी दिशा से गोलीबारी का जवाब दिया। अन्य दल ने, उप निरीक्षक, विक्रम कुंडल के नेतृत्व में उत्तरी दिशा से गोलीबारी का जवाब दिया। एक और दल ने, पुलिस उपाधीक्षक, मुख्यालय पुलवामा श्री फारूक अहमद के नेतृत्व में पश्चिमी दिशा से गोलीबारी का जवाब दिया।

चूंकि, ऑपरेशन रात के समय शुरू हुआ, इसलिए किसी भी विफलता से बचने के लिए सभी उपाय कर लिए गए थे, लक्षित क्षेत्र को रोशन करने के लिए सर्च/स्ट्रीट लाइटें लगाई गईं और लक्षित घर की ओर किसी भी आवाजाही को रोकने के लिए लक्षित घर के चारों ओर कंसर्टिना तार भी लगाए गए। इसके बाद, आतंकवादियों को वहां मौजूद पुलिस/सुरक्षा बलों के सामने अपने हथियार/गोला-बारूद डालने का मौका दिया गया, लेकिन उन्होंने इसे नकार दिया और जवानों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे। कई आम नागरिक पास के एक मैदान में फंस गए, जिन्हें उप निरीक्षक, विक्रम कुंडल ने अपने दल की सहायता से अपनी जान की परवाह किए बिना सुरक्षित बाहर निकाला। गौरतलब है कि, मुठभेड़ के दौरान कई महिलाएं मुठभेड़ स्थल के पास जमा हो गईं और सुरक्षा बलों पर पथराव करने के अलावा आजादी समर्थन नारे लगाने लगीं। एल/एसपीओ हीना अख्तर और एल/एसपीओ अफरोजा अख्तर ने पेशेवर तरीके से स्थिति को संभाला और महिलाओं को मुठभेड़ स्थल से दूर रहने के लिए कहा ताकि किसी भी अनहोनी दुर्घटना से बचा जा सके। इसके अलावा, ऑपरेशन के दौरान महिलाओं को बाहर निकालने का काम भी एल/एसपीओ हीना अख्तर और एल/एसपीओ अफरोजा अख्तर की मदद से किया गया।

ऐसी गंभीर स्थिति में भी, पुलिस दल अपनी जान की परवाह किये बिना सतर्क रहा और दल ने संयम के साथ अपने दिमाग को शांत रखते हुए बहादुरी से इस स्थिति को संभाला। भीषण गोलीबारी के दौरान, छुपे हुए दो आतंकवादियों ने वहां मौजूद सैनिकों पर लगातार गोलीबारी करते हुए उत्तरी दिशा से भागने की कोशिश की, जिसमें उप निरीक्षक, विक्रम कुंडल और उनका दल बाल-बाल बच गया। लेकिन, पुलवामा पुलिस/सेना/सीआरपीएफ के संयुक्त तलाशी दल द्वारा दिखाई गई सूझबूझ और वीरतापूर्ण कार्रवाई के कारण, उचित समय पर जवाबी कार्रवाई करने से चार आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनके नाम साद भाई, पुत्र-खलील, निवासी-पाकिस्तान, श्रेणी "ख", वसीम अकरम वानी, पुत्र-मोहम्मद अकरम वानी, निवासी-टिकेन बटपोरा, श्रेणी "ख", मुजामिल नबी डार, पुत्र-गुलाम नबी डार, निवासी-रोहमू पुलवामा श्रेणी "ग" और मुजामिल नजीर भट, पुत्र-नजीर अहमद भट, निवासी-प्रिचू पुलवामा, श्रेणी "ग" थे। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बड़ी संख्या में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया, जिसके संबंध में, पुलिस स्टेशन राजपोरा में आईपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 117/2018 दर्ज है।

यह भी उल्लेखनीय है कि, उपरोक्त सभी आतंकवादियों ने जिला पुलवामा के पुलिस कर्मियों/एसपीओ को उनकी नौकरी से इस्तीफा देने की धमकी देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उपरोक्त नामित आतंकवादियों की मौत जहाँ एक तरफ आतंकवादी कैडरों खासकर जैश-ए-मोहम्मद संगठन के लिए एक बड़ा झटका है, वहीं दूसरी ओर कश्मीर प्रांत विशेषकर दक्षिण कश्मीर में सुरक्षा बलों/नागरिकों के लिए राहत की खबर थी।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्वश्री गुलाम हसन शेख, पुलिस उपाधीक्षक, शेख मंजूर अहमद, निरीक्षक, आदिल अहमद मीर, सिपाही और मोहम्मद अजाज खान, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/12/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/143/2020-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 121-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद इरफ़ान अहंगर	एस.जी. सीटी	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	सदाम हुसैन शाह	एस.जी. सीटी	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	बिलाल अहमद डार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 05.03.2019 को अवन्तीपोरा पुलिस को रेशी-मोहल्ला त्राल में स्थित एक आवासीय घर में दो स्थानीय आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक विश्वसनीय जानकारी प्राप्त हुई। ऑपरेशन की योजना बनाई गई तथा 42-आरआर और सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन की सहायता से उक्त घर के चारों ओर घेराबंदी की गई।

तुरंत एक संयुक्त तलाशी दल का गठन किया गया। छिपे हुए आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए, तलाशी दल द्वारा लक्षित घर को अच्छी तरह घेर लिया गया। छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने तथा घर के मालिक को परिवार के सदस्यों के साथ घर से बाहर आने की अनुमति देने के लिए कहा गया, जिसे उन्होंने मानने से इन्कार कर दिया। लक्षित घर के अंदर फंसे मालिक/परिवार के सदस्यों को बाहर निकालने की योजना बनाई गई। यह संयुक्त तलाशी दल, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवन्तीपोरा और एक आक्रमण दल शामिल था, घेराबंदी दल की कवर फायर की सहायता से सावधानीपूर्वक घर के परिसर में दाखिल हुआ और सफलतापूर्वक उस कमरे का दरवाजा खोला, जिसमें परिवार के सदस्य फंसे हुए थे। तलाशी दल की कवर सहायता से परिवार के सभी सदस्य घर से बाहर निकल आये। इस दल ने एक ओर आतंकवादियों को गोलीबारी में उलझाए रखा और दूसरी ओर परिवार के सदस्यों को मुठभेड़ स्थल से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के तुरंत बाद, यह संयुक्त तलाशी दल छुपे हुए आतंकवादियों की ओर सावधानी से आगे बढ़ा। तलाशी दल की हरकत को देखते हुए, आतंकवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। लेकिन अपनी जान की परवाह किए बिना, संयुक्त तलाशी दल आगे बढ़ा/जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप दोनों आतंकवादी घायल हो गए। इस बीच आतंकवादियों ने संयुक्त तलाशी दल की ओर कुछ ग्रेनेड फेंके, लेकिन सौभाग्य से हथगोले फटने से संयुक्त तलाशी दल को कोई नुकसान नहीं हुआ। फिर, आतंकवादियों ने मौके से भागने के लिए संयुक्त तलाशी दल पर पुनः गोलियां चलाईं। तुरंत ही, संयुक्त तलाशी दल ने आतंकवादियों की गतिविधि को देख लिया और दल ने त्वरित कार्रवाई एवं सटीक गोलीबारी करते हुए दोनों आतंकवादियों को मार गिराया, जिसके बाद ऑपरेशन समाप्त हो गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में, अदफर फैयाज पर्रे, पुत्र- फैयाज अहमद पर्रे, निवासी- गुलशनपोरा त्राल और इरफान अहमद राथर, पुत्र- गुलाम हसन राथर, निवासी- शरीफाबाद, त्राल के रूप में हुई। दोनों आतंकी एचएम संगठन से जुड़े थे। मारे गए इन आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद किया गया। इस संबंध में, पुलिस स्टेशन त्राल में आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 15/2019 दर्ज है।

इस ऑपरेशन के दौरान, एस.जी. सीटी, मोहम्मद इरफान अहंगर, एस.जी. सीटी, सदाम हुसैन शाह और सिपाही, बिलाल अहमद डार ने सराहनीय भूमिका निभाई क्योंकि उक्त अधिकारियों ने अपनी जान की परवाह नहीं की और वे अपने लक्ष्य की ओर सावधानीपूर्वक आगे बढ़ते चले गए।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री मोहम्मद इरफान अहंगर, एस.जी. सीटी, सदाम हुसैन शाह, एस.जी. सीटी और बिलाल अहमद डार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05/03/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1143/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 122-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, जम्मू और कश्मीर के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का द्वितीय बार और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का चतुर्थ बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्यवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	विजय कुमार, भापुसे	पुलिस महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	सज्जाद अहमद शाह	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का चतुर्थ बार
3	बशारत रसूल शाह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पाकिस्तान स्थित आतंकी हैंडलर कश्मीर घाटी में विशेषकर श्रीनगर शहर में प्रायोजित और कट्टरपंथी आतंकवादियों के माध्यम से वहां समस्या पैदा करने और आतंक का साम्राज्य फैलाने की हमेशा कोशिश करते रहते हैं। वर्तमान वर्ष 2021 की शुरुआत से ही, आतंकवादी पर्यटकों के आगमन को हतोत्साहित करने और मीडिया का ध्यान आकर्षित करने हेतु अपनी मौजूदगी दिखाने के लिए श्रीनगर शहर में निर्दोष नागरिकों, निहत्थे पुलिसकर्मियों और बाहर से आए मजदूरों को निशाना बना रहे हैं।

दिनांक 23.08.2021 को, पुलिस महानिरीक्षक, कश्मीर ने श्रीनगर शहर के अलोचीबाग इलाके में खूंखार आतंकवादियों, लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ के प्रमुख अब्बास शेख, और उसके डिप्टी की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना जुटाई। यह भी पता चला कि दोनों आतंकवादी फिर से लक्षित हत्या (टारगेट किलिंग) करने की योजना बना रहे थे। तुरंत ही, पुलिस महानिरीक्षक, कश्मीर ने उप महानिरीक्षक, श्री अमित कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, श्री संदीप चौधरी और पुलिस अधीक्षक, ऑपरेशन, श्री सज्जाद अहमद शाह को बुलाया, उनके साथ सूचना पर चर्चा की, ऑपरेशन की योजना बनाई और 3 टीमों का गठन किया। सबसे पहले, पुलिस अधीक्षक, ऑपरेशन के नेतृत्व में एक छोटी गुप्त टीम को आतंकवादियों की मौजूदगी के स्थान के पास तैनात किया गया। एक बार गुप्त टीम द्वारा सूचना की पुष्टि हो जाने के बाद, उप महानिरीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में दूसरी टीम ने सभी लिंक सड़कों को बंद कर दिया और बाहरी घेरे में कट-ऑफ पॉइंट लगा दिए। इसके साथ ही, पुलिस महानिरीक्षक, कश्मीर के नेतृत्व में एक हमला टीम एक बी.पी. कमांड वाहन में लक्षित स्थान के अत्यंत करीब पहुंच गई और कवर टीम की सहायता से तेजी से दोनों आतंकवादियों को घेर लिया गया। पुलिस को देखकर, दोनों आतंकवादियों ने पिस्तौल से पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। गोलियों की भारी बौछार से डिगे बिना तथा जान और सुरक्षा की परवाह किए बिना, पुलिस महानिरीक्षक, कश्मीर, श्री विजय कुमार, पुलिस अधीक्षक, ऑपरेशन, श्री सज्जाद अहमद शाह और हेड कांस्टेबल, बशारत रसूल शाह आतंकवादियों की ओर आगे बढ़े और आतंकवादियों पर टूट पड़े तथा उन्होंने जोश एवं वीरता का परिचय दिया और खुले मैदान में बंदूक की भीषण लड़ाई में दोनों खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ के प्रमुख मोहम्मद अब्बास शेख पुत्र-गुलाम हसन शेख, निवासी-रामपोरा काइमोह, कुलगाम और उसका डिप्टी साकिब मंजूर डार पुत्र-मंजूर अहमद डार, निवासी-ओल्ड बारजुल्ला, श्रीनगर के रूप में हुई। मुठभेड़ के दौरान की गई बरामदगी में 02 पिस्तौल, पिस्तौल की 02 मैगजीन, और पिस्तौल के 04 जिंदा कारतूस शामिल हैं।

अब्बास शेख पहले हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन का आतंकवादी था। मई, 2020 में एक मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) प्रमुख रेयाज नाइकू के मारे जाने के बाद, सैफुल्ला मीर उर्फ डॉ. सैफुल्लाह को हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया। तब, अब्बास शेख ने हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन छोड़ दिया, और वह लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ में शामिल हो गया और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) से गतिविधि चला रहे लश्कर-ए-तैयबा/टीआरएफ के हैंडलर सज्जाद गुल के निर्देश पर उसने अपने बेस को कुलगाम दक्षिण कश्मीर से श्रीनगर शहर में स्थानांतरित कर लिया। अपने बेस को श्रीनगर शहर में स्थानांतरित करने के बाद, अब्बास शेख ने सबसे पहले सितंबर, 2020 में श्रीनगर शहर के साकिब मंजूर डार को आतंकवादी रैंक में भर्ती किया और श्रीनगर शहर में निहत्थे पुलिसकर्मियों, नागरिकों और बाहर से आए मजदूरों की "लक्षित हत्याएं" शुरू कर दीं। इसके अलावा, अब्बास शेख ने श्रीनगर शहर के आधा दर्जन स्थानीय युवाओं को आतंकी रैंक में भर्ती किया था। टीआरएफ का शीर्ष कमांडर मेहरान, जिसे अब्बास शेख ने भर्ती किया था, श्रीनगर शहर में अक्टूबर, 2021 में नागरिकों की अधिकतम हत्याओं के लिए जिम्मेदार था। इस संबंध में, आगे की जांच के लिए पुलिस स्टेशन शेरघरी, श्रीनगर में आयुध अधिनियम की धारा 7/25, 7/27 और आईपीसी की धारा 307 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 73/2021 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सर्व/श्री विजय कुमार, भापुसे, पुलिस महानिरीक्षक, सज्जाद अहमद शाह, पुलिस अधीक्षक और बशारत रसूल शाह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23/08/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1170/11/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 123-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, झारखंड के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	जितेन्द्र कुमार	सहायक उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	सुधीर कुमार	सहायक उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

यह सूचना प्राप्त हुई कि सीपीआई (माओवादी) का एक समूह पुलिस स्टेशन रानिया/गुदरी, जिला-खुंटी/पश्चिम सिंहभूम, झारखंड के अंतर्गत कोरंगकेल, दाकुडीटोली, चिरंग, सिमको, बेरहा लुमिन क्षेत्र और इसके आसपास के क्षेत्र में घूम रहा है। उपर्युक्त सूचना के आधार पर, 94 बटालियन, जिसमें जिला सशस्त्र पुलिस के साथ एफ/94 बटालियन शामिल थी, द्वारा दिनांक 03.04.2020 से 04.04.2020 तक एक अंतर बटालियन ऑपरेशन (60, 94, 174वीं बटालियन) ("बी" लेवल) की योजना बनाई गई और उसे लांच किया गया, दिनांक 04.04.2020 की सुबह तलाशी के दौरान, पुलिस स्टेशन-गुदरी, झारखंड के अंतर्गत चुरंग गांव के रेडा टोला में सीआरपीएफ की एफ/94 बटालियन के जवानों, जिनमें आनंदपुर पुलिस स्टेशन के सहायक उपनिरीक्षक जितेन्द्र कुमार और रानिया पुलिस स्टेशन के सहायक उपनिरीक्षक सुधीर कुमार भी शामिल थे तथा सीपीआई (माओवादी) के बीच एक मुठभेड़ हुई।

मुठभेड़ के बाद शुरू किए गए तलाशी अभियान के दौरान, मुठभेड़ स्थल से तीन सीपीआई (माओवादी) सशस्त्र कैडरों के शव मिले तथा साथ में 03 राइफलें, 464 जिंदा कारतूस, 03 मैगजीन, 02 केन बम, 09 एरो बम, 03 वायरलेस बॉकी-टॉकी और अन्य वस्तुएं बरामद की गईं।

इस ऑपरेशन में, झारखंड पुलिस के सर्व/श्री जितेन्द्र कुमार, सहायक उपनिरीक्षक और सुधीर कुमार, सहायक उपनिरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/04/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1226/12/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 124-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

19 जून, 2019 की शाम को पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा से बानो पुलिस स्टेशन क्षेत्र के गिरदा गांव के उरमू वन क्षेत्र में प्रतिबंधित पी.एल.एफ.आई. समूह के कुछ सबसे अधिक उग्र एवं कुख्यात नेताओं और सक्रिय सदस्यों की मौजूदगी के संबंध में एक खुफिया सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना के आधार पर, उप निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह ने ऑपरेशन के लिए सीआरपीएफ की कंपनी के साथ एक हमलावर (असाल्ट) टीम का गठन किया। लगभग 18:45 बजे, जब हमलावर टीम उरमू वन क्षेत्र के समीप पहुंची, तो पीएलएफआई के सदस्यों ने सुरक्षा बलों को अपनी ओर आते देख पेड़ों के पीछे पोजीशन ले ली और छापेमार पुलिस दल, जिसमें उस समय कमान अधिकारी, उप निरीक्षक, शैलेन्द्र कुमार सिंह और सीआरपीएफ-94 की कंपनी शामिल थी, पर स्वचालित हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। उप निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अपने जवानों को पोजीशन लेने का आदेश दिया और पीएलएफआई के सदस्यों को गोलीबारी बंद करने और पुलिस पार्टी के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। इस बात की परवाह किए बिना उग्रवादी ने पुलिस दल पर गोलीबारी करना जारी रखा। कोई विकल्प न होने पर, पुलिस दल ने आत्मरक्षा में गोलीबारी शुरू कर दी और भीषण मुठभेड़ शुरू हो गई।

इस बीच उप निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह जमीनी रणनीति का प्रयोग करते हुए अपनी पोजीशन से रेंगकर बाईं ओर गए और बाईं ओर से पीएलएफआई समूह के खिलाफ पोजीशन ले ली। ऐसा करने में उन्होंने अपनी जान जोखिम में डाल दी और उन पर गोलीबारी करना जारी रखा। दूसरी ओर से हमला होते देख पीएलएफआई समूह ने उप निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व वाले पुलिस दल, जो बायीं ओर से आगे बढ़

रहा था, पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अपने अनुकरणीय नेतृत्व और साहस के साथ, उप निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह ने पीएलएफआई सदस्यों के साथ आमने-सामने से गोलीबारी की लड़ाई लड़ी, जो 20-25 मिनट तक चली।

आखिरकार पीएलएफआई की ओर से गोलीबारी बंद हो गयी। पुलिस दल द्वारा एक तलाशी अभियान चलाया गया, जिसमें एक शव के साथ हथियार, गोला-बारूद और रसद सामग्री भी बरामद की गई। शव की पहचान पीएलएफआई समूह के एरिया कमांडर, बागरैत चंपिया के रूप में की गई।

उल्लेखनीय है कि, पार्टी कमांडर, उप निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह और उनकी पुलिस टीम ने पीएलएफआई समूह के एरिया कमांडर, बागरैत चंपिया को मार गिराया, जो झारखंड सरकार द्वारा दो लाख का इनामी था और वह क्षेत्र में कई बर्बर कृत्यों का मास्टरमाइंड था।

इस ऑपरेशन में, झारखंड पुलिस के श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/06/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/56/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 125-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, झारखंड के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मनोज कुमार	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	कुन्दन कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	नितेश कुमार सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

विश्वसनीय खुफिया स्रोतों से गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि सीपीआई माओवादी संगठन का वांछित क्षेत्रीय कमांडर, बुधेश्वर ओरांव अपने दस्ते नामतः रंथु ओरांव, लाजिम अंसारी, खुदी मुंडा, सुदर्शन पासवान, रईश ओरांव और अन्य सदस्यों के साथ सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए कुरुमगढ़ और गुमला पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत जंगल और पहाड़ों में घूम रहा है तथा पुलिस को जान-माल एवं सम्पत्ति का अधिक से अधिक नुकसान पहुंचाने के लिए उनके द्वारा इस जंगल में हर जगह बड़ी संख्या में बारूदी सुरंगें बिछाई गई हैं। उनके द्वारा लगाई गई बारूदी सुरंगों के कारण स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस को कई बार नुकसान उठाना पड़ा था। खुफिया सूचनाओं से यह भी पता चला है कि उक्त माओवादी नेता का समूह पुलिस और सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला करने की योजना से इलाके में इकट्ठा हुआ है। खुफिया सूचना के आधार पर, उनके इरादों को विफल करने और उन्हें पकड़ने/मार गिराने के लिए एक विशेष ऑपरेशन "चक्रव्यूह" की योजना बनाई गई। योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए सिविल पुलिस, कोबरा-209 बटालियन, 203 बटालियन, सीआरपीएफ और एजी घटकों से नौ विशेष टीमों का गठन किया गया।

ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा कर सुरक्षित लौटने के लिए टीमों को योजना और आकस्मिक ड्रिल के बारे में उचित जानकारी दी गई। इसके बाद, श्री मनोज कुमार, निरीक्षक, गुमला, उप निरीक्षक कुंदन कुमार, सी.सी.आर, गुमला, जिला पुलिस बल के नितेश कुमार सिंह को कोबरा-209 बटालियन के साथ रखा गया। यह ऑपरेशन 12-13 जुलाई, 2021 को शुरू किया गया था और 15 जुलाई, 2021 को उनकी टीम ने योजना और स्वयं के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कुरुमगढ़ पुलिस स्टेशन के केरागनी जंगल में माओवादियों के विरुद्ध सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

यह क्षेत्र घनी वनस्पतियों से आच्छादित था और पहाड़ के आसपास कठिन भूभाग होने के कारण यह एक अजेय लक्ष्य बन गया था। जटिल भौगोलिक और स्थलाकृतिक परिदृश्य ने इस जगह को पूरी तरह से माओवादियों के अनुकूल बना दिया था। ऑपरेशन में शामिल सुरक्षा बलों को आगे बढ़ने के लिए सर्वोच्च स्तर की पेशेवरता और ऑपरेशनल कौशल की आवश्यकता थी। टीम चतुराईपूर्वक और सतर्कता से वन क्षेत्र के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ी।

जब दल ढलान से नीचे जा रहा था, तो पोखरापाट जंगल में श्री मनोज कुमार, पुलिस निरीक्षक की कमान के तहत टीम पर झाड़ियों से भीषण और अंधाधुंध गोलीबारी की गई। अकारण गोलीबारी और संभावित नुकसान से बचने के लिए टीम ने सुरक्षित पोजीशन ले ली। टीम के

कमांडर ने माओवादियों से गोलीबारी बंद करने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। लेकिन, माओवादी सुरक्षा बलों को हताहत करने, उनके हथियार छीनने और उनकी हत्या करने पर आमादा थे। चूंकि जवाबी कार्रवाई करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचा था, इसलिए टीम के कमांडर ने टीम को नियंत्रित गोलीबारी के साथ जवाबी कार्रवाई करने का आदेश दिया। माओवादियों ने बेहतर पोजीशन ली हुई थी और टीम उनकी गोलीबारी की रेंज के भीतर थी। उनकी पोजीशन उजागर हो गई थी, लेकिन वहां पर जीवित रहने और बने रहने के लिए असाधारण पेशेवर कौशल की आवश्यकता थी। इसके बाद एक-दूसरे पर भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। टीम ने सही दृष्टिकोण से सच्चे सैनिक भाव के साथ एकजुटता दिखाते हुए गोलीबारी का जवाब दिया, लेकिन माओवादी किसी भी कीमत पर आत्मसमर्पण करने को तैयार नहीं थे।

श्री मनोज कुमार, पुलिस निरीक्षक ने झारखंड पुलिस के अन्य पुलिस कार्मिकों और कोबरा 209 की टीम के साथ मिलकर हमलावर माओवादी दल के खिलाफ आक्रामक जवाबी हमला शुरू किया। अदम्य वीरता, साहसिक कृत्य, दृढ़ संकल्प और उच्च नेतृत्व कौशल के साथ श्री मनोज कुमार अन्य कार्मिकों के साथ जान के जोखिम को उठाते हुए आगे बढ़े। माओवादी भारी गोलीबारी करते रहे, लेकिन वे आगे बढ़ते पुलिस दल को रोक नहीं सके। इस जवाबी हमले और खुद को भारी खतरे में पाकर माओवादी घने जंगल और पहाड़ी इलाके का फायदा उठाकर मुठभेड़ स्थल से भाग निकले।

गोलीबारी समाप्त होने के बाद बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया। घटना स्थल से एक माओवादी का शव बरामद किया गया। साथ ही भारी मात्रा में हथियार, गोलाबारूद और विस्फोटक तथा नक्सली साहित्य भी बरामद किया गया। बाद में मृतक के परिजनों एवं अन्य विश्वासियों द्वारा इस बात की पुष्टि की गई कि मृतक बुधेश्वर ओरांव, पुत्र-ललाटे बन्धु ओरांव, निवासी-बड़ाखटंगा, पाकरटोली पुलिस स्टेशन-गुमला है, जो माओवादी संगठन का क्षेत्रीय कमांडर है और झारखंड सरकार की ओर से उसकी गिरफ्तारी के लिए 15 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की गयी थी।

यह ऑपरेशन सुरक्षा बलों के लिए अग्नि परीक्षा थी, क्योंकि वे प्रतिकूल पोजीशन में थे। तमाम प्रतिकूलताओं और विषम परिस्थिति के बावजूद श्री मनोज कुमार, पुलिस निरीक्षक, गुमला, उप निरीक्षक कुन्दन कुमार और जिला पुलिस बल के सिपाही नितेश कुमार सिंह ने साहस की सच्ची भावना का परिचय दिया और वास्तव में एक सच्चे सैनिक होने की भावना को दर्शाया।

इस ऑपरेशन में, झारखंड पुलिस के सर्व/श्री मनोज कुमार, निरीक्षक, कुन्दन कुमार, उप निरीक्षक और नितेश कुमार सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 15/07/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1214/12/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 126-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, मध्य प्रदेश के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	आदित्य मिश्रा	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	रामपदम शर्मा	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	आशीष शर्मा	सहायक उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	रमेश विश्वकर्मा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गांव खरादी से सटे वन क्षेत्र में बड़ी संख्या में माओवादियों की मौजूदगी के संबंध में आसूचना मिलने पर श्री आदित्य मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक, एंटी नक्सल ऑपरेशन के नेतृत्व में एक गहन तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी), हॉक फोर्स लोदांगी के साथ मिलकर 20 जून, 2022 की बिल्कुल सुबह-सुबह तलाशी अभियान शुरू किया। सुबह लगभग 8:30 बजे, जब टीम लंगूरझिरिया के वन क्षेत्र की तलाशी ले रही थी, तभी घात लगाकर बैठे खूंखार माओवादियों ने अचानक से दलों पर गोलियों की जानलेवा बौछार कर दी।

श्री आदित्य मिश्रा, उप निरीक्षक रामपदम शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक आशीष शर्मा और सिपाही रमेश विश्वकर्मा ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए अपने कवर से बाहर निकलने का निर्णय लिया और वे माओवादियों और बलों के बीच में खतरों से

भरी जमीन पर सामने से आती गोलियों की बौछार के बीच रेंगकर आगे बढ़े, जहां पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइसेज (आईईडी) लगाए गए होने की प्रबल संभावना थी।

वे चारों आगे एक ऐसे स्थान पर पहुँच गए, जहां से माओवादी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे। चारों ने माओवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए बार-बार चेतावनी दी, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। अधिकारी कुछ गोलियों से फिर से बाल-बाल बचे।

श्री आदित्य मिश्रा और श्री रामपदम शर्मा सावधानी से माओवादियों की ओर बढ़े, जिनके पास अभी भी एक एके-47 और अन्य असॉल्ट राइफलें थीं। इस दुस्साहसिक लेकिन वीरतापूर्ण रणनीति ने माओवादियों को बैकफुट पर ला दिया और उनके कई कैडरों ने जंगल में भागना शुरू कर दिया। अचानक से माओवादियों की तरफ से चीख-पुकार मच गई, जिससे संकेत मिला कि गोलीबारी में कुछ माओवादी घायल हो गए होंगे। सामरिक तरीके से माओवादियों तक पहुंचने और आईईडी की संभावना के लिए आसपास की जांच करने के बाद, उन्होंने माओवादियों के पास से राइफलें हटाते हुए अपनी जान को जोखिम में डाला।

तीनों माओवादियों के जीवित होने के किसी भी लक्षण के लिए सावधानीपूर्वक जाँच की गई, लेकिन वे मृत पाए गए। बाद में, मृत माओवादियों की पहचान (1) नागेश उर्फ राजू तुलावी, डिविजनल समिति सदस्य (कमांडर इन चीफ) डीवीसीएम, निवासी- पुलिस स्टेशन ग्यारापट्टी, जिला-गढ़चिरोली (एम.एच.), के रूप में हुई, जो दारेकासा, दलम में एक सक्रिय खूंखार माओवादी कमांडर था। उसके पास एक एके47 राइफल और एक 6 राउंड रिवाल्वर थी, जिसे सुरक्षा बलों से छीना गया था। उस पर मध्य प्रदेश की ओर से 5 लाख रुपये, छत्तीसगढ़ की ओर से 8 लाख रुपये और महाराष्ट्र की ओर से 16 लाख रुपये (कुल इनाम 29 लाख रुपये) का नकद इनाम था, (2) मनोज डोड्डा, क्षेत्र समिति सदस्य एसीएम, निवासी-पुलिस स्टेशन गंगलूर, जिला-बीजापुर, जिसके पास 303 राइफल थी, तथा वह दारेकासा दलम में एक सक्रिय खूंखार माओवादी क्षेत्र समिति सदस्य था। उस पर मध्य प्रदेश की ओर से तीन लाख रुपये, छत्तीसगढ़ की ओर से 5 लाख रुपये और महाराष्ट्र की ओर से 6 लाख रुपये (कुल इनाम 14 लाख रुपये) का इनाम था और (3) मलाजखंड टांडा क्षेत्र समिति के सदस्य रामे पुनेम, निवासी-टेरम पुलिस स्टेशन, जिला-बीजापुर, जिसके पास 315 राइफल थी, तथा उस पर मध्य प्रदेश की ओर से 3 लाख रुपये, छत्तीसगढ़ की ओर से 5 लाख रुपये और महाराष्ट्र की ओर से 6 लाख रुपये (कुल इनाम 14 लाख रुपये) का नकद इनाम था, के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, मध्य प्रदेश पुलिस के सर्वश्री आदित्य मिश्रा, भापुसे, अपर पुलिस अधीक्षक, रामपदम शर्मा, उप निरीक्षक, आशीष शर्मा, सहायक उपनिरीक्षक और रमेश विश्वकर्मा सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20/06/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3306/15/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 127-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, महाराष्ट्र के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	रोहीत रमेश फार्णे	सहायक पुलिस निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	बाळासाहेब जनार्दन जाधव	पुलिस उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	सतिश वामन पाटील	पुलिस उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	भास्कर सोपानराव कांबळे	पुलिस उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	कृष्णा राजेंद्रकाटे	पुलिस उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	दृगसाय आसाराम नरोटे	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	सुरपत बावजी वड्डे	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
8	संजय वत्ते वाचामी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
9	गौतम संभाजी कांबळे	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
10	मोresh्वर रघुनाथ पुराम	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
11	मसरु रायसिंग कोरेटी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
12	मुकेश विठोबा उसेंडी	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
13	विनोद तुकाराम डोकरमारे	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
14	कमलाकर जगन्नाथ घोडाम	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
15	चंद्रकांत लक्ष्मण उईके	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
16	महारु कोलु कुलमेथे	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
17	पोदा जोगा आत्राम	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
18	दयाराम विश्वनाथ वाळवे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
19	प्रविण सुरेश झोडे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
20	देविदास परसराम हलामी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
21	दिपक व्यंकटराव मडावी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
22	रामलाल टेमुकोरेटी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
23	हेमंत रामसाय कोडाप	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
24	किरण बाबुराव हिचामी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
25	वारलु रामा आत्राम	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
26	माधव पेका तिम्मा	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
27	नरेश बालाजी सिडाम	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
28	रोहिदास चंद्राजी कुसनाके	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
29	मुर्किंद अनिल राठोड	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
30	नितेश लक्ष्मण दाणे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
31	नागेश मोनाजी पाल	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
32	कैलास चुंगा कुळमेथे	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
33	प्रशांत दिवाकर बिटपल्लीवार	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12.11.2021 को सूचना मिली कि, पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) सप्ताह की पृष्ठभूमि में सुरक्षा बलों पर बड़ा हमला करने के इरादे से, केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम) मिलिंद उर्फ दीपक तेलतुंबडे, (एमएमसी जोन आई/सी) महाराष्ट्र के नेतृत्व में भारी मात्रा में हथियारों से लैस 120-130 विद्रोही एओपी गारापाल्टी (गढचिरौली) की सीमा के अंतर्गत मार्टिनटोला के जंगल में इकट्ठा हुए हैं। ये नक्सली प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) कैडर से संबंधित थे।

श्री अंकित गोयल, पुलिस अधीक्षक की समग्र देखरेख में श्री सोमय मुंडे, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन), गढचिरौली और 15 सी-60 दल द्वारा एक नक्सल-रोधी ऑपरेशन की रूपरेखा तैयार की गई, जिसे तीन समूहों में बांटा गया।

13 नवंबर, 2021 को दल सुबह-सुबह लक्षित क्षेत्र में पहुंच गया और उसने ऑपरेशन शुरू कर दिया। पहाड़ी पर छिपे हुए माओवादियों ने अचानक पुलिस दल पर हमला कर दिया। पुलिस दल ने भी जवाबी गोलीबारी की। पुलिस के बढ़ते दबाव को भांपते हुए, नक्सली पहाड़ी की आड़ लेकर घने जंगल की ओर भाग गये। कमांडो द्वारा प्रदर्शित सामरिक कौशल और सख्त जवाबी कार्रवाई के चलते, माओवादियों को अपनी पोजीशन छोड़कर पीछे हटना पड़ा। इस झड़प के दौरान, एक पुलिसकर्मी को दाहिने हाथ और दाहिने कंधे पर गोली से गंभीर चोटें आईं। उनके दाहिने हाथ में गोली लगने के परिणामस्वरूप भारी रक्तस्राव हुआ और उनका काम करने वाला प्रमुख हाथ निष्क्रिय हो गया। अपने साथियों के लिए गंभीर खतरे को भांपते हुए, गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उन्होंने बाएं हाथ के प्रयोग के लिए पोजीशन ली और माओवादियों पर जवाबी कार्रवाई जारी रखी। उनके अप्रत्याशित जवाबी हमले ने आगे बढ़ रहे तीन नक्सलियों को भौचका कर दिया और इसी दौरान वे स्वचालित

हथियारों से लैस दो माओवादियों को मार गिराने में सफल हो गए। अत्यंत घातक चोटों के बावजूद, पीछे हटने के बजाय, उन्होंने जवाबी कार्रवाई जारी रखी और दुश्मन के हमले का सामना करते हुए अदम्य साहस का परिचय दिया।

अंततः लैंडिंग साइट की पहचान की गई और चार घायल कमांडो को सुरक्षित निकाल लिया गया। उसके बाद, मारे गए माओवादियों के शवों और उनके हथियारों और अन्य नक्सली सामग्री को इकट्ठा करने के लिए गहन तलाशी ली गई। एक-दूसरे पर गोलीबारी 06:00-06:30 बजे से प्रारम्भ होकर 16:00 बजे तक अर्थात् लगभग 10 घंटे तक चली।

तलाशी के दौरान, पुलिस को 26 माओवादियों (20 पुरुष और 06 महिला) के शव मिले। इसके अलावा, घटना स्थल से 29 हथियार और भारी मात्रा में अन्य नक्सली सामान भी बरामद किया गया। इसके अलावा, 16 नवंबर, 2021 को एक तलाशी अभियान में एक हथियार के साथ एक और पुरुष माओवादी का शव बरामद हुआ। इस प्रकार, केंद्रीय समिति सदस्य रैंक के शीर्ष कैडरों सहित कुल 27 कट्टर माओवादी मारे गए। इसके अलावा, यूबीजीएल सहित एके 47 (01), एसएलआर (09), इंसास (01), .303 राइफल (03) और अन्य हथियार (11) बरामद किये गए। एक ही घटना में इन शीर्ष कैडरों के खात्मे से महाराष्ट्र के साथ-साथ पूरे एमएमसी क्षेत्र में माओवादी संगठन को गहरा झटका लगा।

इस ऑपरेशन में, महाराष्ट्र पुलिस के सर्वश्री रोहीत रमेश फार्गे, सहायक पुलिस निरीक्षक, बाळासाहेब जनार्दन जाधव, पुलिस उपनिरीक्षक, सतिश वामन पाटील, पुलिस उपनिरीक्षक, भास्कर सोपानराव कांबळे, पुलिस उपनिरीक्षक, कृष्णा राजेंद्रकाटे, पुलिस उपनिरीक्षक, दृगसाय आसाराम नरोटे, हेड कांस्टेबल, सुरपत बावजी वड्डे, हेड कांस्टेबल, संजय वत्ते वाचामी, हेड कांस्टेबल, गौतम संभाजी कांबळे, हेड कांस्टेबल, मोरेश्वर रघुनाथ पुराम, हेड कांस्टेबल, मसरु रायसिंग कोरेटी, हेड कांस्टेबल, मुकेश विठोबा उसेंडी, हेड कांस्टेबल, विनोद तुकाराम डोकरमारे, नायक पुलिस कांस्टेबल, कमलाकर जगन्नाथ घोडाम, नायक पुलिस कांस्टेबल, चंद्रकांत लक्ष्मण उईके, नायक पुलिस कांस्टेबल, महारु कोलु कुलमेथे, नायक पुलिस कांस्टेबल, पोदा जोगा आत्राम, नायक पुलिस कांस्टेबल, दयाराम विश्वनाथ वाळवे, पुलिस कांस्टेबल, प्रविण सुरेश झोडे, पुलिस कांस्टेबल, देविदास परसराम हलामी, पुलिस कांस्टेबल, दिपक व्यंकटराव मडावी, पुलिस कांस्टेबल, रामलाल टेमुकोरेटी, पुलिस कांस्टेबल, हेमंत रामसाय कोडाप, पुलिस कांस्टेबल, किरण बाबुराव हिचामी, पुलिस कांस्टेबल, वारलु रामा आत्राम, पुलिस कांस्टेबल, माधव पेका तिम्मा, पुलिस कांस्टेबल, नरेश बालाजी सिडाम, पुलिस कांस्टेबल, रोहिदास चंद्राजी कुसनाके, पुलिस कांस्टेबल, मुकिंद अनिल राठोड, पुलिस कांस्टेबल, नितेश लक्ष्मण दाणे, पुलिस कांस्टेबल, नागेश मोनाजी पाल, पुलिस कांस्टेबल, कैलास चुंगा कुळमेथे, पुलिस कांस्टेबल और प्रशांत दिवाकर बिटपल्लीवार, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13/11/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/66/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 128-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, पंजाब के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री हरजीत सिंह	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

सहायक उप निरीक्षक (एलआर) हरजीत सिंह की तैनाती पुलिस स्टेशन सदर, पटियाला में अप्रैल, 2020 माह में हुई थी। उस समय चल रही कोविड-19 वैश्विक महामारी के मद्देनजर, उन्हें अन्य पुलिस कार्मिकों और मंडी बोर्ड के कर्मचारियों के साथ दिनांक 12.04.2020 को सब्जी मंडी, सनौर रोड, पटियाला में ड्यूटी के लिए तैनात किया गया था। रविवार होने के कारण भीड़ और लोगों के बड़ी संख्या में एक जगह एकत्र होने से बचने के लिए मंडी बोर्ड के अधिकारियों ने सब्जी मंडी में प्रवेश के लिए पास जारी किए थे। निहंग बलविंदर सिंह, पुत्र-भाग सिंह, निवासी-अमरगढ़ (अब डेरा खिचरी साहिब, गांव-करहाली साहिब, पुलिस स्टेशन-पसियाना), जगमीत सिंह पुत्र-बलविंदर सिंह, निवासी-अमरगढ़ (अब डेरा खिचरी साहिब गांव करहाली साहिब पुलिस स्टेशन पसियाना), बंत सिंह उर्फ काला, पुत्र- अजैब सिंह, निवासी-आलोवाल, पुलिस स्टेशन-बख्शीवाला जिला-पटियाला, निर्भय सिंह, निवासी-दुधार (अब डेरा खिचरी साहिब, गांव-करहाली साहिब, पुलिस स्टेशन-पसियाना) और गुरमीत सिंह उर्फ गिट्टी, पुत्र-दरबारा सिंह, निवासी-किशनगढ़ सांगली, जिला-संगरूर, पूरी तरह हथियारों से लैस होकर आईएसयूजेडयू डीएमएएक्स वाहन संख्या पीबी-1 1-सीसी/7415 में आए और बिना पास दिखाए और पुलिस दल की चेतावनी/सलाह की परवाह किए बिना सब्जी मंडी में प्रवेश कर गए। इसके बाद सहायक उप निरीक्षक हरजीत सिंह और पुलिस दल ने मुख्य गेट पर बैरिकेड को बंद कर दिया। इस पर, कुछ निहंग वर्दीधारी बदमाश घातक हथियारों से लैस होकर अपने वाहन में सब्जी मंडी की तरफ से वापस आये। सहायक उप निरीक्षक हरजीत सिंह ने अन्य पुलिस दल के साथ उन्हें रुकने और अधिकारियों द्वारा जारी पास दिखाने का इशारा किया। रुकने की बजाय, उन्होंने सब्जी मंडी का

गेट तोड़ दिया और बैरिकेड को अपनी गाड़ी से टक्कर मार दी। वे आक्रामक हो गए और उनमें से एक निहंग बलविंदर सिंह, पुत्र- भाग सिंह ने सहायक उप निरीक्षक हरजीत सिंह पर तलवार से हमला कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप सहायक उप निरीक्षक हरजीत सिंह का बायां हाथ कलाई से कटकर जमीन पर गिर गया और फिर हथियारबंद बदमाश अपने वाहन से मौके से भाग गये। सहायक उप निरीक्षक हरजीत सिंह ने हिम्मत नहीं हारी और अपना असाधारण साहस दिखाया और बहादुरी से अपना कटा हुआ हाथ जमीन से उठाया और एक्टिवा स्कूटर पर लिफ्ट लेकर राजिंदरा अस्पताल, पटियाला पहुंचे, जहां से उन्हें पी.जी.आई., चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया, जहां काफी लंबे समय तक उनका इलाज चलता रहा। इस प्रकार, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना अपने कर्तव्यों के पालन में असाधारण साहस और वीरता का परिचय दिया। इस घटना के संबंध में, उक्त आरोपी के खिलाफ पुलिस स्टेशन सदर पटियाला में आईपीसी की धारा 307, 323, 324, 341, 353, 186, 188, 332, 148 और 149 तथा आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 की धारा 51 के तहत दिनांक 12.04.2020 की एक मामलागत एफआईआर सं. 71 दर्ज की गई है तथा बाद में स्थानीय पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

इस ऑपरेशन में, पंजाब पुलिस के श्री हरजीत सिंह, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/04/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3309/22/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 129-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, पंजाब के निम्नलिखित पुलिस कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री सतनाम सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

शिकायतकर्ता प्रकाश सिंह, पुत्र करतार सिंह, निवासी गांव मुल्लियांवाल, पुलिस स्टेशन सदर बाटला के बयान पर दिनांक 10.04.2022 को पुलिस स्टेशन बाटला में आईपीसी की धारा 452, 324, 323, 336, 148 एवं 149 और आयुध अधिनियम की धारा 25/27-54-59 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 42 दर्ज की गई थी, जिसमें यह बताया गया था कि गुरमेज सिंह, पुत्र सुखदेव सिंह, निवासी अकालगढ़ धापियां, अमृतसर अपने साथियों के साथ उनके घर में घुस गया और उसने घातक हथियारों से उनकी पुत्री नामतः कुलजीत कौर को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

दिनांक 07.05.2022 को, विशिष्ट सूचना प्राप्त होने पर, वरिष्ठ सिपाही सतनाम सिंह और अन्य पुलिस कार्मिकों के साथ सहायक उप निरीक्षक सुखजिन्दर सिंह गांव अकालगढ़ धापियां में पहुंचे और पुलिस स्टेशन सदर बाटला में दिनांक 10.04.2022 को दर्ज मामलागत एफआईआर सं. 42 में संलिप्त आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए हरजीत सिंह, निवासी वल्ला के ट्यूबवेल पर छापा मारा। पुलिस पार्टी को देखकर, उक्त ट्यूबवेल पर मौजूद 09 युवकों ने पुलिस पार्टी को यह धमकी दी कि यदि वे उनको पकड़ने के लिए आगे बढ़ेंगे, तो उनको भयंकर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इसी बीच, 03 युवकों ने पुलिस पार्टी को जान से मारने के इरादे से अपनी पिस्तौलों से उनके ऊपर गोलीबारी शुरू कर दी। पिस्तौल की एक गोली वरिष्ठ सिपाही सतनाम सिंह के पेट में लग गई, जिसकी वजह से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। यद्यपि, वरिष्ठ सिपाही सतनाम सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे, तथापि, उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और वे अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना आरोपी नामतः जोबनजीत सिंह उर्फ जोबन सिंह, पुत्र बलकार सिंह, निवासी अड्डा दुदुआना, रसूलपुर की ओर आगे बढ़े, जो उन पर गोलीबारी कर रहा था और उसको सफलतापूर्वक दबोच लिया तथा इस प्रकार, अत्यधिक दृढ़ निश्चय की भावना, असाधारण साहस और बुद्धिमानी का प्रदर्शन किया। उसके अलावा, पुलिस पार्टी ने आरोपियों नामतः शेरप्रीत सिंह उर्फ गुलाबा, पुत्र अवताई सिंह, निवासी दशमेश नगर, जिला अमृतसर और अजयपाल, पुत्र भगवान सिंह, निवासी अकालगढ़ धापियां को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस स्टेशन सदर बाटला में आईपीसी की धारा 452, 324, 323, 427, 336, 148 एवं 149 और आयुध अधिनियम की धारा 25, 27, 54 एवं 59 के अंतर्गत दर्ज दिनांक 10.04.2022 की एफआईआर सं. 42 के तहत उनसे एक स्वदेशी पिस्तौल, .32 बोर की 01 स्वदेशी पिस्तौल, .32 बोर का 01 जिंदा कारतूस, .32 बोर के 04 खाली राउंड, .315 बोर का 01 मिस राउंड, .315 बोर का 01 खाली राउंड, पीबी-35-डी-2688 नंबर वाली 01 जेन मॉडल की कार, बिना नंबर प्लेट वाली एक मोटर साइकिल तथा पीबी-02 ईडी-3177 नंबर वाली 01 मोटर साइकिल बरामद की गई। गोली लगने से घायल होने के कारण वरिष्ठ सिपाही सतनाम सिंह की हालत बिगड़ गई और उन्हें तत्काल फोर्टिस अस्पताल (एस्कोर्ट) अमृतसर में भर्ती कराया गया। उनका दिनांक 07.05.2022 से 21.05.2022 तक इलाज चला। इस संबंध में, आरोपियों के विरुद्ध पुलिस स्टेशन जंडियाला, जिला अमृतसर में आईपीसी की धारा 307, 353,

186, 506, 148 एवं 149 और आयुध अधिनियम की धारा 25, 54 एवं 59 के तहत दिनांक 07.05.2022 को एक मामलागत एफआईआर सं. 109 दर्ज कर ली गई है।

यहां पर यह उल्लेखनीय है कि दिन के दौरान हुई इस मुठभेड़ में वरिष्ठ सिपाही सतनाम सिंह की भूमिका बहुत साहसिक और निडरतापूर्ण थी, क्योंकि वे गोली लगने से गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद अपनी जान को अत्यधिक जोखिम में डालकर आरोपी से लड़े।

उन्होंने स्थिति को भी बड़ी चतुराई से संभाला और सूझ-बूझ एवं दृढ़निश्चय का प्रदर्शन करते हुए आरोपी जोबनजीत सिंह उर्फ जोबन सिंह को हथियार सहित सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि यदि उन्होंने आरोपी जोबनजीत सिंह उर्फ जोबन को गिरफ्तार न किया होता, तो वह पुलिस पार्टी को काफी अधिक क्षति पहुंचा सकता था। इस प्रकार, घायल अवस्था में उनके द्वारा प्रदर्शित वीरतापूर्ण कार्रवाई की वजह से मौके पर मौजूद अनेक पुलिस कार्मिकों की जान भी बच गई।

इस ऑपरेशन में, पंजाब पुलिस के श्री सतनाम सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07/05/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/13/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 130-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, तेलंगाना के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	भास्करन आर., भापुसे	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	के. अशोक	सीनियर कमांडो/हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	के. संदीप कुमार	जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	एम. कार्तिक	जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	वी. मधु	जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	सी. एच. संपत	जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

इस आशय की विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने के बाद कि इतूरुनगरम-महादेवपुर के डीसीएम सुधाकर और शान्ता, अन्य सीआरसी सदस्यों के साथ अपराधों को अंजाम देने के इरादे से जिला- वीजापुर (छत्तीसगढ़) के पुलिस स्टेशन इलमिदी की सीमा के अंतर्गत स्थित उसूर रिजर्व फॉरेस्ट के करेगुट्टालु क्षेत्र में घूम रहे हैं, श्री भास्करन आर., भापुसे, पुलिस अधीक्षक ने ग्रेहाउंड्स के साथ मिलकर दिनांक 17.01.2022 को 4 हमलावर यूनियनों के साथ एक ऑपरेशन की योजना बनाई। करेगुट्टालु के इलाके में गुफाएं, पहाड़ एवं नाले स्थित हैं और इसे तेलंगाना-छत्तीसगढ़ क्षेत्र में सबसे कठिन क्षेत्र माना जाता है।

योजना के अनुसार, श्री भास्करन आर., भापुसे, पुलिस अधीक्षक ने ग्रेहाउंड्स के साथ दिनांक 17.01.2022 को लगभग सायं 4:30 बजे आगे बढ़ना शुरू किया और वे रात्रि 00:20 बजे बिथरमाडुगु पहुंच गए तथा उन्होंने शत्रु के ठिकाने तक पहुंचने से पहले दिनांक 18.01.2022 को सुबह 4:30 बजे तक भोर होने का इंतजार किया।

जब श्री वी. मधु, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल और अन्य सदस्य उक्त क्षेत्र से गुजर रहे थे, तब उन्होंने माओवादियों को देखा और उन्हें आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परन्तु उन्होंने इसकी ओर ध्यान नहीं दिया और गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके कारण टीम के सदस्यों ने आत्मरक्षा में गोलियों की बौछार कर दी। जब ये गोलियां शत्रुओं को नहीं लगीं, तो श्री वी. मधु, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल और उनके बाद अन्य कमांडो द्वारा ग्रेनेड फेंके गए। वे शत्रुओं के शव की तलाश करने के लिए आगे बढ़े, परन्तु शत्रुओं ने तत्काल गोलियों की बौछार करके जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप श्री वी. मधु, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल गोली लगने से घायल हो गए। बाद में, श्री एम. कार्तिक, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल और अन्य सदस्यों को शत्रु दिखाई पड़े और उन्होंने उनको आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परन्तु उन्होंने

इसकी ओर ध्यान नहीं दिया और गोलीबारी शुरू कर दी, जिसकी वजह से पुलिस पार्टी ने भी आत्मरक्षा में गोलीबारी शुरू दी, परन्तु शत्रु आश्रय लेते हुए बचकर भाग गए। इसके अतिरिक्त, श्री के. अशोक, सीनियर कमांडो/हेड कांस्टेबल और अन्य सदस्यों को 02 माओवादी दिखाई दिए तथा उन्होंने उनको आत्मसमर्पण करने चेतावनी दी, परन्तु वे अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे और श्री के. अशोक, सीनियर कमांडो/हेड कांस्टेबल ने भी आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की तथा 01 माओवादी को मार गिराया। बाद में, श्री के. अशोक, सीनियर कमांडो/हेड कांस्टेबल और श्री के. संदीप कुमार, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल ने देखा कि उनको देखकर एक शत्रु आगे बढ़ रहा है तथा शत्रु ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसकी वजह से श्री के. अशोक, सीनियर कमांडो/हेड कांस्टेबल और श्री के. संदीप कुमार, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल ने गोलीबारी करते हुए जवाबी कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप 01 माओवादी मारा गया।

इसके अलावा, जब एक अन्य टीम उक्त क्षेत्र में नाले/गुफा के पास से गुजर रही थी, तो उन्होंने देखा कि शत्रु गुफा में से गोलीबारी कर रहे हैं और उन्होंने उनको आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परन्तु उन्होंने बेरहमी से विरोध किया। तत्काल, श्री सी.एच. संपत, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल और अन्य सदस्यों ने जवाबी कार्रवाई की तथा 01 माओवादी का सफाया कर दिया और बाद में गुफा में से उसका शव बरामद किया।

इस प्रकार, दिनांक 18.01.2022 को काकुल्लुगुट्टा के निकट हुई गोलीबारी में 03 खूंखार माओवादी (02 पुरुष एवं 01 महिला) अर्थात् कोमुल्ला नरेश उर्फ बाक्कन्ना, कोवासी मुय्याल उर्फ कल्लाश और मदाकम सिंगे उर्फ शांता का सफाया हो गया तथा गोलीबारी के स्थल से 1 एसएलआर राइफल, 1 इंसास राइफल, 1 डीबीबीएल राइफल, 2 रॉकेट शेल, एसएलआर राइफल की 2 मैगजीनें, इंसास राइफल की 3 मैगजीनें, एसएलआर के 19 राउंड, इंसास के 25 राउंड आदि बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, तेलंगाना पुलिस के सर्व/श्री भास्करन आर., भापुसे, पुलिस अधीक्षक, के. अशोक, सीनियर कमांडो/हेड कांस्टेबल, के. संदीपकुमार, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल, एम. कार्तिक, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल, वी. मधु, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल और सी. एच. संपत, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/01/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3290/54/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 131-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, तेलंगाना के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	जी. रमेश	डिप्टी असॉल्ट कमाण्डर/रिजर्व निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	स्व. बी. सुशील	जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3	टी. महेश	सहायक असॉल्ट कमाण्डर/रिजर्व उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	शेख. नागुलमीरा	सहायक असॉल्ट कमाण्डर/रिजर्व उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	के. आदितारायण	सीनियर कमांडो/हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	आर. सुनील कुमार	जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	एच. सुकुमार	जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
8	एम. कल्याण कुमार	जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
9	जी. श्रीधर	जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
10	सीएच. रवीन्द्र बाबू	जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
11	राताडरमेश	जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
12	के. पुरुषोत्तम रेड्डी	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
13	तीगला महेंदर राव	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
14	केशिव प्रसाद	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
15	बी. कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
16	बी. शिव कुमार	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

इस आशय की विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर कि हरिभूषण, दामोदर और आजाद के नेतृत्व में लगभग 40 सशस्त्र/नियम-विरोधी माओवादी कैडर तेलंगाना की सीमा पर सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के इरादे से दोलीगुट्टा-पुजारीकांकेर (V) के बीच घूम रहे हैं, दिनांक 01.03.2018 को एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई। इसके भाग के रूप में, ग्रेहाउण्ड्स के कमांडो और जिले की विशेष पुलिस पार्टियां पुजारीकांकेर (V) की ओर आगे बढ़ीं और रात में वहां पर ठहर गईं। दिनांक 02.03.2018 की सुबह, ग्रेहाउण्ड्स की टीम और जिले की विशेष पुलिस पार्टियां पूर्वोत्तर दिशा की ओर आगे बढ़ीं। कमांडो को पुजारीकांकेर (V) (पुलिस स्टेशन-उसूर/जिला बीजापुर/छत्तीसगढ़) की सीमा में देखकर, माओवादियों ने उन्हें जान से मारने के लिए स्वचालित हथियारों और रॉकेट लांचरों का उपयोग करके गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, गोलियों की तीव्र बौछार से विचलित हुए बिना, पुलिस पार्टी ने स्थिति पर नियंत्रण स्थापित कर लिया और माओवादियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। माओवादियों ने ऊंचाई वाले स्थान पर होने का फायदा उठाया और चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया तथा अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी। श्री जी. रमेश, डिप्टी असाल्ट कमांडर/रिजर्व निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस पार्टी अपनी जान को जोखिम में डालकर साहस के साथ आगे बढ़ी और आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की, जिसके कारण बंदूक की भीषण लड़ाई के बाद माओवादी वहां से भाग गए। पुलिस पार्टी की जवाबी कार्रवाई से अन्य कमांडो की जान बच गई। बाद में, उक्त क्षेत्र की तलाशी के दौरान घटना स्थल से 10 माओवादियों के शव मिले और 1 एके-47, 7 इंसास राइफल, 2 एसएलआर, दो .303 राइफल, 1 पिस्तौल, 1 एसबीबीएल, 1 रॉकेट लांचर, चार 7.62 एसए बाल्स, दस 5.56 एसए बाल्स, 6 रॉकेट लांचर बम, 2 किट बैग, .303 के 70 राउंड, 2 एके मैगजीनें, 3 एसएलआर मैगजीनें, 3 इंसास मैगजीनें, 3 क्लेमोर माइन्स, 4 डेटोनेटर आदि बरामद किए गए। प्रक्रिया के दौरान श्री बी. सुशील, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल बहादुरी से लड़ते हुए शहीद हो गए।

इस ऑपरेशन में, तेलंगाना पुलिस के सर्व/श्री जी. रमेश, डिप्टी असाल्ट कमांडर/रिजर्व निरीक्षक, स्व. बी. सुशील, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल, टी. महेश, सहायक असाल्ट कमांडर/रिजर्व उपनिरीक्षक, शेख. नागुलमीरा, सहायक असाल्ट कमांडर/रिजर्व उपनिरीक्षक, के. आदिनारायण, सीनियर कमांडो/हेड कांस्टेबल, आर. सुनील कुमार, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल, एच. सुकुमार, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल, एम. कल्याण कुमार, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल, जी. श्रीधर, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल, सीएच. रवीन्द्र बाबू, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल, राताडरमेश, जूनियर कमांडो/पुलिस कांस्टेबल, के. पुरुषोत्तम रेड्डी, निरीक्षक, तीगला महेंद्र राव, पुलिस कांस्टेबल, केशिव प्रसाद, निरीक्षक, बी. कुमार, उप निरीक्षक और बी. शिव कुमार, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02/03/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1234/54/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 132-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, उत्तर प्रदेश के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का द्वितीय बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	धर्मेश कुमार शाही	पुलिस उपाधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	सत्य प्रकाश सिंह	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	यशवन्त सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	मोहम्मद इमरान	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

प्रयागराज जिले के खूंखार अपराधी फिरोज पठान उर्फ इरफान उर्फ हीरू ने महाराजगंज और बस्ती में सनसनीखेज बैंक डकैतियां डालकर और प्रयागराज तथा कौशांबी के ग्राहक सेवा केंद्रों में लूटपाट करके आतंक फैला रखा था। उसकी आपराधिक गतिविधियों के मद्देनजर, उसकी गिरफ्तारी के लिए अपर पुलिस महानिदेशक, गोरखपुर जोन, गोरखपुर द्वारा 1,00,000/- रु. के इनाम और पुलिस महानिरीक्षक, प्रयागराज रेंज, प्रयागराज द्वारा 50,000/- रु. के इनाम की घोषणा की गई थी।

पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही के नेतृत्व में फील्ड यूनिट, गोरखपुर की एसटीएफ टीम फिरोज पठान के विरुद्ध खुफिया जानकारी एकत्र कर रही थी। बस्ती जिले में खुफिया जानकारी एकत्र करने के दौरान, दिनांक 24.02.2020 की सुबह इस आशय की एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि फिरोज पठान किसी बैंक अथवा ग्राहक सेवा केंद्र में सनसनीखेज डकैती को अंजाम देने के लिए अपने साथी के साथ अम्बेडकर नगर जिले में जाएगा। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही टीम के साथ, जिसमें निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह, हेड कांस्टेबल यशवंत सिंह, सिपाही मोहम्मद इमरान आदि शामिल थे, तत्काल महादेव मार्केट की क्रॉसिंग पर पहुंचे, जहां उन्होंने तीन टीमों गठित कीं। पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही के नेतृत्व में पहली हमलावर टीम ने महादेव मार्केट की क्रॉसिंग पर पोजीशन ले ली, जबकि दूसरी और तीसरी बैंक अप टीमों ने बस्ती और मुंडेरवा की ओर पोजीशन ले ली तथा इंतजार करने लगे।

सुबह लगभग 05:45 बजे, एक मोटर साइकिल पर दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। इस बात की पुष्टि हो गई कि पीछे की सीट पर बैठा व्यक्ति फिरोज पठान ही है। हमलावर टीम के पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही, निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह तथा हेड कांस्टेबल यशवंत सिंह ने उस मोटर साइकिल को रोकने का प्रयास किया, जिसकी पिछली सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपनी पीठ पर पिट्टू बैग टांग रखा था और उसने अपनी कमर में बंधे हथियारों को निकालकर अपने दोनों हाथों में ले लिया। उक्त अपराधियों ने अपनी मोटर साइकिल को मोड़ लिया और वे गालियां बकते हुए तेज स्पीड में बस्ती की ओर भागने लगे। पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही ने वहां से बचकर भाग रहे अपराधियों का अपनी टीम के साथ पीछा किया। कुछ दूर जाने के बाद, पीछे की सीट पर बैठे अपराधी ने साहस के साथ पुलिस पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। गांव सोहिला की मजार के नजदीक अपराधियों की मोटर साइकिल फिसल गई। फिरोज पठान ने सड़क के किनारे पोजीशन ले ली। जैसे ही पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही और उनकी टीम ने पेड़ और सीमेंट की बेंच की आड़ में पोजीशन लेने का प्रयास किया, तभी अपराधी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही, निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह और हेड कांस्टेबल यशवंत सिंह बाल-बाल बच गए। उक्त अपराधी अपनी पोजीशन बदल के रूक-रूक कर गोलीबारी कर रहा था। इसी बीच बैंक अप टीमों भी वहां पर पहुंच गईं। वे अपराधी को गिरफ्तार करने और पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही, निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह तथा हेड कांस्टेबल यशवंत सिंह वाली टीम की जान बचाने के लिए अपनी जान को जोखिम में डालकर और असाधारण साहस तथा वीरता का प्रदर्शन करते हुए तथा अपराधी को बार-बार ललकारते हुए उसकी ओर आगे बढ़ीं। चेतावनी दिए जाने की वजह से अपराधी और अधिक उग्र हो गया और वह अधिक साहस के साथ गोलीबारी करने लगा। उसने अपने पिट्टू बैग से कोई बड़ा हथियार बाहर निकालने का प्रयास किया। अपराधी द्वारा की गई गोलीबारी के परिणामस्वरूप, सिपाही मोहम्मद इमरान गोली लगने से घायल हो गए। यह देखते हुए कि पुलिसकर्मी की जान खतरे में है, पुलिस उपाधीक्षक धर्मे श कुमार शाही, निरीक्षक सत्य प्रकाश और हेड कांस्टेबल यशवंत सिंह सुविचारित जोखिम उठाकर अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए कवर से बाहर आ गए और उन्होंने अपराधी की गोलीबारी की रेंज में होने के बावजूद, आत्मरक्षा में नियंत्रित ढंग से गोलीबारी की। जब गोलीबारी बंद हो गई, तब हमलावर टीम अपराधी के निकट पहुंची, जो अचेत पड़ा हुआ था। उसकी पहचान खूंखार अपराधी फिरोज पठान के रूप में हुई। उसकी जान बचाने के लिए उसे अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी मृत्यु हो गई।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्वश्री धर्मे श कुमार शाही, पुलिस उपाधीक्षक, सत्य प्रकाश सिंह, निरीक्षक, यशवन्त सिंह, हेड कांस्टेबल और मोहम्मद इमरान, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24/02/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3278/28/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 133-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, उत्तर प्रदेश के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	डा. विपिन टांडा, भापुसे	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	प्रवीन कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.07.2019 को लगभग 18:20 बजे, डा0 विपिन टाडा, भापुसे, पुलिस अधीक्षक, जिला अमरोहा, उत्तर प्रदेश को डायल 100, नियंत्रण कक्ष लखनऊ के माध्यम से पुलिस स्टेशन आदमपुर, जिला अमरोहा के क्षेत्राधिकार में स्थित गांव शेरगढ़ के जंगल में, पुलिस हिरासत से भागे हुए 03 अपराधियों के मौजूद होने के बारे में एक सूचना प्राप्त हुई। वे तत्काल हरकत में आए और उन्होंने नियंत्रण कक्ष को सूचित किया तथा अमरोहा के अपर पुलिस अधीक्षक, सर्किल ऑफिसर हसनपुर और आदमपुर, डिडोली, गजरौला तथा राजबपुर के पुलिस स्टेशनों के एसएचओ को घात लगाने एवं प्रभावकारी घेराबंदी करने के लिए शेरगढ़ के जंगल में पहुंचने का निर्देश दिया। वे अपराधियों को पकड़ने के लिए अपने गनर/सिपाही प्रवीन कुमार के साथ तुरंत सरकारी वाहन में चल पड़े।

फरार अपराधियों की गतिविधि के बारे में लगातार अपडेट के आधार पर और उन अपराधियों के दोतई आश्रम से इमरतपुर-सम्बल लिंक रोड की पश्चिमी दिशा की ओर जाने के बारे में रणनीतिक रूप से अनुमान लगाते हुए, डा0 विपिन टाडा, पुलिस अधीक्षक ने पुलिस बल तैनात कर दिए और इसी बीच, एसएचओ आदमपुर द्वारा दोतई आश्रम से पश्चिम की ओर भाग रहे तथा रूक-रूक कर पुलिस पार्टी पर गोलीबारी कर रहे अपराधियों का पीछा करने के बारे में पुष्टि किए जाने पर, वे तत्काल इमरतपुर गांव के निकट पहुंच गए।

लगभग 20:25 बजे इमरतपुर-सम्बल लिंक रोड पर पहुंचने के बाद, जब डा0 विपिन टाडा, पुलिस अधीक्षक ने अपने वाहन की हेड लाइट में यह देखा कि अपने हाथ में बंदूक लिए हुए 03 अपराधी सड़क पार कर रहे हैं, तब उन्होंने तत्काल वाहन को रोक दिया और उससे नीचे उतर गए तथा जोर से चिल्लाकर उन्हें आत्मसमर्पण करने की चुनौती दी और इसी बीच, अपनी टीम के साथ अपराधियों का पीछा करते हुए एसएचओ आदमपुर भी वहां पहुंच गए। अपराधियों को ललकारते हुए जैसे ही डा0 विपिन टाडा, पुलिस अधीक्षक ने उन्हें जिंदा पकड़ने का दृढ़ निश्चय किया और वे अदम्य साहस के साथ और अपनी जान की परवाह किए बिना अपने गनर/सिपाही प्रवीन कुमार के साथ निडरतापूर्वक आगे बढ़े, तभी अपराध-करने में दक्ष अपराधियों ने अचानक सड़क पर तेजी से आगे बढ़ते हुए लगातार भीषण गोलीबारी करना शुरू कर दिया और गोली उनकी छाती में लग गई, परन्तु बुलेटप्रूफ जैकेट पहने होने के कारण वे घायल होने से बच गए, लेकिन सिपाही प्रवीन कुमार घायल हो गए तथा निडर अपराधियों ने खाई में पोजीशन लेकर पुलिस को जान से मारने के इरादे से उनकी ओर जोरदार गोलीबारी जारी रखी।

क्रूर अपराधियों द्वारा सामने से की गई अंधाधुंध गोलीबारी में गोली लगने के बावजूद और सिपाही प्रवीन कुमार को घायल होते तथा पुलिस पार्टी की सुरक्षा को खतरे में पड़ता हुआ देखकर, डा0 विपिन टाडा, पुलिस अधीक्षक ने स्वयं इस 'करो या मरो' की स्थिति में अपनी जान की परवाह किए बिना अपराधियों को जिंदा गिरफ्तार करने का दृढ़ निश्चय किया। वे अदम्य साहस एवं वीरता और पुलिसिंग कौशल के साथ निडरतापूर्वक उनकी गोलीबारी की रेंज में आगे बढ़े तथा रणनीतिक ढंग से अपराधियों के साथ बिलकुर सामने से भिड़ गए, जिससे एक अपराधी घायल होकर गिर गया और तड़पने लगा, जिसकी बाद में मृत्यु हो गई तथा उसकी पहचान क्रूर, भयानक, पुलिस के 02 सिपाहियों के खूंखार हत्यारे और सशस्त्र फरार अपराधी कमल, पुत्र जंग बहादुर के रूप में हुई, जिसके सिर पर 2,50,000/- रु. का इनाम था तथा उसके कब्जे से सफलतापूर्वक अवैध आग्नेयास्त्र एवं गोलाबारुद बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्वश्री डा0 विपिन टाडा, भापुसे, पुलिस अधीक्षक और प्रवीन कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20/07/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3279/28/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 134-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, उत्तर प्रदेश के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहित अग्रवाल, भापुसे	पुलिस महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	डा. अनिल कुमार मिश्र	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	त्रिभुवन सिंह	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	राकेश कुमार	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
5	दिनेश कुमार गौतम	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	नवनीत कुमार यादव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 30 जनवरी, 2020 की शाम को, फतेहगढ़ पुलिस और संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को पुलिस स्टेशन मोहम्मदाबाद, जिला फतेहगढ़, उत्तर प्रदेश के एक गांव करथिया में 23 बच्चों को बंधक बनाए जाने के बारे में एक सनसनीखेज सूचना प्राप्त हुई।

उन बच्चों को दुर्दान्त अपराधी सुभाष बाँथम, पुत्र जगदीश, गांव करथिया, पुलिस स्टेशन मोहम्मदाबाद, जिला फतेहगढ़, उत्तर प्रदेश द्वारा बंधक बना लिया गया था। वह एक जघन्य हत्या के मामले में दोषी था, जिसमें उसे उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी और वह जमानत पर बाहर था।

सुभाष चिंतित अभिभावकों एवं ग्रामीणों को डराने के लिए अंधाधुंध गोलीबारी कर रहा था। वह बंधक बनाए गए प्रत्येक बच्चे के लिए 1,00,00,000/- रु. (एक करोड़ रु.) की फिरौती की मांग कर रहा था। फिरौती की रकम के अलावा, वह इस बात पर भी जोर दे रहा था कि उसके विरुद्ध सभी आपराधिक मामलों/मुकदमों को बिना किसी शर्त के तत्काल आधार पर वापस ले लिया जाए।

श्री राकेश कुमार, निरीक्षक सिविल पुलिस/एसएचओ, पुलिस स्टेशन मोहम्मदाबाद पुलिस टीम के साथ तत्काल घटना-स्थल पर पहुंच गए। उनकी टीम ने सर्वप्रथम सुभाष और उसकी पत्नी रूबी को इस बात के लिए मनाने का प्रयास किया कि वे सभी बच्चों को कोई नुकसान पहुंचाए बिना छोड़ दें। तथापि, अपराधी और उसकी पत्नी ने अपनी मांगों को दोहराया। चूंकि, अपराधी पुलिस के अनुरोध को नहीं मान रहे थे, इसलिए निरीक्षक श्री राकेश कुमार ने मेन गेट को खोलकर अपराधियों तक पहुंचने का प्रयास किया। इसी बीच, अपराधियों ने योजनाबद्ध तरीके से एक तार से जुड़े हुए बम से विस्फोट कर दिया, जिससे श्री राकेश कुमार, सिविल पुलिस निरीक्षक, श्री राजवीर सिंह, सर्किल ऑफिसर मोहम्मदाबाद और हेड कांस्टेबल जयवीर सिंह घायल हो गए।

जब पुलिस टीम अपराधियों का सामना कर रही थी, तभी श्री त्रिभुवन सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, फतेहगढ़, उप निरीक्षक श्री दिनेश कुमार गौतम और सिपाही नवनीत कुमार यादव तथा टीम के अन्य सदस्यों के साथ डा0 अनिल कुमार मिश्र, भापुसे, पुलिस अधीक्षक, फतेहगढ़ गांव करथिया में पहुंच गए और उनके पीछे-पीछे जिला मजिस्ट्रेट, फतेहगढ़ तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, फतेहगढ़ भी वहां पहुंच गए। इन सभी अधिकारियों ने सुभाष को बच्चों को छोड़ देने के लिए मनाने का प्रयास किया। तथापि, उसने उनके सभी अनुरोधों को अनसुना कर दिया।

यह सूचना मिलने के बाद, कानपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री मोहित अग्रवाल तत्काल अपने सरकारी वाहन से कानपुर से करथिया गांव पहुंच गए। करथिया गांव में पहुंचने के बाद, उन्होंने भी बंधक बनाए गए सभी बच्चों को रिहा करने के लिए सुभाष और उनकी पत्नी को समझाने एवं मनाने का प्रयास किया। तथापि, दुर्दान्त अपराधी सुभाष अपनी मांगों के बारे में चिल्लाता रहा और साथ ही डराता भी रहा कि वह सभी बच्चों को मार देगा तथा उसी समय उसने 02 गोлияं भी चलाई। अपराधी ने यह दावा किया कि उसने पहले ही दो बच्चों को मार दिया है और यदि उसकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वह बाकी बच्चों को भी मार देगा।

यह भांपते हुए कि बच्चों की जान को खतरा है, श्री मोहित अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक ने तत्काल स्थिति की कमान संभाल ली और सभी पुलिस टीमों को उचित ब्रीफिंग के पश्चात रणनीतिक तरीके से तैनात कर दिया। पुलिस बल को 2 अलग-अलग टीमों में बांट दिया गया। पहली टीम का नेतृत्व श्री मोहित अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक द्वारा किया गया, जिसमें डा0 अनिल कुमार मिश्र, पुलिस अधीक्षक, फतेहगढ़, श्री त्रिभुवन सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, फतेहगढ़, श्री दिनेश कुमार गौतम, उप निरीक्षक, सिपाही नवनीत कुमार यादव और अन्य कार्मिक शामिल थे। दूसरी टीम का नेतृत्व श्री राजवीर सिंह, सर्किल ऑफिसर मोहम्मदाबाद द्वारा किया गया, जिसमें श्री राकेश कुमार, सिविल पुलिस निरीक्षक और अन्य कार्मिक शामिल थे।

जहां एक ओर दूसरी टीम को अपराधियों को सामने के गेट पर उलझाए रखने और उनका ध्यान भटकाने का निर्देश दिया गया, वहीं दूसरी ओर स्वयं श्री मोहित अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक के नेतृत्व वाली पहली टीम को मुख्य ऑपरेशन की जिम्मेदारी संभालनी थी।

पूर्व निर्धारित रणनीति के अनुसार, जब दूसरी टीम द्वारा सुभाष और उसकी पत्नी का ध्यान भटकाया जा रहा था और वे सामने के गेट से मौखिक वार्तालाप का उत्तर देने में व्यस्त थे, तभी पुलिस महानिरीक्षक ने अपनी टीम के सदस्यों के साथ निडरतापूर्वक एवं अडिग साहस का प्रदर्शन करते हुए अपने पैरों से पिछले गेट को तोड़ कर खोल दिया और अपनी जान की परवाह किए बिना अपराधी के घर में प्रवेश किया। सुभाष ने तुरंत पुलिस टीम पर गोलीबारी की और एक हैंड-ग्रेनेड भी फेंका, उसकी गोлияं पुलिस महानिरीक्षक मोहित अग्रवाल के सीने में लगीं, परन्तु बुलेटप्रूफ जैकेट पहने होने के कारण वे बच गए, फिर भी हैंड ग्रेनेड के कुछ छर्रे लगने से पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक श्री त्रिभुवन सिंह घायल हो गए। जब खूंखार अपराधी उक्त टीम को दोबारा निशाना बनाने की तैयारी कर रहा था, तभी एक सतर्क सिपाही नवनीत कुमार यादव ने आत्म-रक्षा में सुभाष पर गोली चला दी। यह गोली सुभाष को लग गई तथा 31 जनवरी, 2020 को सुबह लगभग

2 बजे वह नीचे गिर गया और बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया। उक्त घर से भारी मात्रा में अवैध विस्फोटक सामग्री और आग्नेयास्त्र बरामद किए गए तथा अत्यधिक भयभीत सभी 23 बंधक बच्चों को सुरक्षित बचा लिया गया।

निःसंदेह, श्री मोहित अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने संकट के समय अद्वितीय साहस, वीरता और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण की उच्चकोटि की भावना प्रदर्शन किया तथा बंधक बनाए गए सभी 23 बच्चों को दुर्दांत अपराधी के चंगुल से बचा लिया।

इस ऑपरेशन में, उत्तर प्रदेश पुलिस के सर्वश्री मोहित अग्रवाल, भापुसे, पुलिस महानिरीक्षक, डा0 अनिल कुमार मिश्र, पुलिस अधीक्षक, त्रिभुवन सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, राकेश कुमार, निरीक्षक, दिनेश कुमार गौतम, उप निरीक्षक और नवनीत कुमार यादव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 30/01/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/3285/28/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 135-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, ओडिशा के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	प्रहलाद हिमिरिका	सूबेदार	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	सन्तोष कुमार गुरु	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	सुनील कुमार बरिहा	कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	सुजित कुमार राणा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

सूत्रों से इस आशय की विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि प्रतिबंधित कम्युनिस्ट (माओवादी) के सशस्त्र कैंडरों के एक समूह ने निर्दोष ग्रामीणों को पुलिस का मुखबिर बताकर उन्हें जान से मारने के इरादे से पदमपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत झांज रिजर्व फॉरेस्ट में डेरा डाल रखा है। सशस्त्र माओवादियों का सफाया करने के लिए, सूबेदार प्रहलाद हिमिरिका के नेतृत्व में बरगढ़ की एक एसओजी यूनिट और 10 डीवीटी जवानों को शामिल करके एक संयुक्त नक्सल-रोधी अभियान की योजना बनाई गई। तदनुसार, वे दिनांक 10.06.2021 को रात में झांज रिजर्व-फॉरेस्ट की ओर आगे बढ़े। जब टीम के सदस्य दिनांक 11.06.2021 को सुबह लगभग 06.30 बजे ग्राम- गंजागुड़ा के पास झांज रिजर्व-फॉरेस्ट में खोज और तलाश अभियान चला रहे थे, तभी लंबी बैरल वाले हथियारों के साथ गहरे भूरे रंग की वर्दी में 15-20 माओवादियों का एक समूह पहाड़ी की चोटी के पास दिखाई पड़ा। इसलिए, टीम सभी एहतियात बरतते हुए रणनीतिक रूप से उनकी ओर आगे बढ़ी और माओवादियों के बिलकुल नजदीक पहुंच गई। टीम ने माओवादियों को हिंदी और उड़िया में ऊंची आवाज़ में अपनी पहचान बताई और उनसे आत्मसमर्पण करने और हथियार डालने के लिए कहा, लेकिन पुलिस को देखते ही उन्होंने आत्मसमर्पण करने के बजाय पुलिस कर्मियों को जान से मारने के इरादे से बिना किसी उकसावे के पुलिस पार्टी पर अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जब गोलियाँ उनके कानों के पास से गुजरीं, तो टीम के कुछ सदस्य गिर पड़े और बाल-बाल बच गए। कोई विकल्प न मिलने पर और खुद को बचाने के लिए, टीम के सदस्यों ने पोजीशन ले ली और आत्म-रक्षा के अधिकार का प्रयोग करते हुए नियंत्रित तरीके से जवाबी गोलीबारी की। माओवादियों ने पुलिस टीम को जान से मारने के इरादे से उनके ऊपर अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी। तथापि, पुलिस टीम पूरी सावधानी बरतते हुए उनकी ओर आगे बढ़ी और उन्हें गोलीबारी बंद करने की चेतावनी दी, लेकिन उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी। इसके परिणामस्वरूप, टीम के पांच सदस्य नामतः सिपाही सुजित कुमार राणा, सिपाही सुधीर भोई, उप निरीक्षक सन्तोष कुमार गुरु, कमांडो सुनील कुमार बरिहा और सूबेदार प्रहलाद हिमिरिका छरें लगने से घायल हो गए और नीचे गिर पड़े। लगभग एक घंटे तक गोलीबारी जारी रही। इसके बाद, टीम ने देखा कि दूसरी ओर से कोई गोलीबारी नहीं हो रही है और पहाड़ी इलाके तथा घने जंगल का फायदा उठाकर माओवादी घटना-स्थल से भाग गए। तत्पश्चात, ऑपरेशन टीम सभी सावधानियां बरतते हुए घटना-स्थल की ओर आगे बढ़ी और दो घंटे तक पूरे क्षेत्र की गहन तलाशी ली तथा गहरे भूरे रंग की शर्ट और पैट में एक अज्ञात पुरुष नक्सली का शव मिला, जिसके शरीर पर बंदूक की गोली लगने के निशान थे। साथ ही, घटना-स्थल के आस-पास से एक-एक 47 राइफल, जिंदा गोला-बारूद (7.62 एमएम), एके 47 के 09 राउंड, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 05 हैवरसैक, खाना पकाने के बर्तन, 02 सोलर प्लेट, 01 गोला-बारूद पाउच, 02 मोबाइल चार्जर, 01 कलाई घड़ी, 02 रेडियो सेट, 03 प्लास्टिक जर्न कैन, 02 जोड़ी ओलिव ग्रीन शर्ट और पैट, 01 काले रंग की बेल्ट, कुछ माओवादी साहित्य, विभिन्न प्रकार की दवाइयां, मैन पैक और 01 चार्जर बरामद किए गए। अन्य माओवादियों, जो पहाड़ी इलाके और घने

जंगल का फायदा उठाकर भाग गए थे, को पकड़ने के लिए आगे खोज और तलाश अभियान चलाने हेतु एसओजी की अतिरिक्त हमलावर टीमों को तैनात किया गया।

यद्यपि, नक्सली समूह अपने कैप में बेहतर पोजीशन में थे, तथापि पुलिस टीम द्वारा बनाए रखा जाने वाला विस्मय इस पूरे ऑपरेशन में सफलता का मुख्य हथियार था। पुलिस टीम के किसी भी सदस्य ने अपना धैर्य नहीं खोया और पूरी तरह से इस प्रकार छिप गए कि वे प्रतिद्वंद्वी के हमले को नियंत्रित कर सकें। ऊंची जगह पर सामरिक पोजीशन लेने के लिए, बहादुर कमांडो की एक छोटी टीम कठिन भू-भाग पर रेंगते हुए 100 मीटर तक आगे बढ़ी और विभिन्न दिशाओं से गोलीबारी की, जिससे उग्रवादियों के बीच भय और भ्रम पैदा हो गया। इसके परिणामस्वरूप, टीम के सभी सदस्य नक्सलियों की भारी गोलीबारी से बच गए और एक खूंखार नक्सली को मौके पर ही ढेर कर दिया गया। उनके अनुकरणीय साहस, अच्छे टीम वर्क और निर्णय लेने की क्षमता की वजह से यह ऑपरेशन सफल हुआ। उन्होंने इस ऑपरेशन के दौरान अपनी जान को जोखिम में डालकर अनुकरणीय साहस और वीरतापूर्ण कार्यवाई का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में, ओडिशा पुलिस के सर्वश्री प्रहलाद हिमिरिका, सूबेदार, सन्तोष कुमार गुरु, उप निरीक्षक, सुनील कुमार बरिहा, कमांडो और सुजित कुमार राणा, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11/06/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1215/21/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 136-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, पश्चिम बंगाल के निम्नलिखित पुलिस कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्वश्री	कार्यवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	विनीत कुमार गोयल, भापुसे	अपर महानिदेशक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	राजेश कुमार यादव, भापुसे	पुलिस महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	बैदुर्ज घोष	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	अविजित घोष	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	अमित चटर्जी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09.06.2021 को लगभग 12.45 बजे, श्री विनीत कुमार गोयल, भापुसे, अपर महानिदेशक, एसटीएफ, पश्चिम बंगाल को सूत्रों से इस आशय की विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि पंजाब के दो फरार और मोस्ट वांटेड गैंगस्टर नामतः जयपाल भुल्लर उर्फ मंजीत सिंह राजपाल उर्फ बाथ उर्फ बिल्ला उर्फ बलविंदर और जसप्रीत उर्फ जस्सी ने बिधाननगर पुलिस आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत न्यूटाउन में शापूरजी पालोनजी शुखोवृष्टि हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में स्थित एक अपार्टमेंट के भवन सं. बी/153 के फ्लैट सं. 201 में शरण ले रखी है। उन्होंने दिनांक 16.05.2021 को पंजाब में दो पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी थी और शरण लेने के लिए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटकों के साथ कोलकाता भाग गए थे। वे अनेक राज्यों में डकैती, लूटपाट, हत्या और अन्य जघन्य अपराधों में भी शामिल थे। पंजाब पुलिस ने उन बदमाशों की गिरफ्तारी हेतु महत्वपूर्ण सूचना देने के लिए इनाम की घोषणा कर रखी थी।

सूचना के बारे में आश्चस्त होने के बाद, श्री विनीत कुमार गोयल, भापुसे, अपर महानिरीक्षक, एसटीएफ, पश्चिम बंगाल ने थोड़े से ही समय में श्री राजेश कुमार यादव, भापुसे, पुलिस महानिरीक्षक, एसटीएफ, पश्चिम बंगाल के साथ एक मिलकर रणनीतिक योजना बनाई और एसटीएफ से जुड़े 16 अधिकारियों और पुलिस कार्मिकों की एक टीम बनाई, जिसमें वे स्वयं भी शामिल थे। चूंकि सूत्रों से प्राप्त सूचना से इस बात की भी पुष्टि हुई कि उन भगोड़ों के पास अत्याधुनिक हथियार और भारी गोला-बारूद भी है, इसलिए एसएसएफ बटालियन, बैरकपुर के 15 कार्मिकों की एक स्ट्राइकिंग टीम भी उनके साथ शामिल की गई। पूरी टीम लगभग 15:10 बजे न्यूटाउन के हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में लक्षित स्थान पर पहुंच गई और भारतीय पुलिस सेवा के दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम के प्रत्येक सदस्य को आम नागरिकों की मौजूदगी को ध्यान में रखते हुए ऑपरेशन के दौरान काफी सतर्क रहने के लिए कहा।

उक्त भवन के सुरक्षा गार्ड ने भी इस बात की पुष्टि की कि दो पंजाबी व्यक्ति उस भवन के फ्लैट सं. 201 में किराए पर रह रहे हैं। किराये के मकान की व्यवस्था करने वाले ब्रोकर को टीम की सहायता के लिए बुलाया गया और श्री गोयल तथा श्री यादव के नेतृत्व में एक कोर ग्रुप भवन के ऊपर की ओर गया। इसी बीच, पूरे भवन और आस-पास के क्षेत्र को सुरक्षित कर दिया गया और वहां रहने वाले आम नागरिकों को पहले ही जानकारी दे दी गई। टीम के अन्य सदस्यों ने निर्देशों के अनुसार अपनी-अपनी पोजीशन ले ली।

फ्लैट ब्रोकर द्वारा दरवाजा खटखटाने पर, एक बदमाश ने दरवाजा खोला और पुलिस टीम को पहचानकर वह "पुलिस..." "पुलिस" चिल्लाते हुए बेडरूम के अंदर भाग गया। निरीक्षक कार्तिकमोहन घोष और अन्य पुलिस कार्मिक फ्लैट के अंदर चले गये तथा एक बदमाश को काबू में करने की कोशिश की। जब वे धक्का-मुक्की कर रहे थे, तभी एक अन्य बदमाश ने गोली चला दी, जिसके परिणामस्वरूप निरीक्षक घोष को गोली लग गई और उनकी सर्विस पिस्तौल जमीन पर गिर गई। यद्यपि, उन्हें गोलीबारी रोकने की चेतावनी दी गई, फिर भी उन्होंने कमरे के अंदर से गोलीबारी जारी रखी। तब, कोई अन्य विकल्प न होने पर, कोर ग्रुप के अन्य पुलिस कार्मिकों को पुलिस कर्मियों और आम नागरिकों की जान बचाने के लिए अपने-अपने हथियारों से गोलियां चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा। दोनों ओर से करीब 10/15 मिनट तक गोलीबारी होती रही और दो बदमाशों की मौके पर ही मौत हो गई।

इसके बाद, बेडरूम से पांच आग्नेयास्त्र तथा कुछ मैगजीनें एवं गोला-बारूद और भारी मात्रा में नकदी बरामद की गई। इस गोलीबारी में, अपने आग्नेयास्त्रों से श्री विनीत कुमार गोयल और श्री राजेश कुमार यादव ने 2-2 राउंड फायरिंग की थी, जबकि सहायक उप निरीक्षक अविजित घोष ने 10 राउंड और सिपाही अमित चटर्जी ने 22 राउंड फायरिंग की। इस घटना के संबंध में, टेक्नो सिटी पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 326/307/188/333/353/34 तथा आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के तहत दिनांक 09.06.2021 को मामला सं. 68/2021 दर्ज कर लिया गया है।

इस ऑपरेशन में, पश्चिम बंगाल पुलिस के सर्व/श्री विनीत कुमार गोयल, भापुसे, अपर महानिदेशक, राजेश कुमार यादव, भापुसे, पुलिस महानिरीक्षक, बैदुर्ज घोष, उप निरीक्षक, अविजित घोष, सहायक उप निरीक्षक और अमित चटर्जी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09/06/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/82/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 137-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, असम राइफल्स के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री राजीव वरगोहाई	राइफलमैन	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

राइफलमैन (जनरल ड्यूटी) राजीव वरगोहाई 28 जुलाई, 2021 को कोट्टम फॉरेस्ट, जिला तिरप, अरुणाचल प्रदेश में भूमिगत कैडरों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त विशिष्ट सूचना के आधार पर शुरू किए गए ऑपरेशन का हिस्सा थे।

संदिग्ध क्षेत्र में पहुंचने पर, वे स्वेच्छा से कॉलम कमांडर के साथ रेंगते हुए, विद्रोहियों के छिपने की जगह की ओर गए। छिपने की जगह की निगरानी करते समय, विद्रोहियों ने कॉलम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अपने सैनिकों और सिविलियन गाइड्स के लिए गंभीर खतरे को भांपते हुए, राइफलमैन (जनरल ड्यूटी) राजीव वरगोहाई ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और कवर से बाहर आ गए तथा विद्रोहियों पर भारी और सटीक गोलीबारी की। उन्होंने उच्च स्तर की कार्यक्षमता का प्रदर्शन किया और दोनों विद्रोहियों का खात्मा करने में कॉलम कमांडर की सहायता की। भारी गोलीबारी के बीच, राइफलमैन (जनरल ड्यूटी) राजीव वरगोहाई ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना एक आम नागरिक को बचा लिया।

उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई और सूझ-बूझ से गाइड के रूप में काम कर रहे आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बचाने, विद्रोहियों का सफाया करने और भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद एवं युद्ध सामग्री बरामद करने में काफी मदद मिली।

इस ऑपरेशन में, असम राइफल्स के श्री राजीव वरगोहाई, राइफलमैन ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28/07/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1222/53/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 138-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, असम राइफल्स के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री अजय कुमार	राइफलमैन	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15 नवम्बर, 2021 को, राइफलमैन (जनरल ज्यूटी) अजय कुमार ऑपरेशन लाहू का हिस्सा थे, जो भूमिगत कैडरों द्वारा दो आम नागरिकों के अपहरण के संबंध में प्राप्त विशिष्ट सूचना के आधार पर शुरू किया गया था।

लगभग 0815 बजे, एक स्टॉप के रूप में तैनाती के दौरान, उन्होंने भारी हथियारों से लैस पांच विद्रोहियों को दो अपहृत नागरिकों के साथ अपनी ओर आते हुए देखा। सैन्य दस्ते द्वारा चुनौती दिये जाने पर, विद्रोहियों ने सैन्य दस्ते पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। अपने सैन्य दस्ते के लिए गंभीर खतरे को भांपते हुए, वे तुरंत कवर से बाहर आ गए और प्रमुख विद्रोही पर भारी और सटीक गोलीबारी की और एक विद्रोही को मार गिराया तथा वहां पर हुई नजदीकी लड़ाई में एक अन्य विद्रोही को घायल कर दिया। इस साहसिक कार्य के दौरान, राइफलमैन अजय कुमार बाएं हाथ में गोली लगने से घायल हो गए। घायल होने के बावजूद, उन्होंने अनुकरणीय शारीरिक साहस का प्रदर्शन किया और विद्रोहियों को लगातार उलझाए रखा तथा अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना भारी गोलीबारी के बीच एक अपहृत आम नागरिक को बचाकर उसे सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इस ऑपरेशन में, तीन विद्रोहियों को मार गिराया गया।

इस ऑपरेशन में, असम राइफल्स के श्री अजय कुमार, राइफलमैन ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 15/11/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/1224/53/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 139-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	अनुराग रंजन	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	अब्दुल हामिद राथर	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	अमरजीत सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	नवजोत सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 07/08 नवम्बर, 2020 की मध्यरात्रि के दौरान, उप निरीक्षक अनुराग रंजन, हेड कांस्टेबल अब्दुल हामिद राथर और सिपाही सुदीप सरकार जिला- कुपवाड़ा, कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ रोधी अवरोध प्रणाली (एआईओएस) के साथ गश्त और घात

लगाने की झूटी पर थे। जब वे रास्ते में वीएसएफ एमएमजी डेट की तैनाती वाले पोस्ट टॉवर-III पर रुके, तब पार्टी कमांडर उप निरीक्षक अनुराग रंजन ने एमएमजी डेट को हाई अलर्ट पर रहने और यदि आवश्यक हो, तो गोलीबारी में सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया।

जब ऑपरेशन टीम लगभग 080100 बजे, मार्गदर्शक के रूप में सिपाही सुदीप सरकार, बीच में उप निरीक्षक अनुराग रंजन और पीछे हेड कांस्टेबल अब्दुल हामिद राथर के साथ घात स्थल की ओर बढ़ रही थी, तब उन्होंने रिज के उत्तरी किनारे पर सशस्त्र घुसपैठियों की आवाजाही देखी। पूरी टीम ने उपलब्ध जमीन पर पोजीशन ले ली और हेड कांस्टेबल अब्दुल हामिद राथर ने रिज के उत्तरी किनारे पर मौजूद आतंकवादी/घुसपैठिए पर गोलीबारी की, जिस पर घुसपैठियों ने उस ऊंचाई वाले स्थान से भारी मात्रा में जवाबी गोलीबारी की, जहां उन्होंने पोजीशन ले रखी थी।

सिपाही सुदीप सरकार ने स्वयं रणनीतिक रूप से आगे की ओर पोजीशन ले रखी थी और उस दिशा में जवाबी कार्रवाई की, जहां से गोलीबारी हुई थी। इसके बाद हुई मुठभेड़ में, घुसपैठियों ने रिज के ऊंचाई वाले महत्वपूर्ण स्थानों पर पोजीशन ले ली थी और ऑपरेशन पार्टी ने ढलान वाली जमीन पर पोजीशन ले ली थी। रणनीतिक रूप से अलाभप्रद स्थिति में होने के बावजूद, सिपाही सुदीप सरकार ने वीरतापूर्वक लड़ाई लड़ी और सामने वाले आतंकवादी पर भारी गोलीबारी की। वहां पर हुई बंदूक की भीषण लड़ाई में, सिपाही सुदीप सरकार को सामने से गोली लगी और वे गोली लगने से घायल हो गए। बिल्कुल पास में मौजूद आतंकवादी ने सिपाही सुदीप सरकार पर ग्रेनेड फेंका, जिसके विस्फोट के परिणामस्वरूप उनके बाएं पैर में छर्रे लगने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल होने के बावजूद, उन्होंने आतंकवादी/घुसपैठिए की ओर गोलीबारी जारी रखी और अंततः बिल्कुल नजदीक से हुई लड़ाई में आतंकवादी को मार गिराया।

उप निरीक्षक अनुराग रंजन ने सिपाही सुदीप सरकार के पीछे पोजीशन ले रखी थी और उन्होंने बिल्कुल नजदीक से गोलीबारी करके सिपाही सुदीप सरकार को सहायता प्रदान की। हेड कांस्टेबल अब्दुल हामिद राथर के साथ उन्होंने सशस्त्र घुसपैठियों को घुसपैठ-रोधी अवरोध प्रणाली (एआईओएस) के पास आने से रोकने के लिए रिज के उत्तरी किनारे पर भारी गोलीबारी की और इस प्रकार उनकी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। यह भांपते हुए कि सिपाही सुदीप सरकार गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, उप निरीक्षक अनुराग रंजन और हेड कांस्टेबल अब्दुल हामिद राथर ने गोलीबारी के दौरान सिपाही सुदीप सरकार को वहां से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का वीरतापूर्ण प्रयास किया, लेकिन दुश्मन की गोलीबारी के कारण असफल रहे।

इसी बीच, टावर-III पोस्ट और टावर-III पर तैनात एमएमजी डेट से अतिरिक्त सैन्य सहायता प्राप्त हुई। टॉवर- III के सिपाही अमरजीत सिंह और सिपाही नवजोत सिंह भी उप निरीक्षक अनुराग रंजन के साथ शामिल हो गए, जो मुठभेड़ स्थल के पास सुरक्षात्मक गोलीबारी करके सहायता प्रदान कर रहे थे। श्री एम. सतीश कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट, कंपनी कमांडर ने अतिरिक्त सैन्य सहायता के लिए कार्यवाहक कमान अधिकारी, 18 मद्रास के साथ समन्वय किया, जो लगभग 080200 बजे मुठभेड़ स्थल पर पहुंच गई। लेकिन अंधेरा होने और घुसपैठियों तथा दुश्मन के एफडीएल की ओर से होने वाली भारी गोलीबारी के कारण, अतिरिक्त सैन्य सहायता दल सिपाही सुदीप सरकार को मुठभेड़ स्थल से बाहर नहीं निकाल सका। इस क्षेत्र को 18 मद्रास द्वारा 080400 बजे तक घेर लिया गया और सिपाही सुदीप सरकार को अंततः 080500 बजे बाहर निकाल लिया गया। इस कार्रवाई में सिपाही सुदीप सरकार की मौत हो गई और उसके बाद पास में ही एक अज्ञात आतंकवादी का शव भी मिला, जिस पर कई गोलियां लगी हुई थीं।

इस ऑपरेशन में, सीमा सुरक्षा बल (वीएसएफ) के सर्व/श्री अनुराग रंजन, उप निरीक्षक, अब्दुल हामिद राथर, हेड कांस्टेबल, अमरजीत सिंह, सिपाही और नवजोत सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08/11/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/66/47/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 140-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	दीपक ढोंडियाल	कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	जय सिंह	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	कुलदीप	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
4	राठौड़ रमेश साहेबराव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	आरडी जीनी अनल	कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	राकेश कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	मिश्री सिंह यादव	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29 जनवरी, 2022 को लगभग 1620 बजे, पुलवामा के तहाब से सटे नायरा इलाके में ओजीडब्ल्यू के साथ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में प्राप्त खुफिया सूचना के आधार पर, सीटीटी 183 सीआरपीएफ, बी/182 सीआरपीएफ, एसओजी/जेकेपी और 55 आरआर द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और सर्व ऑपरेशन (सीएसओ) चलाया गया। एसओजी के साथ सीटीटी 183 सीआरपीएफ, बी/182 सीआरपीएफ और 55 आरआर की एक कंपनी वाली संयुक्त टीमों ने लक्षित क्षेत्र में 18 संदिग्ध घरों की घेराबंदी कर दी।

लगभग 1945 बजे, प्रारंभिक घेराबंदी करते समय, एक घर में छिपे हुए आतंकवादियों ने संयुक्त सैन्य दस्ते पर गोलीबारी शुरू कर दी। उस क्षेत्र को तुरंत घेर लिया गया। इसके बारे में सूचना मिलने पर, श्री जय सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी एवं उनकी यूनिट क्यूएटी तथा आरडी जीनी अनल, कमांडेंट, 183 सीआरपीएफ एवं उनकी क्यूएटी के साथ श्री दीपक ढोंडियाल, कमांडेंट, 182 सीआरपीएफ, सीओ 55 आरआर और पुलिस अधीक्षक पुलवामा घटना-स्थल की ओर चल पड़े। श्री तुलसी दास, सहायक कमांडेंट की कमान में सीसीटी 182 सीआरपीएफ और आरआर की कंपनियों को भी नायरा में एकत्रित कर लिया गया। जब उस रिहायशी घर में आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि हो गई, तो घेराबंदी को सख्त कर दिया गया। अपनी तरफ किसी भी प्रकार की क्षति की संभावना को रोकने के लिए, यह निर्णय लिया गया कि अपने सहयोगियों और विशेष सैनिकों के साथ केवल अधिकारी ही लक्षित घर के पास तैनात किए जाएंगे।

श्री दीपक ढोंडियाल, कमांडेंट, 182 सीआरपीएफ ने सिपाही कुलदीप के साथ उत्तर की ओर से संकरी गली में पोजीशन संभाल ली, श्री जय सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी अपने साथी सिपाही राठौड़ रमेश साहेबराव के साथ उसी संकरी गली में थोड़ा आगे थे, सिपाही पंकज मान और सिपाही कृष्णा श्री दीपक ढोंडियाल, कमांडेंट, 182 सीआरपीएफ से थोड़ा पीछे थे तथा श्री आरडी जीनी अनल, कमांडेंट, 183 सीआरपीएफ के साथ हेड कांस्टेबल राकेश कुमार, हेड कांस्टेबल मिश्री सिंह यादव और सिपाही नारायण दास धुर्वे थे, जो वहां स्थित घरों की सुरक्षा के लिए पश्चिम में तैनात थे। आरआर की टुकड़ियों को गरुड़ दस्ते के साथ दक्षिण में नाले और खुले स्थान की ओर तैनात किया गया था। बचकर भागने के संभावित मार्गों पर कॉन्सर्टिना तार लगाए गए थे। लक्षित घर में मौजूद सभी स्थानीय लोगों को सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया गया। आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए बार-बार अपील की गई, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। जब सैन्य दस्ते लक्षित घर की ओर बढ़े, तो आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका दस्ते द्वारा भी जवाब दिया गया।

लगभग 0025 बजे, लक्षित घर में छिपे हुए तीन आतंकवादी खुले लॉन में आ गए और उन्होंने सैन्य दस्ते पर तीन दिशाओं से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सतर्क सैन्य दस्ते द्वारा गोलीबारी का प्रभावी ढंग से जवाब दिया। अंधेरे का फायदा उठाते हुए, ये तीनों आतंकवादी एक साथ संकरी गली की ओर भाग गए। उन्हें देखते ही, 182 सीआरपीएफ के कमांडेंट श्री दीपक ढोंडियाल और उनके साथी सिपाही कुलदीप उनसे भिड़ गए और अपनी जान की परवाह किए बिना उन्होंने आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी शुरू कर दी। 183 सीआरपीएफ के कमांडेंट श्री आरडी जीनी अनल और उनके साथी हेड कांस्टेबल राकेश कुमार, हेड कांस्टेबल मिश्री सिंह यादव और सिपाही नारायण दास धुर्वे, जो पश्चिम दिशा में तैनात थे, ने भी आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी की। दोनों ओर से हुई भारी गोलीबारी के दौरान, दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। कुछ देर बाद, तीसरा आतंकवादी भी मारा गया।

इस गोलीबारी में, गरुड़ दस्ते के स्क्वाड्रन लीडर संदीप झाझरिया के बाएं कंधे पर गोली लग गई। जब उन्हें एंबुलेंस तक ले जाया जा रहा था, तो लक्षित घर में छिपा हुआ चौथा आतंकवादी अचानक सामने आ गया और उसने गोलीबारी शुरू कर दी। इस गोलीबारी में, गरुड़ कमांडो आनंद को पीठ के निचले हिस्से में गोली लग गई। संयुक्त सैन्य दस्ते ने तत्काल जवाबी कार्रवाई करके चौथे आतंकवादी को घेर लिया और उसे लक्षित घर के अंदर शरण लेने के लिए मजबूर कर दिया। गरुड़ दस्ते के दोनों घायल सैनिकों को आगे इलाज के लिए 92 बेस हॉस्पिटल श्रीनगर ले जाया गया। चौथे आतंकवादी ने अपनी पोजीशन बदल-बदलकर सैनिकों पर गोलीबारी जारी रखी।

लगभग 0430 बजे, एक क्वाड-कॉप्टर का उपयोग किया गया, जिसने चौथे आतंकवादी के एक संकरे स्थान पर होने की पुष्टि की, जिसके दो तरफ दीवार और तीसरी तरफ एक गौशाला थी। संयुक्त सैन्य दस्ते ने चिन्हित स्थान की ओर गोलीबारी की और आतंकवादी को खुली जगह में आने के लिए मजबूर कर दिया। जैसे ही चौथा आतंकवादी खुली जगह में आया, तभी वहां पर पहले से ही मौजूद श्री जय सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी और सिपाही राठौड़ रमेश साहेबराव ने उस पर गोलियां चला दीं। इस भीषण गोलीबारी में, आतंकवादी बुरी तरह घायल हो गया और उसने गौशाला के पीछे पोजीशन ले ली। इन दोनों सैनिकों ने साहस का परिचय दिया और अपनी जान की परवाह किए बिना, आतंकवादी पर फिर से प्रभावी गोलीबारी की तथा लगभग 0500 बजे उसे मार गिराया।

मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी के दौरान, 02 एके-56 राइफल, 5.56 एमएम की 01 एम4 कार्बाइन, 9 एमएम की 01 पिस्तौल, 7.62 एमएम की 01 पिस्तौल, 05 एके मैगजीन, पिस्तौल की 02 मैगजीन, 5.56 एमएम की एम4 कार्बाइन की 06 मैगजीन, एके के 167 राउंड, पिस्तौल के 8 राउंड, 5.56 एमएम की एम4 कार्बाइन के 173 राउंड, 12 चीनी हैंड ग्रेनेड (सीटू में नष्ट किए गए), नाइट विजन डिवाइस, 5.56 एमएम की 01 एम4 कार्बाइन (क्षतिग्रस्त) और अन्य सहायक उपकरणों के साथ चार आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) संगठन के जाहिद मंजूर वानी, श्रेणी ए++, कफ़ील उर्फ छोटू, श्रेणी ए++, वाहिद अहमद रेशी, श्रेणी 'सी' और अनायतुल्ला मीर, श्रेणी 'सी', के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सर्वश्री दीपक ढोंडियाल, कमांडेंट, जय सिंह, द्वितीय कमान अधिकारी, कुलदीप, सिपाही, राठौड़ रमेश साहेबराव, सिपाही, आरडी जीनी अनल, कमांडेंट, राकेश कुमार, हेड कांस्टेबल और मिश्री सिंह यादव, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/01/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/02/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 141-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. श्री मुन्ना यादव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10 मई 2020 को, ग्राम डुमरी, पालनार, तिमेनार और हिरोली, पुलिस स्टेशन मिरतुर, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़ के सामान्य क्षेत्र में सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक सूचना के आधार पर, उप महानिरीक्षक ऑफिस बीजापुर की स्पेशल एक्शन टीम (एसएटी), सीएएफ, डीआरजी और राज्य पुलिस के सैनिकों द्वारा एक "ख" स्तर का विशेष संयुक्त अभियान शुरू किया गया।

दिनांक 10 मई, 2020 को 2215 बजे, उचित ब्रीफिंग कर, अवसरों एवं खतरों का आकलन करने के बाद, सैनिक चुपचाप तरीके से लक्षित क्षेत्र की ओर आगे बढ़े। दिनांक 11 मई, 2020 को लगभग 0300 बजे, सैनिक घने जंगल को अपने कौशल के साथ पार कर, कोंडावन गांव के वन क्षेत्र के पास पहुंचे। लगभग 0500 बजे से लेकर 1000 बजे तक सैनिकों ने घात लगाये रखी। इसके बाद, योजना के अनुसार, पूरा दल बेस कैंप के लिए रवाना हो गया और लगभग 03 किमी. की दूरी तय की। इसी बीच पुलिस अधीक्षक, बीजापुर का वायरलेस पर मैसेज प्राप्त हुआ, जिसमें इस दल को रात में रुकने एवं एल्यूमीनीय लेने का निर्देश दिया गया। जवानों ने 100 मीटर दूर टेकरी में सुरक्षित स्थान पर एल्यूमीनीय के लिए पोजीशन ले ली। 20-25 मिनट बाद फिर से डीआरजी के माध्यम से संदेश आया कि सभी सैनिक पुलिस स्टेशन मिरतुर वापस लौट आए। इसके बाद, निर्देश का पालन करते हुए सैनिकों ने एल्यूमीनीय की अपनी पोजीशन छोड़ दी और बेस कैंप की ओर बढ़ना शुरू कर दिया। आगे बढ़ने के दौरान, सबसे पहले डीआरजी की टीम आगे बढ़ी, जिसके बाद सीएएफ और स्पेशल एक्शन टीम आगे बढ़ी। एसएटी सेक्शन 01, 02 और 03 फॉरमेशन में आगे बढ़ रही थी। जब जवान लगभग 400 मीटर तक आगे बढ़े, तो एसएटी के सेक्शन 03 द्वारा लगभग 30- 40 सशस्त्र पुरुष और महिला माओवादियों की कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं।

अचानक ही, माओवादियों ने सुरक्षा बलों को मारने और उनके हथियार छीनने के इरादे से उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में जवानों ने आत्मरक्षा करते हुए बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की। इस बीच, सिपाही मुन्ना यादव अपनी जान जोखिम में डालकर, रेंगते हुए गोलीबारी की दिशा में आगे बढ़े और उन्होंने माओवादियों पर आक्रामक हमला कर दिया, जो कि अच्छी तरह से एक मजबूत पोजीशन लिए हुए थे। सैनिकों ने गोलीबारी जारी रखी तथा अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना बहादुरी से आगे बढ़ते रहे और सतर्क रहे। समन्वित जवाबी हमले से माओवादी स्तब्ध रह गए और इससे माओवादियों की घात को तोड़ दिया गया। बाद में, सैनिकों द्वारा निकट दूरी से, आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई के परिणामस्वरूप सिपाही मुन्ना यादव, गोलीबारी कर आगे बढ़ने की तरकीबों को अपनाते हुए प्राकृतिक कवर का लाभ उठाकर आगे बढ़े और माओवादियों की पोजीशन के करीब पहुंच गए। माओवादियों में से एक माओवादी, जो वहां छिपा हुआ था और जिसे जवानों द्वारा देखा नहीं जा सका था, ने सिपाही मुन्ना यादव पर निशाना साधा और उन पर गोली चला दी। गोली सिपाही मुन्ना यादव की गर्दन के दाहिनी ओर लगी और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। अटल प्रतिबद्धता के साथ सिपाही मुन्ना यादव ने अद्वितीय साहस का प्रदर्शन किया और उन्होंने बहादुरी से लड़ाई लड़ते हुए, एक प्रबल दुश्मन, जो किलेबंदी द्वारा संरक्षित था एवं हमला करने के लिए अनुकूल पोजीशन में था, को मार गिराने में कर्तव्य का पालन करते हुए अपने जीवन का बलिदान दे दिया। यह मुठभेड़ लगभग 25 मिनट तक जारी रही, तब तक माओवादी घनी वनस्पतियों

और ऊबड़-खाबड़ इलाके का फायदा उठाकर वहां से भाग गए और भागते हुए बहुत सारे खून के धब्बे वहां छोड़ गए, जिससे इंगित होता है कि कुछ माओवादी या तो मारे गए या गंभीर रूप से घायल हो गए।

इस ऑपरेशन में, सीआरपीएफ के स्व. श्री मुन्ना यादव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11/05/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/07/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 142-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) मरणोपरांत प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. श्री शान्ति भूषण तिकी	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12 फरवरी, 2022 को, फुताकेल और पोलमपल्ली, पुलिस स्टेशन-बासागुडा, जिला-बीजापुर, छत्तीसगढ़ के बीच जंगल क्षेत्र में कुछ संदिग्ध माओवादियों की मौजूदगी के संबंध में विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त एक विशिष्ट जानकारी के आधार पर, 168 सीआरपीएफ की एफ कंपनी और राज्य पुलिस को मिलाकर बनाई गई एक छोटी टीम द्वारा ऑपरेशन शुरू किया गया।

प्राप्त जानकारी के आधार पर, श्री शान्ति भूषण तिकी, सहायक कमांडेंट, क्यूएटी के साथ, जिसमें 6 मोटरसाइकिलों पर 11 कार्मिक शामिल थे, लगभग 0900 बजे तिमापुर बेस कैंप से फुताकेल और पोलमपल्ली क्षेत्र में लक्ष्य की ओर रवाना हुए।

लगभग 0915 बजे गिदा वागु नाला से 900 मीटर पहले, सहायक कमांडेंट श्री शान्ति भूषण तिकी ने दल को निर्देश दिया कि दल खुद को छुपाते हुए एक रणनीतिक पोजीशन ले लें और जबकि स्थिति का आकलन करने के लिए वे स्वयं अपने सहयोगी सिपाही एस अप्पा राव के साथ अपनी बाइक पर आगे बढ़ें। अचानक ही, वे लगभग 35-40 माओवादियों की भारी गोलीबारी की चपेट में आ गये। अप्रत्याशित हमले के बावजूद, श्री शान्ति भूषण तिकी, सहायक कमांडेंट और उनके सहयोगी ने बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की। हालाँकि, स्वचालित हथियारों और बीजीएल से अंधाधुंध और लगातार गोलीबारी के कारण, एक बाइक इसके चपेट में आ गई और उसमें आग लग गई, जो अंततः पूरी तरह से जल गई। गोलीबारी के दौरान, श्री शान्ति भूषण तिकी, सहायक कमांडेंट, गंभीर रूप से घायल हो गए। असहनीय दर्द, खून बहने और बैचेनी के बावजूद, उन्होंने अटूट बहादुरी का प्रदर्शन किया और अपनी आखिरी सांस तक माओवादियों से डटकर मुकाबला किया। उन्होंने एक प्रबल दुश्मन को मार गिराया लेकिन दुर्भाग्य से, कर्तव्य का पालन करते हुए उन्होंने अपने जीवन का बलिदान दे दिया। गोलीबारी के दौरान, सिपाही एस अप्पा राव के पैर में भी गोलियों से चोट लग गई, लेकिन उन्हें वहां से सुरक्षित निकाल लिया गया।

इस ऑपरेशन में, सीआरपीएफ के स्व. श्री शान्ति भूषण तिकी, सहायक कमांडेंट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/02/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/10/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 143-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	प्रशान्त कुमार	उप कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	विभा बासू महता	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	सुशील कुमार पाण्डेय	उप कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	सौरव भदौरिया	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	अनिल कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	पवार पांडुरंग	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	गणेश नारायण शर्मा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
8	पुट्टा पवन कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09 फरवरी, 2020 को इरापल्ली के सामान्य क्षेत्र में प्रमुख माओवादी नेताओं की मौजूदगी के संबंध में एक विशिष्ट जानकारी के आधार पर, 204 कोबरा की 5 टीमों, 151 सीआरपीएफ की 3 प्लाटूनों, 201, 206 और 208 कोबरा प्रत्येक की 9 टीमों के साथ मिलकर एक ऑपरेशन शुरू किया गया।

लगभग 1700 बजे, 204 कोबरा और 151 सीआरपीएफ की टीमों तिप्पापुरम बेस कैम्प से रवाना हुई। क्रॉस कंट्री में आगे बढ़ते हुए, जवान 10 फरवरी, 2020 को लगभग 0530 बजे लक्षित क्षेत्र के पास पहुंचे और वे 3 स्ट्राइक टीमों में बंट गए। श्री प्रशांत कुमार, उप कमांडेंट के नेतृत्व में टीम 1 को पास की पहाड़ी .264 को कवर करने का काम सौंपा गया, टीम 2 को लक्षित क्षेत्र के चारों ओर से रास्ता बंद करने का काम सौंपा गया, जबकि टीम 3 उप कमांडेंट श्री सुशील कुमार पांडे के नेतृत्व में मुख्य लक्ष्य को भेदने के लिए आगे बढ़ी। जब जवान लगभग 200 मीटर आगे बढ़े, तो उन्होंने 3-4 माओवादियों को आईईडी लगाने की कोशिश करते हुए देखा। तभी जवानों ने माओवादियों का पीछा किया, जो लगभग 5-7 किलोग्राम वजनी एक आईईडी और अन्य सामान छोड़कर भागने में सफल रहे, जिसे यथास्थान नष्ट कर दिया गया।

लगभग 0800 बजे, टीम 3 मुख्य लक्षित क्षेत्र पर पहुंची और टीम ने आसपास के इलाके में तलाशी शुरू कर दी। प्रभावी और त्वरित तलाशी के लिए, उप कमांडेंट श्री सुशील कुमार पांडे ने टीम 2 कमांडर, श्री प्रशांत कुमार, उप कमांडेंट को लक्षित क्षेत्र पर पहुंचने और उनके साथ तलाशी में शामिल होने के लिए कहा। तलाशी के दौरान, इलाके से जंगी सामान बरामद किया गया। यह स्थान न केवल माओवादियों का प्रशिक्षण शिविर था बल्कि प्रथम बटालियन पीएलजीए का वास्तविक गढ़ भी था।

इसी दौरान भारी हथियारों से लैस माओवादियों के एक समूह ने जवानों को घेर लिया और उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने तुरंत पोजीशन ली और जवाबी कार्रवाई की। भीषण गोलीबारी के दौरान, उप कमांडेंट, श्री प्रशांत कुमार ने कुछ माओवादियों को दाहिनी ओर से भागते देखा जिसका उन्होंने पीछा किया। दूसरी ओर, उप कमांडेंट, श्री सुशील कुमार पांडे ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए सिपाही सौरव भदौरिया के साथ मिलकर माओवादियों पर धावा बोल दिया। दुस्साहसिक जवाबी हमले से माओवादियों की कमर टूट गई और वे अपने मृत कैडर को पीछे छोड़कर घटनास्थल से भाग गए। माओवादियों का पीछा करते समय जवानों ने काली वर्दी पहने एक माओवादी का शव और विस्फोटक से भरा बैग बरामद किया।

श्री सुशील कुमार पांडे, उप कमांडेंट ने क्षेत्र की तलाशी जारी रखी और क्षेत्र को नियंत्रण में लेने के बाद, उन्होंने माओवादियों का पीछा कर रहे उप कमांडेंट श्री प्रशांत कुमार को फिर से संगठित होने के लिए कहा। जब श्री प्रशांत कुमार, उप कमांडेंट अपनी टीम के साथ ऊंचाई .264 की ओर बढ़ रहे थे, तभी बड़ी संख्या में मौजूद माओवादियों ने उन पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने दोबारा पोजीशन ली और जवाबी कार्रवाई की। पार्टी कमांडर ने स्काउट्स, सिपाही पूर्णानंद और सिपाही पवन कुमार को माओवादियों पर किनारे से हमला करने का निर्देश दिया। अनुकरणीय साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए, स्काउट सिपाही पूर्णानंद और सिपाही पवन कुमार माओवादियों की ओर आगे बढ़े। गोलियों की बौछार के बीच, सिपाही पूर्णानंद अपने कवर से बाहर निकले और उन्होंने सिपाही पुट्टा पवन कुमार की कवर फायर की मदद से, बगल से माओवादियों पर हमला किया। हालांकि, इस दौरान सिपाही पूर्णानंद को गोलियां लग गईं। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, सिपाही पूर्णानंद ने तब तक माओवादियों पर गोलीबारी जारी रखी जब तक वह गिर नहीं गए।

अपने सहयोगी को गिरता देख, उप कमांडेंट श्री प्रशांत कुमार ने सिपाही विकास कुमार को उनके पास पहुंचने और प्राथमिक चिकित्सा देने का निर्देश दिया, जबकि उन्होंने सिपाही विभा बासू महता और सिपाही पवार पांडुरंग के साथ कवर फायर दिया। सिपाही विकास कुमार यह जानते हुए भी कि उनकी जान को गंभीर खतरा होगा, प्राथमिक चिकित्सा के लिए सिपाही पूर्णानंद के पास पहुंचे, लेकिन इस दौरान उन्हें भी गोलियां लग गईं और वे शहीद हो गए। स्थिति को बिगड़ते हुए देखकर, उप कमांडेंट श्री प्रशांत कुमार ने अपने कमांडो को प्रेरित किया और सामने से माओवादियों पर हमला किया। भीषण गोलीबारी में, उप कमांडेंट श्री प्रशांत कुमार को भी पेट में गोलियां लगीं और वे गिर पड़े, लेकिन अपने

सैनिकों को लड़ने के लिए आदेश देते रहे एवं उनका मार्गदर्शन करते रहे। अपने कमांडर को गिरता देख हेड कांस्टेबल अजीत सिंह ने मोर्चा संभाला और माओवादियों पर धावा बोल दिया। उन्होंने ऑपरेशन कमांडर को अतिरिक्त बल के रूप में सहायता के लिए कहा, क्योंकि माओवादियों ने उन्हें घेरना शुरू कर दिया था। इसके बाद, हेड कांस्टेबल अजीत सिंह कवर से बाहर आए और उन्होंने माओवादियों के प्रभुत्व को तोड़ने के लिए उन पर एचई बम दागे। उन्हें खुले में देखकर माओवादियों ने हेड कांस्टेबल अजीत सिंह पर अंधाधुंध गोलियां चलाई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, हेड कांस्टेबल अजीत सिंह ने अपना संयम नहीं खोया और तब तक वीरता से लड़ते रहे, जब तक कि अन्य टीमें वहां सहायता के लिए नहीं पहुंच गई।

उधर, माओवादियों के हमले का जवाब देने के दौरान सिपाही पुट्टा पवन कुमार को भी गर्दन पर गोली लग गयी। तुरंत ही उनके साथी कमांडो सिपाही बिभा बासु महता उनकी सहायता के लिए आये और उन्होंने माओवादियों पर यूबीजीएल ग्रेनेड दागे। उनके निडर और साहसी कार्य ने माओवादियों की हिम्मत को तोड़ दिया। इस बीच, सिपाही पवार पांडुरंग भी सिपाही बिभा बासु महता की सहायता के लिए वहां पहुंच गए और जवाबी हमला बढ़ा दिया गया। गोलीबारी और रणकौशल की रणनीति को अपनाते हुए, दोनों माओवादियों की ओर आगे बढ़े; हालाँकि, इस दौरान, दोनों घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उन्होंने जवाबी हमला जारी रखा। आगे मोर्चे पर गंभीर स्थिति को देखते हुए, सिपाही अनिल कुमार, जो पीछे से लड़ रहे थे, अग्रणी कम्पोनेंट की सहायता के लिए दौड़ पड़े। भारी गोलाबारी के बीच, वे वहां पहुंच गए और जवाबी हमले को तेज कर दिया। उनकी समय पर सहायता ने न केवल उनके साथी कमांडो की जान बचाई, बल्कि माओवादियों द्वारा सैनिकों को घेरे जाने से भी रोका।

इस बीच, उप कमांडेंट श्री सुशील कुमार पांडे भी सिपाही गणेश नारायण शर्मा और सिपाही सौरव भदौरिया समेत सामने से लड़ रहे कम्पोनेंट के साथ शामिल हो गए और सामने से हमला कर दिया। इस संयुक्त जवाबी हमले ने माओवादियों की कमर तोड़ दी और उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया।

मारे गए नक्सली की पहचान करम हुंगा, पुत्र-करम सोमा, निवासी- सरपंचपारा, पुलिस स्टेशन- गंगालूर, जिला- बीजापुर के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में, सीआरपीएफ के सर्व/श्री प्रशान्त कुमार, उप कमांडेंट, बिभा बासु महता, सिपाही, सुशील कुमार पाण्डेय, उप कमांडेंट, सौरव भदौरिया, सिपाही, अनिल कुमार, सिपाही, पवार पांडुरंग, सिपाही, गणेश नारायण शर्मा, सिपाही और पुट्टा पवन कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10/02/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/78/48/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 144-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी), वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का प्रथम बार और वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) का षष्ठम बार प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	संजय कुमार	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक का षष्ठम बार
2	योगेश कुमार शर्मा	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	कुलजीत दास	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	तारिक अहमद डार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 4 मार्च, 2019 को 1900 बजे, रेशी मोहल्ला, त्राल पाईन के आवासीय घर में आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एक जानकारी प्राप्त हुई; तदनुसार, 180 सीआरपीएफ द्वारा 42 आरआर और एसओजी के साथ मिलकर एक घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएसओ) शुरू किया गया।

180 सीआरपीएफ की क्यूएटी और सी कंपनी अलग-अलग दिशाओं से आगे बढ़ी, और लक्षित घर एवं आसपास के 5 संदिग्ध घरों को घेर लिया। इसके बाद, निकटवर्ती घरों की तलाशी ली गई और 180 सीआरपीएफ की क्यूएटी और सी कंपनी, 42 आरआर तथा एसओजी के

सैनिकों ने आस पास की इमारतों में अपनी पोजीशन ली। लगभग 2100 बजे, द्वितीय कमान अधिकारी, ऑप्स, श्री संजय कुमार के नेतृत्व में दो संयुक्त सर्च टीमों ने वहां से आम नागरिकों को बाहर निकालना शुरू किया।

दिनांक 05 मार्च, 2019 को लगभग 0130 बजे, एक तीन मंजिला इमारत की तलाशी के दौरान, एक अटारी में छिपे आतंकवादियों ने ग्रेनेड फेंके और उसके बाद गोलीबारी की। आतंकवादियों ने ऊपरी मंजिल पर पोजीशन लेकर घर के मुख्य दरवाजे को भी अपने कब्जे में ले लिया और अंदर फंसे तलाशी दल पर गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप दल के लिए मुख्य दरवाजे से बाहर निकलना बहुत जोखिम भरा हो गया। लगभग 0300 बजे विध्वंस सेट के नियंत्रित विस्फोट के साथ, लक्षित घर की साइड की दीवार से एक रास्ता बनाया गया और तलाशी दल को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

लगभग 0600 बजे आतंकवादियों ने लगातार 3 ग्रेनेड फेंके और अंधाधुंध गोलीबारी की। सैनिकों ने भी जवाबी कार्रवाई की और इस प्रकार भीषण गोलीबारी शुरू हो गई, जिसके परिणामस्वरूप एक लकड़ी की संरचना और एक अटारी आग की चपेट में आ गई। लगभग 0820 बजे, आतंकवादियों द्वारा फिर से 2 ग्रेनेड फेंके गए और वे अंधेरे एवं धूल का फायदा उठाकर गली में भागने में सफल हो गए। थोड़ी देर बाद, श्री संजय कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, जो अपने सहयोगी सिपाही कुलजीत दास के साथ दारूल उलूम के मुख्य द्वार पर मौजूद थे, ने एके 47 के साथ सेना की यूनिफार्म में एक सशस्त्र व्यक्ति को देखा। अप्रत्याशित रूप से, इस आतंकवादी ने भागने की कोशिश करते हुए, एक दम से अधिकारी और उनके सहयोगी पर गोलीबारी शुरू कर दी। लेकिन, श्री संजय कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी और उनके सहयोगी सिपाही, कुलजीत दास ने तुरंत ही अपनी पोजीशन ली और प्रभावी ढंग से गोलीबारी करते हुए आतंकवादी को मार गिराया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में, इरफान अहमद राथर उर्फ अबू तालिब, पुत्र- गुलाम हसन राथर, निवासी- शरीफाबाद, त्राल हिज़बुल मुजाहिदीन के रूप में हुई। उसके पास से 01 एके 47 राइफल, 02 मैगजीन और उसका गोला-बारूद आदि भी बरामद किया गया।

लगभग 1015 बजे, लक्षित घर के निकट दूसरे आतंकवादी ने निरीक्षक, योगेश कुमार शर्मा और उनके सहयोगी सिपाही, तारिक अहमद डार की ओर गोलीबारी की, लेकिन उन्होंने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए, तुरंत आतंकवादी का पता लगाने के लिए तुरंत सामरिक रूप से पोजीशन ले ली। आतंकवादी ने उनकी गतिविधि को देख उन पर और भारी गोलीबारी शुरू कर दी, लेकिन निरीक्षक, योगेश कुमार शर्मा और सिपाही तारिक अहमद डार ने बरामदे के खंभों की आड़ लेते हुए, जवाबी कार्रवाई की और एक अस्थायी ढांचे के पास उस आतंकवादी को मार गिराया।

मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में, अदफर फैयाज उर्फ अबू जरार, पुत्र- फैयाज अहमद पारें, निवासी- गुलशनपोरा, त्राल, हिज़बुल मुजाहिदीन के रूप में हुई। उसके पास से 01 एके 47 राइफल, 01 मैगजीन और उसका गोला-बारूद बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में, सीआरपीएफ के सर्व/श्री संजय कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी, योगेश कुमार शर्मा, निरीक्षक, कुलजीत दास, सिपाही और तारिक अहमद डार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 04/03/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/47/2020-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 145-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित कार्मिकों को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम सर्व/श्री	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	पिन्दू यादव	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	संजय सिंह	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	विश्वजीत कुम्भकर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	जसप्रीत सिंह	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	गिरीश सि जी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	प्रदीप कुमार यादव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

कदलदाग पहाड़ के पास 15 लाख रुपये के इनामी बुद्धेश्वर उराँव (बिहार क्षेत्रीय समिति सदस्य) के नेतृत्व वाले खुंखार एवं सशस्त्र माओवादी दस्ते की आवाजाही के संबंध में प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर, 203, 209 कोबरा और 218 सीआरपीएफ द्वारा झारखंड पुलिस के साथ परामर्श करने के बाद एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई।

दिनांक 12 जुलाई, 2021 को 203, 209 कोबरा, 218 सीआरपीएफ, झारखंड जगुआर एवं राज्य पुलिस के जवानों द्वारा केरागानी, कोचागानी, कदलदाग, मारवा और कुरुमगढ़ के घने वन क्षेत्र में एक संयुक्त ऑपरेशन चलाया गया। यह क्षेत्र घनी वनस्पतियों, खड़ी ढलानों, चट्टानों और आईईडी के कारण ऑपरेशन के लिहाज से चुनौतीपूर्ण था। जैसे-जैसे सैनिक सामरिक रूप से लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे थे, सिपाही विश्वजीत कुम्भकर (डॉग हैंडलर) अत्यधिक सावधानी से, अपने डॉग ट्रोन के साथ सैनिकों के लिए आगे का रास्ता सुरक्षित करने हेतु मुख्य क्षेत्र में घूम रहे थे। 13 जुलाई, 2021 को लगभग 0730 बजे, लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते हुए, डॉग ट्रोन ने किसी संदिग्ध वस्तु को सूंघ लिया। सिपाही विश्वजीत कुम्भकर ने आईईडी के खतरे को महसूस किया और अपने कुत्ते को वापस लौटने का आदेश दिया। अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना, सिपाही विश्वजीत कुम्भकर डॉग ट्रोन को बचाने करने के लिए दौड़ पड़े, जिससे दुर्भाग्यवश, एक प्रेशर आईईडी में विस्फोट हो गया, जिसके परिणामस्वरूप डॉग ट्रोन शहीद हो गया तथा सिपाही विश्वजीत कुम्भकर गंभीर रूप से घायल हो गए। अपनी जान जोखिम में डालकर, उन्होंने न केवल शेष सैनिकों की जान बचाई बल्कि कुत्ते "ट्रोन" के लिए भी अपनी सच्ची मित्रता और बहादुरी का प्रदर्शन किया। मृत कुत्ते और कुत्ते के घायल हैंडलर को वहां से बाहर निकालने के बाद, सैनिकों ने खोज शुरू की और एल्यूमीनियम लीया।

इसके बाद, 14 जुलाई, 2021 को ताजा जानकारी प्राप्त होने पर, लगभग 2300 बजे श्री सुरेंद्र कुमार, कमांडेंट, 209, कोबरा की समग्र निगरानी में, बुद्धेश्वर ओरांव (आरसीएम) के नेतृत्व वाले खतरनाक माओवादी समूह को पकड़ने के लिए एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई और नए सिरे से इसे लॉन्च किया गया। तदनुसार, श्री पिन्टू यादव, द्वितीय कमान अधिकारी की समग्र कमान के तहत 04 एसएटी (स्मॉल एक्शन टीम), जिसमें से श्री पिन्टू यादव के नेतृत्व में एसएटी-ए, श्री जसप्रीत सिंह, सहायक कमांडेंट, के नेतृत्व एसएटी-बी, श्री विक्की कुमार पांडे, डीसी, के नेतृत्व में एसएटी-सी और झारखंड पुलिस घटक के साथ श्री जितेंद्र सिंह, सहायक कमांडेंट, के नेतृत्व में एसएटी-डी का गठन किया गया। 15 जुलाई, 2021 को 0300 बजे सैनिक लक्ष्य क्षेत्र की ओर आगे बढ़े। एसएटी-सी की कमान श्री विक्की कुमार पांडे, डीसी ने संभाली और नेविगेशन में उप निरीक्षक, संजय सिंह के साथ मिलकर सैनिकों का नेतृत्व किया। सैनिक सभी बाधाओं के बावजूद अपने लक्ष्य पर हमला करने के दृढ़ संकल्प के साथ ऊबड़-खाबड़ इलाकों, आईईडी खतरों, घनी वनस्पतियों तथा खड़ी ढालों से सफलतापूर्वक निपटते हुए रणनीतिक रूप से लक्ष्य क्षेत्र की ओर बढ़े।

श्री जितेंद्र सिंह, सहायक कमांडेंट, के नेतृत्व में एसएटी-डी, ने जंगल में लक्षित क्षेत्र के पास पी-27 पॉइंट पर पोजीशन ले ली। पॉइंट पी-34 पर, लक्ष्य से 100 से 150 मीटर पश्चिम और पूर्व में दो कट-ऑफ स्थापित किए गए, ताकि इन दिशाओं से भाग रहे माओवादियों को पकड़ा जा सके। आईईडी के आसन्न खतरे के बावजूद, एसएटी ए, बी और सी गहन खोज के लिए लक्ष्य क्षेत्र की ओर आगे बढ़े।

15 जुलाई, 2021 को लगभग 08:52 बजे, संदिग्ध लक्ष्य क्षेत्र के करीब पहुंचते समय, श्री विक्की कुमार पांडे, डीसी तथा उप निरीक्षक, संजय सिंह की कमान के तहत एसएटी-सी ने कुछ संदिग्ध गतिविधियों को भांपा और उन्होंने तुरंत सैनिकों को सतर्क कर दिया। एसएटी-ए, एसएटी-बी और एसएटी-सी के कमांडर आईईडी प्रेशर के आसन्न खतरे को देखते हुए सावधानी के साथ एवं चालाकीपूर्वक आगे बढ़े। अचानक से, हमला समूह (एसएटी-ए, एसएटी-बी और एसएटी-सी) भारी गोलीबारी की चपेट में आ गए। जवानों ने तेजी से रक्षात्मक पोजीशन ली और उन्होंने माओवादियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। हालाँकि, चेतावनी पर ध्यान न देते हुए, माओवादियों ने जवानों को जान से मारने और उनके हथियारों को छिनने के उद्देश्य से अपनी गोलीबारी को बढ़ा दिया। कोबरा जवानों ने माओवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी का बहादुरी से सामना किया। गोलियों के प्रति पर्याप्त सुरक्षा कवर न होने कारण, जवानों के लिए अपनी पोजीशन को बनाये रखना और माओवादियों की ओर आगे बढ़ना चुनौतीपूर्ण हो गया था। माओवादी अपनी सुरक्षित पोजीशन से स्वचालित हथियारों का उपयोग कर रहे थे।

इस दौरान, श्री पिन्टू यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, ने श्री विक्की कुमार पांडे, डीसी और श्री जसप्रीत सिंह, सहायक कमांडेंट के साथ मिलकर जवानों के समक्ष खतरे को बेअसर करने के लिए माओवादियों के खिलाफ जवाबी हमला करने का निर्णय लिया। श्री पिन्टू यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, ने अपने सहयोगी सिपाही प्रदीप कुमार यादव के साथ मिलकर माओवादियों की पोजीशन पर गोलियां चलाई और एसएटी (स्मॉल एक्शन टीम) को अपनी तरफ से जवाबी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। द्वितीय कमान अधिकारी, श्री पिन्टू यादव ने सामने से नेतृत्व करते हुए एसएटी टीमों के बीच प्रभावी समन्वय और तालमेल सुनिश्चित किया। श्री विक्की कुमार पांडे, डीसी ने उप निरीक्षक, संजय सिंह और सिपाही विजय ओरांव के साथ मिलकर मोर्चा संभाला और वे भारी गोलीबारी के बावजूद, अपनी जान की परवाह किये बिना, माओवादी ठिकाने की ओर आगे बढ़ते रहे। उन्होंने प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई करते हुए, जवानों को सहायता प्रदान की और माओवादियों की पोजीशन को क्षति पहुंचाई, जिससे उन्हें पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। एसएटी-सी ने एसएटी-ए और एसएटी-बी को कवर फायर दिया। श्री जसप्रीत सिंह, सहायक कमांडेंट, ने अपने सहयोगी, सिपाही गिरीश सि जी के साथ मिलकर, एसएटी-ए और एसएटी-सी के साथ समन्वय किया। जमीनी स्तर पर अनुकरणीय नेतृत्व के साथ, कोबरा जवानों ने समन्वित तरीके से अत्यंत साहस एवं धैर्य का प्रदर्शन किया और माओवादियों की किलेबंद पोजीशन पर सटीक हमला किया।

जवानों के दबाव में, माओवादियों ने अपनी किलेबंद पोजीशन से, चुनौतीपूर्ण इलाके और घनी वनस्पतियों से होते हुए भागने का प्रयास किया। श्री विक्की कुमार पांडे, डीसी, ने उप निरीक्षक संजय सिंह, सिपाही, विजय ओरांव, श्री जसप्रीत सिंह, सहायक कमांडेंट, सिपाही, गिरीश

सि जी और उनकी टीमों के साथ घने, लहरदार और आईईडी-सम्भावित जंगल क्षेत्र में लगभग 3 किलोमीटर तक भाग रहे माओवादियों का पीछा किया। पीछा करने वाली टीम को माओवादियों के अम्बुश पर हमला करना पड़ा, जिसमें माओवादियों को काफी नुकसान हुआ और उन्हें अपनी पोजीशन छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। मुठभेड़ के दौरान, जवानों ने 33 आईईडी को भी खोजा और सुरक्षित रूप से उन्हें नष्ट कर दिया। पूरे ऑपरेशन के दौरान जवानों ने असाधारण साहस, अटूट दृढ़ संकल्प, सामरिक कौशल और बहादुरी का प्रदर्शन किया।

भीषण मुठभेड़ के दौरान, 209 कोबरा के जवानों ने एक प्रमुख माओवादी नेता को सफलतापूर्वक मार गिराया और एक एके 47 हथियार के साथ उसका शव बरामद कर लिया। बाद में, मृतक माओवादी की पहचान कुख्यात बुद्धेश्वर ओरांव के रूप में की गई, जो माओवादी संगठन का एक क्षेत्रीय समिति सदस्य था। झारखंड सरकार ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 15 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। उसके खात्मे से माओवादी संगठन को अपूरणीय क्षति हुई और समग्र रूप से माओवादी संगठन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा है।

इस ऑपरेशन में, सीआरपीएफ के सर्व/श्री पिन्टू यादव, द्वितीय कमान अधिकारी, संजय सिंह, उप निरीक्षक, विश्वजीत कुम्भकर, सिपाही, जसप्रीत सिंह, सहायक कमांडेंट, गिरीश सि जी, सिपाही और प्रदीप कुमार यादव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/07/2021 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/72/2023-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 146-प्रेज/2023—भारत की माननीय राष्ट्रपति महोदया, गृह मंत्रालय के निम्नलिखित कार्मिक को वीरता के लिए पुलिस पदक (पीएमजी) प्रदान करती हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	कार्रवाई के समय पद	प्रदान किया गया पदक
1	श्री वरुन शर्मा	सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-1/कार्यकारी/	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 21 अप्रैल, 2022 को विश्वसनीय स्रोत से प्राप्त एक जानकारी से पता चला कि दो/तीन जैश-ए-मोहम्मद फिदायीन भारत के प्रधानमंत्री की यात्रा से पहले जम्मू शहर में फिदायीन हमले को अंजाम देने के लिए जम्मू के सुंजवां के जलालाबाद इलाके में पहुंच गए हैं। डब्ल्यूआईपी के दौरे के मद्देनजर जानकारी की सत्यता और इसके प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, खतरे को बेअसर करने के लिए श्री वरुन शर्मा सहित सुरक्षा बल के जवानों की एक टीम का गठन किया गया।

दिनांक 21 अप्रैल की देर रात में एक घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। 22 अप्रैल की सुबह, घेराबंदी दलों में से एक पर हमला किया गया, जिसमें सुरक्षा बल के एक कार्मिक की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। मौत को मात देकर, साहस और सूझबूझ का प्रदर्शन करते हुए, श्री वरुन शर्मा ने अन्य सुरक्षा बल कार्मिकों की सहायता से घायल सुरक्षा बल कार्मिक को उस घर के सामने वाली सड़क से हटाया, जहां फिदायीन ने शरण ले रखी थी और वे रुक-रुक कर गोलीबारी कर रहे थे। सुरक्षा बलों की जवाबी गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए और घटनास्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद, सूखे मेवे, हार्ड एनर्जी ड्रिंक/चॉकलेट, दर्द निवारक इंजेक्शन और दवाएं (पाक निर्मित) आदि बरामद किए गए।

ऑपरेशन के दौरान जान को गंभीर खतरा होने के बावजूद, श्री वरुन शर्मा ऑपरेशन के साथ बने रहे और उन्होंने अदम्य साहस और कर्तव्य के प्रति समर्पण भावना का प्रदर्शन किया। उनकी निडरता और वृद्धिहीन पेशेवर प्रतिबद्धता के चलते आतंकवादियों के विरुद्ध यह ऑपरेशन सफल रहा।

इस ऑपरेशन में, गृह मंत्रालय के श्री वरुन शर्मा, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-1/ कार्यकारी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 22/04/2022 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/13/2022-पीएमए)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 153-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "कीर्ति चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:—

1. स्वर्गीय श्री दिलीप कुमार दास, इंस्पेक्टर/जीडी, 210 कोबरा, के0रि0पु0बल0 (मरणोपरांत)
2. स्वर्गीय श्री राज कुमार यादव, हैड कांस्टेबल/जीडी, 210 कोबरा, के0रि0पु0बल0 (मरणोपरांत)
3. स्वर्गीय श्री बबलू राभा, कांस्टेबल/जीडी, 210 कोबरा, के0रि0पु0बल0 (मरणोपरांत)
4. स्वर्गीय श्री शम्भू राँय, कांस्टेबल/जीडी, 210 कोबरा, के0रि0पु0बल0 (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 3 अप्रैल 2021)

2 अप्रैल, 2021 को थाना तारेम, बीजापुर, छत्तीसगढ़ के तहत गांव अलीगुडा और जोनागुडा के जंगली क्षेत्र में 40-50 माओवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशेष सूचना के आधार पर एक विशेष संयुक्त अभियान की योजना बनाई गई थी और छह स्ट्राइक टीम लक्षित क्षेत्र की ओर रवाना की गई।

3 अप्रैल को लगभग 0915 बजे, जवानों ने माओवादियों की गतिविधियां देखीं और ऑपरेशन कमांडर को सूचित किया। पहाड़ी के उत्तरी छोर से माओवादियों की ओर से तेज गोलीबारी और विस्फोटक हमले होने लगे। नुकसान उठाने के बावजूद, जवानों ने रक्षात्मक रुख अपनाते हुए, माओवादियों की ओर से होने वाली तेज गोलीबारी का मुकाबला किया परंतु एक सीआरपीएफ जवान शहीद हो गया। सशस्त्र माओवादियों की तेज गोलीबारी के बीच हैड कांस्टेबल/जीडी राज कुमार यादव, कांस्टेबल/जीडी शम्भू राँय, कांस्टेबल/जीडी बबलू राभा और अन्य जवान माओवादियों पर लगातार गोलियां चलाकर उन्हें हताहत करते हुए सीआरपीएफ जवान का शव उठाने में कामयाब हो गए। तीनों ने शव को अपने कब्जे में लेने और सभी फंसे हुए कर्मियों को सफलतापूर्वक निकालने में उल्लेखनीय बहादुरी का प्रदर्शन किया।

टेकलगुरियम गांव की पूर्वी तरफ से आगे बढ़ते हुए, टीम 1 और टीम 2 को माओवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी का सामना करना पड़ा। इंस्पेक्टर/जीडी दिलीप कुमार दास, कांस्टेबल/जीडी शम्भू राँय और अन्य डीआरजी कमांडो के साथ टीम 2 ने जबरदस्त बहादुरी दिखाते हुए, 4 से 5 माओवादियों को मार गिराया और एक माओवादी का शव और 1 इंसान राइफल, 26 इंसान लाइव राउंड और 3 मैगजीन बरामद की।

घायल कर्मियों को सुरक्षित निकालते समय अत्यधिक गोलीबारी के कारण हेलिकॉप्टर नहीं उतर पाया, इसलिए घायल कर्मियों को एक सुरक्षित क्षेत्र में ले जाया गया। घायलों और मृतकों को निकालने के लिए स्ट्राइक ने एक बॉक्स के तौर पर यानी सामने टीम 1 और 2, पीछे की ओर 3 और 6 और बीच में 4 और 5 टीम का गठन किया। पूर्व और दक्षिण से लगातार माओवादी हमले के बावजूद सैनिक बीजीएल/आरपीजी और स्वचालित हथियारों का प्रयोग करते हुए आगे बढ़ते गए। माओवादियों ने गोलीबारी तेज कर दी। निकासी रोक दी गई, और टीम कमांडरों ने आड़ लेते हुए माओवादियों से भिड़ने का फैसला किया। सैनिकों ने असाधारण साहस और तालमेल का प्रदर्शन किया। 6 घंटे से अधिक समय तक यह भीषण मुठभेड़ जारी रही और माओवादियों को काफी नुकसान पहुंचाया गया।

इस अभियान में इंस्पेक्टर/जीडी दिलीप कुमार दास, हैड कांस्टेबल/जीडी राज कुमार यादव, कांस्टेबल/जीडी शम्भू राँय, कांस्टेबल/जीडी बबलू राभा सहित कोबरा के आठ बहादुर कमांडो ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए।

बल की सर्वोच्च परंपरा के अनुरूप, अत्यंत असाधारण और विशिष्ट वीरता, दृढ़ साहस, अदम्य संकल्पशक्ति और सर्वोच्च बलिदान के सम्मान स्वरूप, इंस्पेक्टर/जीडी दिलीप कुमार दास, हैड कांस्टेबल/जीडी राज कुमार यादव, कांस्टेबल/जीडी शम्भू राँय, कांस्टेबल/जीडी बबलू राभा को "कीर्ति चक्र (मरणोपरांत)" से सम्मानित किया जाता है।

एस एम समी
अवर सचिव

सं.154-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "शौर्य चक्र" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:—

1. आईसी -76052 के मेजर विजय वर्मा, दि राजपूत रेजिमेंट, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 05 अक्टूबर 2022)

अक्टूबर 2021 से, मेजर विजय वर्मा ने 10 सफल ऑपरेशनों के संचालन के दौरान प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप 22 कट्टर आतंकवादियों का सफाया हुआ।

04 अक्टूबर 2022 को, जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर, मेजर विजय वर्मा ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। प्रारंभिक घेराबंदी के दौरान, तीन आतंकवादियों ने भागने की कोशिश में घेराबंदी पर अंधाधुंध ग्रेनेड फेंके। सैनिकों के ऊपर घातक खतरे को भांपते हुए, अधिकारी अपने साथी के साथ अंदर घुसे और आतंकवादियों पर भारी गोलीबारी की व भागने के सभी रास्ते बंद कर दिए। भारी गोलीबारी के बीच, अधिकारी ने आमने-सामने की गोलीबारी में आतंकवादियों को करीब से घेर लिया, जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी को मार गिराया और अन्य दो को घायल कर दिया।

उसी समय, लगभग 05:40 बजे, मेजर विजय को उनके स्थान से लगभग सात किलोमीटर दूर के एक गाँव में आतंकवादी गतिविधि के इनपुट मिले। स्थितिजन्य जागरूकता प्रदर्शित करते हुए और अपनी टीम के सामरिक संतुलन को बिगाड़े बिना, उन्होंने उस गाँव में दूसरे ऑपरेशन को शुरू करने के लिए महत्वपूर्ण संसाधनों का उपयोग किया, जिसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी को मार गिराया गया।

एक कट्टर आतंकवादी को मार गिराने व अनुकरणीय नेतृत्व तथा विशिष्ट वीरता प्रदर्शित करने के लिए मेजर विजय वर्मा को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

2. आईसी-76877पी मेजर विकास भांम्भू, सेना मेडल, 252 सेना विमानन स्कवार्डन (मरणोपरांत)

3. आईसी-81741पी मेजर मुस्तफा बोहरा, 252 सेना विमानन स्कवार्डन (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 21 अक्टूबर 2022)

21 अक्टूबर 2022 को, मेजर विकास भांम्भू एक पायलट के रूप में और मेजर मुस्तफा बोहरा, एक सह-पायलट के रूप में, अरुणाचल प्रदेश की सीमा पर रूद्र हेलीकॉप्टर में खुफिया निगरानी और टोही मिशन पर थे। 10:28 बजे मिशन के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद, सीमा से 20 किलोमीटर दूर, हेलीकॉप्टर में भयावह तरीके से आग लग गई। यह एक अभूतपूर्व रूप से विनाशकारी था। ऊंचाई में तेजी से कमी आई और सीमा के अंतिम छोर पर विमान के रूख में बदलाव आया। दोनों पायलटों ने जीवन को खतरे में डालने वाली अति विषम स्थिति में अत्यधिक शारीरिक और मानसिक तनाव में होने पर भी अनुकरणीय संयम बनाए रखा और रूद्र हेलीकॉप्टर पर पुनः नियंत्रण करने की कोशिश कर मर्गिंग के निर्मित क्षेत्र और गोला-बारूद बिंदु से दूर उड़ान भरने की कोशिश करते रहे।

हालाँकि, दोनों पायलटों को मर्गिंग के पास खुले क्षेत्र में उतरने का अवसर था, लेकिन आग के कारण नागरिक जीवन की हानि हो सकती थी और गोला-बारूद को भी नुकसान हो सकता था। एक घातक स्थिति का सामना करते हुए, मेजर विकास भांम्भू और मेजर मुस्तफा बोहरा ने अपनी जान की परवाह न करते हुए नागरिकों की जिंदगियों को बचाते हुए, असाधारण साहस और उड़ान कौशलता का प्रदर्शन करते हुए विमान का संचालन किया और भारतीय सेना की उच्चतम परंपराओं के अनुरूप सर्वोच्च बलिदान देते हुए आबादी क्षेत्र से दूर दुर्घटनाग्रस्त हो गए।

अदम्य साहस, असाधारण धैर्य व उत्तम कार्य दक्षता के लिए, मेजर विकास भांम्भू और मेजर मुस्तफा बोहरा को “शौर्य चक्र (मरणोपरांत)” से सम्मानित किया जाता है।

4. आईसी -79120एक्स मेजर सचिन नेगी, दि ग्रेनेडियर्स, 55वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 01 नवंबर 2022)

नवंबर 2020 से, मेजर सचिन नेगी ने छह सफल ऑपरेशनों में असाधारण दक्षता और बहादुरी का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप 14 आतंकवादियों को मार गिराया गया।

आतंकवादी गतिविधि की विशिष्ट सूचना के आधार पर, मेजर सचिन नेगी ने जम्मू और कश्मीर के पुलवामा जिले के गाँव में एक मोबाइल वाहन चेक पोस्ट की योजना बनाई और स्थापना की। चुनौती दी जाने पर वाहन में सवार आतंकवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की और ग्रेनेड फेंके। संयम, सूझबूझ और सामरिक कौशलता का प्रदर्शन करते हुए, मेजर सचिन नेगी ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और साथ ही भागने के संभावित मार्गों को कवर करने के लिए टीमों को फिर से समायोजित किया। अदम्य साहस और सर्वोच्च कोटि के नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए, अधिकारी रेंगते हुए आतंकवादियों की तरफ आगे बढ़े। भागने की फिराक में आतंकवादी बाहर निकले और पांच मीटर से भी कम दूरी पर मेजर सचिन नेगी से उनका आमना-सामना हुआ। दृढ़ साहस का प्रदर्शन करते हुए, व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना अधिकारी अपने कवर से बाहर निकले और आतंकवादियों से भिड़ गए व एक आतंकवादी को मार गिराया और दूसरे को घायल कर दिया।

सर्वोच्च कोटि का अनुकरणीय नेतृत्व और वीरता प्रदर्शित करने के लिए, मेजर सचिन नेगी को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

5. एससी-00905एच मेजर राजेंद्र प्रसाद जाट, दि डोगरा रेजिमेंट, 62वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 10 अगस्त 2022)

मेजर राजेंद्र प्रसाद जाट ने ऑपरेशन वॉटरहॉल में अद्वितीय वीरता और असाधारण नेतृत्व का प्रदर्शन किया, जिसमें तीन कट्टर आतंकवादियों को मार गिराया गया।

अधिकारी ने योजनाबद्ध तरीके से खराब मौसम व दुर्गम इलाके में आतंकवादियों को एक घर के अंदर फंसाने के लिए सैन्य टुकड़ी का नेतृत्व किया। संपर्क के बाद, उन्होंने भीषण गोलीबारी का सामना करते हुए आतंकवादियों को अपने स्थान का खुलासा करने के लिए मजबूर किया। मेजर राजेंद्र ने सूझबूझ, सामरिक चतुराई व युद्ध कौशलता का परिचय देते हुए आतंकवादियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया। हालाँकि, आतंकवादी ने उनके साथी पर प्रभावी गोलीबारी की। अपने साथी के लिए घातक खतरे को भांपते हुए और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, मेजर राजेंद्र कवर से बाहर निकले व रेंगते हुए आगे बढ़े और आतंकवादी से भिड़ गए। इस साहसिक कार्य में एक कट्टर आतंकवादी को मार गिराया गया।

इसके बाद दूसरा आतंकवादी उनकी टीम की ओर ग्रेनेड फेंकता और गोलीबारी करता हुआ घर से बाहर भागा, मेजर राजेंद्र ने फिर से अपनी स्थिति बदलते हुए, प्रभावी ढंग से आतंकवादी को उलझाया और घायल कर दिया।

अपने जवानों पर गंभीर व आसन्न खतरे का सामना करने में कर्तव्य की पुकार पर आगे जाने में उनकी विशिष्ट बहादुरी और दृढ़ नेतृत्व के लिए, मेजर राजेंद्र प्रसाद जाट को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

6. एससी -00971एल मेजर रविन्द्र सिंह रावत, दि कवचित कोर, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 30 अगस्त 2022)

मार्च 2020 से, मेजर रविन्द्र सिंह रावत ने 11 सफल अभियानों के संचालन के दौरान प्रेरक नेतृत्व का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप 28 कट्टर आतंकवादियों का सफाया हुआ।

30 अगस्त 2022 को शोपियां जिले के एक गांव में तीन आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली। प्रारंभिक घेराबंदी करते समय, अधिकारी ने तीन आतंकवादियों को घने बगीचों की ओर भागने की कोशिश करते हुए देखा। भागने के रास्ते को कवर करने के लिए अधिकारी ने तुरंत खुद को स्थानांतरित कर लिया। उनके रुकने पर, आतंकवादियों ने घेराबंदी तोड़ने के लिए उनकी ओर ग्रेनेड फेंका और अंधाधुंध गोलीबारी की। अधिकारी ने सटीक गोलीबारी से जवाबी कार्रवाई की और एक आतंकवादी को घायल कर दिया, जिसे बाद में उनके साथी के द्वारा मार गिराया गया।

कंक्रीट के नाले में छिपे एक अन्य आतंकवादी ने घने जंगल और कम होती रोशनी का फायदा उठाते हुए अंधाधुंध गोलीबारी की और जवानों पर ग्रेनेड फेंके। अपने सैनिकों पर घातक खतरे को भांपते हुए, अधिकारी ने असाधारण पहल की और आतंकवादी के करीब पहुंचे, नाले में प्रवेश किया और करीबी मुठभेड़ में उसे मार गिराया। मारे गए आतंकवादी की पहचान एक कुख्यात आतंकवादी के रूप में की गई, जो पहले भी तीन बार सैनिकों को घायल करके घेराबंदी से भाग चुका था।

अनुकरणीय नेतृत्व और सर्वोच्च वीरता प्रदर्शित करने के लिए, मेजर रविन्द्र सिंह रावत को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

7. 16013482एफ हवलदार विवेक सिंह तोमर, 5वीं बटालियन दि राजपूताना राईफल्स (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 10 जनवरी 2023)

10 जनवरी 2023 को सुबह 08:00 बजे ऑपरेशन मेघदूत के तहत सेंट्रल ग्लेशियर में 18300 फीट की ऊंचाई पर फॉरवर्ड पोस्ट पर तैनात होने के दौरान हवलदार विवेक सिंह तोमर ने एक स्नॉ टेंट से गहरा धुआं निकलते देखा। फॉरवर्ड पोस्ट पर बड़े पैमाने पर आग लगने से सैनिकों की जान को खतरा और संपत्ति का नुकसान होने की गंभीर स्थिति का आकलन करते हुए, हवलदार विवेक सिंह तोमर स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तुरंत अंदर पहुंचे। व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह न करते हुए, घने धुएं के बीच से अंदर दाखिल हुए और बड़ी मुश्किल से स्थिति पर काबू पाया और पोस्ट पर बड़ी आग की घटना को रोका।

धुएं के कण अंदर जाने और श्वास नली में चोट लगने के कारण उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया और खराब मौसम के कारण उन्हें अग्रिम चौकी से नहीं निकाला जा सका। उन्होंने 36 घंटे तक निडर होकर लड़ाई लड़ी व 11 जनवरी 2023 को सर्वोच्च बलिदान दिया।

अपने साथियों के जीवन की सुरक्षा के लिए, व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना विशिष्ट साहस और अदम्य बहादुरी प्रदर्शित करने के लिए, हवलदार विवेक सिंह तोमर को “शौर्य चक्र (मरणोपरांत)” से सम्मानित किया जाता है।

8. 16022160एच नायक भीम सिंह, दि राजपूताना राईफल्स, 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 26 सितम्बर 2022)

26 सितम्बर 2022 को, दक्षिण कश्मीर के एक गाँव में आतंकवादी समूह की मौजूदगी के बारे में खूफिया जानकारी मिलने पर नायक भीम सिंह, कॉम्बैट टीम कमांडर ने घेराबंदी और तलाशी अभियान की प्रारंभिक टीम का नेतृत्व किया।

जब नागरिकों को ऑपरेशन क्षेत्र से निकाला जा रहा था, तो नायक भीम सिंह ने खुद को सामरिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर तैनात कर लिया, आतंकवादी ने नागरिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की और हथगोले फेंके और एक अधिकारी को घायल कर दिया। असाधारण स्थितिजन्य जागरूकता दिखाते हुए, नायक भीम सिंह ने सटीक गोलीबारी के साथ आतंकवादी को नीचे गिरा दिया और घायल अधिकारी को सुरक्षित निकाला। अपनी टीम के लिए गंभीर खतरे को भांपते हुए, नायक भीम सिंह छुपे हुए आतंकवादियों की ओर रेंगते हुए गए और एक जोखिम भरा स्थान ले लिया। 19:10 बजे, आतंकवादी द्वारा ग्रेनेड फेंककर भागने का दूसरा प्रयास किया गया और दो नागरिकों को घायल कर दिया। एक त्वरित प्रतिक्रिया में, नायक भीम सिंह ने आतंकवादी को पूरी तरह से आश्चर्यचकित कर दिया और उसे बहुत करीब से मार गिराया।

अभियान के दौरान, व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना अदम्य साहस, वीरता और निर्भीकता का प्रदर्शन करने के लिए, नायक भीम सिंह को “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

9. 13779235 एक्स राइफलमैन कुलभूषण मन्ता, दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स, 52वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स (मरणोपरांत)
(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 26 अक्टूबर 2022)

राइफलमैन कुलभूषण मन्ता को ऑपरेशन रक्षक (जम्मू और कश्मीर) में तैनात किया गया था और वह संयुक्त जंगल अभियान का हिस्सा थे, जो अक्टूबर 2022 में उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले में शुरू किया गया था।

जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर स्काउट राइफलमैन कुलभूषण मन्ता के नेतृत्व में तलाशी दल दो आतंकवादियों के करीब पहुंच गया। खतरे को भांपते हुए आतंकवादियों ने भागने का भरसक प्रयास किया, लेकिन राइफलमैन कुलभूषण मन्ता तुरंत हरकत में आए और एक आतंकवादी को जिंदा पकड़ने का प्रयास किया। इसके बाद हुई आमने-सामने की लड़ाई में उन्होंने आतंकवादी पर काबू पा लिया। साहसिक कार्रवाई से घबराए दूसरे आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें राइफलमैन कुलभूषण मन्ता के पैर में गोली लग गई। गंभीर चोट के बावजूद, उन्होंने भाग रहे आतंकवादी का पीछा करने का प्रयास किया और उस पर भारी गोलीबारी की और इस प्रकार आतंकवादियों की गोलीबारी से अपने सैनिकों की जान बचाई। इस वीरतापूर्ण कार्रवाई के परिणामस्वरूप, इस ऑपरेशन में एक आतंकवादी को जिंदा पकड़ लिया गया, जबकि राइफलमैन कुलभूषण मन्ता ने बाद में गहरे जख्मों के कारण दम तोड़ दिया व देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

उनके अनुकरणीय एवम् अदम्य साहस, अपार सामरिक कौशल, और खतरे के सामने अदम्य भावना के लिए, राइफलमैन कुलभूषण मन्ता को "शौर्य चक्र (मरणोपरांत)" से सम्मानित किया जाता है।

10. श्री सफीउल्लाह कादरी, सेलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल, जम्मू कश्मीर पुलिस (वर्तमान मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 10 अप्रैल 2022)

10.04.2022 को विश्वसनीय सूत्रों से बिश्म्वर नगर, कोंखन डलगेट श्रीनगर में कुछ अज्ञात आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक जानकारी मिली। संदिग्ध इलाके में तलाशी के दौरान, एक घर में छिपे आतंकवादियों ने बच निकलने के लिए तलाशी दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की और उसके बाद हथगोले फेंके। तलाशी दलों ने बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की, दोनों पक्षों के बीच भीषण गोलीबारी में छह (06) पुलिसकर्मियों को गोली लगी।

लगातार ट्रैकिंग और सूत्रों से प्राप्त सुरागों पर कार्रवाई करते हुए एसजी सीटी सफीउल्लाह कादरी ने आतंकवादियों के छिपने की सटीक जगह खोज निकाली। एसजी सीटी सफीउल्लाह कादरी को आंतरिक घेरे की अगुआई करने का काम सौंपा गया क्योंकि वह कई आतंकवादी विरोधी अभियानों में सामरिक कौशल, अनुभव और दक्षता हासिल कर चुके थे। इस योजना में किसी को कोई नुकसान पहुंचाए बिना संदिग्ध घर को सटीक तरीके से निशाना बनाया जाना था क्योंकि आतंकवादियों ने महिलाओं और बच्चों सहित परिवार के सदस्यों को बंधक बना लिया था। जैसे ही एसजी सीटी सफीउल्लाह और उनके सहयोगियों ने उस घर की खिड़की से फंसे हुए परिवार को निकालने की प्रक्रिया शुरू की, तभी आतंकवादियों ने उन्हें देख लिया और अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी के साथ उन पर हथगोले फेंके। बहादुर अधिकारी ने अपनी जान की परवाह न करते हुए कार्रवाई की और आतंकवादियों से मुकाबला किया। घर के अंदर छिपे आतंकवादियों को चुनौती देते हुए उन्होंने अपनी सुरक्षा की परवाह नहीं की और अदम्य साहस दिखाते हुए भारी गोलीबारी की व (ए-श्रेणी) के आतंकवादी सहित दो आतंकवादियों को मार गिराया।

बाद में 24.5.2022 को एसजी सीटी सफीउल्लाह कादरी आतंकवादियों की गोली लगने से शहीद हो गए। दो आतंकवादियों को मार गिराने में अपने कर्तव्य को पूरा करते हुए अदम्य साहस और उत्कृष्ट पराक्रम प्रदर्शित करने के लिए, एसजी सीटी सफीउल्लाह कादरी को "शौर्य चक्र" से सम्मानित किया जाता है।

11. श्री गामित मुकेश कुमार, कांस्टेबल/जीडी, 61 के.रि.पु.बल.

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 19 दिसंबर, 2021)

दिनांक 19 दिसंबर, 2021 को, दरबाग (मुफ्तीबाग), श्रीनगर में बड़ी मात्रा में हथियारों से लैस आतंकवादियों की उपस्थिति के बारे में मिली खुफिया सूचना के आधार पर, बैली क्यूएटी, सीआरपीएफ और एसओजी, जेकेपी द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया और 3 एचआईटी गठित किए गए।

लक्षित घरों के समीप मोर्चा लगाते समय, कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी गई। जरूरी बातों का ध्यान रखते हुए, घर में घुसने का निर्णय लिया गया। पहली टीम सभी बैलिस्टिक और सुरक्षा उपकरणों के साथ युक्तिपूर्वक घर में घुसी। कांस्टेबल/जीडी गामित मुकेश कुमार को उनके साथी के साथ घर के दक्षिण ओर के कमरे और सीढ़ी को कवर करने के लिए कहा गया। घर में घुसते समय, छिपे हुए आतंकवादी ने एक हथगोला फेंका और फिर अंधाधुंध गोलीबारी करने लगा। चतुराई और दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए, कांस्टेबल/जीडी गामित मुकेश कुमार और उनके साथी ने सुरक्षित स्थान पर छिपकर इसका जवाब देना शुरू किया। दोनों ने टीम के अन्य सदस्यों को कवर फायर भी दिया। आतंकवादियों की भारी गोलीबारी के बीच, दोनों निडर डटे रहे और बैलिस्टिक सुरक्षा का सहारा लेते हुए साहस के साथ जवाबी गोलीबारी करते रहे। उसके बाद कांस्टेबल/जीडी गामित मुकेश कुमार रेंगते हुए अंधेरे कमरे में आतंकवादी के पास पहुंचे। आतंकवादी के पास पहुंच कर, कांस्टेबल/जीडी गामित मुकेश कुमार ने आतंकवादी की राइफल की नाल को पकड़कर ऊपर की ओर कर दिया ताकि आतंकवादी उनके साथी पर गोलीबारी न कर सके।

हाथपाई के दौरान, इस प्रशिक्षित आतंकवादी ने दोनों को मारने के लिए एक हथगोला जमीन पर फेंका और खिड़की के रास्ते बाहर कूद गया। कांस्टेबल/जीडी गामित मुकेश कुमार और उनके साथी ने आतंकवादी को भागते हुए देख और उसका पीछा किया और आतंकवादी पर गोली बरसाते हुए उसे मार गिराया। मुठभेड़ के बाद, आतंकवादी का शव, 01 ए के 56 राइफल, 03 ए के 56 मैगजीन, 27 साबुत कारतूस और 01 ग्रेनेड बरामद किया गया। बाद में मृत आतंकवादी की पहचान कैट++ आतंकी के रूप में की गई।

कांस्टेबल/जीडी गामित मुकेश कुमार की असाधारण वीरता, अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प के सम्मान स्वरूप उन्हें “शौर्य चक्र” से सम्मानित किया जाता है।

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 155-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "बार टू सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:—

1. आईसी-76180एफ मेजर नितिश त्यागी, सेना मेडल, 12वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
2. आईसी-80201के मेजर ए रंजित कुमार, सेना मेडल, दि पैराशूट रेजिमेंट, उच्च तुंगता युद्ध पद्धति स्कूल

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 156 प्रेज/2023—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "सेना मेडल/आर्मी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:—

1. आईसी-64244पी लेफ्टिनेंट कर्नल योगेश कुमार सती, 523 आसुचना एवं मैदानी सुरक्षा इकाई
2. आईसी-71048एक्स लेफ्टिनेंट कर्नल ध्रुव राजन, दि ग्रेनेडियर्स, 29वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल
3. आईसी-74633एच मेजर अभिमन्यु रेपस्वाल, दि कवचित कोर, 22वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल
4. आईसी-75393एच मेजर निकोल्सो सेकु अंगामी, तीसरी बटालियन दि 8वीं गोरखा राईफल
5. आईसी-76219एच मेजर विकास गिरी, दि पैराशूट रेजिमेंट, 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल
6. आईसी-77779एफ मेजर अभिषेक त्यागी, दि ग्रेनेडियर्स, 55वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल
7. आईसी-78013के मेजर बोरावके अपूर्व सुहास, दि इंजीनियर्स कोर, तीसरी बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल
8. आईसी-78151एल मेजर आशीष ठोंचक, दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री, 19वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल
9. आईसी-78779एन मेजर नवदीप गोस्वामी, छठवीं बटालियन दि जाट रेजिमेंट
10. आईसी-79029एफ मेजर ऋषभ नेगी, दि इंजीनियर्स कोर, तीसरी बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल
11. आईसी-80202एम मेजर संजय सिंह जमवाल, चौथी बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
12. आईसी-80568के मेजर अभिषेक कटोच, पांचवी बटालियन दि राजपूत रेजिमेंट
13. आईसी-81592एम मेजर सौरभ कुमार, 15वीं बटालियन दि कुमाऊँ रेजिमेंट
14. आईसी-81775एच मेजर रंजीत कुमार, ब्रिगेड ऑफ दि गार्ड्स, 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल
15. आईसी-83008एच मेजर संतोश कुमार, 11 गोरखा राईफल, प्रथम बटालियन दि सिक्किम स्काउट्स
16. आईसी-83108एन मेजर रिषभ कुमार नशीने, 9वीं बटालियन दि डोगरा रेजिमेंट
17. आईसी-85077एक्स मेजर रोनिश कुमार, 19वीं बटालियन दि पंजाब रेजिमेंट
18. एससी-00943वाई मेजर धुमल रोहन शाहाजी, दि राजपूत रेजिमेंट, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल
19. एसएस-46282एच मेजर मानस नारला, दि इंजीनियर्स कोर, 30 (आई) आर एंड ओ फ्लाईट

20. आईसी-86895एल मेजर जयवीर यादव, दूसरी बटालियन दि बिहार रेजिमेंट
21. एसएस-48532एक्स मेजर ठाकरे अकाश अशोक, 61 इंजीनियर रेजिमेंट
22. एसएस-48926 डब्ल्यू मेजर विकास लांबा, 12वीं बटालियन दि महार रेजिमेंट
23. आईसी-82947वाई कैप्टन आयुष चौहान, दि राजपूताना राईफल्स, 9वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
24. आईसी-85483एक्स कैप्टन सौरभ गुप्ता, 12वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
25. एसएस-50195एम कैप्टन चेतन सिंह, दि सिग्नल कोर, 34वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
26. जेसी-247925एल रिसालदार संजय कुमार, 55 कवचित रेजिमेंट
27. जेसी-551984एन नायब सूबेदार दीप्ती कुमार हज्वारी, पांचवीं बटालियन दि असम रेजिमेंट
28. 3202898एच हवलदार मनोज कुमार, दि जाट रेजिमेंट, 34वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
29. 4008286एन हवलदार अरुण कुमार, दि डोगरा रेजिमेंट, 62वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
30. 4193965पी हवलदार रणवीर सिंह, दि कुमाऊँ रेजिमेंट, 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
31. 4199936डब्ल्यू हवलदार प्रदीप कुमार सिंह, 15वीं बटालियन दि कुमाऊँ रेजिमेंट
32. 13630562के नायक सोबिंद्रा कुमार, 12वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
33. 18005135ए नायक धर्मवीर, दि इंजीनियर्स कोर, तीसरी बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
34. 19002538एल नायक हरदीप सिंह, 24वीं बटालियन दि सिख रेजिमेंट
35. 2706631एक्स नायक मुनिश कुमार, दि ग्रेनेडियर्स, 55वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
36. 3012008एफ नायक सत्येंद्र सिंह, दि राजपूत रेजिमेंट, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
37. 3012377वाई नायक खेमचंद, 5वीं बटालियन दि राजपूत रेजिमेंट
38. 4486359पी नायक हरजिंदर सिंह, दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री, 19वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
39. 9114169एच नायक रफीक अहमद मीर, दि जम्मू और कश्मीर लाईट इन्फैन्ट्री, 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
40. 20004865वाई लांस नायक अभिषेक, दि डोगरा रेजिमेंट, 62वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
41. 3018169ए लांस नायक सांवरा चौधरी, दि राजपूत रेजिमेंट, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
42. 20007762एल सिपाही यशवंत सिंह, दि डोगरा रेजिमेंट, 62वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
43. 2518207एक्स सिपाही आकाशदीप सिंह, 18वीं बटालियन दि पंजाब रेजिमेंट
44. 3016460एन सिपाही सतेराम, दि राजपूत रेजिमेंट, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
45. 3018182के सिपाही लक्ष्मी नारायण अधाना, दि राजपूत रेजिमेंट, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
46. 3018252एक्स सिपाही धन सिंह गुर्जर, दि राजपूत रेजिमेंट, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
47. 3211310एक्स सिपाही विकाश, दि जाट रेजिमेंट, 34वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
48. 12975042एन राईफलमैन शाहीन हुसैन गनाई, 162 इन्फैन्ट्री बटालियन (टी ए)
49. 15511217वाई सवार रवि शर्मा, दि कवचित कोर, 22वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
50. 16123961एल सेपर विशाल यादव, दि इंजीनियर्स कोर, 44वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
51. 2713315एफ ग्रेनेडियर सलीम खान, दि ग्रेनेडियर्स, 29वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
52. 15251500डब्ल्यू गनर रामालिंगम के, दि तोपखाना रेजिमेंट, 19वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

सं. 157-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "नौ सेना मेडल/नेवी मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:—

1. लेफ्टिनेंट कमांडर पननीरसेलवम विष्णु प्रसनना (08495-एफ़)
2. कमांडर कौस्तब बनर्जी (06158-डबल्यू)
3. कमांडर हनीश सिंह कार्की (05093-जेड)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 158-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, निम्नलिखित कार्मिकों को असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए "वायु सेना मेडल/एयर फोर्स मेडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:—

1. विंग कमांडर शिव कुमार चौहान (28472) उड़ान (पायलट)
2. विंग कमांडर श्रेय तोमर (30170) उड़ान (पायलट)
3. स्क्वाड्रन लीडर जी एल विनीत (31529) उड़ान (पायलट)
4. फ्लाईट लेफ्टिनेंट प्रदीप मुरुगन (36071) मीटियारालॉजी / गरूड़

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 159-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, सेनाध्यक्ष से रक्षा मंत्री द्वारा "मेंशन इन डिस्पेच" प्राप्त करने वाले निम्नलिखित अधिकारियों/कार्मिकों के नामों को भारत के राजपत्र में प्रकाशित करने का आदेश देते हैं:—

ऑपरेशन रक्षक

1. आईसी-64239के लेफ्टिनेंट कर्नल जिम्मी थॉमस, 207 सेना विमानन स्कवार्डन (यूटिलिटी हेलिकॉप्टर)
2. आईसी-72069ए मेजर अजीत कुमार राउत, 666 सेना विमानन स्कवार्डन (आर एंड ओ)
3. आईसी-77241ए मेजर जयदीप जाखड, दि डोगरा रेजिमेंट, 62वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
4. आईसी-82779एल मेजर अमनदीप सिंह, छठवीं बटालियन दि जम्मू और कश्मीर राईफल्स
5. एसएस-49906पी मेजर अंकित, 17वीं बटालियन दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री
6. 4580203इब्ल्यू हवलदार अमनदीप राणा, 12वीं बटालियन दि महार रेजिमेंट
7. 12974354एक्स नायक बशीर अहमद गनाई, 162 इन्फैन्ट्री बटालियन (टी ए)
8. 7244077एन एक्विंग लांस दफादार मुहम्मद इब्राहिम खान मुस्तफा खान, 21 आर्मी डॉग यूनिट
9. 4205174एम सिपाही युध्दवीर, दि कुमाऊ रेजिमेंट, 50वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स
10. 8बी99 आर्मी डॉग मधु, 21 आर्मी डॉग यूनिट (मरणोपरांत)

ऑपरेशन स्नो लेपार्ड

11. एसएस-44547एच लेफ्टिनेंट कर्नल आकाश मजुमदार, दि कवचित कोर, 666 सेना विमानन स्कवार्डन (आर एंड ओ)
12. आईसी-79220एच मेजर जसविन्दर चौहान, दि तोपखाना रेजिमेंट, 666 सेना विमानन स्कवार्डन (आर एंड ओ)
13. आईसी-81520एच मेजर प्रतीक बिस्ट, 12वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)
14. आईसी-49899के कैप्टन राहुल कौशल, दि इंजीनियर्स कोर, 5वीं बटालियन दि राष्ट्रीय राईफल्स

15. 15168221एम हवलदार मधुकर कुमार, 139 मध्यम रेजिमेंट

16. 00073247के ट्रेनी रापतेन फुनस्टोक, मुख्यालय एस एफ एफ

ऑपरेशन कैस्वुलिटि इवैक्येशन

17. आईसी-67128एक्स लेफ्टिनेंट कर्नल विक्रमजीत सिंह, 659 सेना विमानन स्कवार्डन (आर एंड ओ)

18. आईसी-71283डब्ल्यू लेफ्टिनेंट कर्नल रोशनिकानता इरुंगबम, 209 सेना विमानन स्कवार्डन (यूटिलिटी हेलिकोप्टर)

ऑपरेशन माउंट चोमो

19. आईसी-83294पी कैप्टन नवनीत सिंह राणा, 11वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

ऑपरेशन पांगसाउ पास

20. जेसी-192911एच नायब सूबेदार जरनैल सिंह, 19 असम राईफल्स

21. जी/5013009एच राईफलमैन तिदिप सिक्सा, 19 असम राईफल्स

ऑपरेशन मेघदूत

22. 13626980एफ हवलदार जगजीत सिंह, 9वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

23. 4483607पी हवलदार लवजीत सिंह, 10वीं बटालियन दि सिख लाईट इन्फैन्ट्री

ऑपरेशन ओर्चिड

24. जी/3200992एन हवलदार राय सिंह उइके, 32 असम राईफल्स

ऑपरेशन कालिशाम भैली

25. 13626896एफ हवलदार जगरूप सिंह, 11वीं बटालियन दि पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल)

ऑपरेशन रेस्केयु

26. 15583031एल नायक अरविंद कुमार मौर्या, 236 आई डब्ल्यू टीओपी युनिट इंजीनियर्स

ऑपरेशन कुकुम्बर

27. आईसी-79986एम मेजर परमबीर सिंह, 8वीं बटालियन दि सिख रेजिमेंट

28. 5050882एक्स नायक महेश श्रेष्ठ, प्रथम बटालियन दि प्रथम गोरखा राईफल्स

ऑपरेशन सर्च व रेस्केयु

29. टीए-42681पी मेजर नोन्मेइकपम दानिश, 107 इन्फैन्ट्री बटालियन (टी ए)

ऑपरेशन सासरला

30. आईसी-86130के कैप्टन अभिषेक ढाका, 4 लद्दाख स्काउट्स

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 160-प्रेज/2023—राष्ट्रपति, वायु सेनाध्यक्ष से रक्षा मंत्री द्वारा “मेंशन इन डिस्पेच” प्राप्त करने वाले निम्नलिखित अधिकारियों/कार्मिकों के नामों को भारत के राजपत्र में प्रकाशित करने का आदेश देते हैं:—

ऑपरेशन इवैक्येशन

1. विंग कमांडर आशीष कपूर (28218) उड़ान (पायलट)

एस एम समी
अवर सचिव

विधि और न्याय मंत्रालय
(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 8 दिसम्बर 2023

संकल्प

सं. ई.4(1)/2019-रा.भा.(वि.वि.)—विधि और न्याय मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के पुनर्गठन से संबंधित इस विभाग के दिनांक 11 मई, 2023 के समसंख्यक संकल्प में आंशिक संशोधन करते हुए उक्त समिति का संघटन निम्नानुसार किया जाता है :—

1.	विधि और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)	अध्यक्ष
2.	श्री प्रताप चंद्र सारंगी, संसद सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
3.	श्री अशोक कुमार यादव, संसद सदस्य (लोक सभा)	सदस्य
4.	श्री अरूण सिंह, संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
5.	डॉ. अनिल सुखदेवराव बोंडे, संसद सदस्य (राज्य सभा)	सदस्य
6.	श्री श्रीरंग अप्पा बारणे, संसद सदस्य (लोक सभा) संसदीय राजभाषा	सदस्य
7.	श्री हरनाथ सिंह यादव, संसद सदस्य (राज्य सभा) समिति के प्रतिनिधि	सदस्य
8.	श्री मोहन प्रकाश दुबे, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद के प्रतिनिधि	सदस्य
9.	प्रो. कुसुमाकर पांडेय, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी के प्रतिनिधि	सदस्य
10.	डॉ. देवेनचन्द्र दास, गृह क्र. 09, तेतेलिया, मालीगांव, गुवाहाटी- 781011	सदस्य
11.	प्रो. डॉ. योगेन्द्र मिश्रा, लोहिया चौक, मुमुक्षु भवन, अस्सी, वाराणसी- 221005	सदस्य
12.	श्रीमती वैशाली तोमर, राजविला, अनामिका एन्क्लेव, सेक्टर -14, ओल्ड दिल्ली रोड गुरुग्राम-122001	सदस्य
13.	डॉ. रुचि चतुर्वेदी, 103, गणपति धाम, एन.एच. 2, सिकंदरा, आगरा-282007	सदस्य
14.	श्री पिंटू मंडल, ए2001-, सिमफोनी लिमिटेड, तीसरा फ्लोर, क्रॉस लेन, वीरा देसाई लोखंडवाला, अंधेरी वेस्ट, मुंबई- 400053	सदस्य
15.	श्रीमती सुमन सिंह, ग्राम- लहुरापुर, पोस्ट – भोजापुर, थाना- मरदह, जिला-गाजीपुर, उ.प्र.-233226	सदस्य
16.	श्रीमती आभा गौतम, फ्लैट नं. 102, ओम श्री इंस्पायर, नीरव निकुंज कॉलोनी, सिकंदरा, आगरा- 282007	सदस्य
17.	सचिव, विधायी विभाग	सदस्य
18.	सचिव, विधि कार्य विभाग	सदस्य
19.	सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय एवं भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार	सदस्य
20.	अपर सचिव, विधायी विभाग	सदस्य
21.	अपर सचिव, विधि कार्य विभाग (राजभाषा प्रभारी)	सदस्य
22.	संयुक्त सचिव एवं विधायी परामर्शी, विधायी विभाग	सदस्य
23.	संयुक्त सचिव एवं विधि सलाहकार (प्रशा.), विधि कार्य विभाग	सदस्य
24.	संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय	सदस्य
25.	प्रधान संपादक, विधि साहित्य प्रकाशन	सदस्य
26.	संयुक्त सचिव एवं विधायी परामर्शी, राजभाषा खंड	सदस्य-सचिव

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति राष्ट्रपति सचिवालय/प्रधान मंत्री कार्यालय/मंत्रिमंडल सचिवालय/संसदीय कार्य मंत्रालय/लोक सभा सचिवालय/राज्य सभा सचिवालय/भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक/संघ लोक सेवा आयोग/नीति आयोग/निदेशक, लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्व साधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए और विभाग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध करवाया जाए।

उदय कुमार
अपर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 15th August 2023

No. 92-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the 1st Bar to President's Police Medal for Gallantry (PPMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Loukrakpam Ibomcha Singh	Assistant Commandant	1st Bar to PPMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20 Jun 20 at about 2300 hrs, an input was received from SOG Srinagar about the presence of 03 terrorists in Mohalla Gillikadal of Zunimar, PS Zaidibal, Distt Srinagar. Accordingly, 04 HITs of Valley QAT rushed to the target area and launched a joint cordon and search operation.

As planned, on 21 Jun 20 at about 0200 hrs, the target house (three storeys + attic) was cordoned by Shri Loukrakpam Ibomcha Singh, AC along with his team, who commenced the search around 0230 hrs. During the search, a suspect taking advantage of the darkness tried to sneak out of the cordon from the rear of the house. When he was challenged by the team, deployed for cordon, he retreated into the house. The house owner was questioned on the spot and he admitted about the presence of 03 armed terrorists inside the house.

On confirmation, the cordon was further strengthened. By this time, the identity of one of the terrorists was established as Shakoor Farooq Langoo, resident of Qamarwari, Srinagar. Accordingly, his parents were called, who tried to convince their son to surrender, but went in vain.

At about 0930 hrs, the hiding terrorists started firing indiscriminately at the troops. Seeing the operation getting stretched, it was decided to use MGL. Shri Loukrakpam Ibomcha Singh, AC and his buddy risking their lives approached the house and fired the MGL. As a result, an opening was made on the ground floor of the target house and, thereafter, it was decided to do a building intervention.

Two small teams of Valley QAT were formed to flush out the terrorists: the first team, led by Shri Narender Yadav, 2 IC undertook house intervention from the opening of the ground floor and the second team, led by Shri Loukrakpam Ibomcha Singh, AC was tasked to enter the house from the second floor, by placing ladders, from the adjacent house. Both the teams entered the house almost simultaneously. As the first team entered through the ground floor, cleared the first room and was about to enter the second room, the terrorists hiding inside the room opened indiscriminate fire on the team. During the intense gunfight, one of the terrorists was neutralised.

Meanwhile, the second team led by Shri Loukrakpam Ibomcha Singh, AC and Shri Amit Kumar, AC managed to reach the second floor. As the team was about to clear one of the rooms, two terrorists hiding inside opened heavy fire at them and one of the terrorists ran down the first floor. Shri Loukrakpam Ibomcha Singh, AC along with his buddy without caring for their lives, chased him downstairs. The other terrorist got holed up in a firefight with the other members of the team on the second floor, who managed to engage and neutralised him.

Whilst, Shri Loukrakpam Ibomcha Singh, AC along with his buddy was about to reach the first floor, the terrorist opened indiscriminate fire and lobbed grenades toward them. Showing quick reflexes they managed to evade the attack and cornered the terrorist, in a room. Shri Loukrakpam Ibomcha Singh, AC displaying unparalleled raw valour, without any cover or concealment, entered through the door, amidst bullets flying and engaged the terrorist in a veritable kamikaze action, neutralising him.

In this operation, Shri Loukrakpam Ibomcha Singh, Assistant Commandant of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 21/06/2020.

(File No.11020/04/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 93-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Andhra Pradesh:—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Kanapakala Hema Sundara Rao	Assistant Assault Commander	PMG

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
2.	Marpu Sudharsana Rao	Senior Commando	PMG
3.	Jakku Demudu	Junior Commando	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

CPI Maoists along with top cadre announced martyrs commemoration week, commencing from 28 Jul 2020 to 03 Aug 2020, with massive public outreach programs.

To address this challenge, multiple Greyhounds assault units were launched, on 22 Jul 2020, and were deployed in suspected pockets, basing upon SIB input, op assessment and analysis in the treacherous terrain of Andhra Odisha Border. For two days, 5B, 8C and Killer units combed the hilly terrain in dark night & inclement weather.

On 25 Jul 2020, 5B, 8C and Killer assault units received fresh input about presence of enemy. All units approached, but 5B was ahead of all and acted as main party, while 8C and Killer acted as cutoff parties. On coming near to location of enemy, 5B unit further divided into three teams. 5B DAC sub unit went to the enemy location, but enemy shifted its location by the time DAC party reached. Then DAC instructed remaining two sub parties to come by checking the nala. During checking 1 Km North East to Digujanabha village, both cut-off units received, suddenly, a fusillade of bullets from Maoists. In order to protect themselves from enemy, immediately, AAC Kanapakala Hema Sundara Rao and SC Marpu Sudharsana Rao gave retaliation fire towards enemy. Thereafter, JC Jakku Demudu also fired towards the enemy, SC Marpu Sudharsana Rao saw falling down of one person among enemy. Subsequently, remaining 05 Commandoes opened fired towards enemy direction and UBGL was fired by SC Marpu Sudharsana Rao towards enemy escaping routes. By taking cover of forest and darkness, enemy escaped. All three units laid ambush during night on enemy escaping routes.

A day hence, on 26 Jul 2020 early morning, SB unit reached EoB location. During the search, they recovered one male Maoist body and later he was identified as Pangi Daya, Dalam Member of Pedabayalu Area Committee and also recovered the following items:

1) .303 rifle with magazine -1, 2) 9 mm pistol with magazine-01, 3) magazine of 9 mm pistol-01, 4) .303 rounds - 44, 5) 7.62 mm rounds - 33, 6) 9 mm pistol rounds - 03, 7) explosive item with wire bundles - 02, 8) AK fired cases - 05, 9) SLR fired cases - 01, 10) .303 fired case - 01, 11) .303 miss fired cases -2, 12) medical kit boxes - 02, 13) SLR magazines (empty) - 02, 14) kit bags - 02, 15) Jungle caps - 02, 16) Amount - Rs.30/- and 17) Olive Green dress - 01.

It needs to be mentioned that the area in which this encounter took place is the most challenging in entire LWE theatre, due to steep contours/tough terrain, high hills and thick vegetation, which became further challenging due to the dark night. Also the units walked continuously for 02 days & 1 night tirelessly chasing the enemy basing on information.

Assistant Assault Commander Kanapakala Hema Sundara Rao, Senior Commando Marpu Sudharsana Rao and Junior Commando Jakku Demudu who showed not only outstanding presence of mind and initiative, but displayed most conspicuous courage, charging towards the enemy, up slope, without any cover and without caring for their safety and lives and neutralized enemy.

In this operation, S/Shri Kanapakala Hema Sundara Rao, Assistant Assault Commander, Marpu Sudharsana Rao, Senior Commando and Jakku Demudu, Junior Commando of Andhra Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 25/07/2020.

(File No-11020/ 47/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 94-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Andhra Pradesh :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ponnada Lavakumar	Assistant Assault Commander	PMG
2.	Chikkam Gowri Venkata Ramachandra Rao	Senior Commando	PMG
3.	Mura Satya Narayana	Junior Commando	PMG

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
4.	Mattaparthi Subrahmanyam	Junior Commando	PMG
5.	Shankabathula Veera Venkata Satyanarayana	Junior Commando	PMG
6.	Pragada Posiyya	Junior Commando	PMG
7.	Ediga Gandluru Ashok Kumar	Additional Superintendent of Police	PMG
8.	Pyla Parvateesam	Senior Commando	PMG
9.	Gorli Ramana Babu	Junior Commando	PMG
10.	Sheik Sardar Ghani	Inspector	PMG
11.	Gullipalli Nagendra	Junior Commando	PMG
12.	Komatla Ramachandra Reddy	Junior Commando	PMG
13.	Dasari Suresh Babu	Junior Commando	PMG
14.	Yepuri Madhusudana Rao	Junior Commando	PMG
15.	Palyam Maheswara Reddy	Assistant Assault Commander	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On credible information that Maoist were gathering in large number including the top leaders from Andhra-Odisha Border especially Zonal Committee (AOBSZC) in the forest area of Koyyuru Mandai of Visakhapatnam Rural District, with an intention to commit violent actions against the State. After receiving information, three Assault Units of Greyhounds, SIB personnel and local police were briefed by Additional Director General of Police, Greyhounds and Group Commander of Greyhounds and deployed for operations on 15 Jun 2021 in the evening.

In the plan of operation session, on 15th Jun 2021, the ADG Ops has divided all the deputed units into different categories, such as Hunter team as Assault Unit and rest of the units as cut off units and gave route to reach enemy, which is safeguard. The teams trekked cross country through very difficult and inhospitable terrain covering highly Maoist infested villages for more than 20 Km throughout the night, braving land mines and possible ambushes by the Maoists patrolling teams and armed Militia and reached the foothills of Edthulakonda hillocks on 16 Jun 2021, by about 04:45 AM. Then, they divided into small sub-units, advanced and climbed almost 800-meter hillocks.

ADG Ops has monitored the unit's movement time to time and gave directives as per enemy movement. As per plan given to the team comprising of Sri P Lava Kumar, Senior Command, Ch G V R C Rao, Junior Commandos, S V V S Narayana, M Satyanarayana, M Subrahmanyam and other commandos were searching the hilly landscape on the Northern side of EdlhuHakonda hillocks. At about 09:30 hrs, they found some smoke and suspicious movement of persons in the forest area and approached the location tactically.

However, they were sighted by the Maoist sentries and were fired upon with automatic and semi-automatic weapons. Though, they came under heavy and tierce firing, the Grey hounds Team advanced without caring for their life and approached the enemy location.

In order to protect themselves, P Lava Kumar, AAC and CH G V R C Rao. SC opened retaliation fire on female sentry. As a result, one female Maoist namely Madakam Chaile @ Anju. PM was neutralized. After the incident, a group comprising around 10 Maoists tried to flee from the location. Then, the team had approached enemy by dividing into three sub groups. E.G. Ashok Kumar Addl SP SIB, S V V S Narayana. JC and P Posiyya. JC opened fire on 2nd female sentry. As a result, a female Maoist namely Lalitha, PM was neutralized. Then, sub-party-2 incharge P Lava Kumar disseminated the information about LoF to control room and other units. The unit received a fusillade of bullets from Maoists. To address the challenge, M Satyanarayana, JC, and M Subrahmanyam, JC opened retaliation fire by chasing around 200-250 mtrs. As a result, one male Maoist namely Ranadev @ Arjun, IKAI was neutralized. A head of heavy fire from enemy, remaining party comprising P Parvateesam, SC and G Ramana Babu, JC gave retaliation fire of enemy. As a result, Sande Gangaiah @ Dr Ashok, DCM was neutralized. The team members chased for 350-400 mtrs for the fleeing Maoists and however Sk, Sardar Ghani, Inspector, SIB M Satyanarayana, JC and G Nagedra, JG had succeeded in neutralization of female Maoist namely Paik, PM.

Owing to minute to minute monitoring and guidance by ADG Ops, Assault Unit Commandos successfully anticipated enemy location and neutralized 05 Maoists without causality from our side. This was a highly successful operation as Maoists suffered as serious setback. The top leadership involving 2 DCM's; namely i) Ranadev Arjun, ii) Sande Gangaiah @ Dr Ashok and 3 PM's namely i) Madakam Chaite Anju, ii) Lalitha, iii) Paikewere neutralized in this operation and recovery included AK 47 -01, Carblne-OI, SLR-01, 303 weapons - 03, Tapancha - 01, AK Magazines - 02, SLR Magazine - 01., .303 live rounds - 13, 1 Grenade (countn made) - 01., Manpacks-03, Pen drives - 09, Memory cards-03, Kit bags-15 and literature.

After receiving the information about EoF from Hunter team, 1A unit led by P.Maheswara Reddy, AAC comprising of Junior Commandos, K Ramachandra Reddy, D Suresh Babu, Senior Commando, Y Madhusudana Rao covered enemy escaping routes. On the same day, at about 09:45 hrs, they found suspicious movement of persons in the forest area and approached the location tactically. But, the Maoists found the movement of police party and immediately fired upon them with automatic and semi-automatic weapons. Though, they came under heavy and incessant fire, the Greyhounds learn advanced without caring their lives and approached the enemy location. When the enemy came face to face, K Ramachandra Reddy, JC initially opened fire on enemy for his self defense. Simultaneously, D Suresh Babu, JC, Y Madhusudana Rao, SC opened fire on enemy. Similarly, SC fired UBGL. In which, one male Maoist namely Kishore, ACM (Guard to Gajarla Ravi (S Uday, CCM) was neutralized.

Owing to minute to minute monitoring and guidance, Assault Unit Commandos successfully anticipated enemy location and neutralized 01 Maoist without causality from our side. This was a highly successful operation as Maoists suffered as serious setback. The top leadership involving Santhu Nachika Kishore, ACM and body guard to Gajarla Ravi @ Uday, Central Committee Member of CPI Maoist was neutralized in this operation and recovered 9mm carbine weapon - 01, Kit bags -01, .303 live rounds -15, 9mm carbine rounds – 09, Magazine pouch-01, plastic sheet-01, Knife-01, flash light- 01, Literate and Memory cards -02.

The success of this operation was entirely due to the indomitable spirit and courage of the Greyhounds Commandos and other participating officers who exhibited indescribable courage and bravery. They trekked in treacherous terrain for the while and then had the energy to face the Maoist onslaught and inflict casualties to the enemy side.

In this operation, S/Shri Ponnada Lavakumar, Assistant Assault Commander, Chikkam Gowri Venkata Ramachandra Rao, Senior Commando, Mura Satya Narayana, Junior Commando, Mattaparthi Subrahmanyam, Junior Commando, Shankabathula Veera Venkata Satyanarayana, Junior Commando, Pragada Posiyya, Junior Commando, Ediga Gandluru Ashok Kumar, Additional Superintendent of Police, Pyla Parvateesam, Senior Commando, Gorli Ramana Babu, Junior Commando, Sheik Sardar Ghani, Inspector, Gullipalli Nagendra, Junior Commando, Komatla Ramachandra Reddy, Junior Commando, Dasari Suresh Babu, Junior Commando, Yepuri Madhusudana Rao, Junior Commando and Palyam Maheswara Reddy, Assistant Assault Commander of Andhra Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 16/06/2021.

(File No.11020/48/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 95-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Assam :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Prakash Medhi	Deputy Superintendent of Police	PMG
2.	Latuk Das	Sub- Inspector	PMG
3.	Ritujiyoti Nath	Sub- Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On basis of specific information regarding movement of cadres of NDFB(S) in Ride No. 7 to 13 of Ripu Reserve Forest under Serfanguri PS, a joint operation was planned under the leadership of Shri Prakash Medhi, DySP (HQ), Kokrajhar, SI Latuk Das, TSI of Kokrajhar P.S, SI Ritujiyoti Nath and 3 Rajput Army led by Lt. Col Pramod Yadav. According to the plan, the joint operation was launched in the night of 04/03.2018 at 12:45 AM. During joint operation several ambushes was laid in between Ride No. 7 and Ride No.8.

At about 03:20 AM, miscreants suspected to be NDFB(S) cadres were seen coming from East side road in between Ride No. 7 & 8 and they were asked to halt and identify themselves. Suddenly the suspected cadres opened heavy firing over the security forces and for self defence and to safe Govt. property, the joint operation team also opened retaliatory controlled fire. The firing from both the side lasted for 10-15 minutes and stopped thereafter. After firing stopped, the joint operation party searched the area.

During search, one miscreant was found in injured condition with his AK series rifle and he was immediately shifted to RNB civil hospital, Kokrajhar by SI Latuk Das of TSI of Kokrajhar Police Station, but, the on duty doctor declared him

brought dead. Along with one AK-47 Rifle, one magazine, 16 (sixteen) Rds. of 7.62 X 39 mm live ammns., 13 (thirteen) rds. of 7.62 X 39 mm empty cases, one mobile handset, a Bhutan SIM, 03 (three) nos., Bhutan B-mobile recharge card, 10 (ten) nos. blank NDFB demand letter, 01 (one) no. catapult, 01 (one) no. torch light, cash amount of Rs. 2740/- and some medicines were recovered from his possession and duly seized during primary investigation.

The dead body was identified as Manas Brahma. In Serfanguri PS, case No. 13/18, U/S : 120(B)/121/121(A)/122/353/307 IPC, R/W Sec : 25 (I-A)/27 Arms Act & R/W Sec : 10/13 UA (P) Act was registered.

Shri Praksh Medhi, DySP, SI Latuk Das and SI Ritujyoti Nath were in the forefront throughout the operation and displayed outstanding courage and complete disregard to their personal safety which titled the gun battle against the heavily armed militant and huge recovery of Arms & ammunition and other incriminating materials.

In this operation, S/Shri Prakash Medhi, Deputy Superintendent of Police, Latuk Das, Sub- Inspector and Ritujyoti Nath, Sub- Inspector of Assam Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 05/03/2018.

(File No.11020/1192/03/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 96-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and 3rd Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Assam:—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Prakash Sonowal	Additional Superintendent of Police	3rd BAR TO PMG
2.	Mwblik Brahma	Sub- Inspector	PMG
3.	Semson Taro	Constable	PMG
4.	Joy Kiri Teron	Constable	PMG
5.	Nabajyoti Roy	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 22nd May 2021 at around 05:00 PM, an information was received from reliable source about the movement of a group of suspected Dimasa National Liberation Army (DNLA) cadres with sophisticated arms in Missibailum under Dhansiri O.P. for the propose of extortion etc. At 1900 hrs. a Police team under the leadership of Shri Prakash Sonowal, Addl. S.P. (HQ) Karb-Anglong, Diphu and SI Mwblik Brahma, O/C, Khatkhathi PS, Semson Taro, Constable, Joy Kiri Teron, Constable and Nabajyoti Roy, Constable along with 5th Assam Rifles camp at Dimapur Nagaland marched towards Missibailum by foot and launched an operation and laid ambush. At around 02:00 Hrs of 23rd May of 2021, the ambush team noticed movement of 12-13 group with sophisticated weapons and challenged them for verification. Then the extremist group started indiscriminate firing upon the ambush party with the intention to kill them. In self –defence, the ambush party retaliated with controlled fire. Firing and counter firing lasted around 15 minutes. After that, ambush party searched the whole area and found 06 persons in combat dresses suspected to be DNLA cadres lying on ground with bullet injuries which were immediately shifted to Dhansiri PHC for treatment where the attending doctor declared them brought dead. The search team recovered 04 Nos. of AK-56 Rifle along with Five No. of Magazines and 58 Rds. of 7.72 live Ammns, 03 Nos. of 7.65 Pistols along with 03 Nos. of Magazines and 07 Rds. of 7.65 live Ammns, 01 (one) 303 Rifle alongwith 01 Mgazine and 08 Rds. of 303 live Ammns., 01 (one) .22 pistol along with 01 magazine, 02 Nos. of HE-36 Prime Hand Grenades and 03 Nos. of Mobile handsets.

In this operation, S/Shri Prakash Sonowal, Additional Superintendent of Police, Mwblik Brahma, Sub- Inspector, Semson Taro, Constable, Joy Kiri Teron, Constable and Nabajyoti Roy, Constable of Assam Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 23/05/2021.

(File No.11020/3284/03/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 97-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Bihar :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sushil Kumar, IPS	Superintendent of Police	PMG
2.	Anirudh Kumar	Sub- Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 01:02:2022, an information was shared from intelligence about collection of levy & planning to abduct a contractor near hilly dense forest of village Ghogi Kodasi, PS Pin Bazar, Lakhisarai.

Based on the above input Sushil Kumar, SP Lakhisarai constituted two teams for executing the operation. Team-1, under command of Narpat Singh, Deputy Commandant and SI Anirudh Kumar along with 35 personnel. Team-2 under command of Sh. Sushil Kumar, SP Lakhisarai along with 15 personnel formed as reinforcement for Team-1.

In the early morning of 02:02:2022, while Team-1 was crossing between two hills through a narrow pagdandi, Team-1 suddenly received "A Barrage of heavy Bullets". Fire was indiscriminate and targeted on security forces. Team-1 commander disclosed their identity and challenged them to surrender but instead of ceasing the fire, barrage of bullets got intensified on Team-1. SI Anirudh kumar showed immense valour and kept moving upwards under heavy fire while giving cover to team-1 members. Naxals have taken advantageous position at height and was firing indiscriminately.

Team-1 communicated with commander of Team-2 SP Lakhisarai Sushil Kumar to provide reinforcement. While Team-2 was swiftly moving towards team-1 for reinforcement, a group of Maoists opened heavy fire on Team-2 with intention to break into the troops who were giving support to Team-1 moving upwards. Shri Sushil Kumar, SP Lakhisarai warned naxals to surrender but they intensified their fire on team-2, It involved immense risk to advance but Shri Sushil Kumar, SP Lakhisarai sensed the evil design of Maoists and showing utter disregard to life, gave them strong retaliation and held the naxals from advancing in spite of being at less advantageous position i.e. at relatively lesser height and forced them to withdraw back. Due to strong retaliation, tactful and brave action of Team-1 & Team-2, naxals received heavy damage and were on back foot and forced to retreat. After some time, both team allied and advanced to cordon Maoists. Finally, sensing counter offensive approach of the troops, the Maoists fled taking cover of the thick forest, leaving behind explosive arms and ammunition. Encounter lasted for almost 03 hours. The well-coordinated plan, perfect execution at the time of crisis, gallant act of the Team-1 and Team-2 under overall leadership of Sh Sushil Kumar, SP Lakhisarai lead to killing of 2 dreaded CPI(Maoists). Sophisticated weapon like SLR, IED and large cache of ammunition were also recovered.

In this operation, S/Shri Sushil Kumar, IPS, Superintendent of Police and Anirudh Kumar, Sub-Inspector of Bihar Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 02/02/2022.

(File No.11020/46/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 98-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the 5th Bar to Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Laxman Kewat	Inspector	5th BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02.08.2019, input regarding presence of 08-10 members of Darekassa area committee was received by the team of superintendent of Police Rajandgaons, Sh. B.S, Dhruw, Addl. S.P., Sh. U.B.S. Chauhan and ASP Dongargarh, Sh. Gorakhnath Baghel. Input also revealed presence of above naxal cadre in general area Kala Pahad near village Sherpar. The same was verified and corroborated with his own network and after detailed deliberation, ops planned for apprehending the hiding naxals.

On 03.08.2019 RIMJHIM-I Ops code name was launched in general area Kala Pahadi, near village Sherpar under police station Baghnadi with joint team of Distt. Police, Distt. Reserve Group and Chhattisgarh Armed Force. The team was divided into four operationally compact distinct groups and proper operation briefing was carried out in the office of district Reserved Police line, Rajnandgaon in which the troops were given detailed information about the geographical terrain, weather conditions and other difficulties that may affect the operation. The first party under the command of Inspector Sangram Singh

with 26 DRG Jawans cordoned the area covering general area Chabuknala, Diwantola jungle and Tatekasa jungle, the second party under command of Sub Inspector Dharam Singh Tulavi with 20 DRG jawans cordoned Chabuknala-Diwantola jungle area and the third party under command of Inspector Anant Pradhan, Bortalao and Sub Inspector Jogesh Rathore With 23 DRG jawans cordoned general area Khampura, Mangikhuta and Sherpar. The last party under command of Inspector Laxman Kewat of P.S. Gatapar including 26 members of DEF and CAF advanced from their dropping point P.S. Bortalao towards the general area Mangikhuta- Sitagota-Sherpar tactically searching the area. When the party was on advance at around 08:00 Hrs, the Naxal sitting on ambush with the intention to kill/looking of arms & ammunition of the police party opened indiscriminate fire with auto weapon like LMG, AK-47, SLR, INSAS rifle, 303 rifle and 315 bore single shot gun and 12 bore gun. It was only due to the alert and tactical move planned by Inspector Sh. Laxman Kewat that the party could react to this act of the Naxals and could open quick fire in self-defense. A heavy exchange of EOF started and effective fire was opened by the police party. Inspector Laxman Kewat daringly lead the campaign and fearlessly moved ahead with full aggression under cover fire and escaping the IED a laid to trap the police party. It was due to this fearless and aggressive posture adopted by the police party lead by Inspector Laxman Kewat that the Naxalites were compelled to disperse and flee the occupied ground. The parties already deployed tactically coordinated well and were successful to trap the fleeing cadres. Sensing the danger of being trapped, they tried to escape through inter-state boundary adjoining CG-MH border. Sporadic fire lasted for nearly 2.5 hrs during which GS Asha Ram received multiple bullet injury. He was immediately shifted to nearest PHC for treatment. As the entire parties combed and searched the site and recovered dead bodies of 05 female Maoists and 02 male Maoists cadres. Later the dead bodies were identified as 1. Sukhdev @ Laxman @ Maniram, village Dodpal, Thank Kistaram, Distt. Sukma, ACS Darekassa Committee. 2. Hitesh @ Budhram, Father Dasu Farsa, Village Ingun Thana Bhoramgarh, Distt. Bijapur, Darekassa Area Committee member, 3. Parmila W/o Sukhdev @ Laxman village Boladila Distt., Tanda Area Committee Member, 4. Seema W/o Masa Mandavi Thana Pamer Distt. Bijapur Darekassa ACM, 5. Meena Village Mangtamagru Thana Pamer, Darekassa ACM 6. Shilpa @ Some, Village Tolum, Thana Kota, Distt. Sukma Member of PI No. 01, 7. Lalita @ Lakke Village Adsum Thana Gangulur Distt. Bijapur, Member of PI No. 01. One AK-47 Rifle and 25 cartridges, one carbine with magazine, one 303 Rifle with magazine and 20 cartridges, two 315 bore gun and 30 cartridges, one 12 bore gun, one single shot Rifle, nine mm 04 cartridges, one 5 Kg IED and Naxalite literature, bags, camping materials etc were also recovered.

During above entire operation Inspector Laxman displayed unique example of bravery, professionalism, operational skill and dedication towards his profession during the aggressive operation which led to killing of above most wanted/dreaded naxal leaders.

In this operation, Shri Laxman Kewat, Inspector of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 03/08/2019.

(File No.11020/3297/05/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 99-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and 2nd Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mohit Garg, IPS	Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2.	Pillu Ram Mandawi	Sub- Inspector	PMG
3.	JogiramPodiyam	Assistant Sub-Inspector	PMG
4.	HidmaPodiyam	Head Constable	PMG
5.	Pramod Kadiyam	Head Constable	PMG
6.	Balram Kashyap	Head Constable	PMG
7.	BijjuramMajji	Constable	PMG
8.	BudhramHapka	Constable	PMG
9.	Laxminarayan Marpalli	Constable	PMG
10.	MangluKudiyam	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Upon receiving intelligence input about presence of training camp of 50-60 armed naxalites along with senior cadres belonging to banned outfit C.P.I. (M) in area near villages Bangoli, Markapal, Ghatapal, Dunga, Takilod, Ikui, Bodga,

Shri Mohit Garg (IPS), Superintendent of Police, Bijapur planned and launched an area domination operation around 1630 hrs on 06.02.2019 after detailed briefing of 149 personnel of DRG/ STF.

Security forces divided themselves into two teams with Sub Inspector Sunil Tirkey leading team no. 1 and Sub Inspector Yaman Dewangan and Assistant Platoon Commander Alvimus Toppo leading team no. 2 and were marching ahead after crossing river Indravati near village Uspari. Upon sensing possibility of presence of armed naxalites, Sub Inspector Sunil Tirkey further divided his team into two parties with he himself led first party and Sub Inspector Suresh Chandra Yadav & Sub Inspector Pillu Ram Mandawi led the other party. While the parties were combing searching the village Bodga on morning of 07.02.2019, parties overheard sounds of training around 1100 hrs near edge of Bodga hill nala. When parties marched ahead to arrest the naxalites, about 80-100 armed naxalites attacked the police parties by IED blast and firing of automatic weapons to kill security forces personnel and loot their weapons. Police parties immediately took tactical defence and called out the naxalites to stop firing and surrender in front of police. But the naxalites kept on firing indiscriminately due to which commanders Sub Inspector Sunil Tirkey and Sub Inspector Suresh Chandra Yadav & Sub Inspector Pillu Ram Mandawi coordinated to surround the naxalites and marched their parties ahead without fearing for their lives. ASI Jogiram Podiyam, HC Hidma Podiyam, HC Pramod Kadiyam, HC Balram Kashyap, CtBijjuram Majji, CtBudhram Hapka, Ct Laxminarayan Marpalli, CtManglu Kudiya and other men showed a great presence of mind, extra ordinary courage, bravery and conspicuous gallant action. After an exchange of fire lasting about 90 minutes, the naxalites sensing dominating return fire from all quarters retreated and fled into forests and hills. Upon searching the area, 10 naxal dead bodies were recovered who were later identified as: 1. Sukku Farsa s/o Budhu Farsa, 30 yrs, r/o Utlā, PS Bhairamgarh, district Bijapur (Military Platoon No. 16 member), 2. Parmesh Barsa s/o Munnu Barsa, 25 yrs, r/o Gongalapara-JhiHi, PS Bhairamgarh, district Bijapur (Military Platoon No. 16 member), 3. Sukku Barsa s/o Potlu Barsa, 25 yrs, r/o Utlā, PS Bhairamgarh, district Bijapur (Janmiltia Deputy Commander), 4. Somari Farsa w/o Sukku Farsa, 20 yrs, r/o Tadpot, PS Bhairamgarh, district Bijapur (Janmiltia member), 5. Bijjo Madvi d/o Bheema Madvi, 25 yrs, r/o Utlā, PS Bhairamgarh, district Bijapur (Miltia member), 6. Raju Oyami s/o Budhu Oyami, 26 yrs, r/o Utlā, PS Bhairamgarh, district Bijapur (Miltia member), 7. Shankar Kudiam s/o Lakkhu, 22 yrs, r/o Utlā, PS Bhairamgarh, district Bijapur (C.N.M. Commander), 8. Shanti Aarke d/o Paklu Aarke, 20 yrs, r/o Kolnar, PS Bhairamgarh, district Bijapur (C.N.M. member), 9. Rame Oyami d/o Irpa Oyami, 21 yrs, r/o Tadbala, PS Bhairamgarh, district Bijapur (C.N.M. member), 10. Sudri Oyami d/o Budhu Oyami, 19 yrs, r/o Tadpot, PS Bhairamgarh, district Bijapur (C.N.M. member). From the spot, along with dead bodies, 11 country made SBML rifles, 4 tiffin bombs, 2 cooker bombs, 6 arrow bombs, 1 pipe bomb, 11 poly-packed explosives, 2 detonators, empty shells of AK-47, INSAS, SLR, .303 and 12 bore rifles, 12 pitthu bags, 5 SBML muzzle rods, 3 pair naxal uniforms, naxal flag, 1 solar plate, battery, wires, knives, medicines, Rs. 520 cash, naxal literature and other daily use materials were also seized.

During the exchange of fire, Assistant Constable Lacchu Kadi and Assistant Constable Sanku Ram Sodi fell and sustained injuries and were given primary treatment on the spot. Sub Inspector Sunil Tirkey reported to Shri Mohit Garg via satellite phone about the incident and risk of ambush by naxalites near the river Indravati while evacuating the injured and rest of the parties along with naxal dead bodies and their recovered weapons, upon which Shri Mohit Garg asked Sub Inspector Sunil Tirkey to form a team under leadership of Sub Inspector Yaman Dewangan to evacuate the injured and give them safe passage till river Indravati while he himself would lead a reinforcement team of 35 personnel to provide safe passage from river Indravati. Around 1545 hrs, when the team of Sub Inspector Yaman Dewangan was about 2 Kms away from river Indravati, about 40-50 armed naxalites opened heavy indiscriminate fire on police parties from a pre-planned ambush as anticipated. Party Commander Sub Inspector Yaman Dewangan and his team took tactical defence and called them out to stop firing and surrender but naxalites did not relent and continued with heavy firing. Upon which Sub Inspector Yaman Dewangan informed Shri Mohit Garg via wireless set and requested for reinforcement and evacuation. Shri Mohit Garg immediately took his team ahead without fearing for life to break the ambush when naxalites started firing at his team as well. Shri Mohit Garg coordinated with commanders and tactically launched fire and move attack which lasted for about 15- 20 minutes breaking the ambush realising which naxalites fled into hills and forests. Upon searching 1 country made pistol, 1 tiffin bomb, 3 arrow bombs, three detonators, 1 SBML muzzle rod, 4 naxal pitthu bags, empty shells of AK-47, INSAS, SLR, .303 and 12 bore rifles, naxal pamphlets and other miscellaneous materials were seized.

In this operation, S/Shri Mohit Garg, IPS, Superintendent of Police, Pillu Ram Mandawi, Sub-Inspector, Jogiram Podiyam, Assistant Sub- Inspector, Hidma Podiyam, Head Constable, Pramod Kadiyam, Head Constable, Balram Kashyap, Head Constable, Bijjuram Majji, Constable, Budhram Hapka, Constable, Laxminarayan Marpalli, Constable and Manglu Kudiya, Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 07/02/2019.

(File No-11020/3302/05/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 100-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sherbahadur Singh Thakur	Sub-Divisional Officer of Police	PMG
2.	Chatrapal Sahu	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the receipt of intelligence input from local informer about movement of small action team Commander and Dy. Commander LOS Farsegarh (National Park Area Committee) named Saibo Kowasi alias Ranu along with 5-6 other Naxals between forest of Kutru and Ketulnar region on 16.01.2021 at time 13:45 hrs, SDOP Kutru Shri Sherbahadur Singh Thakur along with DEF of PS Kutru moved towards forest of village Ketulnar from PS Kutru for verifying the input. SDOP Kutru Shri Sherbahadur Singh Thakur divided force in two team, team 01 moved through right direction of road towards Ketulnar led by SDOP Kutru Sherbahadur Singh Thakur and team 02 moved through left direction of road towards Ketulnar led by Inspector Mohan Nishad. As team 01 reached forest of Ketulnar through searching at time 17:00 hrs, 05-06 Naxals in casual civil dress started firing at team 01 led by SDOP Kutru Sherbahadur Singh Thakur for killing and robbing security forces, then immediately SDOP Kutru Sherbahadur Singh Thakur and his team took position on retailed quickly, as Naxals were firing continuously, no other alternative was left to neutralize attackers. SDOP Kutru Sherbahadur Singh Thakur started firing too along with his teammates in their self-defence and Constable Chatrapal Sahu the leadership of senior police officer and giving his contribution to establish peace and order. After around 10 minutes of firing, Naxals fled a way towards forest to avoid firing from Security forces.

After Exchange of fire, teams they found 01 dead body of Naxal age around 35 yrs, 01 pistol with magazine, 06 live rounds of pistol, 01 detonator with red colour electric wire, 05 piece fire cracker 'sutli bomb', daily use items and 01 nylon carry bag and dead Maoist was identified as Saibo Kowasi alias Ranu, Action Team Commander/Dy. Commander, LOS Farsegarh (National Park Area Committee). For further official proceeding of crime, dead body of Maoist and seized materials was brought to district headquarter Bijapur and an FIR was lodged later at PS Kotwali Bijapur under sections 307,147,148,149 of IPC and u/s 25,27 of Arms act and u/s 4 of Explosive substances Act. Saibo Kowasi s/o Pandu Kowasi, Age-35Yrs, Village-Ambeli- Hurrenar, PS-Kutru, Distt.Bijapur (Action Team Commander c/o National Park Area Committee), who is accused of many criminal cases of violence against government & security forces and killing of villagers was very dangerous and active Maoist cadre in PS Kutru region.

In this operation, S/Shri Sherbahadur Singh Thakur, Sub-Divisional Officer of Police and Chatrapal Sahu, Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 16/01/2021.

(File No.11020/3308/05/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 101-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Suresh Jabba	Assistant Sub-Inspector	PMG
2.	Sushil Jetty	Head Constable	PMG
3.	Bardi Dharmaiya	Head Constable	PMG
4.	Manglu Koswasi	Constable	PMG
5.	Mukesh Kalmu	Constable	PMG
6.	Ramesh Pere	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

An Operation was planned under the supervision of Inspector Shri Sushil Patel of District Police force Bijapur. A joint Force of District Police Force and Grayhounds, Telangana having a strenght of 49 moved on 26.04.2018 about

21:45 hrs for searching of the general area of Villages Loded, Ipenta, Minkapalli, Lankapalli under Police Station Madded, Distt. Bijapur (CG).

On 27.04.2018 Police party was moving with searching hills-forests, rivers-tunnels and all places which may be hiding place of Naxals. On the basis of Naxal noise at near about forest-hills of village Loded-Ipenta, Police party was moving from Right respectively with fencing Forest-Hills. Naxals who were hiding in ambush there, opened indiscriminate fire over the police parties using automatic, semi automatic and other fire arm weapons with intention to kill the police personnel and loot their weapons. The police party quickly took the appropriate position and warned to Naxals to stop firing and surrender themselves but they could not stop the firing. Thereafter, Inspector Sushil Patel ordered to fire in self-defense and move ahead. Party Commander & ASI Suresh Jabba, HC Sushil Jetty, HC Bardi Dharmaiya, Ct Manglu Koswasi, Ct Mukesh Kalmu, Ct Ramesh Pere, and other personnel advanced towards the enemy without caring their lives and reached near the Naxals and defeated their plan by taking proper defense. Naxals fled away from the place of encounter increasing pressure of firing by troops and taking advantage of thick forest hills leaving behind dead bodies of eight Naxals along with 01 No. SLR Rifle, 01 No. 303 Rifle, 04 Nos. 12 Bore Rifle, 01 No. (303) Single Shot Gun, 01 No. 312 Bore Katta, 02 Nos. Grenade, 24 Nos. SLR live rounds, 01 No. 303 Rifle live round, 13 Nos. 12 Bore Rifle live rounds, 08 Nos. 315 Bore Rifle live rounds, 01 No. Rucksack, Medicines, Literature, etc.

In this operation, S/Shri Suresh Jabba, Assistant Sub-Inspector, Sushil Jetty, Head Constable, Bardi Dharmaiya, Head Constable, Manglu Koswasi, Constable, Mukesh Kalmu, Constable and Ramesh Pere, Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 27/04/2018.

(File No.11020/1206/05/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 102-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Chhattisgarh :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Arun Markam	Sub- Inspector	PMG
2.	Manoj Mishra	Head Constable	PMG
3.	Lachindar Kurud	Head Constable	PMG
4.	Lilambar Bhoi	Constable	PMG
5.	Ajay Baghel	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the input of large gathering of Naxals in PS-Usoor border area of Utlapalli, Pujari Ranker, Kottapalli. These areas are known for presence of middle and top level Maoist leaders as it forms part of the route from West Bastar Division. The details about composition and strength of forces, entry and exit routes were all worked in detail by the officers involved. A team of 40 men from DEF, Bijapur and Grayhounds. Telangana was formed. After detailed briefing, the Operation was launched on 27.02.2018 in the area which is stronghold of Maoist insurgents.

On 02.03.2018 at around 06:00, Maoists who were waiting in ambush just before Pujari Ranker area started heavy fire from automatic, semiautomatic and country made weapons on the Police Party. In retaliation police party also fired and an exchange of fire took place. Inspector K Shiva Prasad and Sub Inspector Arun Markam were leading the police party during operation, when the party was attacked by Maoists inspector K Shiva Prasad and Sub Inspector Arun Markam, HC Lachindar kurud, HC Manoj Mishra, Ct Lilambar Bhoi, Ct Ajay Baghel showed a great presence of mind, great leadership, superb operation sense, extra ordinary courage, bravery and conspicuous gallant action. While leading the operation from front, their reaction to Maoist's ambush not only saved the life of their men but also foiled the Maoist attack and played a key role in killing of Maoists. During search, dead bodies of 04 Male and 06 female Maoists recovered who were later on identified as 1. kudem Rosi Age 30 Village Regaigudem Distt. Sukma, 2. Podiyam Baman @ Malesh Age 35 Village Dunga Orcha Distt. Narayanpur, 3. Punem Jogalu Age 30 Village Sumar Distt. Bijapur, 4. Ramey Sodi @ Sodi Pandey Age 25 Village Birapuram Distt. Sukma, 5. Sangeeta @ Kumma Parmila Age 25 Village Mukkaweli, Distt. Bijapur, 6. Ratna @ Telam Soni Age 25 Village Rakekorma, Distt. Bijapur, 7. Swami @ Prabhakar, Age 40, Village Rampeta Distt. Telangana, 8. Hernia Paiki @ Lalita Age 30 Village Sawnar Distt. Bijapur, 9. Madwi Shanti @ Soni Age 30 Village Tindodi Distt. Bijapur, 10. Sudam Jogi @ Lalita Age 30 Village Vikadampalli Distt. Sukma. Along with dead bodies, 01 No. AR-47 Rifle, 01 No. SLR Rifle, 05 Nos. Insas Rifle, 01 No. Single

Bore Rifle, 01 No. 3 03 Rifle, 01 No. Pistol, 06 Nos. Rocket Bomb, 02 Nos. Solar Plate, 03 Nos. Clomore, 01 No, Radio. 41000/- Cash, live Rounds & empty cases. Medicines, Maoists Literatures and other daily use materials were also seized from the spot.

Sub Inspector Arun Markam, HC Lachindar Rurud, HC Manoj Mishra, Ct Lilambar Bhoi, Ct Ajay Baghel have displayed an extreme courageous act not only they retaliated the volley of fire coming from naxals but motivated other men to retaliate fiercely and advance towards naxal's positions without caring for their life resulting they were able to successfully counter ambushed hardcore naxals. By the virtue of their excellent operational aptitude, they played a key role in leading successful counter ambush on naxals which is very difficult to achieve in such circumstances and difficult terrain and successfully foiled the naxal attack.

In this operation, S/Shri Arun Markam, Sub- Inspector, Manoj Mishra, Head Constable, Lachindar Kurud, Head Constable, Lilambar Bhoi, Constable and Ajay Baghel, Constable of Chhattisgarh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 02/03/2018.

(File No.11020/3295/05/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 103-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry (PMG) and 3rd Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Arif Amin Shah	Superintendent of Police	3rd BAR TO PMG
2.	Manzoor Ahmad Bhat	SgCT	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12.05.2019, specific information was received regarding the presence of terrorists in Village Hind-Sitapora of District Shopian. Accordingly, a joint operation was planned / launched by Police Shopian in collaboration with 34RR, 178th BN CRPF under the supervision of Sh. Sandeep, IPS, SSP Shopian. After establishing of cordon in entire hamlet, search operation was started and it was ascertained that terrorists had taken shelter in the residential house. While the cordon around the target house was being established, hiding terrorists on noticing the presence of operational men started indiscriminate firing followed by grenade lobbing. However, fire was retaliated by the advance joint team of Army, CRPF & Police led by Sh. Arif Amin Shah, SP Shopian. The holed up terrorists were not provided any chance to break the cordon and flee from the spot.

In the meantime, miscreants of village Hind-Sitapora and adjacent areas gathered around the encounter site and pelted heavily upon the cordon party from all directions causing injuries to some Jawans. However, the joint teams of Police/CRPF deployed for law & order management displayed utmost restraint in dealing with the stone pelters and used minimum force and kept them at bay.

The holed up terrorists were asked to surrender and allow the inhabitants of the house to come out. However, they refused and fired indiscriminately. For safe evacuation of family members, advance team headed by SP Shopian entered the house. Joint party kept the terrorists engaged in firing while SP along with his party including SgCT Manzoor Ahmad Bhat proceeded meticulously for room intervention and managed to evacuate the family members who were inside.

The terrorists came out of the house and positioned themselves against the wall of the building from where they could easily target the cordon party who were about to enter the house again. The SP Shopian along with his party gunned down two terrorists belonging to HM outfit, who were later on identified as Javid Ahmad Bhat S/o Aii Mohammad R/o Redwani Kulgam and Adil Bashir Wani S/o Bashir Ahmad Wani R/o Waripora Kulgam.

Large amount of war like items were recovered from the possession of slain terrorists. For the incident, case FIR No, 84/2019 U/S 147,148,149, 307, 336, 353, 332 RPC, 7/27 I. A. Act, 16. 19 ULA (P) Act stands registered in Police Station Shopian.

In this operation, S/Shri Arif Amin Shah, Superintendent of Police and Manzoor Ahmad Bhat, SgCT of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 12/05/2019.

(File No.11020/119/11/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 104-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and 1st Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mohd Anwar-ul-Haq	Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2.	Abdul Khaliq War	Head Constable	PMG
3.	Vishal Koul	SgCT	PMG
4.	Mohd Asgar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 01.04.2019 at about 03:05 hours, the information was received information about the presence of terrorists at village Lassipora Pulwama. Accordingly, SP Pulwama informed SP Pulwama Shri Mohd Anwar-ul-Haq and SDPO Litter Sh. Gh. Hassan. The information was further developed by SDPO Litter and shared with 44 RR & 182/183 Bn CRPF and it was decided to lay a joint cordon of the target area. As per plan SDPO Litter alongwith SOG party of PC Lassipora headed by SI Vikram Kundal and components of 182/183 Bn of CRPF and 44/RR rushed towards village Lassipora Pulwama in order to cordon the target place. On reaching Village Lassipora, the target location was cordoned off jointly by Police Pulwama, 44 RR and 182/183 Bn CRPF under the command of SP Pulwama and search operation was started. During the search operation, the besieged terrorists fired a volley of rounds upon the forces positioned around the target house, thus ensuing a gun battle.

After establishing the contact, two Police/SF were constituted to evacuate the civilians trapped in the cordoned area and avoid any collateral damage. During the evacuation process, the parties came under indiscriminate firing of terrorists and had a narrow escape, however, the parties did not lose their concentration and completed the process successfully.

Four teams of Police/SFs including SP Mohd Anwar-ul-Haq, HC Abdul Khaliq War, SgCT Vishal Koul and Ct Mohd Asgar were constituted to retaliate the fire from two opposite sides so as to conclude the encounter without taking too long. First party has taken position on North side and the second team was asked to take position on Western side. Third team was asked to take position from East side and fourth team took position from Southern side of the target location.

After intensifying the cordon and plugging of all lanes/by-lanes and possible escaping routes, the holed up terrorists were offered to surrender which they refused and opened heavy volume of fire on all sides upon the forces as a result of which three Army personnel of 44/RR including Lt. Col SK Singh and two (02) cops of Police Component Lassipora namely SgCt Vishal Kaul and Ct Mohd Asgar got injured who were immediately evacuated to Hospital for specialized treatment. It is pertinent to mention here that during the encounter, many women assembled near the encounter site and started raising pro-freedom slogans. L/SPO Shanie Gull No. 237/SPO handled the situation professionally and motivated the women to stay away from the encounter site to avoid any causality.

While continuing firing upon the parties, holed up terrorists tried to escape from two different sides i.e. North & West sides. However, parties under the Shri Mohd Anwar-ul-Haq, SP positioned there and fought bravely from the front without caring for their lives. The strategic and swift action displayed by Police and security Forces resulted in the elimination of terrorists. When the firing stopped, a joint search party of officers/officials of Police/Army and CRPF was constituted. During search, 04 dead bodies of terrorists along with arms/ammunition were recovered from the debris. The slain terrorists were later on identified as Towseef Ahmad Yatoo S/o Ab Aziz Yatoo R/o Gudbugh Pulwama, Mohd Shafi Bhat S/o Gh Mohammad Bhat R/o Sedow, Shopian, Aqib Ahmad Kumar S/o Bashir Ahmad Kumar R/o Hellow Shopian and Zaffar Ahmad Paul S/o Mohammad Ahsan Paul @ Abu Manazil R/o Mool Dangerpora Shopian. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. In this connection a Case FIR No. 12/2019 U/S 307, 7/27 I.A Act stands registered in Police Station Litter and investigation was taken up.

In this operation, S/Shri Mohd Anwar-ul-Haq, Superintendent of Police, Abdul Khaliq War, Head Constable, Vishal Koul, SgCT and Mohd Asgar, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 01/04/2019.

(File No.11020/1139/11/2022-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 105-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Jaswant Singh	Deputy Superintendent of Police	PMG
2.	Romesh Kumar	Head Constable	PMG
3.	Jaffar Bashir Qurashi	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25/26.11.2019 upon a specific information about the presence of terrorists at village Pachaar of District Pulwama, a joint search operation was conducted by ARMY 44 RR, Pciice Pulwama, and CRPF 182 and 183 Bn at the target location. During cordon, various joint MVCPS/stops were also laid at the periphery of the cordoned place connecting different villages in order to restrict the movement of vehicles and to avoid any causality. While the CASO was in progress, Naka party at the road leading towards Drubgam village noticed movement of a vehicle heading towards them and signaled it to stop. The driver of the vehicle ignored the signal and accelerated the vehicle with the intention to escape and the terrorists inside the said vehicle started firing indiscriminately upon the troops. The fire was retaliated and forces attempted to apprehend the terrorists from inside the vehicle. The terrorists jumped out of the vehicle and ran away towards nearby orchards firing continuously on the troops present around. The forces, without wasting time, took their positions and retaliated the fire that resulted in elimination of a terrorist.

The drivers of vehicles of ARMY, CRPF and Police personnel were directed to turn on their headlights and point them towards the orchards where terrorists have jumped. Search lights were also put in place to illuminate the target area. The gun fight between terrorists and security forces continued for long time. Thereafter, a team of Police headed by Dy SP Jaswant Singh assisted by HC Romesh and SgCt Jaffar Bashir Qurashialong with party of Army and CRPF was formed to search for thehiding terrorists. While searching, hiding terrorists fired indiscriminately upon the search party. Police party headed by Dy SP Jaswant Singh retaliated the fire bravely and the cordon was further intensified. As the orchards were very dense, it was decided to search for other terrorists by the first light in the morning in order to avoid any causality Dy SP Jaswant Singh assisted by HC Romesh and SgCt Jaffar Bashir Qurashi remained in the inner cordon along with Army 44 F/Ft, CRPF 182 and 183 Bn and kept an eagle eye upon the orchards thereby gave no chance to the holed up terrorist to escape horn the cordon.

Next morning as there was no fire from the side of terrorists, ARMY 44 RR formed a search party to trace the hiding terroristsin supportto the team of Dy SP Jaswant Singh assisted by HC Romesh and SgCtJaffar Bashir Qurashi. During search, the hindingterrorist started firing indiscriminately which was retaliated by these men and ultimately resulted in elimination of the second terrorist present in the orchards. The body of killed terrorist was also taken into possession and arms and ammunition was also recovered. Later on slain terrorists were identified as Irfan Ahmad Sheikh S/o Ghulam Ahmad Sheikh R/o Naira Pulwama {A-Cat of HM outfit} and Irfan Ahamd Rather S/o Azad Ahmaa Ratner R/o Litter Rajpora (C-Cat of HM outfit).

Large quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain teiTcrsts. For the incident, csse FIR No. 93/2C19 U/S 307 IPC, 7/27 LA Act 19, 20, 25 & 39 ULA(P) Act stands registered in Police Station Rajpora.

In this operation,S/Shri Jaswant Singh, Deputy Superintendent of Police, Romesh Kumar, Head Constable and Jaffar Bashir Qurashi, SgCT of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 25/11/2019.

(File No.11020/1141/11/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 106-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and 3rd Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Tanveer Ahmad Dar	Deputy Superintendent of Police	3rd BAR TO PMG
2.	Bilal Rasool Dar	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02.08.2019, on a specific information about the presence of terrorists in village Pandushan of District Shopian, a joint operation was planned and launched by Police Shopian in collaboration with 34RR & 14th BN CRPF during the intervening night of 1st and 2nd of August, 2019 under the Command of Shri Sandeep- IPS, SSP Shopian.

Advance party comprising of QRT of CRPF 14th Bn, QRT from 34 RR and CRT of Police Shopian headed by Sh. Tanvveer Ahmad Dar, Dy SP Hqr's Shopian including SgCt Bilal Rasool Dar and others deputed to the village to plug off all the possible escape routes to ensure the terrorists hiding in the village may not to escape. The additional parties of Police Shopian, 34 RR & 14th BN CRPF headed by SSP Shopian also reached target village and laid the cordon of the said village. Cut off points were placed on approach roads and BP vehicles were placed tactfully around the cordon.

Terrorists hiding in the residential house, sensing the movement of troops fired heavily upon the cordon party with their illegal automatic weapons with the intention to kill them and to break the cordon, which resulted in injuries to the two Jawans of 34RR. The search party retaliated the fire effectively which triggered fierce gunfight between search parties and the terrorist. A team comprising of Sh. Tanvveer Ahmad Dar, Dy SP Hqr's Shopian, SgCt Bilal Rasool Dar and others were tasked to evacuate the injured jawans of 34 RR and in few attempts under the cover provided by other team succeeded in evacuating the injured Army Jawans for treatment. However, Sep Rambir of 34RR succumbed to his injuries. Later, the families (civilians; of the adjacent houses) were evacuated to safer places to avoid any collateral damage.

The search of target houses was started in the cordoned area, but due to darkness search was put on halt and cordon was further strengthened. In the first light, the search was intensified by focusing on the target house. The terrorists hiding in the house opened heavy volume of fire upon the search parties from two different directions and made attempt to escape. However, the alert joint search party retaliated the fire effectively, thus a fierce encounter between the troops and terrorists started again in the morning hours. The terrorists were asked to surrender which they refused and kept on firing indiscriminately upon the Police/Security forces with an intention to cause casualty. The above party retaliated professionally and killed one terrorist, soon as the search party apprehended towards the adjacent building of the target house, they came under heavy volume of fire of the terrorist and had a very narrow escape.

In the meantime, a huge mob gathered around the cordon area and started heavy stone pelting upon the Police /SF with an intention to give safe passage to the besieged terrorists. However, the joint (law & order) parties acted with utmost restraint & professionalism. During the stone pelting, many troops got injured. During this, the second terrorist who was well positioned in a concrete house again fired upon the search party and was frequently changing his position. But the cordoned party mentioned above located his position and neutralized him. After the fire from terrorist side stopped and search of the houses and periphery was conducted, two bodies of terrorists were recovered. Later on, the slain terrorists were identified as Zeenat-ul-Islam Naikoo S/o Mohammad Ishaq Naikoo R/o Memander Shopian (E Cat of JeM outfl) and FAanzoor Ahmad Bhat S/o Abdul Razaq Bhat R/o Wachi Zainpora (C-Cat of HM outfit).

Large quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. For the incident, case FIR No. 124/2019 U/S 302,307,147,148,149, 353, 332, 336 RPC, 7/27 A. Act, 16, 19 ULA (P) Act has been registered in Police Staven Shopian.

The slain terrorists were active in District Shopian and have spread a reign of terror among the general masses and main stream politicians of this district. These terrorists were involved in various subversive activities and were a great threat for the public, VIP's, Security forces and Police. The elimination of these C2 terrorists is great setback to the JeM /HM Outfits.

In this operation, S/Shri Tanveer Ahmad Dar, Deputy Superintendent of Police and Bilal Rasool Dar, SgCT of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 02/08/2019.

(File No.11020/1142/11/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 107-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and 1st Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Salinder Singh	Inspector	1st BAR TO PMG
2.	Sandeep Kumar Sharma	Sub- Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 08.07.2021, Kulgam Police received information regarding presence of terrorists in area Zadoora on NHW who were planning to carry out attack on security force. A joint team of Police Kulgam and 1stRR cordoned the area and established strategic check points. The operational parties plugged off all possible escape routes. In the meantime, one unknown Santro was coming from Shamsipora side towards Malpora was signaled by the special naka party to stop. Driver of the vehicle did not stop and tried to flee away and take U-Turn. Naka party advanced towards the suspected vehicle and in the meantime, 02 unknown terrorists boarded in the said vehicle came out and started indiscriminate firing towards the police party. The fire was effectively retaliated by the advancing parties and terrorists were asked to surrender which they denied.

In extreme darkness, it was very difficult for operational parties to plug off all lateral points, but our brave officers without caring for their personal safety put their life and limb in risk. It was very difficult to carry forward the operation in darkness as actual number of terrorists was not known. The area along the NHW is developed with paddy fields due to which terrorists could have taken advantage of topography and managed to escape. But, Insp. Salinder Singh with his QRT and SI(S) Imtiyaz Ahmed with their QRTs shown interest and advanced towards target area by putting their life and limb in risk in odd hours and darkness where there was apprehension of causality. But, they did not look behind and went beyond the call of duty and reached to target house and eliminated one unknown terrorist with precise firing due to which operational party got boosted and the situation was controlled properly. SP Kulgam, Addl SP NHW, SDPO Qazigund read the situation well and put all personnel in place to ensure that no causality happens from RR/police side. SI Sandeep Kumar Sharma with his buddy put his life and limb in risk and travelled at least 500 meters distance via paddy fields and reach to target area where firing was going on. The officer with his buddy was in line of fire. He was backed by SDPO Qazigund with his QRT. SI Sandeep Kumar Sharma took head on and positioned himself at appropriate place and tactfully advanced towards the terrorist. He along with buddy and QRTs of Addl SP NHW, SP Kulgam and SDPO Qazigund concentrated towards precise area of patch on NHW where firing was observed. It was very difficult to fix the target, but SI Sandeep Kumar Sharma with his buddy without caring for their personal lives went beyond the call of duty and killed another terrorist on spot. The firing was stopped now, but operational party did not leave the spot as it was night and presence of more terrorists cannot be ruled out. Now, the challenge was to retrieve dead bodies from the spot. Addl SP Kulgam, SDPO Qazigund under the supervision of SP Kulgam showed guts and wisdom and two dead bodies were recovered with arms/ ammunition from encounter site. The cordon was still put in place till first dawn of light. There was expectation of L&O in the area as the encounter site was along the populated area of Khudwani, Gath and Redwani, which seems to be most vulnerable on terrorism front.

The coherence showed by the police played an exemplary role in elimination of 02 dreaded terrorists. In spite of the odd situation, putting their life and limb at risk, Insp. Salinder Singh and Sandeep Kumar Sharma with their respective QRTs led from the front. The operation concluded with the elimination of 02 hard-core terrorists i.e. Shahbaz Ahmad Shah @ SP S/o Gh. Hassan Shah R/o Katrasoo Kulgam and Nasir Ayoub Pandit S/o Mohd Ayoub Pandit R/o Wanpora Qaimoh Kulgam, both JeM outfit. Good quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 169/2021 U/S 307IPC, 7/271. A. Act stands registered in P/S Qazigund.

In this operation, S/Shri Salinder Singh, Inspector and Sandeep Kumar Sharma, Sub- Inspector of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 08/07/2021.

(File No.11020/ 1166/11/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 108-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and 2nd Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sujit Kumar, IPS	Deputy Inspector General	PMG

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
2.	Mohan Lal	Deputy Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
3.	Youdhvir Singh	Assistant Sub- Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 22.07.2021 at about 16:10 hours, based upon a specific intelligence regarding presence of terrorists at village Bilalabad, Warpora Sopore, a joint cordon and search operation was launched by Sopore Police/ PC Srinagar, 22-RR and CRPF in the area. In the meanwhile Shri Sujit Kumar, DIG-P North Kashmir Range Baramulla also joined the ensuing operation and took all its command/ supervision in to his hands with the counterparts of Army and CRPF. Since there was already credible inputs that the terrorists were hiding in a residential house possess sophisticated weapons, it was ensured that the operation should be a clean one, first and foremost priority was given to the civilian's evacuation with the consultation of army counterparts.

Thus, a joint team of police/Army/CRPF led by Shri Sujit Kumar, DIG NKR, Baramulla, Srinagar was constituted to evacuate the trapped civilians and a 2nd team of army/ police/ CRPF led by Shri Sudhanshu Verma, SP Sopore was placed as a backup party to provide cover firing. Accordingly, the 01st joint team led by Shri Sujit Kumar put their lives in a great risk and evacuated all trapped civilians and even during the course of evacuation, the terrorists fired intermittently with the intention to halt the evacuation process and to make the civilians hostage and even some bullets hit the closest the officer, but the officer did not lost his morale and evacuated all trapped civilians. Once the civilians evacuation operation was completed, the cordon was more tightened and the search operation was intensified during which the holed up terrorists fired indiscriminately on the search party which was retaliated leading to an encounter. Since the terrorists were hiding in a two storied concreted house who tactfully changed their positions in the house and engaged the security forces for a long time, besides the target house was located in a congested location and the security forces could not easily approach the target house for a long time.

Eventually the 1st Joint team including Shri Mohan Lal DySP PC Srinagar, ASI Youdhvir Singh and others and led by Shri Sujit Kumar, volunteered themselves to approach the target house for last and final assault and the 2nd team consisting of army/ CRPF and police personnel was kept on the back up of 1st team to provide cover firing and to engage the terrorists till the 1st team approached the target house. Accordingly, the 1st advance team led by Shri Sujit Kumar, started approaching in crawling tactics under the backup firing of 2nd party and as soon the advance team was about to reach the target house, the terrorists after sensing that the security forces have reached the target house, they suddenly jumped out from the house through the main front door while showering volume of bullets and tried to take refuge in a nearby bushy orchards, but before that, the advance team especially Shri Sujit Kumar, Shri Mohan Lal, DySP(PC) Srinagar and ASI Youdhvir Singh remained determined like a rock and retaliated the fire effectively under the covering fire of 2nd team. Ensuing face to face gunfight, two terrorists belonging to proscribed Lashkar-e-Toiba LeT terror outfit were neutralized. The slain terrorists were later on identified as Fayaz Ahmad War @ Rukana @ Umar S/o Ghulam Mohi-ud-din War R/o Warpora Sopore, LeT outfit and Shaheen Ahmad Mir @ Shaheen Molvi S/o Mohammad Kamal Mir R/o Cherpura Budgam. Good amount of arms/ammunitions were recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 195/2021 U/S 7127 I.A.Act, 16 ULA(P) Act stands registered in P/S Sopore for further investigation.

The slain terrorist Fayaz Ahmad War @ Rukana @ Umar S/o Ghulam Mohi-ud-din War R/o Warpora Sopore was a top LeT commander and his elimination was considered a big success for the security forces and severe jolt to the LeT outfit. He was involved in a number of subversive activities and attacks on police/security force establishments.

In this operation, S/Shri Sujit Kumar, IPS, Deputy Inspector General, Mohan Lal, Deputy Superintendent of Police and Youdhvir Singh, Assistant Sub- Inspector of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 22/07/2021.

(File No.11020/1167/11/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 109-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Bilal Ahmad Dar	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 26.07.2021, Police Kulgam received specific information regarding the presence of terrorists in forest area of Gurwattan Ahrabal. Police Kulgam with 62 RR and 18th Bn CRPF cordoned off the said area and started search in the dense forests. The team was constituted under Shri Zulafqar Ahmed, Addl.SP Kulgam, Shri Arif Hussain DySP PC Hatipora along with Shri Inspr. Imtiyaz Ahmad SHO PS Manzgam, Inspr. Tanveer Jahangir SHO PS DH Pora with respective QRTs, under the overall command/control of Shri Gurinderpal Singh-IPS, SSP Kulgam. Subsequently, operational strategy was chalked out to seal and cordon the whole area. The initial parties led by Shri Gurinderpal Singh-IPS, SSP Kulgam, Shri Zulafqar Ahmed Addl.SP Kugam, Shri Arif Hussain DySP PC Hatipora and Inspector Imtiyaz Ahmad SHO Manzgam alongwith respective QRTs and counter parts of 62 RR and 18th Bn CRPF plugged off all possible escape routes. On laying initial cordon and ascertaining the fact that terrorists are present in the forest area but the number cannot be ascertained at the initial stage as the target area was not identified. The cordon was further strengthened in the said area and search operation was started. It was very difficult to identify the target area in dense populated forests. The area was hilly and bordering to hilly district Shopian. Tactfully the target area was identified and zeroed in and terrorists were given opportunity to surrender. On confirmation it was learnt that only one top terrorist commander was trapped and refused to surrender before the authorities. Instead he started indiscriminate firing upon operational party. Once the contact was established, the cordon teams strengthened their positions to prevent the escape of terrorist taking the advantage of topography. However, the firing was stopped by security forces as many people who were on tour/ picnic to Kounsarnag/ Ahrabal were trapped in encounter area, they were frightened due to sudden firing and the situation turned into panic mode. First priority was given to evacuate civilians trapped in the encounter area. This was a big challenge to evacuate the civilians from the dense forests that too when terrorist was firing towards the operational party indiscriminately. Some 500 people were trapped in encounter area and it was not possible to get them evacuated altogether. The evacuation process was started by SP Kulgam personally and operational party headed by Shri Arif Hussain DySP PC Hatipora given human shield to civilians during evacuation process. SSP Kulgam with his buddy HC Bilal Ahmed Dar, Shri Arif Hussain DySP PC Hatipora with his HC Prem Paul, and HC Ashok Kumar, Sgct Dawood Ahmad and Sgct Abid Ahmad has given human shield to the people trapped in encounter site. In initial phase of cordon, terrorist started firing indiscriminately by taking the advantage of topography as the area was dense populated. On the other hand, Shri Zulafqar Ahmed Addl. SP Kulgam, SI Sandeep Kumar Sharma IC PC Amnoo alongwith respective QRTs cordoned the target area and plugged off all possible escape routes.

Due to strenuous efforts during evacuation done by SSP Kulgam with his buddy HC Bilal Ahmed Dar, Shri Arif Hussain DySP Hatipora with his buddy HC Prem Paul in live firing managed to maneuver themselves to a more dominating position, on the other hand operational party was engaged with target area. Shri Gurinderpal Singh IPS, Shri Arif Hussain DYSP PC Hatipora with their buddies without caring for their personal lives went beyond the call of duty advanced towards the target spot with operational party. The intermittent fire was going on and the duo was in line of fire, but the operational party did not leave the spot and showed guts / wisdom and entered in target area from different sides. Thereafter, the operational teams along with their buddies read the situation and were able to gun down the terrorist on spot in precise firing. The action of the operational party was applauded by locals especially the civilians who were trapped in encounter.

The coherence showed by the Police component especially by HC Bilal Ahmed Dar who played an exemplary role without caring for his personal safety eliminated one dreaded terrorist who happens to be a top commander of LeT banned outfit of district Shopian. During post search operation, dead body of a terrorist identified as Amir Yousuf Mir S/o Mohd Yousuf Mir R/o Chek-Choland District Shopian of LeT outfit. The said terrorist was instrumental in motivating youth to join terrorism and was in pursuance to radicalize the youth of South Kashmir especially youth of district Shopian and Kulgam. During investigation, it came to fore that the said terrorist along with 02 local terrorists of district Shopian were planning to carry out suicide attack on security forces on NHW. The terrorist was glorifying the terrorism in the twin districts by using misguided youth through different means viz social media and manual meetings.

Due to outstanding efforts especially made by HC Bilal Ahmed Dar, the huge terror threat was eliminate. Large quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. A case FIR No. 64/2021 U/S 307 IRC, 7/25, 7/27 I.A.Act, 13, 16, 18, 19, 20, 38 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Manzgam.

In this operation, Shri Bilal Ahmad Dar, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 26/07/2021.

(File No.11020/1168/11/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 110-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mir Sajad Bashir	Inspector	PMG
2.	Asif Hassan Dar	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 07.08.2021, Budgam Police received information about the presence/hiding of terrorist of proscribed outfit LeT at village Mouchwa Chadoora Budgam who was planning to carry out some terror act on Srinagar-Chadoora road. Upon receipt of this information, search operation was planned with Commanding officer 50 RR and Commandants 181 Bn CRPF. Accordingly, cordon and search operation was launched around 0015 hours on 07.08.2021. During search, presence of 01 terrorist was confirmed in the area who tried to flee away from the cordon and entered into one of the buildings on Srinagar-Chadoora main road with shops on the ground floor and some rooms on the first floor. The cordon was tightened around the said structure. Announcements were made for the hiding terrorist to surrender. However, the said terrorist did not pay any heed to the repeated surrender requests. Instead, the hiding terrorist fired upon the search party in order to make an attempt flee away again. The fire was retaliated effectively by the search party. Intermittent gun fight continued for almost two and half hours and at around 0300 hours, the terrorist made a desperate attempt to run away from the building and break the cordon. However, the joint search party headed by incharge Addl.SP Budgam Shri Gawhar Ahmad Khan, SHO PS Chadoora Inspr. Mir Sajad Bashir with Sgct Asif Hassan Dar fired upon the heavily armed terrorist accurately thereby killing the terrorist instantly just outside the building he was hiding without any collateral damage. Search of the place including the building was completed at 0530 hours on 07-08-2021 and the dead body was retrieved who was later on identified as Shakir Bashir Dar C-Cat S/o Bashir Ahmad Dar R/o Goripora Awantipora of LeT terror outfit who had later joined Al-Badr, which was later-on corroborated in investigation. Good quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 128/2021 U/S 16, 20 & 23 ULA(P) Act stands registered in P/S Chadoora for further investigation.

In this operation, S/Shri Mir Sajad Bashir, Inspector and Asif Hassan Dar, SgCT of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 07/08/2021.

(File No.11020/1169/11/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 111-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), 1st Bar to PMG and 2nd Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Abdul Jabbar, IPS	Deputy Inspector General	1st BAR TO PMG
2.	Mubashir Rasool	Deputy Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
3.	Ajay Sudan	Police Sub- Inspector	PMG
4.	Muzaffar Ahmad Reshi	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 13.10.2021, a credible input was received by Awantipora Police from DIG SKR- Anantnag regarding the presence of a self styled commander of Jaish-e-Mohammad (JeM) proscribed terrorist outfit in the residential house, who was hatching criminal conspiracy for some terror act in the area. The input was analyzed/corroborated and immediately shared with Commandant 180 Bn CRPF & CO 42 RR Army. After meticulously chalked out a plan taking into consideration all possible hostilities, a joint cordon was laid down by Police Awantipora, CRPF 180 Bn & Army 42 RR at target house in village Telwani Mohalla Wagad Tral at about 1300 hours. The composite party of Army 42 RR, CRPF 180 Bn and Police Awantipora approached the target house by adopting the unconventional treacherous routes maintaining high level of surprise till complete gap free cordon get established. After laying and strengthening the cordon, steps for search of terrorist in the target house was started by the joint team of Police, Army & CRPF under the supervision of DIG SKR-Anantnag. On sensing the movement

forces, the terrorist hiding in the target house started indiscriminate firing upon them so as to break the cordon and get escaped from the cordoned area.

But due to presence of mind, search party quickly took positions and retaliated in self defense, thus foiled the attempt of hiding terrorist to escape from the cordoned area. As such the presence and exact location of the terrorist was confirmed, the cordon was intensified and retaliation was firmly executed by the joint team. Accordingly the 03 teams of Police one led by DIG SKR at Western side, another led by Shri Mohammad Yousif, SSP Awantipora at Northern side and another party led by Shri Mubashir Rasool-SDPO Tral at Eastern side were constituted to occupy the positions close to the target house. As the target house was located in the built up area and there was every apprehension of eruption of law & order problem and in order to thwart any such attempt, the deployment of CRPF / Police Components were strategically made at the points in its surroundings so as to sterile the target house/area from any kind of extrinsic interference which might otherwise could have disrupted to some extent.

Since conducting the operation in broad day light is always full of challenges that too when reports of hiding of top terrorist commander is received, the DIG SKR-Anantnag acted as per the situation on ground, revisited the strategy and tasked Shri Mubashir Rasool-SDPO Tral, to follow his team from two different directions for safe evacuation of civilians from the target house. This was a sensitive and vital stage of the operation to evacuate the civilians who were trapped in the target house and the adjoining houses, as there was every apprehension of the attack from the besieged terrorist. The dare devil task was conducted by Shri Abdul Jabbar alongwith Shri Mubashir Rasool-SDPO Tral, PSI Ajay Sudan and HC Muzaffar Ahmad Reshi amidst the shower of fire from the terrorist. The evacuation of civilians were made possible with the help of covering fire provided by HC Javid Ahmad, SgCt Aqib Ahmad and counter parts of Army/CRPF. After that, hiding terrorist was given an opportunity to lay his arms and surrender through the respectable of the area which he ignored and in turn fired indiscriminately upon the assault parties. The composite assault parties of Police, CRPF & Army, spearheaded by Shri Abdul Jabbar along with Shri Mubashir Rasool-SDPO Tral, PSI Ajay Sudan and HC Muzaffar Ahmad Reshi took cover and fought bravely from the front without caring for their lives and neutralized the said terrorist inside the house. The slain terrorist was later on identified as Shameem Ahmad Sofi of JeM outfit S/o Lt. Gh. Ahmad Sofi R/o Satoora Aripal, Tral. Good quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. To this effect, case FIR No. 127/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 18,20 & 38 ULA(P) Act stands registered in P/S Tral.

In this operation, S/Shri Abdul Jabbar, IPS, Deputy Inspector General, Mubashir Rasool, Deputy Superintendent of Police, Ajay Sudan, Police Sub- Inspector and Muzaffar Ahmad Reshi, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 13/10/2021.

(File No.11020/1171/11/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 112-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the 1st Bar to Police Medal for Gallantry (PMG) and 4th Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Dr. G V Sundeeep Chakravarthy, IPS	Senior Superintendent of Police	4th BAR TO PMG
2.	Manzoor Hussain Peer	Head Constable	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.10.2021, movement of terrorists was traced out in area of Sopat Devsar, Kulgam who were about to carry out some terrorist action. Based on this information, SSP Kulgam, Dr. G.V.Sundeeep Chakravarthy-IPS alongwith his team, 9 RR & 2 PARA team rushed towards Sopat-Devsar area of District Kulgam and established various strategic joint Nakas in and around Sopat Devsar axis taking into consideration all the SOPs of a successful operation. In the meanwhile, one suspicious vehicle was coming towards Sopat general road Naka point and was signaled by joint Naka party to stop. Two terrorists laid with arms/ammunition came down from the said suspicious vehicle and started indiscriminate firing on the joint naka party with the intention to kill joint naka party.

However the two operational parties, one consisting of Dr.G.V.Sundeeep Chakravarthy, SSP Kulgam, HC Manzoor Hussain Peer along with adequate party of district police Kulgam, 9RR and 2 PARA and the 2nd party consists of Shri Azhar Rashid, DySP PC Kulgam, Follower Farooq Ahmad with adequate party of district police Kulgam, 9RR and 2 PARA retaliated

tactfully without caring for their lives neutralized two terrorists without any collateral damage. The operational teams during this fierce face to face gunfight took due care of civilians in and around the gunfight. During this fierce gunfight, the brave officers SSP Kulgam, HC Manzoor Hussain Peer with other police party along with 9RR, 2 PARA team left no chance for terrorists to flee from spot.

The coherence showed by the Police party especially Dr.G.V.Sundeeep Chakravarthy, IPS, SSP Kulgam and, HC Manzoor Hussain Peer played an exemplary role in elimination of 02 dreaded terrorists without caring for their safety and security of personnel lives. The killed terrorists were later on identified as Gulzar Ahmad Reshi LeT S/o Abdul Rehman Reshi R/o Gufbal Kulgam and Imran Nabi Dar TRF S/o Ghulam Nabi Dar R/o Redwani Kulgam. Good quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. For the incident, case FIR No. 65/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16,18,20,38 & 39 ULA (P) Act stands registered in P/S Devsar.

The death of these terrorists was a big jolt to the structural and functional unit of respective banned terror outfits. They were involved in cop killings, bank loot and attacks on police guards and establishments. These two terrorists were also involved in killing of 02 migrant labours at Wanpoh Kulgam with the aim to create communal riots in UT of J&K. Thus their objective was to vitiate peace and create a feeling of chaos among the pro-democratic people, thus injuring and hurting the basic sentinel of democracy.

In this operation, S/Shri Dr. G V Sundeeep Chakravarthy, IPS, Senior Superintendent of Police and Manzoor Hussain Peer, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 20/10/2021.

(File No.11020/1172/11/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 113-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and 1st Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mir Sajad Bashir	Inspector	1st BAR TO PMG
2.	Jahangir Ahmad Dar	SgCT	1st BAR TO PMG
3.	Azad Ahmad Mir	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 06/07.01.2022, a specific input was received by Police Budgam regarding presence of terrorists of proscribed outfit Jaish-e-Mohammad in village Zolwah of police station Chadoora. Accordingly, an operation was planned meticulously with 50 RR, 181 Bn CRPF/D-29 Bn CRPF. At about 2030 hours in the evening, a joint cordon and search operation was launched in the area of village Zolwah Chadoora, Budgam, under the overall supervision of SP Budgam Shri Tahir Saleem Khan after analyzing all aspects of the situation on ground.

As the cordon was being placed at about 2155 hours, hiding terrorists opened indiscriminate firing upon cordon party headed by SP Budgam Shri Tahir Saleem Khan along with DySP (PC) Chadoora Shri Mansoor Ayaz, Inspr. Mir Sajad Bashir, SHO PS Chadoora, HC Tanveer Ahmad, Sgct Jehangir Ahmad Dar and others with an intention to inflict injuries to the cordon and search parties and flee away by breaking the cordon and taking the advantage of darkness. The fire was effectively retaliated by the above cordon/assault party; therefore, terrorists could not break the cordon and were pushed back into the cordoned area.

The cordoned area was further strengthened at about 2230 hours by deploying additional parties headed by Addl. SP Budgam Shri Gawhar Ahmad, Inspector Yasir Rashid, SHO PS Charar-i-sharief, ASI Syed Gh. Rasool, SgctMohd Rafiq, Ct. Azad Ahmad Mir and others. Additional lighting arrangements were put in place so that terrorists could not flee in the darkness and the search was resumed.

All the civilians were evacuated from all the adjoining houses around the target area by the joint search team led by SP Budgam Shri Tahir Saleem Khan without caring for the injuries, exposing themselves to imminent threat and evacuated all the inmates of the houses surrounding the target area. The search resumed immediately at about 2300 hours and at about 0200 hours during intervening night of 06/07.01.2022 and presence of one of the terrorists was established who was hiding himself near one of the sheds in the cordoned area. The hiding terrorist was also given opportunity to lay down arms and surrender, instead, the terrorist fired upon search/assault party which was effectively retaliated by accurate firing at the terrorist by Shri Tahir Saleem Khan, SP Budgam and Sgct Jehangir Ahmad Dar, thereby, killing the hiding terrorist instantaneously.

As the operation/assault party proceeded ahead, movement of two more terrorists near one of the evacuated houses in the cordon/ target area was observed. Again, the announcement was made as opportunity to terrorists to lay down their arms/ammunition, however, the terrorists fired upon the assault party led by SP Budgam Shri Tahir Saleem Khan along with Insp. Mir Sajad Bashir, SHO PS Chadoora, Inspector Yasir Rashid, SHO PS Charar-i-sharief, ASI Syed Gh. Rasool, Ct. Azad Ahmad Mir moved forward in synchronized manner and effectively retaliated with accurate target firing upon hiding terrorists by Shri Tahir Saleem Khan, Insp. Mir Sajad Bashir and Ct. Azad Ahmad Mir, thereby, killing the hiding terrorists instantaneously. The killed terrorists were later identified as JeM Commander Wasim Qadir Mir S/o Ghulam Qadir R/o Shahzadpora Dangerpora Nowgam and 02 FTs namely Naveed @ Waleed Bhai and Abdul Rouf @ Arif Mufti R's/o PoK. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 03/2022 U/S 16, 18, 20 & 38 UI_A(P) Act stands registered in P/S Chadoora for further investigation. The elimination of these terrorists is a major setback to the JeM outfit. The swift and gallant action displayed by the Police and SFs has averted a major/disastrous tragedy which could have been caused by the terrorists.

In this operation, S/Shri Mir Sajad Bashir, Inspector, Jahangir Ahmad Dar, SgCT and Azad Ahmad Mir, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 06/01/2022.

(File No.11020/1174/11/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 114-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Akhil Sharma	SgCT	PMG
2.	Sajad Ahmad Dar	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 02.07.2021, SSP Pulwama received specific information about the presence of some armed terrorists in village Hanjan Payeen, Rajpora who were planning strategy for carrying out a big terrorist action in Rajpora-Shadimarg area. SSP Pulwama developed the input with his concerned officers and discussed about the vulnerability and terrain of suspected area, the input was further shared with 44 RR and 182/183 Bn CRPF and it was decided to launch a joint CASO of target area of Village Rahjah Payeen. Accordingly, joint teams of Police Pulwama, 44 RR and 182/183 Bn CRPF under the Command of SSP Pulwama rushed to village Hanjan Payeen. On reaching the target location, joint CASO was launched by the parties and all entry/exit points, pathways were strictly plugged off. Thereafter, a Police/SF team including SgCt Akhil Sharma and SgCt Sajad Ahmad Dar headed by Addl. SP Tanweer Ahmad Dar was constituted and asked to conduct searches of the target area. As soon as the joint search team started entering into the residential house of said village, the terrorists hiding in it opened indiscriminate fire upon the searching parties which has resulted bullet injuries to two Army men who were immediately evacuated to Army Hospital Srinagar for treatment where one of the injured Army Jawan later on succumbed to his injuries. The search party immediately took cover and retaliated the terrorist fire with dedication which compelled the terrorists to turn in defensive.

As the operation broke out in the area covered with thickly apple orchards that too during night hours, there was apprehension of civilian casualty. In order to avoid any civilian causality, SSP Pulwama has constituted a joint Police/SF parties with the aim to evacuate civilians who were trapped in cordoned area. As per the directions, constituted team evacuated all civilians to safer places successfully without any collateral damage. After successful evacuation of civilians from target area, the cordon has been further strengthened and all possible escaping routes were plugged off tightly. Since there was apprehension of loss to our own people due to darkness as such the operation was suspended till next day morning and Power generators were put on to illuminates the area.

On 2nd July 2021, SSP Pulwama made an announcement through PA system and locals to surrender before the forces which they denied and continued indiscriminate firing upon the deployed forces.

In order to neutralize the holed-up terrorists, SSP Pulwama has constituted 04 joint teams comprising Police, CRPF and Army and put them under the charge of Police Gazetted/ Non- Gazetted Officers. The 1st team headed by Addl. SP Tanweer Ahmad Dar has been asked to take position in Northern Side of the target house, the 2nd team headed by

Inspector Basharat Ali has been asked to take position on Eastern side, while as the 3rd team headed by ASI Swam Singh and 4th team headed by ASI Shair Zaman Khan have been directed to took positions in Southern and Western areas of the target house respectively.

All the four joint teams took positions as per the directions of Operational Commander SSP Pulwama. After taking stock of the situation, SSP Pulwama once again provided an opportunity to holedup terrorists through respectable persons to surrender which they denied and continued indiscriminate firing upon the parties and tried to escape from Northern side of the target house. The joint parties headed by Addl.SP Tanweer Ahmad Dar immediately came into action and retaliated bravely from the front which has resulted elimination of 02 terrorists. The other 03 terrorists returned in tremendous confusion and tried to escape from other directions. However, the joint parties positioned in area under the command of Inspector Basharat Ali swiftly came into action and retaliated the terrorist fire bravely from the front and without caring for their precious lives and succeeded in neutralizing the remaining 03 terrorists. After stopping of firing from both sides, 05 dead bodies of terrorists and arms/ammunition were also recovered from the encounter site. The killed terrorists of LeT outfit were lateron identified as Abu Rehan @ Tawheed R/o Pakistan, Nishan Hussain Lone @ Umer Khitab S/o Manzoor Ahmad R/o Nigeenpora Tral, Danish Manzoor Shiekh S/o Manzoor Ahmad R/o Sathergund Kakapora, Amir Wagay S/o Ab Gani Wagay R/o Hanjan Payeen, Manzoor Lone S/o Gh Mohd Lone R/o Tulail Guraz A/P Kangan Ganderbal. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. In this connection, case FIR No. 99/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 18, 19 & 20 ULA(P) Act stands registered in P/S Rajpora.

In this operation, S/Shri Akhil Sharma, SgCT and Sajad Ahmad Dar, SgCT of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 02/07/2021.

(File No.11020/28/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 115-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and 1st Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Saqib Ghani	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2.	Rahul Pandita	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 14.12.2021 at 2300 hours, SSP Pulwama Shri Gh. Jeelani Wani received specific and credible information about the presence of terrorists in Village Uzrampathri, Pulwama who were planning for carrying out subversive activities in Lassipora / Hawal areas where Army/CRPF Camps are situated. The information was developed with Addl. SP Pulwama and Dy SP(Ops) Pulwama and after thorough discussion about terrain and other aspects of the target area, the input was further developed with 44 RR and 182/183 Bn CRPF and it was decided to launch a joint CASO of target area of Village. Accordingly, joint teams of Police Pulwama, 44 RR and 182/183 Bn CRPF under the Command of SSP rushed to Village Uzrampathri for launching the operation. On reaching Village Uzrampathri, a joint CASO of target location was launched by the parties and all entry/exit points, path ways including lanes/by-lanes were plugged off strictly. After strengthening the cordon, a team of PC Pulwama headed Dy SP Saqib Ghani assisted with HC Rahul Pandit and others longwith components of 44 RR and 182/183 Bn CRPF was asked to went for search of target place and another team alongwith components of 44 RR and 182/183 Bn CRPF was formed to augment and provide cover to above said search party. As soon as the search party approached the suspected, the terrorists hiding in the said house opened heavy volume of fire indiscriminately towards the search party so as to break the cordon to escape from the spot. Upon this, Dy SP Saqib Ghani without losing the concentration, gripped over his party swiftly, came into action and retaliated with dedication which forced the terrorists to turn defensive. The 2nd Police/SF party available at the site immediately rushed to the spot for assistance of initial search party retaliated the terrorist fire with courage and did not provide any escaping chance to the terrorists.

Since the operation broke out during night hours, there was apprehension of civilian casualty due to darkness and as such SSP Pulwama directed the heads of joint Police/SF parties to ensure safe evacuation of the civilians trapped in the cordoned area. As per the directions of Operational Commander all the civilians were shifted to safer places successfully without any collateral damage. After successful evacuation of the civilians from the target area, the cordon has been further strengthened and all possible escaping routes were plugged off strongly. While reviewing the situation and enquiry from the house owner,

SSP Pulwama came to know that only one hardcore terrorist is available in the suspected/target house. Before proceeding further, the holed-up terrorist was offered to surrender which he denied and continued indiscriminate firing upon the deployed forces and made several attempts to escape from the cordoned area but could not succeed.

In order to neutralize the holed-up terrorist, SSP Pulwama directed the joint parties to take positions properly and retaliate the terrorist fire firmly. As per the directions, a Police party headed by DySP(Ops) Pulwama Shri Saqib Ghani assisted by HC Rahul Pandita and others and another party along with RR/CRPF Components immediately took positions at appropriate places around the target house and retaliated bravely from the front without caring for their lives and neutralized the holedup terrorist, who later on identified as Feroz Ahmad Dar @ Rizwan (Category A+ of HM outfit) S/o Ab. Rehman Dar R/o Heff Shirmal Shopian. Good quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. To this effect, case FIR No. 337/2021 U/S 307 IPC, 16, 19, 20, 23 & 39 ULA(P) Act stands registered in P/S Pulwama.

The killing of above mentioned hardcore terrorist of HM outfit was great achievements for Police/security forces and relief for general public and on the other hand is great setback to proscribed HM terrorist outfit.

In this operation, S/Shri Saqib Ghani, Deputy Superintendent of Police and Rahul Pandita, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 14/12/2021.

(File No.11020/30/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 116-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Farooq Ahmad Shah	Head Constable	PMG
2.	Mohd Amin Lone	SgCT	PMG
3.	Javid Ahmad	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 05.05.2021 based upon a specific intelligence input regarding the presence of terrorists in village Kanigam, Shopian, Police Shopian in collaboration with 44RR and 178 BN CRPF under the close supervision of Shri Amritpal Singh, IPS, SSP Shopian launched a cordon & search operation of said village. During the search operation, it was ascertained that terrorists were hiding in village Kanigam, Shopian. On this, a joint team of Police / RR / CRPF led by Sh. Syed Majeed Mosvi, Dy SP PC Keller was constituted to evacuate the civilians busy in farming in the fields adjacent to the target to the safer places to avert the collateral damage. The team in few attempts under the cover fire provided by other team which was led by Dy SP Rashad Akbar Makai Shopian succeeded in complete evacuation of civilians. After evacuation, the target was further zeroed and terrorists hiding in the area were asked to surrender, but they fired indiscriminately upon the cordon parties in which Dy SP Mohd Ashrif PC Imamsahib, HC Farooq Ahmad, Sgct. Mohd Amin, Ct. Javid Ahmad, HC Ayaz Ahmad, Sgct. Karan Singh, Ct. Sheeraz Ahmad alongwith others had narrow escape. The advance operational team retaliated the fire effectively, which triggered a face to face fire-fight. The joint team of Poince/RR/CRPF remained on forefront while fighting with the holed up terrorists. Sensing noose around their neck, holed up terrorists came out from the hide showering bullets. However, the joint team led by Dy SP Raiz Ahmad PC Zainapora exhibiting extra ordinary courage and bravery remained determinant and face to face gun battle inflicted heavy fire on the terrorists and gunned down three hardcore terrorists of LeT outfit, who later identified Umar Hassan Bhat S/o Ghulam Hassan Bhat, Danish Sabzar Mir S/o Sabzar Ahmad Mir and Zahid Ahmad Reshi S/o Bashir Ahmad Reshi all R/o Reban Khajapora Zainapora Shopian and arrested namely Tawseef Ahmad Thoker S/o Mohammad Yousuf Thoker R/o Reban Khajapora Zainapora alongwith huge quantity of arms/ammunition. The slain terrorists were involved in various terror related activities. In this connection, a case FIR 25/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act, 16, 20 ULA (P) Act stands registered in P/S Imamsahib and investigation is going on. The elimination / arrest of hardcore terrorists of proscribed LeT/AI-Badr outfit was a great achievement for J&K Police and on the other hand a big jolt to the said terrorist outfits. It is assessed that with the elimination/arrest of terrorists, considerable improvement in overall situation is expected.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by HC Farooq Ahmad, Sgct. Mohd Amin, Ct. Javid Ahmad, who fought with terrorist efficiently and intelligently without caring their precious lives was remarkable as

the endeavour to reach the target in extremely hostile situation was truly gallant. These officers and officials of Shopian Police under the overall command SSP Shopian without losing their concentration and in good application of mind fought bravely and foiled the nefarious design of dreaded terrorists.

In this operation, S/Shri Farooq Ahmad Shah, Head Constable, Mohd Amin Lone, SgCT and Javid Ahmad, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 05/05/2021.

(File No.11020/31/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 117-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), 1st Bar to PMG and 3rd Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Ghulam Jeelani Wani	Senior Superintendent of Police	3rd BAR TO PMG
2.	Ishtiyak Latif Qureshi	Sub- Inspector	1st BAR TO PMG
3.	Arshid Ahmad	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 01.12.2021 at about 0015 hours, SSP Pulwama Ghulam Jeelani Wani, received specific input about the presence of some dreaded terrorists in village Qasbayar of P/S Rajpora who were planning to strike on Police/Security Force establishments and deployments in Rajpora belt. On this, SSP Pulwama shared the information with Addl. SP Pulwama Tanweer Ahmad, DySP Ops Pulwama Saqib Ghani and after thorough discussion about the topography and vulnerability of the area, the input was further developed with 44 RR and 182/183 Bns of CRPF and it was decided to launch a CASO of the target area. Thereafter, a Police party headed by Addl. SP Pulwama and under the close Supervision of SSP Pulwama along with ORT'S of 44 RR & 182/183 Bns CRPF rushed towards Village Qasbayar and cordoned off the area strongly and plugged off all lanes, by-lanes and path ways at 0100 hours. After laying the cordon around the target area, a dedicated Police party including SI Ishtiyak Latif Qureshi, HC Arshid Ahmad and Components of 44 RR & 182/183 Bns CRPF was constituted and deputed for conducting searches under the close supervision/control of SSP Pulwama. Another dedicated joint party of 44 RR, 182/183 Bn CRPF and Police Pulwama has been constituted and asked to remain deployed in inner cordon to provide cover to the initial search party. As soon as the search party was about to enter in the suspected house, the terrorists hiding there fired indiscriminately upon the search party with the intention to kill them and to flee from the cordoned area in which the above mentioned search party as well as the Operational Commander SSP Pulwama had a narrow escape. But the search party showed maximum restrain and in order to avoid any collateral damage withheld the retaliated fire power.

SSP Pulwama along with his party came out of the danger spot swiftly and took position from the orchard side considered to be most vulnerable and briefed the other parties to remain extra alert. In order to avoid civilian casualties, SSP Pulwama directed for immediate evacuation of civilians particularly families living in the target houses to safer places. Once all the civilians were evacuated to safe location, the besieged terrorists were asked to lay down their arms before the forces but they denied and continued firing upon the troops and came out from the target house aimed to escape towards the inhabited area with the support of civilian population but deployment of a joint party in this side compelled them to took shelter in a cow shed located near the orchard area. However, the joint SF/ Police headed by SSP Pulwama along with his buddy SI Ishtiyak Latif Qureshi, HC Arshid Ahmad & others and Components of 44 RR & 182/183 Bns CRPF immediately came into action and retaliated the terrorist fire with great courage and dedication from the front without caring for their precious lives and gunned down two terrorists of JeM Outfit near the Cow shed and also recovered arms/ammunition near the dead bodies of slain terrorists. The killing of above mentioned hardcore terrorists of JeM on one hand was great achievements for Police/security forces and relief for general public and on other hand is great setback to prescribed JeM terrorist outfit.

As soon as the news about the elimination of terrorist Commanders spread in the area, an unruly mob from the village and neighbouring villages gathered around the encounter site and started stone pelting upon the troops. However, the joint law & order QRTs of Police/CRPF deployed for the purpose tackled the situation effectively and professionally without any collateral damage. The identification of slain terrorists later on identified as Furqan @ Ali Bhai (A- category) R/o Pakistan and Yasin Ahmad Parray @ Muzamil (A-category) S/o Gh. Mohammad R/o QasbaYar P/S Rajpora Pulwama. Good quantity of arms/ ammunition was recovered from the possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 221/2021 U/S 307 IPC 7/27 I.A.Act, & 16, 18, 19, 20 ULA(P) Act stands registered in Police Station Rajpora for further investigation.

In this operation, S/Shri Ghulam Jeelani Wani, Senior Superintendent of Police, Ishtiyak Latif Qureshi, Sub- Inspector and Arshid Ahmad, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 01/12/2021.

(File No.11020/35/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 118-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and 1st Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Syed-Al-Tahir Gilani	Superintendent of Police	PMG
2.	Faroz Ahmad Dar	Assistant Sub- Inspector	1st BAR TO PMG
3.	Fayaz Ahmad	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15.10.2021, Police Srinagar received information through reliable sources to the effect that movement of some terrorists carrying arms/ammunition has been noticed in Hamdaniya Colony Bemina Srinagar under the jurisdiction of P/S Parimpora. Immediately, acting upon the tip-off, a police party of District Srinagar headed by Shri Syed Al-Tahir Gillani, SP West Zone Srinagar and under the overall supervision of Shri Sandeep Chaudhary, SSP Srinagar rushed to the area and conducted intensified searches in the said area and eventually succeeded in the zeroing the location where the terrorists were hiding.

SSP Sandeep, IPS, constituted two small operational parties.

1st party includes Shri Syed Al-Tahir Gilani, SP West Zone Srinagar, ASI Faroz Ahmad Dar & others and a small ORT of PC Srinagar. 2nd party which includes DySP Shahijahan Choudhary SDPO West Srinagar, SgCt. Fayaz Ahmad and others.

As per the plan, then 1st party was tasked to lay the cordon of the target area from North-West and South-West side while as the second party was tasked to lay the cordon of the target area from North-East and South-East side of the area in which the terrorist was hiding. In the first instance, the hidden terrorist was offered to surrender to which he didn't respond and instead opened fire on the operational parties. The operational parties, having taken all precautions, started to approach the target location. However, as the search parties reached near the area where the terrorist was hiding, they came under heavy fire from the spotted terrorist who had taken position at Hamdaniya Colony Bernina. The holed-up militant fired towards the advancing parties during the operational parties had miraculous escape. In a tactical move, the operational party withdrew only to target the area from the other side and the operational parties approached the terrorist from all sides and plugged all the lanes. On this stage, SSP Sandeep Chaudhary, IPS, who was leading the 1st party along with his team reached near to the target area. This prompted the terrorist to left the spot amid indiscriminate firing in an attempt to break the cordon and run away. But the operational parties without losing the sense of view targeted the terrorist and retaliated the fire effectively without caring for their personal lives and neutralized 01 terrorist. It is pertinent to mention that despite being targeted and heavy fired upon by terrorist, the search party evacuated many civilians from the area without caring for their own lives. Such act on their part ensured that no civilian causality took place and the operation culminated without any collateral damage.

Later on, the identification of the neutralized terrorist was revealed as "Tanzeel Nabi Sofi (A-category of LeT/TRF outfit) S/o Ghulam Nabi Sofi R/o Zaindar Mohalla, Habbakadal Srinagar. Arms/ammunition was recovered from the possession of slain terrorist. To this effect, case FIR No. 314/2021 U/S 307 IRC 7/27 I.A. Act stands registered in Police Station Parimpora for further investigation. The eliminated terrorist was also involved in a number of terrorist related incidents/activities in South/Central Kashmir. He was planning for 'Fidayeen attacks' in Srinagar city and attacks on forces convoys on NHW stretch in Srinagar. Besides, he had also directions from his mentors across to the LOC for carrying out terrorist activities including threatening to police-friendly people/political activists, grenade attacks for collateral damage and to create panic and terror among the peace-loving people.

In this operation, S/Shri Syed-Al-Tahir Gilani, Superintendent of Police, Faroz Ahmad Dar, Assistant Sub- Inspector and Fayaz Ahmad, SgCT of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 15/10/2021.

(File No.11020/40/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 119-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), 1st Bar to PMG and 2nd Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Zahoor Ahmad Wani	Inspector	2nd BAR TO PMG
2.	Aashiq Hussain Magray	Sub- Inspector	PMG
3.	Ghulam Nabi	Head Constable	1st BAR TO PMG
4.	Peer Sajad Ahmad Shah	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23.07.2021, a credible input was generated from human/technical resources about the presence of heavy armed group of terrorists in forest area of Shokbaba, Sumlar, Bandipora. On getting the information, a joint cordon and search operation was launched by Police Bandipora; Army 13/14 RR and CRPF 3rd Bn. The area, in general being dense forest with huge bushes and trees, was providing a natural cover to the hidden terrorists. As planned, initial cordon parties comprising of Sh Mohd Zaid SSP Bandipora assisted by SI Ashiq Hussain Magray, HC Mohd Ashraf and HC Peer Sajad Ahmad Shah and second operational team under the command of Dr. Mohd Idrees Wani DySP Hqr's Bandipora assisted by Inspector Zahoor Ahmad Wani, HC Ghulam Nabi and HC Mohammad Yousuf along with Army/CRPF components moved towards the target area by crawling, adopting the field tactics using big trees and other objects as shield and reached closer to the suspected area and laid initial cordon. The presence of terrorists inside the cordon was ascertained. Thus, all operational parties were alerted and the cordon/cut-off points were tightened so that terrorists remain trapped inside it. Terrorists, on sensing the movement of cordon parties, took shelter in a middle of the dense forest. At about 0645 hrs, the terrorists fired upon the cordon party in a bid to escape from the spot and contact, was established. After securing the cordon site, the announcements were made repeatedly through which terrorists were asked to surrender. But instead of surrender, the terrorists opened indiscriminate fire upon the joint parties deployed in inner cordon. The joint parties retaliated with counter fire by taking due precaution to cause minimum collateral damage. There was continuous firing from terrorist side as they were well positioned and feeling themselves secured in the dense forest. However, they remained committed and retaliated the fire which did not allow the terrorists to execute their nefarious design.

Since the terrorist were hiding in a dense forest with huge bushes and trees that was providing a natural cover to the hidden terrorists. Accordingly, Mohd Zaid, SSP Bandipora directed second operational team under the command of DySP Mohd Idrees Wani assisted by Inspector Zahoor Ahmad Wani, HC Ghulam Nabi and HC Mohammad Yousuf to approach right side of the forest and take safer positions and also keep eagle eye on the movements of trapped terrorists. Thereafter, SSP Bandipora assisted by SI Ashiq Hussain Magray, HC Mohd Ashraf and HC Peer Sajad Ahmad Shah approached from the front side and started search. During search, they sensed the presence/movement of terrorists, without wasting time they moved swiftly stormed the volley of fire towards the terrorists which resulted in the elimination of 02 terrorists while as another terrorist tried to flee from the spot, while running off the said terrorist hurled hand grenade and fired constantly, however, DySP Hqr's Bandipora assisted by Inspector Zahoor Ahmad Wani, HC Ghulam Nabi and HC Mohammad Yousuf, who were positioned at the back side of the target area did not give up and without caring for their own lives remained committed, fired upon the terrorist and gunned him down.

The slain terrorists were later on identified as Taaha @ Shakir R/o Pak, Shakir Altaf Bhat S/o Altaf Ahmad Bhat R/o Plan-Bandipora, besides identity of 3rd foreign LeT terrorist has not been established. Good amount of arms/ammunitions were recovered from the possession of slain terrorists. A case FIR No. 127/2021 U/S 307 IPC, 7/27 I.A.Act stands registered in P/S Bandipora.

The professionalism coupled with outstanding courage demonstrated by Zahoor Ahmad Wani, Inspector, Aashiq Hussain Magray, Sub- Inspector, Ghulam Nabi, Head Constable and Peer Sajad Ahmad Shah, Head Constable, who fought terrorists efficiently and intelligently put themselves in great risk was remarkable as the endeavor to reach the target in extremely hostile situation was truly gallant. Although the terrorists tried their best to cause damage to the forces by resorting to indiscriminate firing in which all they had a very narrow escape. However, they without losing their concentration and good

application of mind fought bravely and foiled their nefarious designs, complete of the mission in safe manner on the operation site without causing major collateral damage have remained the key feature of this operation.

In this operation, S/Shri Zahoor Ahmad Wani, Inspector, Aashiq Hussain Magray, Sub-Inspector, Ghulam Nabi, Head Constable and Peer Sajad Ahmad Shah, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 23/07/2021.

(File No-11020/44/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 120-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), 1st Bar to PMG and 2nd Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Gh. Hassan Shiekh	Deputy Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2.	ShiekMunzoor Ahmad	Inspector	1st BAR TO PMG
3.	Aadil Ahmad Mir	Constable	PMG
4.	Mohammed Ajaz Khan	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29.12.2018 at about 0250 hours, specific information was received by SSP Pulwama about the presence of terrorists at village HanjanPayeen of District Pulwama. Accordingly, SSP Pulwama informed Addl. SP Pulwama, SDPO Litter, DySP OPS Pulwama and DYSP HQRS Pulwama. The said information was further shared by SDPO Litter to 44 RR, 182/183 Bn CRPF and it was decided to lay a joint cordon at the target place. Afterwards, Addl SP Pulwama Shri Anwar-UI-Haq, SDPO Litter Shri Ghulam Hassan, DySP OPS Pulwama Shri Zaheer Abbas Jafari, along with SOG party from Police Camp Pulwama and Police Camp Lassipora headed by incharge Police Camp Lassipora SI Vikram Kundal, party of 44 RR and 182/183 Bn of CRPF left towards village HanjanPayeen in order to cordon the target. Further, SHO P/S Rajpora Insp Shiek Manzoor Ahmad was also informed to reach with his party at the target location. On reaching at the target location, a joint cordon of Police Pulwama under the supervision of Addl. SP Pulwama Shri Anwar-UI-Haq was laid.

Despite having specific knowledge about the target house, it was presumed that terrorists may have shifted their location from target one to the adjoining houses as the target house was surrounded by many other houses. While maintaining the grip over target house, on the directions of Addl. SP Pulwama, a team of officers and officials was constituted to search the other houses which was led by DySP Gh. Hassan Shiekh assisted by SHO Rajpora Insp. Manzoor Ahmad, Ct Adil Ahmad Mir & others. Before, the search for the terrorists in the adjoining houses was started, the families residing in the houses were shifted to the safer places so as to avoid any civilian casualty. When no traces of terrorists were found in the adjoining houses, SDPO Litter assisted by police party moved towards the target house which was already in cordon. While searching inside the target house, terrorists on seeing the approaching Police party started indiscriminate firing on the troops. SDPO Litter Shri Ghulam Hassan and his party had a narrow escape in the incident but kept their cool and retaliated. As, the presence of terrorist got confirmed, the search party was called off from the house and then, upon the directions of Addl. SP Pulwama, cordon was intensified. Further, 04 teams were constituted to execute the retaliation of fire, one led by SDPO Litter Shri Ghulam Hassan & police party along with counterparts of Army and CRPF who cordoned the house to retaliate the fire from southern side. Another party was led by Insp. Manzoor Ahmad to retaliate the fire from Eastern side. Another, being led by SI Vikram Kundal to retaliate the fire from Northern side. One more party led by DySP HQRS Pulwama Shri Farooq Ahmad to retaliate the fire from western side.

As the operation started during night time, all measures were taken to avoid any failure, search/street lights were installed to illuminate the target area and concertina wire was also placed around the target house to stop any movement towards the target house. After that, the terrorists were given an opportunity to lay down their arms/ammunition before the Police/security forces present there, but in response, they ignored and kept on firing indiscriminately upon the troops. Several civilians got stuck in the field nearby, SI Vikram Kundal along with his party without caring for their life evacuated all those civilians safely. It is pertinent to mention here that during the encounter many women assembled near the encounter site and started raising pro freedom slogans besides pelting stones on security forces. L/SPO Heena Akhther, and L/SPO Afroza Akhther handled the situation professionally and motivated the women to stay far from the operational site so as to avoid any casualty.

Moreover, the evacuating the women during the operation was also done with the help of L/SPO Heena Akhhter and L/SPO Afroza Akhter.

The police party, without caring for their lives remained alert at the point of death and kept their mind cool and present, tackling such a crucial situation bravely. During the fierce gun battle, two holed up terrorists tried to run away from northern side with continuous firing over the troops present there in which SI Vikram Kundal and his party had a narrow escape. But, due to the presence of mind and gallant action shown by the joint search party of Police Pulwama/Army/CRPF who retaliated at the appropriate time resulting in the elimination of four terrorists namely Saad Bhai @ Khalil R/o Pakistan Cat "B", Waseem Akram Wani S/o Mohammad Akram Wani R/o Tiken Batpora Cat "B", Muzamil Nabi Dar S/o Ghulam Nabi Dar R/o Rohmoo Pulwama Cat "C" and Muzamil Nazir Bhat S/o Nazir Ahmad Bhat R/o Prichoo Pulwama Cat "C". Large number of arms/ammunition was recovered from the possession of the slain terrorists for which Case FIR No. 117/2018 U/S 307, 7/27 I. A. Act stands registered in Police Station Rajpora.

It is pertinent to mention here that all the terrorists named above were instrumental in threatening Police personnel/SPOs of District Pulwama to resign from their job. The death of above named terrorists is a huge setback to terrorist cadres especially for JeM outfit and is a great relief for security forces/civilians in Kashmir province particularly in South Kashmir.

In this operation, S/Shri Gh. Hassan Shiekh, Deputy Superintendent of Police, ShiekMunzoor Ahmad, Inspector, Aadil Ahmad Mir, Constable and Mohammed Ajaz Khan, Constable of J&K Policedisplayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 29/12/2018.

(File No.11020/143/2020 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 121-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and 1st Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

Sl. No.	Name of the Awardees S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mohmad Irfan Ahanger	SgCT	1st BAR TO PMG
2.	Sadam Hussain Shah	SgCT	1st BAR TO PMG
3.	Bilal Ahmad Dar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 05.03.2019, a credible input was received by Awantipora Police about the presence of two local terrorists in the residential house in Reshi-Mohalla Tral. The operation was planned and cordon was established around said house with the assistance of 42-RR and 180 Bn CRPF.

Immediately, a joint search party was constituted. To prevent the escape of hiding terrorists, the targeted house was closely cordoned off by search party. The hiding terrorists were asked to surrender and also to allow the owner of the house along with the family members to come out from the house which they declined. It was planned to evacuate the owner/family members who were trapped inside the targeted house. The joint search party comprising SSP Awantipora alongwith his assault team meticulously entered the premises of house under cover fire of cordon party and successfully opened door of room wherein family members were trapped. All the family members ran out of the house under cover of search party who on one hand engaged the terrorists in firing and on the other took the family members safely out of the encounter site.

Immediately, after evacuation of civilians, the joint search party moved meticulously towards the hiding terrorists. While noticing the movement of search party, the terrorists fired indiscriminately towards them. But without caring for their lives, the joint search party moved forward/retaliated and put effective fire on the terrorists resulting in injuries to both the terrorists. Meanwhile the terrorists lobbed a couple of grenades towards joint search party but fortunately the grenades exploded without causing any damage to the joint search party. Then, again the terrorists fired some gun shots towards joint search party in order to escape from the spot. Immediately, the movement of the terrorist was noticed by the joint search party and with prompt action and accurate fire killed both the terrorist resulting in the culmination of the operation. The eliminated terrorists were later- on identified as Adfar Fayaz Parray S/o Fayaz Ahmad Parray R/o Gulshanpora Tral and Irfan Ahmad Rather S/o Gh Hassan Rather R/o Shariefabad Tral. Both the terrorists were affiliated with HM outfit. Huge quantity of arms/ammunition was recovered from the possession of the slain terrorists, in this regard, case FIR No.15/2019 U/S 307 RPC, 7/2.7 A. Act stands registered in Police Station Tral for further investigation.

During this operation SgCt Mohmad Irfan, SgCt Saddam Hussain & Ct Bilal Ahmad played a commendable role as the said officials proceeded meticulously without carrying for their life towards the target.

In this operation, S/Shri Mohmad Irfan Ahanger, SgCT, Saddam Hussain Shah, SgCT and Bilal Ahmad Dar, Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 05/03/2019.

(File No.11020/1143/11/2022-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 122-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), 2nd Bar to PMG and 4th Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Jammu & Kashmir:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Vijay Kumar, IPS	Inspector General of Police	2nd BAR TO PMG
2.	Sajjad Ahmad Shah	Superintendent of Police	4th BAR TO PMG
3.	Basharat Rasool Shah	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Pakistan based terror handlers always try to foment trouble and spread reign of terror through sponsored and radicalized terrorists in Kashmir Valley especially in Srinagar City. Since beginning of current year 2021, terrorists had been targeting innocent civilians, unarmed policemen and outside labourers in Srinagar city to show their presence to discourage flow of tourists and media attention.

On 23.08.2021, IGP Kashmir generated specific input regarding presence of dreaded terrorists Abass Sheikh, Chief of LeT/TRF and his deputy in Allochibagh area of Srinagar city. It was also learnt that both the terrorists were again planning for target killings. Immediately, IGP Kashmir called DIG Shri Amit Kumar, SSP Shri Sandeep Choudhary and SP Operations Shri Sajjad Ahmad Shah, discussed the input, planned operation and formed 3 teams. In first, a small covert team headed by SP Operation was deputed near location of terrorists. Once input was corroborated by the covert team, second team headed by DIG and SSP blocked all link roads and laid cut-off points in outer cordon. Simultaneously, an assault team headed by IGP Kashmir reached closest to target location in a B.P. Command vehicle and encircled both terrorists with the assistance of cover team quickly. After seeing police, both terrorists started indiscriminate firing upon police party with pistols. Undeterred by the heavy volley of fire and without caring for life and safety, IGP Kashmir Shri Vijay Kumar, SP Operation Shri Sajjad Ahmad Shah and HC Basharat Rasool Shah advanced towards terrorists and charged on terrorists, displayed vigour and valour and neutralized both dreaded terrorists in a fierce gun battle in open fields. The killed terrorists were identified as LeT/TRF Chief Mohammad Abass Sheikh S/o Ghulam Hassan Sheikh R/o Rampora Qaimoh Kulgam and his deputy Saqib Manzoor Dar S/o Manzoor Ahmad Dar R/o Old Barzullah Srinagar. The recoveries made during encounter include Pistols-02 No's, Pistol Mags - 02 No's, and Pistol live rds-04 No's.

Abass Sheikh was earlier a terrorist of HM outfit. After killing of HM Chief Reyaz Naikoo in an encounter in May 2020, Saifullah Mir @ Dr. Saifullah was appointed as HM Chief. Then, Abass Sheikh left HM outfit, joined LeT/TRF and shifted his base from Kulgam South Kashmir to Srinagar city on the instructions of LeT/TRF handler Sajjad Gul who had been operating from PoK. After shifting his base to Srinagar City, Abass Sheikh first recruited Saqib Manzoor Dar of Srinagar city in terror ranks in September 2020 and started "targeted killings" of unarmed policemen, civilians and outside labourers in Srinagar city. Besides, Abass Sheikh had recruited half a dozen local youth of Srinagar city into terror rank. TRF's top commander Mehran who was recruited by Abass Sheikh was responsible for maximum civilian killings in October 2021 in Srinagar city. In this regard, case FIR No. 73/2021, U/S 7/25, 7/27 Arms Act and 307 IPS stands registered in P/S Sherghari, Srinagar for further investigation.

In this operation, S/Shri Vijay Kumar, IPS, Inspector General of Police, Sajjad Ahmad Shah, Superintendent of Police and Basharat Rasool Shah, Head Constable of J&K Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 23/08/2021.

(File No.11020/1170/11/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 123-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jharkhand :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Jitendra Kumar	Assistant Sub Inspector	PMG
2.	Sudhir Kumar	Assistant Sub Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Input was received that a group of CPI (Maoist) moving in the area of Korangel, Dakuditoli, Chirung, Simko, Berha Lumin and its adjoining area, under police station Rania/Gudri, Dist.-Khunti/West Singhbhum, Jharkhand. As per above information, an Inter Battalion Ops (60,94,174 BN) ("B" Level) planned and launched by 94 Bn, in which F/94 Bn a/w District Armed police wef 03/04/2020 to 04/04/2020. During the search on morning of 04/04/2020, an encounter took place between the troops of F/94 Bn CRPF accompanied by ASI Jitendra Kumar from Anandpur PS and ASI Sudhir Kumar from Rania PS and CPI (Maoist), Reda Tola of Chrung village under PS-Gudri, Jharkhand.

During search operations launched after encounter, three CPI (Maoist) armed cadres were found dead and recovered Rifles-03 Nos, Live ammunitions 464 Nos, Magazine 03 Nos, Cane Bomb 02 nos, Arrow Bomb 09 nos, Wireless Walkie-Talkie 03 nos and other items from encounter site.

In this operation, S/Shri Jitendra Kumar, Assistant Sub Inspector and Sudhir Kumar, Assistant Sub Inspector of Jharkhand Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 04/04/2020.

(File No.11020/1226/12/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 124-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jharkhand:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Shailendra Kumar Singh	Sub Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 19th June 2019 in the evening, an intelligence was received from SP, Simdega regarding presence of some most fierce and notorious leaders and active members of banned P.L.F.I. Group in the area of Urmu Forest in Girda village of Bano Police station. Based on this input, Sub Inspector Shailendra Kumar Singh formed an assault team with CRPF coy for the operation. At about 18:45 hrs, when assault team reached near forest area of Urmu, the PLFI members on seeing security forces approaching towards them took position behind trees and started firing with automatic weapons on raiding police party, in which the commanding officer, Sub Inspector Shailendra Kumar Singh along with CRPF-94 coy were present immediately. Sub Inspector Shailendra Kumar Singh ordered his men to take position and challenged the PLFI members to stop firing and surrender themselves to the police party. Regardless of this call, the extremist continued firing on the police party. Having no option, the Police party started firing in self defence and a fierce encounter started.

Meanwhile, Sub Inspector Shailendra Kumar Singh using ground tactics crawled toward left from his position and took position against the PLFI Group from the left flank. In doing this, he risked his life but continued firing on them. On seeing the attack from other side, the PLFI Group resorted to indiscriminate firing on the police party led by Sub Inspector Shailendra Kumar Singh, which was advancing from the left. With his exemplary leadership and courage, Sub Inspector Shailendra Kumar Singh engaged himself in one to one exchange of fire with PLFI members, which lasted for 20-25 minutes.

Eventually, firing receded from the side of PLFIs. A search operation was carried out by police party in which one dead body along with arms and ammunitions as well as logistic support items were recovered. The dead body was identified as Area Commander PLFI Group, BagraitChampia.

Notably, the Party Commander, Sub Inspector Shailendra Kumar Singh and his police team led to the elimination of Area Commander, BagraitChampia of PLFI Group, who was rewardee of Two Lakh from Jharkhand Government and mastermind of many barbaric acts in the area.

In this operation, Shri Shailendra Kumar Singh, Sub Inspector of Jharkhand Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 19/06/2019.

(File No.11020/56/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 125-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Jharkhand:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Manoj Kumar	Inspector	PMG
2.	Kundan Kumar	Sub Inspector	PMG
3.	Nitesh Kumar Singh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The intelligence input was received from reliable intelligence resources about movement of wanted Regional Commander of the CPI Maoist organization Budheshwar Oraon along with his squad namely Ranthu Oraon, Lajim Ansari, Khudi Munda, Sudarshan Paswan, Raiesh Oraon and other members were wandering to target security forces under the area of Kurumgarh and Gumla P.S. in the forest and mountains and a large number of landmines have been placed in this forest everywhere by them, in order to cause maximum number of loss of life and property to the police. The local villagers and police suffered many times due to the landmines setup by them. The intelligence inputs also revealed that the group of aforesaid Maoist leader have assembled in the area with a coveted plan to ambush the police and security forces. Based on the intelligence inputs, a special operation "Chakravyuh" was planned to thwart their intentions and apprehend/ neutralize them. Nine specialized teams comprising of Civil police, Cobra-209 BN, 203 BN, CRPF and AG elements were formed for successful execution of the plan.

The teams were briefed properly about the plan and contingency drill for successful accomplishment of operation and safe de-induction. Subsequently, Sri Manoj Kumar Inspector Gumla, S.I. Kundan Kumar C.C.R Gumla, Nitesh Kumar Singh of District Police Force were associated with Cobra-209 BN. This operation was launch on 12- 13th July 2021 and on 15th July 2021, the search operation was started against Maoist in Keragani Jungle of Kurumgarh P.S by their team according to plan and the target set for them.

The area was covered with thick vegetation and difficult terrain, surrounding the mountain made it an invincible target. The complex geographical and topographical scenario worth fully crafted a niche for the Maoists. Security Forces engaged in the operation needed highest level of professionalism and operational acumen ship to thrive. Team tactically and vigilantly advanced towards the target of forest area.

While the party was going down the slope, shorts were fired from the bush in Pokhrapat forest on the team under command of Sri Manoj Kumar, Police Inspector the firing was intense and incessant. The team took safe position to avoid the unprovoked firing and eventualities. The commander of team announced Maoist to stop firing and surrender. But, Maoist were determined to inflict casualties and snatch weapons of security forces and to kill them. Since there was no other option left except to retaliate, the commander of the team ordered the team to retaliate with controlled fire. The Maoists were on advantageous position and team was within their firing range. Their position was exposed and needs extraordinary professional skill to survive there and stay. Thereafter, a fierce exchange of fire begun. The team retaliated the firing in cohesion exhibiting essence of soldering in right prospective but the Maoist were not willing to surrender at any cost.

Shri Manoj Kumar, Police Inspector along with other police personnel of Jharkhand Police and team of Cobra 209 launched counter offensive attack against the attacking Maoist Party. With immense Courage, gallant act, determination and high leadership skill Sri Manoj Kumar along with others forwarded under the ominous danger of life. Maoist kept on firing heavily, but they did not deter the advancing police party. Due to this counter attack and finding them hugely under threat, Maoist taking advantage of thick forest and mountainous terrain escaped from the encounter site.

Consequent on termination of firing, a massive search operation was launched. Dead body of a Maoist was recovered from the site of incident. Also, huge quantity of Arms ammunitions and explosive and naxal literatures were recovered. Later, it was confirmed by the relatives of the deceased and other believers that the deceased is Budheshwar Oraon

S/o Llate Bandhu Oraon R/o Badakhatanga, Pakartoli P.S-Gumla, which is the Regional Commander of the Maoist Organization and Reward of 15 Lakh rupees for his arrest was announced by the Jharkhand government.

The operation was litmus test for the security forces where they were placed on unadvantageous position. Despite all the adversities and uncongenial scenario, Shri Manoj Kumar, Police Inspector Gumla, S.I. Kundan Kumar and Ct. Nitesh Kumar Singh of District Police Force exhibited true spirit of courage and veritably epitomized the essence of soldiering.

In this operation, S/Shri Manoj Kumar, Inspector, Kundan Kumar, Sub Inspector and Nitesh Kumar Singh, Constable of Jharkhand Policedisplayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 15/07/2021.

(File No-11020/1214/12/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 126-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and 1st Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Madhya Pradesh :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Aaditya Mishra, IPS	Additional Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2.	Rampadam Sharma	Sub Inspector	1st BAR TO PMG
3.	Ashish Sharma	Assistant Sub Inspector	PMG
4.	Ramesh Vishwakarma	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Upon receiving intelligence input about the presence of a large number of Maoists in the forest area adjoining village Kharadi, an intensive search operation was launched under the leadership of Shri Aaditya Mishra, Additional SP, Anti Naxal Operations. He along with the Special Operations Group (SOG), Hawk Force Lodangi started the search operation on the wee hours of 20th June, 2022. At around 8:30 am when the teams were searching the forest area of Langurjhiriya, the parties came under a sudden burst of deadly fire from the dreaded Maoists who were sitting in ambush.

Shri Aaditya Mishra, SI Rampadam Sharma, ASI Ashish Sharma and Constable Ramesh Vishwakarma with total disregard for their personal safety decided to move out of their cover and crawl toward the incoming bullets across the vulnerable ground between the Maoists and the forces where there was a strong possibility of Improvised Explosive Devices (IEDs) being deployed.

The four men reached a forward point from where Maoists became clearly visible. The four men gave repeated warnings to surrender but to no effect. A few bullets again missed the officers narrowly.

Shri Aaditya Mishra and Shri Rampadam Sharma carefully moved towards the Maoists who were still holding an AK47 and other assault rifles. This audacious but courageous tactics put the Maoists on the back foot and many of their cadres started to run away into the forest. All of a sudden shouts and cries erupted from the Maoists side which indicated that some of the Maoist might have been injured in the crossfire. Upon tactically reaching the Maoists and scanning the surroundings for any signs of an IED, they risked their own life while removing the rifles from the Maoists.

The three Maoists were carefully checked for any signs of life but were found to be dead. Later, the dead Maoists were identified as (1) Nagesh aka Raju Tulavi, Divisional Committee Member (Commander in Chief) DVCM, resident of PS Gyarapatti, District Gadchiroli (M.H) who was an active hardcore Maoist commander in Darrekasa, Dalam. He was carrying an AK47 Rifle and a 6-round revolver which were snatched away from the security forces. He had a cash reward of Rs. 5 lacs from Madhya Pradesh, Rs. 8 lacs from Chhattisgarh and Rs. 16 lacs from Maharashtra (Total reward Rs. 29 lacs), (2) Manoj Doddi area committee member ACM, resident of PS Ganglur, District Bijapur carrying 303 Rifle who was an active hardcore Maoist area committee member in Darrekasa Dalam. He was having the reward of Rs 3 lacs from Madhya Pradesh, Rs. 5 lacs from Chhattisgarh and Rs. 6 lacs from Maharashtra (Total reward Rs. 14 lacs) and (3) Rame Punem member of Malajkhand Tanda Area committee resident of PS Terram, District Bijapur carrying 315 rifle with a cash reward of Rs 3 lacs from Madhya Pradesh, Rs. 5 lacs from Chhattisgarh and Rs. 6 lacs from Maharashtra (Total reward Rs. 14 lacs).

In this operation, S/Shri Aaditya Mishra, IPS, Additional Superintendent of Police, Rampadam Sharma, Sub Inspector, Ashish Sharma, Assistant Sub Inspector and Ramesh Vishwakarma, Constable of Madhya Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 20/06/2022.

(File No-11020/3306/15/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 127-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and 1st Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Maharashtra :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Rohit Ramesh Pharne	Assistant Police Inspector	PMG
2.	Balasaheb Janardhan Jadhav	Police Sub Inspector	PMG
3.	Satish Vaman Patil	Police Sub Inspector	PMG
4.	Bhaskar Sopanrao Kamble	Police Sub Inspector	PMG
5.	Krishna Rajendra Kate	Police Sub Inspector	PMG
6.	Drugsay Asaram Narote	Head Constable	PMG
7.	Surpat Bawaji Wadde	Head Constable	1st BAR TO PMG
8.	Sanjay Watte Wachami	Head Constable	PMG
9.	Gautam Sambhaji Kamble	Head Constable	PMG
10.	Moreshwar Raghunath Puram	Head Constable	PMG
11.	Masaru Raysing Koreti	Head Constable	PMG
12.	Mukesh Vithoba Usendi	Head Constable	PMG
13.	Vinod Tukaram Dokarmare	Naik Police Constable	PMG
14.	Kamalakar Jagannath Ghodam	Naik Police Constable	PMG
15.	Chandrakant Laxman Uikey	Naik Police Constable	PMG
16.	Maharu Kolu Kulmethe	Naik Police Constable	PMG
17.	Poda Joga Atram	Naik Police Constable	PMG
18.	Dayaram Vishwnath Walve	Police Constable	PMG
19.	Pravin Suresh Zode	Police Constable	PMG
20.	Devidas Parasram Halami	Police Constable	PMG
21.	Dipak Vyankatrao Madavi	Police Constable	PMG
22.	Ramlal Temu Koreti	Police Constable	PMG
23.	Hemant Ramsay Kodap	Police Constable	PMG
24.	Kiran Baburao Hichami	Police Constable	PMG
25.	Warlu Rama Atram	Police Constable	PMG
26.	Madhav Peka Timma	Police Constable	PMG
27.	Naresh Balaji Sidam	Police Constable	PMG
28.	Rohidas Chandraji Kusnake	Police Constable	PMG
29.	Mukind Anil Rathod	Police Constable	PMG
30.	Nitesh Laxman Dane	Police Constable	PMG
31.	Nagesh Monaji Paal	Police Constable	PMG
32.	Kailash Chunga Kulmethe	Police Constable	PMG
33.	Prashant Diwakar Bitpalliwar	Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12/11/2021, an information about the gathering of 120-130 heavily armed insurgents in the forest of Mardintola under the limits of AOP Garapalti (Gadchiroli) led by Central Committee Member (CCM) Milind @ Deepak Teltumbde, (MMC Zone I/c) Maharashtra with the intention to conduct a major attack on security forces in the backdrop of People's Liberation Guerrilla Army (PLGA) week. These Naxalies belongs to banned Communist Party of India (Maoist) cadre.

An anti-naxal operation under the supervisions of Shri Ankit Goyal, Superintendent of Police, was chalked out by Shri Somay Munde, Addl. Supdt. of Police (Ops.), Gadchiroli and 15 C-60 party by dividing in three groups.

On 13th DECEMBER, 2021 party reached the target area early in the morning and started operation. The Maoists hidden on the hilltop, suddenly attacked on police party. Police party also retaliated the fire. Sensing mounting Police pressure, the Maoists fled away in the direction of thick forest taking cover of the hill. Due to the tactical manoeuvre shown and strong retaliation put forth by the commandos, the Maoists had to leave their positions and retreat. During this exchange, one police person received grievous bullet injuries on the right hand and right shoulder. Due to bullet injuries to his right hand, resulting in heavy bleeding, his dominant hand was incapacitated. Sensing grave danger to his colleagues, in spite of grievous injuries, he shifted position to left hand and continued to retaliate at the Maoists. His unexpected counter attack caught three advancing naxals in surprise, during which he was able to neutralize two Maoists armed with automatic weapons. In spite of near fatal injuries, instead of retreating, he continued to retaliate and showed conspicuous bravery while facing enemy attack.

Eventually the landing site was identified and four wounded commandos were evacuated to safety. Then, a thorough search was carried out to collect bodies of slain Maoists and their weapons and other naxal material. The exchange of fire lasted from 0600- 0630 hrs to 1600 hrs, for about 10 hours.

During the search, police found 26 Maoists (20 Men and 06 Women). Moreover, 29 firearms and other naxal belongings in huge quantities were recovered from the place of incident. Further, a search operation on 16th DECEMBER, 2021 led to discovery of another body of one male Maoist alongwith a firearm. Thus, a total 27 hardcore Maoists including top cadres of rank Central Committee Member were killed. Also, AK 47 with UBGL (01 no), SLR (09 nos.) INSAS (01 no), .303 Rifle (03 nos) and other weapons (11 nos) were recovered. The elimination of these top cadres in a single incident, Maoists organization in Maharashtra as well as in the whole MMC region received a severe jolt.

In this operation, S/Shri Rohit Ramesh Pharne, Assistant Police Inspector, Balasaheb Janardhan Jadhav, Police Sub Inspector, Satish Vaman Patil, Police Sub Inspector, Bhaskar Sopanrao Kamble, Police Sub Inspector, Krishna Rajendra Kate, Police Sub Inspector, Drugsay Asaram Narote, Head Constable, Surpat Bawaji Wadde, Head Constable, Sanjay Wate Wachami, Head Constable, Gautam Sambhaji Kamble, Head Constable, Moreshwar Raghunath Puram, Head Constable, Masaru Raysing Koreti, Head Constable, Mukesh Vithoba Usendi, Head Constable, Vinod Tukaram Dokarmare, Naik Police Constable, Kamalakar Jagannath Ghodam, Naik Police Constable, Chandrakant Laxman Uikey, Naik Police Constable, Maharu Kolu Kulmethe, Naik Police Constable, Poda Joga Atram, Naik Police Constable, Dayaram Vishwnath Walve, Police Constable, Pravin Suresh Zode, Police Constable, Devidas Parasram Halami, Police Constable, Dipak Vyankatrao Madavi, Police Constable, Ramlal Temu Koreti, Police Constable, Hemant Ramsay Kodap, Police Constable, Kiran Baburao Hichami, Police Constable, Warlu Rama Atram, Police Constable, Madhav Peka Timma, Police Constable, Naresh Balaji Sidam, Police Constable, Rohidas Chandraji Kusnake, Police Constable, Mukind Anil Rathod, Police Constable, Nitesh Laxman Dane, Police Constable, Nagesh Monaji Paal, Police Constable, Kailash Chunga Kulmethe, Police Constable and Prashant Diwakar Bitpalliwar, Police Constable of Maharashtra Policedisplayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 13/11/2021.

(File No.11020/66/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 128-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Punjab:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Harjit Singh	Assistant Sub Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

In the month of April 2020, ASI (LR) Harjit Singh was posted in Police Station Sadar, Patiala. In view of the prevailing Covid-19 Pandemic, he along with other police personnel and employees of Mandi Board were deployed for duty at sabji mandi, Sanour Road, Patiala on 12.04.2020. Being Sunday to avoid crowd and huge gathering of people, the authorities of

Mandi Board had issued passes for entering in the sabji mandi. Nihang Balwinder Singh S/o Bhag Singh R/o Amargarh (now Dera Khichri Sahib village Karhali Sahib PS Passiana), Jagmeet Singh S/o Balwinder Singh R/o Amargarh (now Dera Khichri Sahib village Karhali Sahib PS Passiana), Bant Singh @ Kala S/o Ajaib Singh R/o Alawal PS Bakhshiwal district Patiala, Nirbhai Singh R/o Dudhar (now Dera Khichri Sahib Village Karhali Sahib PS Passiana) and Gurmeet Singh @ Gitti S/o Darbara Singh R/o Kishangarh Sangali distt. Sangrur, duly equipped with weapons came in ISUZU DMAX vehicle No. PB-1 I-CC/7415 and entered the sabji mandi without showing pass and without caring for warning/advice of the police party. Thereafter ASI Harjit Singh and police party closed the barricade at the main gate. At this, some miscreants in Nihang uniform in their vehicle came back from the sabji mandi side duly armed with lethal weapons. ASI Harjit Singh along with other police party signalled them to stop and to show the passes issued by the authorities. Instead of stopping, they broke the gate of the sabji mandi and hit the barricade with their vehicle. They became aggressive and one of them, said Nihang Balwinder Singh S/o Bhag Singh attacked on ASI Harjit Singh with sword, as a result of which, left hand of ASI Harjit Singh cut from wrist and fell down on the ground and then armed miscreants fled away from the spot in their vehicle. ASI Harjit Singh did not lose heart and showed his extra-ordinary courage and bravely picked up his cut hand from the ground and after taking the lift on Activa Scooter, reached Rajindra Hospital, Patiala, from where he was referred to P.G.I., Chandigarh, where he remained under treatment for a sufficient long time. Thus, he has shown extra-ordinary courage and bravely in the performance of his duties without caring for his personal safety. In this regard Case FIR No. 71 dated 12.04.2020 u/s 307, 323, 324, 341, 353, 186, 188, 332, 148, 149 IPC and 51 The Disaster Management Act 2005 PS Sadar Patiala was registered against the above said accused, who were later on arrested by the local police.

In this operation, Shri Harjit Singh, Assistant Sub Inspector of Punjab Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 12/04/2020.

(File No.11020/3309/22/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 129-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Punjab:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Satnam Singh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Case FIR No. 42 dated 10.04.2022 u/s 452, 324, 323, 336, 148, 149 IPC, 25/27- 54-59 Arms Act, P.S. Sadar Batata was registered on the statement of complainant Parkash Singh S/o Kartar Singh R/o Village Mullianwal, P.S. Sadar Batala that one Gurmej Singh S/o Sukhdev Singh R/o Akalgarh Dhapai, Amritsar accompanied by his associates, entered his house and inflicted grievous injuries to his daughter namely Kuljit Kaur with fatal weapons.

On 07.05.2022, on receipt of specific information, ASI Sukhjinder Singh along with Senior Constable Satnam Singh and other police officials reached village Akalgarh Dhapayian and raided at the tube-well of Harjit Singh R/o Valla to arrest accused involved in Case FIR No. 42 dated 10.04.2022, P.S. Sadar, Batala. On seeing the police party, 09 youth present at said tube-well threatened the police party that, if they move forward to nab them, they will have to bear the dire consequences. Meanwhile, 03 youth opened firing upon police party with their pistols with the intention to kill them. One fire of pistol hit the abdomen of Senior Constable Satnam Singh and as a result of which, he was injured grievously. Though, Senior Constable Satnam Singh was seriously injured, he did not lose heart and without caring for his personal safety advanced towards accused namely Jobanjit Singh @ Joban Singh S/o Balkar Singh R/o Adda Daduana, Rasoolpur, who was firing upon him he nabbed him successfully thus showing sense of high determination, extraordinary courage and intelligence. Besides that, the police party also apprehended accused namely Sherpreet Singh @ Gulaba S/o Avtai Singh R/o Dashmesh Nagar, Distt. Amritsar, Ajaypal S/o Bhagwan Singh R/o Akalgarh Dhapayian. One country made pistol, 01 country made pistol .32 bore, 01 live cartridges .32 bore, 04 empty rounds .32 bore, 01 miss round .315 bore, 01 empty round .315 bore, 01 car bearing No. PB-35-D-2688 Model Zen, Motor Cycle without Number plate, 01 Motor Cycle bearing No. PB-02-ED-3177 were recovered from them vide FIR No. 42 dated 10.04.2022 u/s 452, 324, 323, 427, 336, 148, 149 IPC, 25, 27, 54, 59 Arms Act, P.S. Sadar Batala. Due to bullet injury, condition of Sr. Constable Satnam Singh got deteriorated and he was immediately admitted to Fortis Hospital (Escort) Amritsar. He remained under treatment from 07.05.2022 to 21.05.2022. Case FIR No. 109 dated 07.05.2022 u/s 307, 353, 186, 506, 148, 149 IPC, 25, 54, 59 Arms Act P.S. Jandiala, Distt. Amritsar has been registered against the accused.

It is worth mentioning here that the role of Senior Constable Satnam Singh in this day light encounter, was very daring and dare devil type as he fought against the accused at the grave risk of his life even he was seriously injured due to bullet injury.

He also handled the situation very tactically and showed presence of mind and determination, apprehended accused Jobanjit Singh @ Joban Singh successfully with weapon. It is relevant to mention here that had accused Jobanjit Singh @ Joban not been apprehended by him, he could have caused more damage to the police party. As such, the gallant action shown by him in injured condition, has also led to saving lives of many police officials present on the spot.

In this operation, Shri Satnam Singh, Constable of Punjab Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 07/05/2022.

(File No-11020/13/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 130-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Telangana:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Bhaaskaran R, IPS	Superintendent of Police	PMG
2.	K Ashok	Senior Commando/ Head Constable	PMG
3.	K Sandeep Kumar	Junior Commando/ Police Constable	PMG
4.	M Karthik	Junior Commando/ Police Constable	PMG
5.	V Madhu	Junior Commando/ Police Constable	PMG
6.	Ch. Sampath	Junior Commando/ Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Following receipt of reliable information that Eturunagaram-Mahadevpur DCMs Sudhakar and Shantha with other CRC members are moving in Karreguttalu area of Usur Reserve Forest under Elmidu-PS limits of Bijapur-District (Chhattisgarh) with an intention to commit offences, Shri Bhaaskaran R, IPS, SP and along with Greyhounds planned an operation with 4-Assault Units on 17.01.2022. The Karreguttalu habitation constitutes caves, mountains & nallas and is considered very toughest in Telangana-Chhattisgarh area.

As per the plan, Shri Bhaaskaran R, IPS, SP and along with Greyhounds Units started movement at about 4:30PM on 17.01.2022 and reached Bitharmadugu by 00:20 AM and waited up to 4:30AM on 18.01.2022 for first light(day-light) to come before chasing the enemy location.

While Shri V Madhu JC/PC and other members were moving in the area, they noticed the Maoists and warned them to surrender but they didn't heed & opened fire due to which the team members opened burst fire in self defense. Bullets didn't hit the enemy, Shri V Madhu JC/PC thrown grenade followed by another commando. They moved forward to search the body of the enemy but immediately enemy retaliated by opening burst fire resulting bullet injury to Shri V Madhu JC/PC. Later, Shri M Karthik, JC/PC and other members sighted enemy and warned to surrender but they didn't heed and started firing due to which in self defense police party also opened fire but enemy escaped taking shelter. Further, Shri K Ashok, SC/HC and others noticed 2-Maoists and warned to surrender but they fired indiscriminately and in self defense Shri K Ashok, SC/HC retaliated and neutralized 1-Maoist. Later, Shri K Ashok, SC/HC and Shri K Sandeep Kumar, JC/PC observed, an enemy was moving on seeing them, the enemy started firing due to which Shri K Ashok, SC/HC and Shri K Sandeep Kumar, JC/PC retaliated by opening fire resulting killing of 1 -Maoist.

Further, another team while moving near to the nalla/cave in the area, they saw enemy firing from the cave and warned them to surrender but they resisted mercilessly. Immediately, Shri Ch. Sampath, JC/PC and others retaliated and neutralized 1-Maoist and later recovered his body from the cave.

Thus, 3-Hardcore Maoists (2-Male & 1-Female) viz., Kommula Naresh @ Bakkanna, Kovasi Muiyal @ Kallash & Madakam Singe @ Shantha were neutralized in the Exchange of Fire occurred on 18.01.2022 near Kakullugutta and recovered SLR Rifle-1, INSAS Rifle-1, DBBL Rifle-1, Rocket Shells-2, SLR Rifle Maxine-2, INSAS Rifle Maxine-3, SLR 19 rounds, INSAS 25 rounds, etc., from the scene of EoF.

In this operation, S/Shri Bhaaskaran R, IPS, Superintendent of Police, K Ashok, Senior Commando/ Head Constable, K Sandeep Kumar, Junior Commando/ Police Constable, M Karthik, Junior Commando/ Police Constable, V Madhu, Junior Commando/ Police Constable and Ch. Sampath, Junior Commando/ Police Constable of Telangana Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 18/01/2022.

(File No-11020/3290/54/2022-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 131-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned Police Personnel of Telangana :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	G Ramesh	Deputy Assault Commander / Reserve Inspector	PMG
2.	Late B Susheel	Junior Commando/ Police Constable	PMG (Posthu)
3.	T Mahesh	Assistant Assault Commander /Reserve Sub Inspector	PMG
4.	Shaik Nagulmeera	Assistant Assault Commander /Reserve Sub Inspector	PMG
5.	K Adinarayana	Senior Commando/ Head Constable	PMG
6.	R Sunil Kumar	Junior Commando/ Police Constable	PMG
7.	H Sukumar	Junior Commando/ Police Constable	PMG
8.	M Kalyan Kumar	Junior Commando/ Police Constable	PMG
9.	G Sridhar	Junior Commando/ Police Constable	PMG
10.	Ch Raveendra Babu	Junior Commando/ Police Constable	PMG
11.	Rathod Ramesh	Junior Commando/ Police Constable	PMG
12.	K Purushotham Reddy	Inspector	PMG
13.	Thigala Mahender Rao	Police Constable	PMG
14.	Kagithoju Shiva Prasad	Inspector	PMG
15.	Bandari Kumar	Sub Inspector	PMG
16.	Bakkerla Shiva Kumar	Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On credible information that around 40 armed/outlawed Maoist cadre led by Haribushan, Damodhar and Azad were moving in between Doligutta-Pujarikanker (V) with an intention to target security forces in the border of Telangana, a joint operation was planned on 01.03.2018. As part of it, Greyhounds Commandos and district special parties moved towards Pujarikanker (V) and made night halt. On 02.03.2018 in the early hours, Greyhounds team and district special parties moved towards NE direction. On seeing the Commandos in the outskirts of Pujarikanker (V) (Usur-PS/Bijapur- District/Chattisgarh), Maoists began to fire using Automatic weapons and Rocket Launchers to kill them. However, undeterred by the intense volley of bullets the police party took control over situation and warned Maoists to surrender. The Maoists took advantage of being on an elevated place, paid deaf ear to the warning and continued to fire indiscriminately. The police party under the leadership of Shri G Ramesh, Deputy Assault Commander /Reserve Inspector, courageously moved forward by risking their lives and in self-defence retaliated due to which the Maoists fled after intense gun battle. The retaliation of the police party saved the lives of other Commandos. Later, on checking the area dead bodies of 10-Maoists were found and AK 47-1, INSAS Rifles-7, SLRs-2, 3c3, Rifles-2, Pistol-1, SBBL-1, Rocket Launcher-1, 7.62 SA Balls-4, 5.56 SA Balls-10, Rocket Launcher Bombs-6. Kit Bages-2, 303 Rounds- 70, AK Magazines-2, SLR Magazines-3, INSAS Magazines-3, Claymore Mines-3, Detonators- 4, etc, were recovered from the scene of EoF. During the process, Shri B Susheel, Junior Commando/ Police Constable was martyred while fighting bravely.

In this operation, S/Shri G Ramesh, Deputy Assault Commander /Reserve Inspector, Late B Susheel, Junior Commando/ Police Constable, T Mahesh, Assistant Assault Commander /Reserve Sub Inspector, Shaik Nagulmeera, Assistant Assault Commander /Reserve Sub Inspector, K Adinarayana, Senior Commando/ Head Constable, R Sunil Kumar, Junior Commando/ Police Constable, H Sukumar, Junior Commando/ Police Constable, M Kalyan Kumar, Junior Commando/ Police Constable, G Sridhar, Junior Commando/ Police Constable, Ch Raveendra Babu, Junior Commando/ Police Constable, Rathod Ramesh, Junior Commando/ Police Constable, K Purushotham Reddy, Inspector, Thigala Mahender Rao, Police Constable, Kagithoju Shiva Prasad, Inspector, Bandari Kumar, Sub Inspector and Bakkeri Shiva Kumar, Police Constable of Telangana Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 02/03/2018.

(File No-11020/1234/54/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 132-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), 1st Bar to PMG and 2nd Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Uttar Pradesh:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Dharmesh Kumar Shahi	Deputy Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2.	Satya Prakash Singh	Inspector	1st BAR TO PMG
3.	Yashwant Singh	Head Constable	1st BAR TO PMG
4.	Mohammad Imran	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Firoz Pathan @ Irfan @ Hiru dreaded criminal of district Prayagraj spread terror by committing sensational bank robberies in Maharajganj and Basti and robberies in Customer Service Centres in Prayagraj and Kaushambi. In view of his criminal activities, a bounty of Rs. 1,00,000/- was announced by ADG of Police, Gorakhpur Zone, Gorakhpur and Rs. 50,000/- by IG of Police, Prayagraj Range, Prayagraj for his arrest.

The STF team of Field Unit, Gorakhpur led by DSP Dharmesh Kumar Shahi was collecting intelligence against Firoz Pathan. During intelligence collection in district Basti, a tip-off was received on 24.02.2020 morning that Firoz Pathan will go to district Ambedkar Nagar with his accomplice to commit sensational robbery in some bank or Customer Service Centre. Acting on the input, DSP Dharmesh Kumar Shahi rushed to Mahadeva Market crossing with team comprising of Inspector Satya Prakash Singh, HC Yashwant Singh, Const. Mohammad Imran etc., where he constituted three teams. The First striking team led by DSP Dharmesh Kumar Shahi took position at Mahadeva Market crossing, while second and third backup teams took position towards Basti and Munderwa and waited.

At about 05.45 AM, two persons were sighted coming on a motorcycle. The pillion rider was confirmed to be Firoz Pathan. DSP Dharmesh Kumar Shahi, Insp. Satya Prakash Singh and HC Yashwant Singh of striking team attempted to intercept the motorcycle on which pillion rider, holding a pithoo bag on his back, took out weapons tucked in his waist in his both hands. The criminals turned their motorcycle and lied towards Basti at high speed, hurling abuses. DSP Dharmesh Kumar Shahi with his team chased the fleeing criminals. After going some away the pillion rider daringly started indiscriminate firing on police. The criminal's motorcycle slipped near Mazar village Sohila. Firoz Pathan took position by the road side. As soon as DSP Dharmesh Kumar Shahi and his team they tried to take position in the cover of tree and cemented bench, the criminal started indiscriminate firing by which DSP Dharmesh Kumar Shahi, Insp. Satya Prakash Singh and HC Yashwant Singh had a narrow escape. The criminal was firing intermittently by changing his position. Meanwhile backup teams also reached there. With intention to arrest the criminal and save lives of team DSP Dharmesh Kumar Shahi, Insp. Satya Prakash Singh and HC Yashwant Singh putting their lives in danger and showing extraordinary courage and valour moved towards criminal by challenging him repeatedly. The warnings made the criminal more furious and he kept on firing more daringly. He tried to take out some big weapon from his pithoo bag. As a result of firing by criminal Constable Mohammad Imran sustained gunshot injuries. DSP Dharmesh Kumar Shahi, Insp. Satya Prakash Singh and HC Yashwant Singh seeing the lives of police personnel in danger, taking calculated risk, showing indomitable courage came out of the cover and in spite of being in the firing range of the criminal and fired in self- defence in a controlled manner. When the firing was stopped, striking team approached the criminal who was found lying unconscious. He was identified as dreaded criminal Firoz Pathan. He was sent to hospital to save his life where he succumbed.

In this operation, S/Shri Dharmesh Kumar Shahi, Deputy Superintendent of Police, Satya Prakash Singh, Inspector, Yashwant Singh, Head Constable and Mohammad Imran, Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 24/02/2020.

(File No-11020/3278/28/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 133-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Uttar Pradesh :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Dr. Vipin Tada, IPS	Superintendent of Police	PMG
2.	Praveen Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Dr. Vipin Tada, IPS, Superintendent of Police District Amroha, U.P., received an information in the evening at about 18:20 hrs. on 20.07.2019, through Dial 100, Control Room Lucknow about presence of 03 Criminals, escaped from police custody, in the forest of Village Shergarh, within jurisdiction of Police Station Aadampur, District Amroha. Immediately, he sprung into action and informed Control Room and directed Additional Supdt. of Police Amroha, Circle Officer Hasanpur and S.H.Os of Police Stations Aadampur, Didoli, Gajraula and Rajabpur to reach in Shergarh forest to lay ambush & effective blockade. He along with his gunner Constable Praveen Kumar, quickly moved in government vehicle to besiege Criminals.

Dr. Vipin Tada, Supdt. of Police on continuing updates of movement of escapee Criminals and strategically visualizing possibility of movement of theirs from Dotai Aashram to Western-side of Imratpur-Sambhal Link Road, he deployed Police Force and mean while, having confirmation from S.H.O. Aadampur about chasing the fleeing Criminals from Dotai Aashram-side to West-ward and intermittently firing upon Police Party, he, promptly, reached near Village Imratpur.

Dr. Vipin Tada, Supdt. of Police, reaching at Imratpur-Sambhal Link Road at about 20:25 hrs., seeing in head light of vehicle, 03 Criminals holding firearms in their hands, crossing the road, he, immediately, stopped vehicle and alighted from it and loudly challenged them to surrender & in mean time, S.H.O. Aadampur, accompanying his Team, chasing Criminals, also reached. Challenging the Criminals, as soon. Dr. Vipin Tada, S.P., determined to capture them, alive, he, accompanying his Gunner/Constable Praveen Kumar, boldly moved ahead with indomitable courage and without caring for his life & limb, crime-clever Criminals, moving fast down the road abruptly opened incessant sharp firing and fire-shot, hitting him on chest, but escaped injuries due to bullet-proof jacket, but, causing Constable Praveen Kumar injured and daring Criminals taking position in trench, continued vigorous firing towards police with intention to kill.

Dr. Vipin Tada SP, inspite of being hit in indiscriminate firing by barbarous Criminals in front and seeing Constable Praveen Kumar getting injured & safety of police party, in jeopardy, he, during this situation of 'do or die', himself, determined to arrest Criminals alive without caring for his life & limb. With conspicuous courage & gallant, with policing-skill, boldly moved forward in their firing range and tactically rallied in face of Criminals causing one Criminal to fell down fluttered & injured, who later died and identified to be barbarous, terrible, dreaded killer of 02 Police Constables and armed absconder Criminal having a reward of Rs. 2,50,000/- Kamal S/o Jang Bahadur and illicit fire-arms & ammunition from his possession were successfully recovered.

In this operation, S/Shri Dr. Vipin Tada, IPS, Superintendent of Police and Praveen Kumar, Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 20/07/2019.

(File No.11020/3279/28/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 134-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and 1st Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of Uttar Pradesh :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Mohit Agarwal, IPS	Inspector General of Police	PMG
2.	Dr. Anil Kumar Mishra	Superintendent of Police	PMG
3.	Tribhuvan Singh	Additional Superintendent of Police	PMG
4.	Rakesh Kumar	Inspector	1st BAR TO PMG
5.	Dinesh Kumar Gautam	Sub Inspector	PMG
6.	Navneet Kumar Yadav	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 30th January 2020 evening, Fatehgarh Police and concerned senior officers received a sensational information related to a hostage of 23 children in a Village Karthia. P.S. Mohammedabad. District Fatehgarh, U.P.

The children were held hostage by hardened criminal Subhash Botham S/o Jagdish, Village Karthia, P.S. Mohammedabad, District Fatehgarh, U.P. He was a convict in the case of gruesome murder in which he was sentenced to life-imprisonment and he was out on bail.

Subhash had been firing indiscriminately to intimidate the worried parents & villagers. A ransom of Rs. 1,00,00,000/- (one crore) was being demanded by him for each child held hostage. In addition to the ransom amount, he was also insisting that all criminal cases/ litigation against him be withdrawn unconditionally on an immediate basis.

Shri Rakesh Kumar, Inspector Civil Police/SHO, Police Station Mohammadabad immediately reached the scene accompanied by the Police team. His team first tried to persuade Subhash and his wife Ruby to release all children without causing any harm to any of them. However, the criminal and his wife repeated their demands. As the criminals were not listening to the Police persuasion, Inspector Shri Rakesh Kumar tried to reach the criminals by opening the main gate. Meanwhile, the criminals exploded a bomb connected through a wire in a planned manner which caused injuries to Shri Rakesh Kumar, Inspector of Civil Police, Shri Rajbeer Singh, Circle Officer Mohammadabad and Head Constable Jaiveer Singh.

As the police team was confronting the criminals, Dr. Anil Kumar Mishra, IPS, Superintendent of Police, Fatehgarh along-with Shri Tribhuvan Singh. Addl S.P. Fatehgarh, S.I. Shri Dinesh Kumar Gautam, and Constable Navneet Kumar Yadav and other team members reached village Karthia followed by District Magistrate, Fatehgarh and Chief Medical Officer, Fatehgarh. All the official tried to convince Subhash to let the children go. However, all their requests went unheeded.

Shri Mohit Agarwal, Inspector General of Police Kanpur Range, after reciving the formation immediately reached village Karthia from Kanpur in his official vehicle. After reaching village Karthia, he too attempted to convince and persuade Subhash and his wife Ruby to release all the children held as hostages. However, the hardened criminal Subhash continued shouting his demands, intimidated that he would kill all the children and fired 2 shots at the same time.

The criminal claimed that he had already killed two children and would kill the remaining children as well if his demands were not agreed to.

Sensing the danger to the life of children, Shri Mohit Agarwal, Inspector General of Police immediately took over charge of the situation and deployed all the police teams in a strategic manner with a proper briefing. The police force was divided into 2 separates teams. The first team was headed by Shri Mohit Agarwal, Inspector General of Police accompanied by Dr. Anil Kumar Mishra, SP Fatehgarh, Shri Tribhuvan Singh, Addl.SP Fatehgarh , Shri Dinesh Kumar Gautam, SI, Constable Navneet Kumar Yadav and others. The second team was headed by Shri Rajveer Singh, Circle Officer Mohammadabad, Shri Rakesh Kumar, Inspector Civil Police and others.

While the second team was directed to engage the criminals at the front gate and distract them, the first team headed by Shri Mohit Agarwal, Inspector General of Police himself was to take the charge of main operation.

As per pre decided strategy, as Subhash and his wife were being distracted by the second team and was busy in responding to the verbal discussion from the front gate, Inspector General of Police along with his team members fearlessly and demonstrating dauntless courage broke open the rear gate with their legs and entered the criminal's house without caring for their own lives. Subhash immediately fired on police team and threw a hand-grenade, his bullets hit Inspector General of Police Mohit Agarwal in his chest but he was saved because of the bulletproof jacket worn by him though, some of the pellets of the hand-grenade injured S.P. Dr Anil Kumar, Addl. S.P. Shri Tribhuvan Singh. Just as the dreaded criminal was getting ready to target the team again, an alert Constable Navneet Kumar Yadav fired in self-defense at Subhash. Subhash was hit by this bullet and fell down at about 2 a.m. on 31st Jan 2020, he was later declared dead. Large quantities of illicit explosive material & firearms were seized from the house and all the 23 extremely frightened hostage children were rescued safely.

Undoubtedly, the Police team led by Shri Mohit Agarwal, Inspector General of Police displayed unparalleled courage, gallantry and great sense of dedication to their service in the hour of crisis and saved all 23 hostage children from the clutches of a hardened criminal.

In this operation, S/Shri Mohit Agarwal, IPS, Inspector General of Police, Dr. Anil Kumar Mishra, Superintendent of Police, Tribhuwan Singh, Additional Superintendent of Police, Rakesh Kumar, Inspector, Dinesh Kumar Gautam, Sub Inspector and Navneet Kumar Yadav, Constable of Uttar Pradesh Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 30/01/2020.

(File No.11020/3285/28/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 135-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Police Personnel of Odisha:—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Prahalad Himirika	Subedar	PMG
2.	Santosh Kumar Guru	Sub Inspector	PMG
3.	Suneel Kumar Bariha	Commando	PMG
4.	Sujit Kumar Rana	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

A reliable information received from sources that a group of Armed cadre of banned communist (Maoist) were camping at Jhanj Reserve Forest under Padampur Police Station with intention to kill innocent villagers on the plea of police informer. In order to flush out the armed Maoist, a joint Anti-naxal operation was planned by engaging one SOG unit and 10 DVT personnel of Bargarh under the leadership of Subedar Prahalad Himirika. Accordingly, they proceeded to Jhanj Reserve-forest on 10.06.2021 night, while the team members were conducting combing and search operation in Jhanj Reserve Forest near village- Ganjaguda at about 06.30 am, dated 11.06.2021, a group of 15-20 Maoists in dark grey uniform with long barrel weapons were sighted nearby hill top. Hence the team proceeded tactically towards them taking all precaution and reached within hearing distance of the Maoists. The team disclosed their identity at the top of their voice in Hindi and Odia to the Maoist and asked them to surrender and lay down their arms, but at the sight of police instead of surrender, they started firing indiscriminately at the police party from sophisticated weapon without any provocation with an intention to kill the police personnel. Some team members fell down and could narrowly save themselves when bullets whizzed passed their ears. Finding no alternative and in order to save themselves, the team members took position and opened counter fire in controlled manner in exercise of the right of private defence. The Maoist continued firing at police party indiscriminately from sophisticated weapons to kill the police team. However, the police team advanced towards them taking all precautions and warned them to stop firing, but they continued firing indiscriminately. As a result of which, five of the team members namely Constable Sujit Kumar Rana, Constable Sudhir Bhoi, SI Santosh Kumar Guru, Constable Sunil Kumar Bariha and Subedar Prahalad Himirika received shrapnel injury and fell down. The exchange of fire continued for about one hour. Subsequently, the team observed that there was no firing from the opposite side and the Maoist retreated from the spot taking advantage of the hilly terrain and dense forest. Thereafter, the operation team proceeded to the spot taking all precautions and thoroughly searched the area for two hours and found the dead body of an unknown male naxal in dark grey shirt and pant with gunshot injuries, one AK 47 rifle. live ammunition (7.62 mm), 09 rounds of AK 47. electric detonator, haversack 05 nos., cooking utensil, solar plate 02 nos., ammunition pouch 01 no., mobile charger 02 nos., wrist watch 01 no.. 02 radio sets. 03 plastic jern can's, olive green shirt and pant 02 pairs, black colour belt 01 no., some Maoist literature, variety of medicines, man pack and charger 01 no. lying around the spot. Additional SOG assault teams were deployed for further combing and search operation to apprehend the other Maoists, who escaped taking advantage of the hilly terrain and dense forest.

Although the naxal group were in better position at their own camp but the surprise maintained by Police team is the main weapon of the success in this entire operation. Each member of Police team did not lose their nerves and perfectly cover in such an axis that they can control over the attack from the opponent. To reach the high ground in a tactical position, a small team of brave commandos crawled up to 100 meter on the tough terrain and fired from different angle which created fear and confusion among the ultras. As a result of which, all the team members were saved from the heavy firing from the naxal side and one hard core naxal could be neutralized at the spot. Their exemplary courage, good team work and decision making ability

made this operation successful. Although they have endangered their lives during this operation, displayed exemplary courage and gallant action.

In this operation, S/Shri Prahalad Himirika, Subedar, Santosh Kumar Guru, Sub Inspector, Suneel Kumar Bariha, Commando and Sujit Kumar Rana, Constable of Odisha Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 11/06/2021.

(File No.11020/1215/21/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 136-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) and 1st Bar to PMG to the under mentioned Police Personnel of West Bengal :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Vineet Kumar Goyal, IPS	Additional Director General	1st BAR TO PMG
2.	Rajesh Kumar Yadav, IPS	Inspector General of Police	PMG
3.	Baidurjya Ghosh	Sub Inspector	PMG
4.	Avijit Ghosh	Assistant Sub Inspector	PMG
5.	Amit Chatterjee	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09.06.2021 at about 12.45 hrs, Shri Vineet Kumar Goyal, IPS, ADG, STF, West Bengal received credible input from sources that two absconded and most wanted gangsters namely Jaipal Bhullar @ Manjit Singh Rajpal @ Baath @ Billa @ Balwinder and Jaspreet @Jassi from Punjab took shelter at Flat No. 201 of Building No. B/153 of an apartment located at Shapoorji Pallonji Shukhobrishti Housing Complex at Newtown under Bidhannagar Police Commissionerate jurisdictional area. They killed two Policemen in Punjab on 16.05.2021 and fled away to Kolkata with arms, ammunitions and explosives to take shelter. They were also involved in several dacoity, robbery, murder and other heinous crimes in several States. Punjab Police announced rewards for providing information leading to the arrest those miscreants.

Having been convinced about the inputs, Shri Vineet Kumar Goyal, IPS, ADG, STF, WB made a strategic plan with Shri Rajesh Kumar Yadav, IPS, IGP, STF, WB within a short time and formed a team comprising of 16 officers and police personnel attached to STF including themselves. Since source information also confirmed that the fugitives were in possession of sophisticated arms and heavy ammunition, a striking team comprising of 15 personnel from SSF Bn., Barrackpore also joined them. The entire team reached the target location in the Housing Complex at Newtown at around 15:10 hrs, Both the senior IPS Officers briefed each personnel in the team to be sincere enough during the operation considering existence of civilian population.

The security guard of the said building also confirmed that two Punjabi men were staying at Flat No. 201 of that building on rent. The broker who arranged the rent was called to assist the team and a core group under the leadership of Shri Goyal and Shri Yadav proceeded to upstairs. Meanwhile, the entire building and surrounding areas were made secured and residential civilians were briefed beforehand. The other team members took their respective positions as briefed.

On knocking by the flat broker, one of the miscreants opened the door and recognizing the Police team he rushed inside bedroom shouting "Police"...."Police." Inspr. Kartikmohan Ghosh and others entered the flat, and tried to overpower one of the miscreants. While they were jostling, another miscreant opened fire as a result of which Inspr. Ghosh sustained gunshot injuries and his service pistol was dropped on ground. Though they were cautioned to stop fire, they continued firing from the inside room. Then finding no other alternative, other Police personnel of the core group were compelled to open fire from their respective weapons in order to save lives of the police personnel and civilians. Cross-firing continued around 10/15 minutes and two miscreants died on spot.

Subsequently, five firearms along with some magazines and ammunitions, and huge amount of cash were recovered from the bedroom. In this firing, Shri Vineet Kumar Goyal and Shri Rajesh Kumar Yadav had fired 2 rounds each, while ASI AvijitGhosh fired 10 rounds and Constable Amit Chatterjee fired 22 rounds from their fire arms. A case has been initiated over the incident vide Techno City PS Case No. 68/2021 Dated. 09.06.21 u/s- 326/307/188/333/353/34 PC and 25/27 Arms Act.

In this operation, S/Shri Vineet Kumar Goyal, IPS, Additional Director General, Rajesh Kumar Yadav, IPS, Inspector General of Police, Baidurjya Ghosh, Sub Inspector, Avijit Ghosh, Assistant Sub Inspector and Amit Chatterjee, Constable of West Bengal Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 09/06/2021.

(File No.11020/82/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 137-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Assam Rifles :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Rajib Borgohain	Rifleman	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Rifleman (General Duty) Rajib Borgohain was part of an Operation launched on specific input regarding presence of underground cadres in Kottam forest, Tirap district, Arunachal Pradesh on 28 Jul 2021.

On reaching the suspected area, the individual volunteered and crawled alongwith the column commander towards the hideout while carrying out surveillance of the hideout, insurgents opened indiscriminate fire on the column. Sensing grave danger to own troops and the civilian guides, Rifleman (General Duty) Rajib Borgohain immediately retaliated and moved out of cover and brought down heavy and accurate fire on the insurgents he displayed high degree of professionalism and assisted the column commander in neutralising both the insurgents. Under heavy volume of fire, Rifleman (General Duty) Rajib Borgohain rescued one civilian with utter disregard to own safety.

His valiant action and presence of mind aided immensely in successfully rescuing the civilians being used as guides, eliminating the insurgents and recovering huge quantity of arms, ammunition and warlike stores.

In this operation, Shri Rajib Borgohain, Rifleman of Assam Rifles displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 28/07/2021.

(File No.11020/1222/53/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 138-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Assam Rifles:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Ajay Kumar	Rifleman	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15 DECEMBER 2021, Rifleman (General Duty) Ajay Kumar was part of Operation Lahu which was launched based on specific input regarding kidnapping of two civilians by underground cadres.

At 0815 hours, while being deployed as a stop he noticed the movement of five heavily armed insurgents along with two civilian abductees towards him. Upon being challenged by the column, the insurgents opened indiscriminate fire on own column. Sensing grave danger to own troops, he immediately moved out of cover and brought down heavy and accurate fire onto the leading insurgent thereby neutralising him and injuring another insurgent in Close Quarter Battle. During this daring act, Rifleman Ajay Kumar received a Gun Shot Wound on his left hand. Despite being injured, he displayed exemplary physical courage and continued to engage the insurgents and unmindful of his own safety rescued a civilian abductee amidst heavy firing and evacuated him to a safe place. In the operation three insurgents were neutralised.

In this operation, Shri Ajay Kumar, Rifleman of Assam Rifles displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 15/11/2021.

(File No.11020/1224/53/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 139-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Border Security Force (BSF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Anurag Ranjan	Sub Inspector	PMG
2.	Abdul Hamid Rather	Head Constable	PMG
3.	Amarjeet Singh	Constable	PMG
4.	Navjot Singh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

During night intervening 07/08 Nov 2020, SI Anurag Ranjan, HC Abdul Hamid Rather and CT Sudip Sarkar were on a Patrol-cum-Ambush along Anti Infiltration Obstacle System (AIOS) on the LoC, Distt- Kupwara, Kashmir. When they halted enroute at Post Tower- III occupied by BSF MMG Det, Party Comdr SI Anurag Ranjan briefed MMG Det to remain on high alert, provide fire support if required.

As the Ops team was moving towards ambush point with CT Sudip Sarkar as guide followed by SI Anurag Ranjan in the middle and HC Abdul Hamid Rather in the rear, at about 080100 hours, they noticed movement of armed infiltrators on northern side of the ridge. The entire team took position on available ground and HC Abdul Hamid Rather fired on terrorist/infiltrator on northern side of ridge, upon which the intruders retaliated with heavy volume of fire from the elevated position that they had occupied.

CT Sudip Sarkar had positioned himself tactically in the front and retaliated in the direction from where fire came. In ensuing encounter, the infiltrators had occupied dominating heights on ridge and own Ops Party had occupied ground on the slope. Despite tactically disadvantageous position, CT Sudip Sarkar fought gallantly and carried out heavy volume of fire on terrorist in front. In ensuing fierce gun battle, CT Sudip Sarkar received fire from the front and suffered bullet injuries. Terrorist who was in the close proximity lobbed grenade at CT Sudip Sarkar resulting in severe blast splinter injury in left leg. Despite injuries he continued firing towards terrorist/infiltrator and finally killed terrorist in close quarter battle.

SI Anurag Ranjan had positioned himself behind CT Sudip Sarkar, provided close fire support to Ct Sudip Sarkar. He alongwith HC Abdul Hamid Rather brought down heavy volume of fire on northern side of ridge in order to prevent the armed intruders from approaching AIOS and thereby foiled their infiltration bid. Sensing the grievous injury suffered by CT Sudip Sarkar, SI Anurag Ranjan and HC Abdul Hamid Rather made a gallant attempt during the gunfight to evacuate CT Sudip Sarkar to safer position but were impeded by enemy fire.

In the meantime, reinforcement was received from Tower-III Post and MMG Det stationed at Tower- III. CT Amarjeet Singh and CT Navjot Singh from Tower- III also joined SI Anurag Ranjan, providing protective fire support near the place of encounter. Sh M Satish Kumar, AC, Coy Comdr co-ordinated with officiating CO 18 Madras for reinforcements that reached the place of encounter at about 080200 hrs. But due to darkness and heavy volume of fire from infiltrators and enemy FDLs, reinforcement party could not evacuate CT Sudip Sarkar. The area was cordoned by 18 Madras by 080400 hrs and CT Sudip Sarkar was finally retrieved at 080500 hrs. CT Sudip Sarkar was killed in action and then body of one unknown militant was also found in the vicinity with multiple gunshot injuries.

In this operation, S/Shri Anurag Ranjan, Sub Inspector, Abdul Hamid Rather, Head Constable, Amarjeet Singh, Constable and Navjot Singh, Constable of BSF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 08/11/2020.

(File No.11020/66/47/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 140-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Deepak Dhoundiyal	Commandant	PMG
2.	Jai Singh	Second-In- Command	PMG
3.	Kuldeep	Constable	PMG
4.	Rathod Ramesh Sahebrao	Constable	PMG
5.	RD Jeany Anal	Commandant	PMG
6.	Rakesh Kumar	Head Constable	PMG
7.	Mishri Singh Yadav	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29th January, 22 at about 1620 hr, based on intelligence input about the presence of terrorists with OGW in Naira area adjacent to Tahab, Pulwama, a CASO was conducted by CTT 183 CRPF, B/182 CRPF, SOG/JKP and 55 RR. The joint teams of CTT 183 CRPF, B/182 CRPF along with SOG and one Coy of 55 RR cordoned off 18 suspected houses in the target area.

At around 1945 hr, while laying the initial cordon, terrorists hiding in a house opened fire on the joint troops. The area was immediately encircled. On receipt of information about this, Shri Deepak Dhoundiyal, Commandant, 182 CRPF, along with Shri Jai Singh, 2 IC with Unit QAT, RD Jeany Anal, Commandant, 183 CRPF along with his QAT, CO 55 RR and SP Pulwama rushed to the spot. CTT 182 CRPF under the command of Shri Tulsi Das, AC and RR Coys were also mobilized to Naira. When the presence of the terrorists was confirmed in the residential house, the cordon was tightened. To prevent the possibility of collateral damage, it was decided that only officers with their buddies and selected soldiers would be positioned near the target house.

Shri Deepak Dhoundiyal, Commandant, 182 CRPF with CT Kuldeep took the position in the narrow lane from the North side, Shri Jai Singh, 2 IC with his buddy CT Rathod Ramesh Sahebrao was a bit further along the same narrow lane, CT Pankaj Mann and CT Krishna were slightly behind Shri Deepak Dhoundiyal, Commandant, 182 CRPF, Shri RD Jeany Anal, Commandant, 183 CRPF along with HC Rakesh Kumar, HC Mishri Singh Yadav and CT Narayan Das Dhurve deployed in the West to protect the houses located there. The troops of RR were deployed along with the Garud squad towards the drain and open space in the South. Concertina wires were put in place on possible escape routes. All the local people present in the target house were evacuated to safety. Repeated appeals were made to the terrorists to surrender but in vain. When the troops proceeded towards the target house, the terrorists opened fire on them which was retaliated.

At around 0025 hr, three terrorists hiding in the target house sprang out in the open lawn and started indiscriminate firing in three directions on the troops. The fire was effectively retaliated by the alert troops. Taking advantage of the darkness, these three terrorists ran together towards the narrow lane. On seeing them, Shri Deepak Dhoundiyal, Commandant, 182 CRPF and his buddy CT Kuldeep engaged them and without caring for their life, opened effective fire on the terrorists. Shri RD Jeany Anal, Commandant, 183 CRPF and his buddies HC Rakesh Kumar, HC Mishri Singh Yadav and CT Narayan Das Dhurve, who were positioned in the West direction, also opened effective fire on the terrorists. During the heavy exchange of fire, two terrorists were neutralized. After some time, the 3rd terrorist was also killed.

In the exchange of fire, Squadron Leader Sandeep Jhaharia of Garud sustained a bullet injury on his left shoulder. When he was being taken to the ambulance, a fourth terrorist hiding in the target house, suddenly appeared and started firing. In this firing, Garud Commando Anand sustained a bullet injury on his lower back. The immediate retaliation of joint troops cornered the fourth terrorist and compelled him to take shelter inside the target house. Both the injured Garud personnel were evacuated to 92 BH Srinagar for further treatment. The fourth terrorist continued firing on the troops by changing his position.

At around 0430 hr, a quad-copter was used and which located the fourth terrorist positioned in a narrow space, having a wall on two sides and a cowshed on the third side. The joint troops opened fire on the identified place and compelled the terrorist to come out in the open. As soon as the fourth terrorist came out in the open space, Shri Jai Singh, 2 IC and CT Rathod Ramesh Sahebrao already in position, opened fire on the terrorist. In this intense firing, the terrorist was badly injured and he took position behind the cowshed. The Duo exhibited courage and without caring for their lives, opened effective fire again on the terrorist and killed him at around 0500 hr.

During the post encounter search, the dead bodies of four terrorists were recovered along with Rifle AK-56-02, 5.56 mm Carbine M4-01, 9 mm Pistol- 01, 7.62 mm Pistol-01, AK magazines-05, Pistol magazines-02, 5.56 mm Carbine M4 magazines- 06, AK rounds-167, Pistol rounds-8, 5.56 mm Carbine M4 rounds-173, Chinese Hand Grenade-12 (Destroyed in Situ),

Night vision device 5.56mm Carbine M4-01 (Damaged), and other accessories. The slain terrorists were later identified as Zahid Manzoor Wani, Category A++, Kafeel @ Chhotu, Category A++, Wahid Ahmad Reshi, Category C and Anayatullah Mir, Category C, all of JeM outfit.

In this operation, S/Shri Deepak Dhoundiyal, Commandant, Jai Singh, Second-In-Command, Kuldeep, Constable, Rathod Ramesh Sahebrao, Constable, RD Jeany Anal, Commandant, Rakesh Kumar, Head Constable and Mishri Singh Yadav, Head Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 29/01/2022.

(File No-11020/02/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 141-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), Posthumously to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Shri Munna Yadav	Constable	PMG (Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10th May 2020, based on an input about presence of armed Maoists in general area of vill Dumri, Palnar, Timenar and Hiroli, PS Mirtur, Distt Bijapur, Chhattisgarh, a "B" level special joint operation was launched by troops of Special Action Team (SAT) of DIG Ops Bijapur, CAF, DRG and State Police.

On 10th May 2020 at 2215 hrs, after proper briefing and weighing the opportunities and threats, the troops advanced towards the target area stealthily. After traversing and manoeuvring through the dense forest, troops reached near the forest area of vill Kondawan at about 0300 hrs on 11 May 2020. At around 0500 hrs, troops laid an ambush up to 1000 hrs. Thereafter, as per plan, the entire party left for base camp and covered approx 03 Km distance. Meanwhile, a wireless message received from the SP Bijapur, directing party to make a halt and take a LUP in the night. The troops took position for LUP at a safe place, 100 meters away on a Tekri. After 20-25 minutes again a message received through DRG that the whole troops should return back to PS Mirtur. Thereafter, complying with the direction troops left the LUP and started moving towards the base camp. During the course of movement, team of DRG moved first, followed by CAF and Special Action Team. The SAT was moving in section 01, 02 & 03 formations. When the troops moved for about 400 meters, some suspicious movements of about 30- 40 armed male and female Maoists were observed by the section 03 of SAT.

All of sudden, Maoists opened indiscriminate fire with the intention to kill security forces and to snatch their weapons and troops retaliated in self- defense valiantly. Meanwhile, CT Munna Yadav, putting his life in danger crawled and advanced in firing direction and launched offensive assault on the Maoists, who were well-fortified in positions. The troops continued to fire and advanced without caring for their own safety and remained valiant. The coordinated counter attack stunned the Maoists and broke the Maoists ambush. Subsequent retaliation of troops in self-defense, from a close range, resulted in CT Munna Yadav, moving closer to the Maoists position, taking advantage of natural cover by adopting fire and move tactics. One of the Maoists, who was hiding under cover and could not be noticed by the troops, aimed and fired on CT Munna Yadav. The bullet hit on the right side of the neck of CT Munna Yadav and he succumbed to it on the spot. CT Munna Yadav, preserved with unflinching commitment, exhibited unparalleled bravery, fought valiantly and sacrificed his life on the altar of duty, in dislodging a well-trenched enemy who was protected by fortifications, astride over a dominating feature. The encounter continued for approx. 25 minutes, by that time Maoists fled, taking advantage of thick vegetation and undulating terrain, leaving behind lots of blood stains, which indicates that few Maoists were either killed or got seriously injured.

In this operation, Late Shri Munna Yadav, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 11/05/2020.

(File No-11020/ 07/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 142-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), Posthumously to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Late Shri Shanti Bhushan Tirkey	Assistant Commandant	PMG (Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12th February, 2022, based on a specific input received from reliable sources regarding presence of some suspected Maoists in the jungle area between Phutakel and Polampalli, PS Basaguda, Distt Bijapur, Chhattisgarh, a small team ops was launched by F coy of 168 CRPF and State Police.

Based on the input received, Shri Shanti Bhushan Tirkey, AC, along with QAT, consisting of 11 personnel on 6 motorcycles left from Timapur Base camp at about 0900 hr to the target towards the Phutakel and Polampalli area as per the input.

Upon reaching 900 meters short of Gida Vagu Nallha at around 0915 hr, Shri Shanti Bhushan Tirkey, AC instructed the party to take a strategic position, concealing themselves, and moved ahead on his bike with his buddy CT S Appa Rao to assess the situation. Suddenly, they came under heavy fire from about 35-40 Maoists. Despite the unanticipated attack, Shri Shanti Bhushan Tirkey, AC and his buddy retaliated valiantly. However, due to the indiscriminate and continuous firing from automatic weapons and BGL, one bike was hit and caught fire, ultimately burning completely. During the exchange of fire, Shri Shanti Bhushan Tirkey, AC, sustained severe bullet injuries. Despite excruciating pain, blood loss, and disorientation, he exhibited unwavering bravery and fought ferociously with the Maoists, until his last breath. Unfortunately, he sacrificed his life on the altar of duty while dislodging a well-entrenched enemy. During the course of firing, CT S Appa Rao also got a splinter injury in his leg and was further evacuated to safety.

In this operation, Late Shri Shanti Bhushan Tirkey, Assistant Commandant of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 12/02/2022.

(File No-11020/10/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 143-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Prashant Kumar	Deputy Commandant	PMG
2.	Bibha Basu Mahata	Constable	PMG
3.	Sushil Kumar Pandey	Deputy Commandant	PMG
4.	Sourab Bhadourey	Constable	PMG
5.	Anil Kumar	Constable	PMG
6.	Pawar Pandurang	Constable	PMG
7.	Ganesh Narayan Sharma	Constable	PMG
8.	Putta Pavan Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On a specific input about the presence of prominent Maoist leaders in the general area of Irrapalli, an operation involving 5 teams of 204 CoBRA, 3 Platoons of 151 CRPF, 9 teams each of 201, 206 and 208 CoBRA werelaunched on 09 February, 2020.

The teams of 204 CoBRA and 151 CRPF left Tippapuram Base Camp, around 1700 hrs. Advancing cross country, the troops reached near the target area around 0530 hrs on 10 February, 2020 and divided into 3 Strike Teams. Team 1, under the command of Shri Prashant Kumar, DC was tasked to cover the nearby hill, .264; Team 2 to lay cut offs around the target

area, while Team 3 led by Shri Sushil Kumar Pandey, DC advanced to hit the main target. When the troops had advanced approx 200 m, 3-4 Maoists were seen trying to plant IED. The troops chased the Maoists, who managed to escape, leaving behind an IED, weighing approx 5-7 kg and other items, which was destroyed, in situ.

At around 0800 hrs, Team 3 reached the main target area and started searching the surroundings. For effective and speedy search, Shri Sushil Kumar Pandey, DC, asked the Team 2 Commander, Shri Prashant Kumar, DC to reach the target area and join them. During the search, warlike stores were recovered from the area. This place was not only a Training Camp of the Maoists but the veritable bastion of 1st Bn PLGA.

Meanwhile, a group of heavily armed Maoists encircled the troops and opened indiscriminate fire at them. The troops, immediately, took positions and retaliated. During the fierce exchange of fire, Shri Prashant Kumar, DC saw some Maoists, fleeing from the right side and chased them. On the other side, Shri Sushil Kumar Pandey, DC displaying raw courage charged towards the Maoists along with CT Sourabh Bhadoureya. The audacious counter attack broke the Maoists ranks and they fled from the site leaving their dead cadre behind. While chasing the Maoists, the troops recovered the dead body of a Maoist, wearing black uniform along with a backpack containing explosives.

Shri Sushil Kumar Pandey, DC continued the search of the area and after dominating the area, he asked Shri Prashant Kumar, DC, who was chasing the Maoists, to reorganise. While Shri Prashant Kumar, DC along with his team was approaching height .264, the Maoists, in large numbers, opened heavy Fire upon them. The troops again took positions and retaliated. The party commander directed Scouts, CT Purnanand and CT Pawan Kumar to attack the Maoists from the flanks. Displaying exemplary courage and bravery, Scout CT Purnanand and CT Pawan Kumar advanced towards the Maoists. Amidst the raining bullets, CT Purnanand moved out of his cover and attacked the Maoists from the flanks, under the covering fire of CT Putta Pawan Kumar. However, in the process, CT Purnanand got hit by bullets. Despite, being severely injured, CT Purnanand resolutely continued Firing at the Maoists till he fell down.

Seeing his Colleague falling, Shri Prashant Kumar, DC, instructed CT Vikas Kumar to reach him and give first-aid, while he, along with CT Bibha Basu Mahata and CT Pawar Pandurang gave covering fire. CT Vikas Kumar, despite knowing that his life would be at grave risk, reached CT Purnanand, for providing first aid but he, also, got hit by bullets and attained martyrdom. Sensing the situation deteriorating, Shri Prashant Kumar, DC motivated his commandos and charged at the Maoists, from the front. In the fierce exchange of fire, Shri Prashant Kumar, DC, also got hit by bullets, in the abdomen and fell down, but kept commanding and guiding his troops to fight. Seeing his commander down, HC Ajeet Singh took the lead and held the front against the Maoists. He called the Operation Commander for reinforcements as Maoists had started encircling them. Thereafter, HC Ajeet Singh came out of the cover and fired HE Bombs on Maoists, to break their dominance. Seeing him in the open, Maoists opened indiscriminate fire at HC Ajeet Singh, inflicting severe bullet injuries on him. Despite being seriously wounded, HC Ajeet Singh did not lose his composure and fought gallantly, till the support from other teams reached there.

On the other side, while countering the attack of the Maoists, CT Putta Pawan Kumar, also got hit by a bullet, on his neck. Immediately, his fellow commando, CT Bibha Basu Mahata came in his support and fired UBGL grenades at the Maoists. His fearless and daring act broke the advance of Maoists. Meanwhile, CT Pawar Pandurang also joined CT Bibha Basu Mahata and augmented the counter attack. Using fire and move tactics, the duo advanced towards the Maoists; however, in the process, the duo also got hit. In spite of their grave injuries, they continued the counter attack. Seeing the critical situation at the front, CT Anil Kumar, who was fighting at the rear, rushed to support the leading component. Amidst the heavy exchange of fire, he reached the vanguard and augmented the counter attack. His timely support not only saved the lives of his fellow commandos but also prevented the Maoists from encircling the troops.

Meanwhile, Shri Sushil Kumar Pandey, DC also joined the front component, along with CT Ganesh Narayan Sharma and CT Sourab Bhadoureya, and launched a frontal attack. This unified counter attack broke the Maoist ranks and forced them to retreat.

The slain Maoist was identified as Karam Hunga, s/o Karam Soma, r/o Sarpanchpara, PS Gangaloor district Bijapur.

In this operation, S/Shri Prashant Kumar, Deputy Commandant, Bibha Basu Mahata, Constable, Sushil Kumar Pandey, Deputy Commandant, Sourab Bhadoureya, Constable, Anil Kumar, Constable, Pawar Pandurang, Constable, Ganesh Narayan Sharma, Constable and Putta Pawan Kumar, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 10/02/2020.

(File No-11020/78/48/2022 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 144-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG), 1st Bar to PMG and 6th Bar to PMG to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF) :—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Sanjay Kumar	Second-In-Command	6th BAR TO PMG
2.	Yogesh Kumar Sharma	Inspector	1st BAR TO PMG
3.	Kulajit Das	Constable	PMG
4.	Tariq Ahmad Dar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 4th March, 2019 at 1900 hrs, an input was received about the presence of terrorists in the residential house in Reshi Mohalla; Tral Payeen: an operation (CASO) was launched by 180 CRPF along with 42 RR and SOG, accordingly.

QAT and C Coy of 180 CRPF moved from different directions, and cordoned off the target house and adjoining 5 suspected houses. Thereafter, the proximate houses were searched and troops of QAT and C Coy of 180 CRPF, 42 RR and SOG took positions in the buildings. At about 2100 hrs, two joint search teams under the command Shri Sanjay Kumar, 2 IC Ops started evacuation of civilians.

On 05 March, 2019 at about 0130 hrs, during search of a three storey building, the terrorists hiding in an attic, lobbed hand grenades followed by firing.

The terrorists also covered the main door of the house, by taking positions on the upper floor and fired on search party trapped inside, resulting become very risky for party to exit from the main door. At about 0300 hrs with controlled blast of demolition set, a passage was made in the side wall of target house and search party was safely evacuated.

At about 0600 hrs, the terrorists continuously lobbed 3 hand grenades and fired indiscriminately. The troops also retaliated and severe firing took place resulting wooden structure and an attic came under fire. At about 0820 hrs, again, 2 hand grenades were lobbed by the terrorists and by taking advantage of darkness and dust, succeeded to escape in the gully. After a while, Shri Sanjay Kumar, 2 IC Ops, who was in position along with his buddy CT Kulajit Das at the main gate of Darool Uloom, noticed an armed man in army combat fatigue with AK 47. Unexpectedly, this terrorist speedily burst fire on to the officer and his buddy and tried to escape. But, Shri Sanjay Kumar, 2 IC and his buddy CT Kulajit Das, within no time, took position and effectively fired and neutralized the terrorist. The slain terrorist was later identified as Irfan Ahmad Rather @ Abu Talib S/o Gh Hassan Rather R/o Sharifabad, Tral of HM. 01 AK 47 Rifle, 02 Magazines with matching ammunition was recovered.

At about 1015 hrs, the second terrorist adjacent to the target house fired towards Inspector Yogesh Kumar Sharma and his buddy CT Tariq Ahmad Dar, but they immediately moved tactically to a position to locate the terrorist, despite grave risk to their life. The terrorist also noticed their movement and opened heavier firing but taking cover of pillars of veranda, Inspector Yogesh Kumar Sharma and CT Tariq Ahmad Dar retaliated and killed the terrorist near the temporary structure.

Later, the neutralized terrorist was identified as Adfar Fayaz @ Abu Zarar S/o Fayaz Ahmad Parrey R/o Gulshanpora, Tral of HM. 01 AK 47 with 01 Magazine with matching ammunition was recovered.

In this operation, S/Shri Sanjay Kumar, Second-In-Command, Yogesh Kumar Sharma, Inspector, Kulajit Das, Constable and Tariq Ahmad Dar, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 04/03/2019.

(File No-11020/47/2020 -PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 145-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Pintu Yadav	Second-In-Command	PMG

Sl. No.	Name of the Awardee S/Shri	Rank at the time of Action	Medal awarded
2.	Sanjay Singh	Sub Inspector	PMG
3.	Biswajit Kumbhakar	Constable	PMG
4.	Jaspreet Singh	Assistant Commandant	PMG
5.	Gireesh C G	Constable	PMG
6.	Pradip Kumar Yadav	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on the intelligence inputs received regarding the movement of dreaded armed Maoists Dasta led by Buddheshwar Oraon (Bihar Regional Committee Member), carrying a reward of 15 lakhs, near Kadaldag Pahar, an operation was planned by 203, 209 CoBRA, and 218 CRPF in consultation with Jharkhand Police.

On July 12, 2021, a joint operation was conducted in the dense forest area of Keragani, Kochagani, Kadaldag, Marwa, and Kurumgarh by the troops of 203, 209 CoBRA, 218 CRPF, Jharkhand Jaguar, and State Police. The area was challenging, with thick vegetation, steep slopes, boulders, and IEDs. As the troops were moving tactically, CT Biswajit Kumbhakar (Dog handler) with his Dog Drone was manoeuvring the core area with utmost caution to secure the way for the troops towards the target. On 13th July 21 at about 0730 hrs, while approaching the target, Dog Drone sniffed some suspicious substance. CT Biswajit Kumbhakar sensed the danger of an IED and commanded his Dog to revert. Unmindful of his safety, CT Biswajit Kumbhakar rushed to secure the Dog Drone, thereby unfortunately, detonating a pressure IED, resulting in the martyrdom of the Dog Drone and severe injuries to CT Biswajit Kumbhakar. By putting his life to risk he not only saved the life of remaining troops but also displayed his true camaraderie and bravery for the dog “Drone”. After evacuating the deceased Dog and the injured Dog handler, the troops commenced the search and took LUP.

Subsequently, on 14 July 21 on receipt of latest input, an operation was planned and launched afresh to nab the dreaded Maoist group led by Buddheshwar Oraon (RCM), under overall supervision of Shri Surender Kumar, Commandant, 209, CoBRA at about 2300 hrs. Accordingly, 04 SAT (Small Action Teams) were constituted under the overall command of Sh Pintu Yadav, 2 IC comprising SAT-A under the command of Shri Pintu Yadav, 2 IC, SAT-B under the command of Shri Jaspreet Singh, AC, SAT-C under the command of Shri Vikki Kumar Pandey, DC and SAT-D under the command of Shri Jitendra Singh, AC along with Jharkhand Police component. Troops moved for the target area at 0300 hr on 15 July 21. SAT-C Commanded by Shri Vikki Kumar Pandey, DC led the troops with SI Sanjay Singh in navigation. The troops tactically moved towards the target area by successfully negotiating undulating terrain, IED threats, thick vegetation and steep gradients with determination to strike the target against all odds.

SAT-D, under the command of Shri Jitendra Singh, AC took position near the target area at point P27 in the jungle. Two cut-offs were established around 100 to 150 meters west and east of the target at point P-34 to intercept Maoists attempting to escape in those directions. SATs A, B, and C proceeded towards the target area for a thorough search, despite the imminent threat of IEDs.

At approximately 08:52 am on July 15, 2021, while approaching the suspected target area, SAT-C, under the command of Shri Vikki Kumar Pandey, DC, and SI Sanjay Singh, observed suspicious movements and promptly alerted the troops. The commanders of SAT-A, SAT-B, and SAT-C proceeded with caution and stealth due to the imminent threat of pressure IEDs. Suddenly, the assault groups (SAT-A, SAT-B, and SAT-C) came under intense fire. The troops swiftly assumed defensive positions and issued a warning to the Maoists to surrender. However not heeding the warning, Maoists escalated their fire, aiming to eliminate the troops and seize their weapons. The CoBRA troops bravely withstood the Maoists' indiscriminate fire. The lack of adequate cover against the bullets made it increasingly challenging for the troops to maintain their position and advance towards the Maoists' fortified positions. The Maoists were utilizing automatic weapons from their well-defended positions.

At this critical juncture, Shri Pintu Yadav, 2 IC, along with Shri Vikki Kumar Pandey, DC, and Shri Jaspreet Singh, AC made the decision to launch a counter-attack against the Maoists in order to neutralize the threat to the troops. Shri Pintu Yadav, 2 IC, together with his buddy, CT Pradip Kumar Yadav, opened fire on the Maoists' fortified position and instructed the SAT (Small Action Teams) on their flanks to follow suit and retaliate. Leading from the front, Shri Pintu Yadav, 2 IC, ensured effective coordination and synergy among the SAT teams. Shri Vikki Kumar Pandey, DC, accompanied by SI Sanjay Singh and CT Vijay Oraon, took the lead and crawled towards the Maoist hideout despite the intense firing, displaying complete disregard for their own safety. They effectively retaliated, providing mutual support and causing significant damage to the Maoists position, forcing them to retreat. SAT-C provided cover fire for SAT-A and SAT-B. Shri Jaspreet Singh, AC, along with his buddy, CT Gireesh C G, coordinated with SAT-A and SAT-C. With exemplary leadership on the ground, the CoBRA troops demonstrated the utmost courage and grit in a coordinated manner, launching a precision assault on the Maoist fortified position.

Under pressure from the troops, the Maoists attempted to escape through the challenging terrain and thick vegetation from their fortified positions. Shri Vikki Kumar Pandey, DC, along with SI Sanjay Singh, CT Vijay Oraon, Shri Jaspreet Singh, AC, CT Gireesh C G, and their teams chased the fleeing Maoists for approximately 3 kilometres in a dense, undulating, and IED-prone jungle area. The chasing team encountered Maoist ambushes, inflicted significant casualties on the Maoists, and forced them to abandon their positions. The troops also discovered and safely destroyed 33 IEDs during the encounter. The troops displayed exceptional courage, unwavering determination, tactical prowess, and acts of bravery throughout the operation.

During the fierce encounter, the troops of 209 CoBRA successfully neutralized a prominent Maoist leader and retrieved his body, along with an AK47 weapon. The deceased Maoist was later identified as the notorious Buddheshwar Oraon, a Regional Committee Member of the Maoist organization. The Jharkhand Government had declared a reward of 15 lakh rupees for his capture. His elimination caused irreparable damage to the Maoist outfit and had a debilitating effect on the Maoist organization as a whole.

In this operation, S/Shri Pintu Yadav, Second-In-Command, Sanjay Singh, Sub Inspector, Biswajit Kumbhakar, Constable, Jaspreet Singh, Assistant Commandant, Gireesh C G, Constable and Pradip Kumar Yadav, Constable of CRPF displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 12/07/2021.

(File No-11020/72/2023-PMA)

S M SAMI
Under Secretary

No. 146-Pres/2023—The Hon'ble President of India is pleased to award the Police Medal for Gallantry (PMG) to the under mentioned Personnel of Ministry of Home Affairs:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Rank at the time of Action	Medal awarded
1.	Shri Varun Sharma	Assistant Central Intelligence Officer -I/ Executive	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

An input received from reliable source on April 21, 2022 revealed that two/three Jaish-e-Mohammed Fidayeens have reached Jalalabad area of Sunjawan, Jammu to carry out a Fidayeen attack in Jammu City prior to the visit of Prime Minister of India. Considering the veracity and implication of the input in the wake of visit of WIP, a team of Security Force personnel including Shri Varun Sharma was formed to neutralize the threat.

A cordon and search operation was initiated in the late night of April 21. During early hours of April 22, one of the cordon parties was attacked in which one SF personnel was killed and five others sustained injuries. Exhibiting death defying courage and presence of mind, Shri Varun Sharma along with other SF personnel evacuated the injured SF personnel from the road, located in front of the house, where Fidayeens had taken shelter and were firing intermittently. Two terrorists were killed in the retaliatory firing of SFs and huge quantity of arms and ammunitions, dry fruits, high energy drinks/chocolates, pain killer injections and medicines (Pak made), etc., were recovered from the site.

Despite grave danger to his life in the operation, Shri Varun Sharma remained involved in the operation and displayed conspicuous courage and devotion to duty. His fearlessness and impeccable professional commitment led to the successful operation against terrorists.

In this operation, Shri Varun Sharma, Assistant Central Intelligence Officer-I/Executive of Ministry of Home Affairs displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a higher order.

This award is made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5 with effect from 22/04/2022.

(File No.11020/13/2022-PMA)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 153-Pres/2023—The President is pleased to approve the award of the “Kirti Chakra” to the under mentioned personnel for the acts of conspicuous gallantry:—

1. LATE SHRI DILIP KUMAR DAS, INSPECTOR/GD, 210 CoBRA, CRPF (POSTHUMOUS)
2. LATE SHRI RAJ KUMAR YADAVA, HEAD CONSTABLE/GD, 210 CoBRA, CRPF (POSTHUMOUS)
3. LATE SHRI BABLU RABHA, CONSTABLE/GD, 210 CoBRA, CRPF (POSTHUMOUS)
4. LATE SHRI SAMBHU ROY, CONSTABLE /GD, 210 CoBRA, CRPF (POSTHUMOUS)

(Effective date of award: 03 April, 2021)

On 02 April 2021, based on a specific input regarding presence of 40-50 Maoists in the jungle area of village Aliguda and Jonaguda under PS Tarrem, Bijapur, Chhattisgarh, a joint special operation was planned and six strike teams were formed.

At around 0915 hrs on 03 April 2021, troops observed Maoist movement and informed the ops commander. Intense barrage of gunfire and explosive assaults were unleashed by the Maoists from the northern side of the hill. The troops assumed a defensive posture and countered the intense firing from the Maoists, despite suffering loss of life of CRPF personnel. Amidst intense firing from armed Maoists, HC/GD Raj Kumar Yadava, Ct/GD Sambhu Roy, Ct/GD Bablu Rabha and others engaged the Maoists with relentless firepower, inflicting casualties and retrieved the body of one CRPF personnel. The trio demonstrated remarkable bravery in retrieving the body and successfully evacuating all trapped personnel.

While advancing from the eastern side in village Tekalguriam, Team 1 and Team 2 encountered indiscriminate firing from Maoists. Team 2, with Insp/GD Dilip Kumar Das, Ct/GD Sambhu Roy, and other DRG commandos, displayed remarkable bravery, eliminating 4 to 5 Maoists and recovered the body of a Maoist along with 1 INSAS rifle, 26 INSAS live rounds, and 3 magazines.

However, while evacuating the injured personnel the chopper couldn't land due to intense firing, so injured personnel were evacuated to a secure area. The strikes organized themselves into a box formation, with teams 1 and 2 at the front, teams 3 and 6 at the rear, and teams 4 and 5 in the middle, responsible for evacuating the injured and deceased. Troops advanced despite relentless Maoist assault from the east and south, using BGLs/RPGs and automatic weapons. The Maoists intensified their firing, challenging the troops' rear position.

Evacuation was halted, and the team commanders decided to seek cover and engage the Maoists. The troops demonstrated exceptional courage and coordination, engaging in a fierce encounter for over 6 hours and inflicting significant casualties on the Maoists.

Eight brave commandos from 210 CoBRA, including Insp/GD Dilip Kumar Das, HC/GD Raj Kumar Yadava, Ct/GD Bablu Rabha and Ct/GD Sambhu Roy sacrificed their lives in the operation.

In recognition of their most extraordinary and conspicuous bravery, unflinching courage, indomitable will and supreme sacrifice, in the highest traditions of the force, Insp/GD Dilip Kumar Das, HC/GD Raj Kumar Yadava, Ct/GD Bablu Rabha and Ct/GD Sambhu Roy are awarded “KIRTI CHAKRA (POSTHUMOUS)”.

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 154- Pres/2023—The President is pleased to approve the award of the “Shaurya Chakra” to the under mentioned personnel for the acts of gallantry:—

1. IC-76052K MAJOR VIJAY VERMA, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of award: 05 October, 2022)

Since October 2021, Major Vijay Verma has exhibited inspiring leadership during conduct of 10 successful operations, resulting in elimination of 22 hardcore terrorists.

On 04 October 2022, upon receiving inputs of terrorist's presence in a village in Shopian district of Jammu & Kashmir, a search and cordon operation was launched. During the initial cordon, three terrorists fired indiscriminately, lobbing grenades on the cordon in a bid to escape. Realising mortal danger to his troops, Major Vijay Verma along with his buddy closed in, bringing heavy fire upon the terrorists, thereby blocking all escape routes. Under heavy fire, the officer in a one on one fire fight engaged the terrorists at close range resulting in elimination of one terrorist and injury to the others.

Concurrently, at around 0540 hours, Major Vijay Verma received inputs of terrorist movement in a nearby village, approximately seven kilometers from his location. Displaying situational awareness and without disturbing the tactical balance of his team, he marshalled critical resources to facilitate operation in the nearby village which resulted in elimination of one terrorist.

For displaying exemplary leadership and conspicuous gallantry in eliminating one hardcore terrorist, Major Vijay Verma is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

2. IC-76877P MAJOR VIKAS BHAMBHU, SENA MEDAL, 252 ARMY AVIATION SQUADRON (POSTHUMOUS)
3. IC-81741P MAJOR MUSTAFA BOHARA, 252 ARMY AVIATION SQUADRON (POSTHUMOUS)

(Effective date of award: 21 October, 2022)

On 21 October 2022, Major Vikas Bhambhu, as a pilot and Major Mustafa Bohara, as a co-pilot were on Intelligence Surveillance and Reconnaissance mission in RUDRA Helicopter along the border in Arunachal Pradesh. At 1028 hours post successful mission completion, 20 kilometers from the border, the helicopter caught fire in a catastrophic manner. This was an unprecedented catastrophic failure. There was rapid loss of altitude and variation in attitude with helicopter in extremities of limits. Both the pilots being in extreme physical and mental stress in a life threatening situation maintained exemplary composure and tried to regain control and fly away the helicopter from built up area and ammunition point of Mugging to save precious lives.

Both the Pilots had the liberty to land in open area near Mugging, however, this could have resulted in loss of civilian lives and damage to ammunition point due to fire. Facing a deadly situation Major Vikas Bhambhu and Major Mustafa Bohara, instead of saving their own life, displayed extraordinary courage and flying skills, steered the helicopter and crash landed away from habitant area, making supreme sacrifice in the highest traditions of Indian Army.

In recognition of their unfathomable courage, fortitude and professionalism of exceptional order, Major Vikas Bhambhu and Major Mustafa Bohara are awarded “SHAURYA CHAKRA (POSTHUMOUS)”.

4. IC-79120X MAJOR SACHIN NEGI, THE GRENADIERS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of award: 01 November, 2022)

Since November 2020, Major Sachin Negi has exhibited exceptional professionalism and bravery in six successful operations resulting in elimination of 14 terrorists.

Based on specific input of terrorist movement, Major Sachin Negi planned and established a Mobile Vehicle Check Post at a village in Pulwama district of Jammu & Kashmir. On being challenged, the terrorists in the vehicle opened indiscriminate fire and lobbed grenades on him. Displaying composure, presence of mind and tactical acumen, Major Sachin Negi retaliated immediately while simultaneously readjusting the teams to cover the likely escape routes. In a daring act of indomitable courage and leadership of the highest order, the officer crawled ahead to close in the terrorists location. The terrorists in a bid to escape, rushed out and came face to face with Major Sachin Negi at a distance of less than five meters. Displaying raw courage and nerves of steel, the officer dashed out of his cover with utter disregard to personal safety and engaged the terrorists, eliminating one terrorist and injuring the other.

For displaying exemplary leadership and valour of the highest order, Major Sachin Negi is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

5. SC-00905H MAJOR RAJENDRA PRASAD JAT, THE DOGRA REGIMENT, 62ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of award: 10 August, 2022)

Major Rajendra Prasad Jat has exhibited unparalleled valour and exceptional leadership in OPERATION WATREHAL, leading to elimination of three hardcore terrorists.

The officer planned and led the troops through inclement weather, maintaining surprise, trapped terrorists inside a house. Post contact, he led a team under hostile fire and engaged the terrorists forcing them to expose their location. Major Rajendra displaying presence of mind and tactical guile, effectively engaged the terrorists. However, the terrorist engaged his buddy with effective fire. Sensing mortal danger to his buddy and not caring about his personal safety, Major Rajendra moved out of cover, crawled forward and engaged the terrorist in close quarters. This daring act led to elimination of one hardcore terrorist.

Subsequently, second terrorist ran out of the house hurling grenades and firing towards the troops, Major Rajendra again changed his position, effectively engaged and injured the terrorist.

For his conspicuous bravery and stout leadership in going beyond the call of duty in the face of grave and imminent danger to his buddy, Major Rajendra Prasad Jat is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

6. SC-00971L MAJOR RAVINDER SINGH RAWAT, THE ARMoured CORPS, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of award: 30 August, 2022)

Since March 2020, Major Ravinder Singh Rawat has exhibited inspiring leadership during conduct of 11 successful operations, resulting in elimination of 28 hardcore terrorists.

On 30 August 2022, an input was received regarding presence of three terrorists in a village in Shopian district. While laying initial cordon, the officer spotted three terrorists trying to flee towards dense orchards. The officer changed his position immediately to cover the escape route. On spotting, the terrorists, in a bid to break cordon lobbed a grenade and opened indiscriminate fire towards the officer. Major Ravinder retaliated with precise fire and injured one terrorist who was subsequently neutralised by his buddy and thus prevented the terrorists from escaping.

Another terrorist hiding in concrete drain, taking advantage of dense undergrowth and diminishing light, opened indiscriminate fire and lobbed grenades. Realising mortal danger to his troops, the officer took initiative under grave mortal danger, approached close to the terrorist, entered the drain and eliminated him in close gunfight. The terrorist was identified as a hard core terrorist, who had earlier escaped cordons thrice, injuring own troops.

For displaying exemplary leadership and supreme gallantry, Major Ravinder Singh Rawat is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

7. 16013482F HAVILDAR VIVEK SINGH TOMAR, 5TH BATTALION THE RAJPUTANA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of award: 10 January, 2023)

On 10 January 2023 at 0800 hours, Havildar Vivek Singh Tomar while being deployed at forward post at an altitude of 18300 feet in Central Glacier under Operation MEGHDOOT noticed thick smoke emanating from a snow tent. The incident could have resulted in massive fire accident at forward post in Glacier, leading to possible threat to life of soldiers and loss of property. Having assessed the severity of situation, Havildar Vivek immediately rushed inside the tent to contain the situation. With total disregard to personal safety, he entered through dense smoke and managed to contain the situation with great difficulty and prevented major fire incident at the post.

Due to inhalation of smoke particles and injury to wind pipe his health deteriorated and he could not be evacuated from the forward post due to inclement weather. He fought fearlessly for 36 hours, but made supreme sacrifice on 11 January 2023.

For displaying distinctive raw courage and extreme bravery with utter disregard to personal safety, leading to safety of life of his comrades, Havildar Vivek Singh Tomar is awarded “SHAURYA CHAKRA (POSTHUMOUS)”.

8. 16022160H NAIK BHIM SINGH, THE RAJPUTANA RIFLES, 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

(Effective date of award: 26 September, 2022)

On 26 September 2022, on receiving intelligence about the presence of terrorist group in a village in South Kashmir, Naik Bhim Singh, serving as Combat Team Commander, led the initial cordon and search operation.

Naik Bhim Singh positioned himself in a tactically critical location. While civilians were being evacuated from the operation area, the terrorist opened indiscriminate fire and lobbed grenades towards civilians and injured an officer. Displaying exceptional situational awareness, Naik Bhim Singh pinned down the terrorist with accurate fire and extricated injured officer safely. Sensing grave danger to his team, Naik Bhim crawled towards holed up terrorist and took a risky position. At 1910 hours, a second attempt to escape was made by the terrorist by logging grenades and injured two civilians. In a split second reaction, Naik Bhim Singh charged out of his position, completely surprised the terrorist and neutralised him at point blank range.

During operation, Naik Bhim Singh displayed audacious bravery, heroic courage and valour with utter disregard for personal safety. Naik Bhim Singh is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

9. 13779235X RIFLEMAN KULBUSHAN MANTA, THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES, 52ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES (POSTHUMOUS)

(Effective date of award: 26 October, 2022)

Rifleman Kulbushan Manta was deployed in Operation RAKSHAK (Jammu and Kashmir) and was part of joint operation which was launched in Baramulla district of North Kashmir in October 2022.

Based on intelligence received from Jammu and Kashmir Police, the search party led by the Scout Riflemen Kulbushan Manta reached in close proximity of two terrorists. Sensing the threat, terrorists made a desperate attempt to flee. Rifleman Kulbushan Manta immediately swung into action and attempted to capture one of the terrorist alive. In the ensuing hand-to-hand combat, he overpowered the terrorist. The second terrorist frightened by the bold action opened up indiscriminate fire in which Rifleman Kulbushan Manta received a gunshot wound in his leg. Regardless of the grievous injury, he attempted to chase the fleeing terrorist and engaged him with heavy fire thus saving lives of own troops from terrorists fire. As a result of this gallant action, one terrorist was captured alive in this Operation while Rifleman Kulbushan Manta later succumbed to the injuries.

For his exemplary courage, immense tactical acumen, audacity and an indomitable spirit in the face of danger, Rifleman Kulbushan Manta is awarded “SHAURYA CHAKRA (POSTHUMOUS)”.

10. LATE SHRI SAFIULLAH QADRI, SG. CONSTABLE, J&K POLICE (NOW POSTHUMOUS)

(Effective date of award: 10 April, 2022)

On 10 April 2022, a specific input was received regarding presence of some unknown terrorists in Bishamber Nagar, Konkhan Dalgate Srinagar. During the search in the suspected area, the terrorists who were hiding in a house opened indiscriminate firing upon the search party followed by hurling of grenades to escape from the locality. The fire was retaliated by the search parties bravely and effectively and in the exchange of heavy fire between the two sides, six (06) personnel received bullet injuries.

Continuous tracking and follow-up on leads extracted from sources, Sg Ct Safiullah Qadri pin pointed the exact location of hidden terrorists. Sg Ct Safiullah Qadri was tasked to lead the inner cordon as he had already gained the tactical guile, professionalism and proficiency in various other counter terrorists operations so as to target the suspected house with precision without causing any collateral damage as the terrorists had put the family member including-women and children hostage. As soon as the process of evacuation of trapped family was started by Sg Ct Safiullah and his buddies through the window of target house, the terrorists noticed the same and lobbed grenades upon them. The brave official without caring about his personal safety, seized the initiative and engaged the terrorists and succeeded in neutralizing 2 terrorists, one of them was a category ‘A’ terrorist.

Later Sg Ct Safiullah Qadri fell prey to bullets on 24 May 2022 from terrorist and attained martyrdom. For displaying indomitable courage and undoubting bravery beyond call of duty in eliminating two terrorists, Sg Ct Safiullah Qadri is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

11. SHRI GAMIT MUKESH KUMAR, CONSTABLE/GD, 61 CRPF

(Effective date of award: 19 December, 2021)

On 19th Dec 21, based on the intelligence input about the presence of heavily armed terrorists inside Darbagh (Muftibagh), Srinagar, a joint operation was launched by Valley QAT, CRPF and SOG, JKP. Accordingly, 3 HITs of Valley QAT, CRPF were formed.

While establishing fire bases near the target house, suspicious movement was noticed. After due deliberation, it was decided to carry out the house intervention. Accordingly, the first team along with all ballistic and safety equipment tactically entered the house, Ct/GD Gamit Mukesh Kumar along with his buddy was directed to cover the right side room and stairs of the house. While they entered the room, the hiding terrorist lobbed a hand grenade followed by indiscriminate fire upon the HIT. Displaying tactical acumen and nerves of steel, Ct/GD Gamit Mukesh Kumar and his buddy took cover and retaliated effectively. Both gave cover fire to other teammates as well. Amid the raining bullets from the terrorist side, both stood undaunted and retaliated with great courage by tactically using the ballistic shield. Then, Ct/GD Gamit Mukesh Kumar crawled near to the position of the terrorist who was inside the dark room. On reaching closer to the terrorist, Ct/GD Gamit Mukesh Kumar grabbed and diverted the barrel of the terrorist’s rifle upwards, to prevent him from firing upon his buddy.

During this close hand-to-hand combat, the well-trained terrorist dropped a hand grenade on the floor intending to kill both of them and jumped outside the house, through the window. Ct/GD Gamit Mukesh and his buddy chased the terrorist and eliminated him in a veritable dogfight. Post-encounter, dead body of 01 terrorist was recovered along with 01 AK 56 Rifle, 03 AK 56 magazines, 27 live rounds and 01 grenade. The slain terrorist was later identified as category ‘A++’ terrorist.

In recognition of his exceptional bravery, raw courage and indomitable will, Ct/GD Gamit Mukesh Kumar is awarded “SHAURYA CHAKRA”.

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 155- Pres/2023—The President is pleased to approve the award of the “Bar to Sena Medal/Army Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-76180F MAJOR NITISH TYAGI, SENA MEDAL, 12TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
2. IC-80201K MAJOR A RANJITH KUMAR, SENA MEDAL, THE PARACHUTE REGIMENT, HIGH ALTITUDE WARFARE SCHOOL

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 156- Pres/2023—The President is pleased to approve the award of the “Sena Medal/Army Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. IC-64244P LIEUTENANT COLONEL YOGESH KUMAR SATI, 523 INTELLIGENCE & FIELD SECURITY UNIT
2. IC-71048X LIEUTENANT COLONEL DHRUV RAJAN, THE GRENADIERS, 29TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
3. IC-74633H MAJOR ABHIMANYU REPSWAL, THE ARMOURED CORPS, 22ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
4. IC-75393H MAJOR NEIKHOTSO SECU ANGAMI, 3RD BATTALION THE 8TH GORKHA RIFLES
5. IC-76219H MAJOR VIKAS GIRI, THE PARACHUTE REGIMENT, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
6. IC-77779F MAJOR ABHISHEK TYAGI, THE GRENADIERS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
7. IC-78013K MAJOR BORAWAKE APOORV SUHAS, THE CORPS OF ENGINEERS, 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
8. IC-78151L MAJOR AASHISH DHONCHAK, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
9. IC-78779N MAJOR NAVDEEP GOSWAMI, 6TH BATTALION THE JAT REGIMENT
10. IC-79029F MAJOR RISHABH NEGI, THE CORPS OF ENGINEERS, 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
11. IC-80202M MAJOR SANJAY SINGH JAMWAL, 4TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
12. IC-80568K MAJOR ABHISHEK KATOCH, 5TH BATTALION THE RAJPUT REGIMENT
13. IC-81592M MAJOR SAURABH KUMAR, 15TH BATTALION THE KUMAON REGIMENT
14. IC-81775H MAJOR RANJIT KUMAR, THE BRIGADE OF THE GUARDS, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
15. IC-83008H MAJOR SANTOSH KUMAR, 11 GORKHA RIFLES, 1ST BATTALION THE SIKKIM SCOUTS
16. IC-83108N MAJOR RISHABH KUMAR NASHINE, 9TH BATTALION THE DOGRA REGIMENT
17. IC-85077X MAJOR RONISH KUMAR, 19TH BATTALION THE PUNJAB REGIMENT
18. SC-00943Y MAJOR DHUMAL ROHAN SHAHAJI, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
19. SS-46282H MAJOR MAANAS NARLA, THE CORPS OF ENGINEERS, 30 (I) RECONNAISSANCE AND OBSERVATION FLIGHT
20. IC-86895L MAJOR JAIVEER YADAV, 2ND BATTALION THE BIHAR REGIMENT
21. SS-48532X MAJOR THAKRE AKASH ASHOK, 61 ENGINEER REGIMENT
22. SS-48926W MAJOR VIKAS LAMBA, 12TH BATTALION THE MAHAR REGIMENT

23. IC-82947Y CAPTAIN AAYUSH CHAUHAN, THE RAJPUTANA RIFLES, 9TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
24. IC-85483X CAPTAIN SAURABH GUPTA, 12TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
25. SS-50195M CAPTAIN CHETAN SINGH, THE CORPS OF SIGNALS, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
26. JC-247925L RISALDAR SANJAY KUMAR, 55 ARMOURED REGIMENT
27. JC-551984N NAIB SUBEDAR DIPTI KUMAR HAZWARI, 5TH BATTALION THE ASSAM REGIMENT
28. 3202898H HAVILDAR MANOJ KUMAR, THE JAT REGIMENT, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
29. 4008286N HAVILDAR ARUN KUMAR, THE DOGRA REGIMENT, 62ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
30. 4193965P HAVILDAR RANVEER SINGH, THE KUMAON REGIMENT, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
31. 4199936W HAVILDAR PRADEEP KUMAR SINGH, 15TH BATTALION THE KUMAON REGIMENT
32. 13630562K NAIK SOVINDRA KUMAR, 12TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
33. 18005135A NAIK DHARMVIR, THE CORPS OF ENGINEERS, 3RD BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
34. 19002538L NAIK HARDEEP SINGH, 24TH BATTALION THE SIKH REGIMENT
35. 2706631X NAIK MUNISH KUMAR, THE GRENADIERS, 55TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
36. 3012008F NAIK SATYENDRA SINGH, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
37. 3012377Y NAIK KHEMCHAND, 5TH BATTALION THE RAJPUT REGIMENT
38. 4486359P NAIK HARJINDER SINGH, THE SIKH LIGHT INFANTRY, 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
39. 9114169H NAIK RAFIQ AHMAD MIR, THE JAMMU AND KASHMIR LIGHT INFANTRY, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
40. 20004865Y LANCE NAIK ABHISHEK, THE DOGRA REGIMENT, 62ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
41. 3018169A LANCE NAIK SANWRA CHOUDHARY, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
42. 20007762L SEPOY YASHWANT SINGH, THE DOGRA REGIMENT, 62ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
43. 2518207X SEPOY AKASHDEEP SINGH, 18TH BATTALION THE PUNJAB REGIMENT
44. 3016460N SEPOY SATERAM, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
45. 3018182K SEPOY LAKSHMI NARAYAN ADHANA, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
46. 3018252X SEPOY DHAN SINGH GURJAR, THE RAJPUT REGIMENT, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
47. 3211310X SEPOY VIKASH, THE JAT REGIMENT, 34TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
48. 12975042N RIFLEMAN SHAHEEN HUSAIN GANIE, 162 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY)
49. 15511217Y SOWAR RAVI SHARMA, THE ARMOURED CORPS, 22ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

50. 16123961L SAPPER VISHAL YADAV, THE CORPS OF ENGINEERS, 44TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
51. 2713315F GRENADIER SALIM KHAN, THE GRENADIERS, 29TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
52. 15251500W GUNNER RAMALINGAM K, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 19TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 157- Pres/2023—The President is pleased to approve the award of the “Nao Sena Medal/ Navy Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. LIEUTENANT COMMANDER PANNEERSELVAM VISHNU PRASANNA (08495-F)
2. COMMANDER KAUSTAB BANERJEE (06158-W)
3. COMMANDER HANISH SINGH KARKI (05093-Z)

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 158- Pres/2023—The President is pleased to approve the award of the “Vayu Sena Medal/Air Force Medal” to the under mentioned personnel for the acts of exceptional courage:—

1. WING COMMANDER SHIV KUMAR CHAUHAN (28472) FLYING (PILOT)
2. WING COMMANDER SHREY TOMAR (30170) FLYING (PILOT)
3. SQUADRON LEADER GL VINEETH (31529) FLYING (PILOT)
4. FLIGHT LIEUTENANT PRADEEP MURUGAN (36071) MET/GARUD

S.M. SAMI
Under Secretary

No. 159 - Pres/2023—The President is pleased to give orders for publication in the Gazette of India of the names of the under mentioned officers/personnel for “Mention in Despatches” received by the Raksha Mantri from the “Chief of the Army Staff”:—

OPERATION RAKSHAK

1. IC-64239K LIEUTENANT COLONEL GIMMY THOMAS, 207 ARMY AVIATION SQUADRON (UTILITY HELICOPTER)
2. IC-72069A MAJOR AJIT KUMAR ROUT, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (RECONNAISSANCE AND OBSERVATION)
3. IC-77241A MAJOR JAIDEEP JAKHAR, THE DOGRA REGIMENT, 62ND BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
4. IC-82779L MAJOR AMANDEEP SINGH, 6TH BATTALION THE JAMMU AND KASHMIR RIFLES
5. SS-49906P MAJOR ANKIT, 17TH BATTALION THE SIKH LIGHT INFANTRY
6. 4580203W HAVILDAR AMANDEEP RANA, 12TH BATTALION THE MAHAR REGIMENT
7. 12974354X NAIK BASHIR AHMAD GANAI, 162 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY)
8. 7244077N ACTING LANCE DAFADAR MOHD IBRAHIM KHAN MUSTUFA KHAN, 21 ARMY DOG UNIT
9. 4205174M SEPOY YUDHVEER, THE KUMAON REGIMENT, 50TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES

10. 8B99 ARMY DOG MADHU, 21 ARMY DOG UNIT (POSTHUMOUS)

OPERATION SNOW LEOPARD

11. SS-44547H LIEUTENANT COLONEL AAKASH MAJUMDAR, THE ARMOURED CORPS, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (RECONNAISSANCE AND OBSERVATION)
12. IC-79220H MAJOR JASVINDER CHAUHAN, THE REGIMENT OF ARTILLERY, 666 ARMY AVIATION SQUADRON (RECONNAISSANCE AND OBSERVATION)
13. IC-81520H MAJOR PRATEEK BIST, 12TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT
14. SS-49899K CAPTAIN RAHUL KAUSHAL, THE CORPS OF ENGINEERS, 5TH BATTALION THE RASHTRIYA RIFLES
15. 15168221M HAVILDAR MADHUKAR KUMAR, 139 MEDIUM REGIMENT
16. 00073247K TRAINEE RAPTEN PHUNTSOK, HEADQUARTERS SPECIAL FRONTIER FORCE

OPERATION CASUALTY EVACUATION

17. IC-67128X LIEUTENANT COLONEL VIKRAMJIT SINGH, 659 ARMY AVIATION SQUADRON (RECONNAISSANCE AND OBSERVATION)
18. IC-71283W LIEUTENANT COLONEL ROSHNIKANTA IRUNGBAM, 209 ARMY AVIATION SQUADRON (UTILITY HELICOPTER)

OPERATION MOUNT CHOMO

19. IC-83294P CAPTAIN NAVNEET SINGH RANA, 11TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

OPERATION PANGSAU PASS

20. JC-192911H NAIB SUBEDAR JARNAIL SINGH, 19 ASSAM RIFLES
21. G/5013009H RIFLEMAN TIDIP SIKSA, 19 ASSAM RIFLES

OPERATION MEGHDOOT

22. 13626980F HAVILDAR JAGJIT SINGH, 9TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)
23. 4483607P HAVILDAR LOVEJIT SINGH, 10TH BATTALION THE SIKH LIGHT INFANTRY

OPERATION ORCHID

24. G/3200992N HAVILDAR RAI SINGH UIKEY, 32 ASSAM RIFLES

OPERATION KALISHAM VALLEY

25. 13626896F HAVILDAR JAGROOP SINGH, 11TH BATTALION THE PARACHUTE REGIMENT (SPECIAL FORCES)

OPERATION RESCUE

26. 15583031L NAIK ARAVIND KUMAR MAURYA, 236 INLAND WATER TRANSPORT OPERATING UNIT ENGINEERS

OPERATION CUCUMBER

27. IC-79986M MAJOR PARAMBEER SINGH, 8TH BATTALION THE SIKH REGIMENT
28. 5050882X NAIK MAHESH SHRESTHA, 1ST BATTALION OF THE 1ST GORKHA RIFLES

OPERATION SEARCH & RESCUE

29. TA-42681P MAJOR NONGMEIKAPAM DANISH, 107 INFANTRY BATTALION (TERRITORIAL ARMY)

OPERATION SASER LA

30. IC-86130K CAPTAIN ABHISHEK DHAKA, 4TH BATTALION THE LADAKH SCOUTS

S.M. SAMI
Under Secretary

No.160 - Pres/2023—The President is pleased to give orders for publication in the Gazette of India of the names of the under mentioned officers/personnel for “Mention in Despatches” received by the Raksha Mantri from the “Chief of the Air Staff”:—

OPERATION EVECUATION

1. WING COMMANDER ASHISH KAPOOR (28218) FLYING PILOT

S.M. SAMI
Under SecretaryMINISTRY OF LAW AND JUSTICE
(LEGISLATIVE DEPARTMENT)

New Delhi, the 8th December 2023

Resolution

No. E.4(1)/2019-O.L.(L.D.)—In the partial modification of this Department’s Resolution of even No. dated 11th May, 2023 regarding reconstitution of Hindi Salahkar Samiti of the Ministry of Law and Justice the composition of the said Samiti will be as follows:—

1.	Minister of State for Law and Justice (IC)	:	Chairman
2.	Shri Pratap Chandra Sarangi, Member of Parliament (Lok Sabha)	:	Member
3.	Shri Ashok Kumar Yadav, Member of Parliament (Lok Sabha)	:	Member
4.	Shri Arun Singh, Member of Parliament (Rajya Sabha)	:	Member
5.	Dr. Anil Sukhdeorao Bonde, Member of Parliament (Rajya Sabha)	:	
6.	Shri Shrirang Appa Barne, Member of Parliament (Lok Sabha), Representative of Committee of Parliament on Official Language	:	Member
7.	Shri Harnath Singh Yadav, Member of Parliament (Rajya Sabha), Representative of Committee of Parliament on Official Language	:	Member
8.	Shri Mohan Prakash Dube, Representative of Kendriya Sachivalaya Hindi Parishad	:	Member
9.	Prof. Kusumakar Pandey, Representative of Nagari Pracharini Sabha, Varanasi	:	Member
10.	Dr. Devenchandra Das, H.N, 09, Tetelia, Maligaon, Guwahati-781011	:	Member
11.	Prof. Dr. Yogendra Mishra, Lohia Chowk, Mumukshu Bhawan, Assi, Varanasi-221005, U.P.	:	Member
12.	Smt. Vaishali Tomar, Rajvilla, Anamika Enclave, Sector-14, Old Delhi Road, Gurugram-122001	:	Member
13.	Dr. Ruchi Chaturvedi, 103, Ganpati Dham, N.H.2, Sikandra, Agra-282007	:	Member
14.	Shri Pintu Mondal, A-2001, Symphony Ltd, 3rd Floor, Cross Lane, Veera Desai Lokhandwala, Andheri West, Mumbai.	:	Member
15.	Smt. Suman Singh, Vill- Lahurapur, PO- Bhojapur, PS- Mardah, Distt- Ghazipur, UP-233226	:	Member
16.	Smt. Abha Gautam, Flat No. 102, Om Shri Inspire, Nirav Nikunj Colony, Sikandara, Agra-282007	:	Member
17.	Secretary, Legislative Department	:	Member
18.	Secretary, Department of Legal Affairs	:	Member
19.	Secretary, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs and Hindi Adviser to the Government of India,	:	Member
20.	Additional Secretary, Legislative Department	:	Member

21.	Additional Secretary, Department of Legal Affairs (Incharge, Official Language)	:	Member
22.	Joint Secretary & Legislative Counsel, Legislative Department	:	Member
23.	Joint Secretary & Legal Advisor (Admn.) Department of Legal Affairs	:	
24.	Joint Secretary, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs	:	Member
25.	Chief Editor, Vidhi Sahitya Prakahsan	:	Member
26.	Joint Secretary & Legislative Counsel, Official Language Wing	:	Member-Secretary

ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to:—

President's Secretariat / Prime Minister's Office / Cabinet Secretariat / Ministry of Parliamentary Affairs / Lok Sabha Secretariat / Rajya Sabha Secretariat / C.A.G. of India/ U.P.S.C./ NITI Aayog / Director of Audit, Central Revenues, New Delhi, and all Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India and uploaded on the website of this Department for general information.

UDAYA KUMARA
Additional Secretary